THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 209 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) कार्तिक शु.5 2082 रविवार, 26 अक्टूबर-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

भारत की एनर्जी ट्रांजिशन की यात्रा किसानों की समृद्धि का मार्ग बन रही : हरदीप सिंह पुरी

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शनिवार को कहा कि पीएम मोदी के मार्गदर्शन में भारत की एनर्जी ट्रांजिशन की यात्रा न केवल हरित ईंधन की ओर बढ़ रही है बल्कि यह किसानों की समृद्धि का मार्ग भी बन रही है। केंद्रीय मंत्री पुरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर संसद टीवी की बंबू किसानों से हुई बातचीत का एक वीडियो साझा करते हुए लिखा, भारत की एनर्जी ट्रांजिशन की यात्रा किसानों की आय भी बढ़ा रही है।

'एक बेटा सीएम, दूसरा पीएम बनने में लगा'

> लालू-राबड़ी और सोनिया पर करारा प्रहार > विकास ही एनडीए का लक्ष्य

मुंगेर, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को मुंगेर के नौवागढ़ी खेल मैदान में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) प्रत्याशी के समर्थन में विशाल जनसभा को संबोधित किया।

सभा के दौरान उन्होंने बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी, राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और कांग्रेस सांसद एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा। शाह ने कहा कि लालू प्रसाद यादव अपने बेटे तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाने में लगे हैं, वहीं सोनिया गांधी अपने बेटे राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाने की कोशिश में हैं। ऐसे लोग देश और बिहार का विकास क्या करेंगे? अमित शाह ने कहा कि एनडीए सरकार ने बिहार को जंगलराज से मुक्त कर विकास की राह पर अग्रसर किया है। उन्होंने लालू-राबड़ी शासनकाल की याद दिलाते हुए कहा कि उस समय अपहरण उद्योग और अपराधियों का बोलबाला था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में आज बिहार विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

धारा 370 और राम मंदिर का जिक्र

अपने संबोधन में गृह मंत्री ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के निर्णय को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि यह कदम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संभव हो पाया है। शाह ने आगे कहा कि जिस तरह अयोध्या में भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर बन रहा है, उसी प्रकार बिहार के सीतामढ़ी के पुनौरा धाम में मां जानकी का सीता मंदिर भी निर्मित होगा।

सीताकुंड को रामायण सर्किट से जोड़ा जाएगा

अमित शाह ने मुंगेर जिले के प्रसिद्ध सीताकुंड तीर्थस्थान को भी रामायण सर्किट से जोड़ने की घोषणा की।

उन्होंने कहा कि इससे धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और क्षेत्र का आर्थिक विकास होगा। सभा के अंत में गृह मंत्री ने मुंगेर, जमालपुर, तारापुर और लखीसराय जिले की सूर्यगढ़ा विधानसभा सीटों के मतदाताओं से एनडीए प्रत्याशियों के पक्ष में 6 नवंबर को मतदान करने की अपील की।

पाकिस्तान ने एयरस्पेस 2 दिन के लिए बंद किया

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने भारत के सैन्य अभ्यास 'त्रिशूल' के पहले मध्य और दक्षिणी एयरस्पेस (राजस्थान-गुजरात से सटे इलाके) को 28 और 29 अक्टूबर को बंद करने का फैसला किया। शनिवार को जारी (नोटिस टू एयरमैन) के अनुसार, दो दिन इन इलाकों में हवाई मार्ग उपलब्ध नहीं रहेगा और उड़ानों पर रोक रहेगी।

हालांकि, पाकिस्तान ने इस कदम के पीछे कोई आधिकारिक कारण नहीं बताया। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि यह किसी सैन्य अभ्यास या हथियार परीक्षण से जुड़ा हो सकता है। वहीं, जानकार इसे सैन्य अभ्यास 'त्रिशूल' से जोड़कर देख रहे हैं। यह अभ्यास सर क्रीक के पास, यानी पाकिस्तान की सीमा से सटे इलाके में होगा।

कुरनूल बस हादसा-ड्राइवर, क्लीनर गिरफ्तार

दावा-बस में रखे 234 स्मार्ट फोन में ब्लास्ट से भड़की आग टकराने वाला बाइक सवार नशे में था

कुरनूल, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के कुरनूल में हुए बस हादसे में एक नया खुलासा हुआ है। शुक्रवार सुबह जिस बस में आग लगने से 20 यात्रियों की जलकर मौत हुई, उसमें 234 स्मार्टफोन रखे हुए थे। रिपोर्ट के मुताबिक, फोरेंसिक टीम का कहना है कि इन फोन की बैटरी में ब्लास्ट के कारण ही आग तेजी से भड़की, जिससे यात्रियों को बचने का मौका नहीं मिला। इधर, कुरनूल पुलिस ने हादसे के बाद भागे ड्राइवर मिरियाला लक्ष्मैया और क्लीनर को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के मुताबिक आग लगने के बाद जब बस रुकी, तो दोनों पैसेंजर डोर से बाहर कूद गए। उन्हें हादसे की गंभीरता का अंदाजा नहीं था। एनएच-44 पर चिन्नातेकुरु गांव के पास बस और बाइक के बीच टक्कर होने से 20 लोगों की जलकर मौत हुई, इनमें 17 यात्री और एक टक्कर मारने वाला बाइक सवार शामिल है। 19 यात्रियों ने बस से कूदकर जान बचाई। बुरी तरह झुलसे घायलों को सरकारी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। इधर, एक वीडियो सामने आया है, जिसे लेकर दावा किया जा रहा है कि वह बस से टकराने वाला बाइक सवार शिवशंकर ही है। वह नशे में धुत था। यह सीसीटीवी फुटेज घटनास्थल के पास के पेट्रोल पंप का बताया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक बस में जिन 234 स्मार्टफोन में ब्लास्ट से आग भड़की, उनकी कीमत करीब 46 लाख रुपये थी। इन्हें हैदराबाद के एक व्यापारी मंगनाथ, पार्सल के जरिए बेंगलुरू भेज रहे थे। यह खेप ई-कॉमर्स कंपनी को पहुंचनी थी। चश्मदीदों ने बताया कि आग लगने के साथ ही बैटरियों के फटने की आवाज भी सुनाई दी।

फायर ब्रिगेड के डीआईजी पी वेंकटरमन ने बताया कि स्मार्टफोन के अलावा बस के एयर कंडीशनिंग सिस्टम में इस्तेमाल होने वाली इलेक्ट्रिक बैटरियां भी फट गईं। आग इतनी भयानक थी कि बस के फर्श पर लगी एल्युमीनियम शीटें पिघल गईं।

गडकरी के पास मंच पर भिड़ीं दो महिला अफसर

धक्का-मुक्की से लेकर चिकोटी तक...

नागपुर, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नागपुर में एक सरकारी कार्यक्रम के दौरान अजीबोगरीब घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसने चर्चाओं के बाजार को पूरी तरह गर्म कर दिया। साथ ही इस वीडियो को देखने के बाद लोगों के मन में सवाल और हैरानी दोनों है। ये घटनाक्रम तभी का है जब केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की मौजूदगी में दो महिला अफसरों के बीच झगड़ा हो गया, वो भी मंच पर, सबके सामने।

बता दें कि यह वाकया रोजगार मेले के दौरान हुआ, जब पोस्टमास्टर जनरल शोभा मधले और सुचिता जोशी एक ही सोफे पर बैठी थीं। अचानक दोनों के बीच विवाद बढ़ा और मधले ने जोशी को कोहनी से धक्का दिया, उनका हाथ झटका और यहां तक कि चिकोटी भी काट दी। यह पूरा वाकया कैमरे में कैद हो गया और सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया।

कहां हैं 12 हजार स्पेशल ट्रेन? : राहुल गांधी

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने त्योहारों के मौसम में कई रेलगाड़ियों में यात्रियों की भीड़ होने को लेकर शनिवार को केंद्र और बिहार की सरकार पर निशाना साधा। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि फेल डबल इंजन सरकार के दावे खोखले साबित हुए हैं। राहुल गांधी ने यह सवाल भी किया कि 12,000 स्पेशल ट्रेन कहां हैं?

रेल मंत्रालय ने एक अक्टूबर से 30 नवंबर, 2025 तक निर्धारित 12,011 रेल यात्राओं (रेलगाड़ियों के फेरों) की सूची पिछले दिनों जारी की थी। इसमें बताया गया था कि त्योहारों के दौरान भारी भीड़ को देखते हुए देश के विभिन्न स्थानों से प्रतिदिन औसतन 196 विशेष रेलगाड़ियां चलाई जा रही हैं। अब तक एक दिन में संचालित विशेष रेलगाड़ियों की सबसे अधिक संख्या 18 अक्टूबर को लगभग 280 थी, जबकि सबसे कम आठ अक्टूबर को लगभग 166 थी। राहुल गांधी ने कुछ रेलगाड़ियों में यात्रियों की भीड़ से जुड़े वीडियो साझा करते हुए एक्स पर पोस्ट किया, त्योहारों का महीना है- दिवाली, भाईदूज, छठ। बिहार में इन त्यौहारों का मतलब सिर्फ आस्था नहीं, घर लौटने की लालसा है- मिट्टी की खुशबू, परिवार का स्नेह, गांव का अपनापन। लेकिन यह लालसा अब एक संघर्ष बन चुकी है।

राहुल गांधी ने कहा, बिहार जाने वाली ट्रेनें ठसाठस भरी हैं, टिकट मिलना असंभव है और सफर अमानवीय हो गया है। कई ट्रेनों में क्षमता से 200 प्रतिशत तक यात्री सवार हैं- लोग दरवाजों और छतों तक लटके हैं। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि फेल डबल इंजन सरकार के दावे खोखले हैं।

तमिलनाडु और आंध्र तट पर भारी बारिश और तूफानी मौसम की चेतावनी

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने देश के कुछ राज्यों में बारिश और मौसम बदलने की चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग के अनुसार, बंगाल की खाड़ी में बना निम्न दबाव का क्षेत्र तेज होकर गहरे दबाव, फिर चक्रवात और आखिर में गंभीर चक्रवाती तूफान में बदल सकता है। मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार यह तूफान 28 अक्तूबर की शाम या रात को माचिलीपट्टनम और कलिंगापट्टनम के बीच काकिनाडा के पास आंध्र प्रदेश तट को पार कर सकता है। चेन्नई स्थित क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र द्वारा जारी एक बुलेटिन के अनुसार, यह दबाव क्षेत्र लगभग पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ सकता है, 26 अक्तूबर तक एक गहरे दबाव क्षेत्र में तब्दील हो सकता है और 27 अक्तूबर तक दक्षिण-पश्चिम और उससे सटे पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक चक्रवाती तूफान में तब्दील हो सकता है। बाद में, 28 अक्तूबर की सुबह तक इसके एक गंभीर चक्रवाती तूफान में तब्दील होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, इस दौरान तेज हवा की गति 90-100 किमी/घंटा, झोंकों के साथ 110 किमी/घंटा तक पहुंच सकती है।

आईएसआईएस की पोशाक पहनकर ली शपथ

दिल्ली को दहलाने के नए प्लान का खुलासा

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश में एक बार फिर से आईएसआईएस के आतंकी अपने पांव पसारने की कोशिश में लग गए हैं। दिल्ली पुलिस ने बीते शुक्रवार को दो संदिग्ध आईएसआईएस आतंकवादियों को गिरफ्तार किया था। जो राष्ट्रीय राजधानी के भीड़भाड़ वाले इलाके में कथित तौर पर आतंकवादी हमले की साजिश रच रहे थे। इन इलाकों में दक्षिणी दिल्ली का एक मॉल और एक सार्वजनिक पार्क शामिल था। पुलिस ने उनके कब्जे से आपत्तिजनक सामग्री बरामद की जिसमें एक वीडियो भी है जिसमें वे आईएसआईएस के प्रति 'वफादारी की शपथ' ले रहे हैं। उन स्थानों की तस्वीरें भी मिली हैं जहां वे दिल्ली में विस्फोट करने की साजिश रच रहे थे।

पूरे देश में वोटर लिस्ट का एसआईआर अगले हफ्ते से

चुनावी राज्यों से शुरूआत, पश्चिम बंगाल समेत 5 राज्यों में अगले साल चुनाव

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। चुनाव आयोग अगले हफ्ते से पूरे देश में वोटर लिस्ट का स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (एसआईआर) शुरू करेगा। इसकी शुरूआत 10-15 राज्यों से होगी। उन राज्यों में एसआईआर पहले होगी, जहां अगले एक साल में विधानसभा चुनाव होना हैं। असम, तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल और पश्चिम बंगाल में 2026 में विधानसभा चुनाव होना हैं।

चुनाव आयोग के अधिकारी ने बताया, उन राज्यों में एसआईआर अभी नहीं होगा, जहां स्थानीय निकायों के चुनाव होना हैं। इसका कारण है कि निचले स्तर पर कर्मचारी उन चुनाव में व्यस्त होंगे। वे एसआईआर के लिए समय नहीं निकाल पाएंगे। चुनाव के बाद इन राज्यों में एसआईआर होगा। आयोग ने एसआईआर लागू करने की रूपरेखा को अंतिम रूप देने के लिए राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) के साथ हाल ही में दो बैठकें की हैं। कई सीईओ ने अपनी पिछली एसआईआर के बाद जारी की गई वोटर लिस्ट संबंधित राज्यों की वेबसाइट्स पर डाल दी है।

दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर 2008 की वोटर लिस्ट है। वहां 2008 में एसआईआर हुई थी।

उत्तराखंड में, अंतिम बार एसआईआर 2006 में हुई थी वहां तब की वोटर लिस्ट अब राज्य सीईओ की वेबसाइट पर है। बिहार में भी हाल में वोटर वैरिफिकेशन हुआ है। फाइनल डेटा एक अक्टूबर को जारी किया गया।

अंतिम एसआईआर कट-ऑफ डेट के रूप में काम करेगी :

राज्यों में अंतिम एसआईआर कट-ऑफ डेट के रूप में काम करेगी, ठीक उसी तरह जैसे बिहार की 2003 की वोटर लिस्ट का उपयोग चुनाव आयोग ने एसआईआर के लिए किया था। अधिकांश राज्यों में वोटर लिस्ट का अंतिम बार एसआईआर 2002 और 2004 के बीच हुआ था।

अधिकांश राज्यों ने अपने-अपने राज्यों या केंद्र शासित प्रदेशों में हुए अंतिम एसआईआर के अनुसार वर्तमान वोटर्स का मिलान लगभग पूरा कर लिया है। एसआईआर का प्राथमिक उद्देश्य विदेशी अवैध प्रवासियों के जन्म स्थान की जांच करके उन्हें बाहर निकालना है। यह कदम बांग्लादेश और म्यांमार सहित विभिन्न राज्यों में अवैध प्रवासियों पर कार्रवाई के मद्देनजर महत्वपूर्ण है।

डीके शिवकुमार ने तेजस्वी सूर्या को बताया 'खाली डिब्बा'

बेंगलूरू, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। कर्नाटक में टनल रोड परियोजना को राजानीति विवाद अपने चरम पर पहुंच गया है। ऐसे में अब कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शनिवार को भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या को टनल रोड परियोजना का विरोध करने पर खाली डिब्बा करार दिया। शिवकुमार ने पूछा कि तेजस्वी और उनकी पार्टी ने ट्रैफिक की समस्या को हल करने में क्या योगदान दिया है। भाजपाई केवल पीआईएल डाल रहे हैं। इस दौरान जमीन अधिकरण को लेकर भी शिवकुमार ने कर्नाटक सरकार का रुख स्पष्ट किया।

उन्होंने बताया कि परियोजना के लिए कोई जमीन अधिग्रहित नहीं की जा रही, केवल क्राइस्ट कॉलेज/यूनिवर्सिटी के पास थोड़ा सा हिस्सा इस्तेमाल होगा। उन्होंने कहा कि इतिहासिक लालबाग को कोई नुकसान नहीं होगा, यह टनल भूमिगत होकर गुजरेगा।

प्राण प्रतिष्ठा के बाद अब 'ध्वजारोहण'

राम मंदिर के शिखर पर पीएम मोदी फहराएंगे 22 फीट का धर्म ध्वज

अयोध्या, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। अयोध्या में राम मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण कार्यक्रम की तैयारियां तेज हो गई हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होंगे और आगामी 25 नवंबर को राम मंदिर के शिखर पर 22 फीट लंबा और 11 फीट चौड़ा ध्वज फहराएंगे। यह समारोह भव्य प्राण प्रतिष्ठा समारोह की तरह ही भव्य होगा और राम मंदिर का निर्माण कार्य पूरा होने का प्रतीक भी होगा। अयोध्या में इस आयोजन के लिए 25 नवंबर को वरिष्ठ भाजपा नेताओं का एक बड़ा जमावड़ा होगा, जो पार्टी के नए अभियान की शुरूआत का भी प्रतीक होगा।

सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री दुनिया के सबसे बड़े स्काउट और गाइड जम्बूरी के लिए प्रतिभागियों को आमंत्रित करेंगे, जिसमें 35,000 से ज्यादा कैडेटों के भाग लेने की उम्मीद है।

वह विकसित उत्तर प्रदेश अभियान की सफलता की समीक्षा भी करेंगे, जिसके लिए अब तक 5 लाख से ज्यादा सुझाव प्राप्त हुए हैं, और जेवर में बन रहे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का निरीक्षण भी करेंगे।

क्या रूस ने नाकाम की पीएम को मारने की साजिश?

अमेरिकी अधिकारी की मौत का क्या कनेक्शन, सीआईए क्यों निशाने पर?

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। पीएम मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन चीन के तियानजिन में एससीओ बैठक के बाद एक साथ एक ही कार में सफर करते देखे गए थे। इस तस्वीर पर उस वक्त खूब चर्चा हुई, लेकिन अब इसे जुड़ा हुआ एक बड़ा दावा किया गया है। दरअसल, इसी दिन बांग्लादेश की राजधानी ढाका में अमेरिकी विशेष बल के अधिकारी टेरेंस अर्वेल जैक्सन की रहस्यमयी स्थिति में मौत हुई थी। इस मौत ने कई अटकलों को जन्म दिया है।

अमेरिका और उसकी खुफिया शाखा, सीआईए दुनिया भर में अपने कुख्यात कृत्यों के लिए जानी जाती है। ये माना जा रहा है कि बांग्लादेश और नेपाल में हाल ही में हुई शासन अस्थिरता तक, यह एक खुला रहस्य है कि दक्षिण एशिया में राजनीतिक नाटक के पीछे वास्तव में सीआईए का गुप्त हाथ है।

कौन था टेरेंस अर्वेल जैक्सन :

टेरेंस अर्वेल जैक्सन नाम के एक अमेरिकी विशेष बल अधिकारी 31 अगस्त 2025 को बांग्लादेश की राजधानी ढाका के एक होटल में मृत पाए गए। पुलिस के मुताबिक शुरूआती जांच में कोई बाहरी चोट नहीं मिली और मौत को प्राकृतिक बताया गया। खास बात ये है कि शव का पोस्टमॉर्टम किए बिना ही अमेरिकी दूतावास को सौंप दिया गया। जैक्सन अमेरिकी सेना की प्रथम विशेष बल कमान (एयरबोर्न) इकाई से जुड़े थे और पिछले कुछ महीनों से बांग्लादेश में मौजूद थे। बताया गया कि वह किसी बिजनेस ट्रिप पर थे, पर उनके असली उद्देश्य पर सवाल उठे हैं।

एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी विशेष बल अधिकारी टेरेंस अर्वेल जैक्सन की रहस्यमयी मौत की ताजा घटना ने दक्षिण एशिया, खासकर भारत के आसपास, अमेरिकी खुफिया कार्रवाइयों को लेकर संदेह और बढ़ा दिया है। अमेरिकी सुरक्षा अधिकारी की मौत ने इस आशंका को और बल दिया है कि क्या अमेरिकी अधिकारी को भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निशाना बनाने के इरादे से ढाका में तैनात किया गया था। विश्लेषकों का अनुमान है कि प्रधानमंत्री मोदी की हत्या की योजना और कोशिश की गई होगी। हालांकि, भारत और रूस की खुफिया इकाइयों के संयुक्त अभियान ने इसे नाकाम कर दिया।

पीएम मोदी और पुतिन की 45 मिनट की चर्चा :

रिपोर्ट में लिखा गया है, एक विश्लेषण के अनुसार, भारत और रूसी खुफिया एजेंसियों ने एक संयुक्त अभियान में इस साजिश को विफल कर दिया। ये भी संभावना जताई जा रही है कि प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पुतिन ने तियानजिन में कार के अंदर 45 मिनट तक चली अपनी बातचीत के दौरान इस मुद्दे पर चर्चा की हो। वहीं, प्रधानमंत्री मोदी के एक और बयान ने इन अटकलों को और हवा दे दिया है।

अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट से एलआईसी पर उठा सवाल

अदाणी ग्रुप में 33000 करोड़ निवेश का दावा

> कांग्रेस बोली-कस्टमर्स की कमाई फायदा पहुंचाने में लगाई

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) पर अदाणी ग्रुप में 3.9 अरब डॉलर यानी करीब 33 हजार करोड़ रुपये निवेश करने का बड़ा आरोप लगा है। कांग्रेस ने अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट के हवाले से कहा कि बीमा कंपनी ने अदाणी ग्रुप को फायदा पहुंचाने के लिए मई 2025 में यह निवेश किया। पार्टी का कहना है कि ग्राहकों की मेहनत की कमाई का गलत इस्तेमाल किया गया। कांग्रेस ने संसद की पब्लिक अकाउंट्स कमेटी (पीएसी) से इसकी जांच की मांग की है।

वहीं टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने सोशल मीडिया पर द वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट पोस्ट की है, जिसके अनुसार गौतम अदाणी जब इस साल की शुरूआत में भारी कर्ज में डूबे थे, अमेरिका में घूसखोरी के आरोपों का सामना कर रहे थे तब केंद्र सरकार और एलआईसी ने अदाणी ग्रुप में निवेश किया।

एलआईसी ने रिपोर्ट का गलत बताया :

एलआईसी ने वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट को नकार दिया है। कंपनी ने साफ किया है कि उसके सारे निवेश पूरी ईमानदारी और सावधानीपूर्वक जांच के साथ ही किए जाते हैं। एलआईसी ने कहा कि रिपोर्ट में बताए गए किसी भी ऐसे डॉक्यूमेंट या प्लान को एलआईसी ने कभी तैयार नहीं किया, जो एलआईसी के अदाणी ग्रुप में निवेश के प्लान को बताती हो। कंपनी ने कहा कि ये रिपोर्ट एलआईसी की मजबूत और साफ-सुथरी फैसला लेने की प्रक्रिया को नुकसान पहुंचाने, कंपनी की अच्छी इमेज को खराब करने, और भारत के मजबूत वित्तीय क्षेत्र की बुनियाद को खराब करने के मकसद से जारी की गई है।

जयराम रमेश ने कहा-यह घोटाला बहुत बड़ा, इसमें कई बातें शामिल हैं... :

सरकारी एजेंसियों का दुरूपयोग : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) और इनकम टैक्स विभाग को इस्तेमाल करके दूसरी निजी कंपनियों पर दबाव डाला गया। उन्हें मजबूर किया गया कि वे अपनी संपत्ति अदाणी ग्रुप को सस्ते में बेच दें।

संपत्तियों का गलत निजीकरण : हवाई अड्डे, बंदरगाह जैसी जरूरी चीजें सिर्फ अदाणी ग्रुप को फायदा पहुचाने के लिए बेची गईं। इसमें धांधली हुई।

विदेशी सौदों में मदद : भारत की कूटनीति का इस्तेमाल करके पड़ोसी देशों में अदाणी को कॉन्ट्रैक्ट दिलवाए गए। जैसे बांग्लादेश या श्रीलंका में।

कोयले की महंगाई का खेल : अदाणी ग्रुप ने शेल कंपनियों के जरिए महंगा कोयला आयात किया। यह मनी लॉन्ड्रिंग का नेटवर्क था। इससे गुजरात के अदाणी पावर प्लांट से बिजली की कीमतें बढ़ गईं।

चुनाव से पहले बिजली के सौदे : मध्य प्रदेश, राजस्थान और महाराष्ट्र में चुनाव से पहले अदाणी को ऊंची कीमतों पर बिजली सप्लाई के कॉन्टैक्ट दिए गए। और हाल ही में बिहार में, जहां चुनाव होने वाले हैं, एक पावर प्लांट के लिए जमीन सिर्फ 1 रुपए प्रति एकड़ में आवंटित कर दी गई।

गौतम अदाणी से जुड़े विवाद... :

पहला विवाद : हिंडनबर्ग रिसर्च ने मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप लगाए : जनवरी 2023 की है। गौतम अदाणी की फ्लैगशिप कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज ने 20,000 करोड़ का फॉलोऑन पब्लिक ऑफर लाने की घोषणा की। 27 जनवरी 2023 को इस ऑफर को खुलना था, लेकिन उससे ठीक पहले 24 जनवरी 2023 को हिंडनबर्ग रिसर्च ने एक रिपोर्ट जारी की, जिसमें अदाणी ग्रुप पर मनी लॉन्ड्रिंग से लेकर शेयर मैनिपुलेशन जैसे आरोप लगाए गए।

25 जनवरी तक ग्रुप के शेयरों की मार्केट वैल्यू करीब 12 बिलियन डॉलर (करीब 1 लाख करोड़ रुपये) कम हो गई। हालांकि, अदाणी ने किसी भी गलत काम के आरोपों से इनकार किया। ऐसे में अदाणी ग्रुप ने अपना 20,000 करोड़ का फॉलोऑन पब्लिक ऑफर भी कैंसिल कर दिया। केस की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट ने 6 सदस्यीय कमेटी बनाई और सेबी ने भी मामले की जांच की। कोर्ट के फैसले के बाद अदाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी ने कहा था, कोर्ट के फैसले से पता चलता है कि सत्य की जीत हुई है। सत्यमेव जयते।

केरल में पीएम श्री स्कूल योजना लागू होने पर सियासी भूचाल

> सुरेश गोपी बोले-देर आई, दुरुस्त आई सरकार

तिरुवनंतपुरम, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। केरल सरकार द्वारा प्रधानमंत्री स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया (पीएम श्री) स्कूल योजना लागू करने के फैसले ने राज्य की सियासत गरमा दी है। सरकार के इस फैसले के चलते वाम मोर्चे के भीतर ही बगावत जैसा माहौल बन गया है, केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी ने इसे 'देर आए, दुरुस्त आए' बताया। कुल मिलाकर शिक्षा सुधार की पहल के बीच अब राजनीति और नीतियों की जंग तेज हो गई है। ऐसे में केंद्रीय राज्यमंत्री सुरेश गोपी ने कहा कि राज्य सरकार ने यह कदम बहुत देर से उठाया, लेकिन देर आए, दुरुस्त आए।

बता दें कि केरल सरकार ने हाल ही में इस योजना के लिए केंद्र के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके दो दिन बाद सुरेश गोपी ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि इस योजना के असली लाभार्थी बच्चे हैं, जिनका किसी राजनीतिक दल से कोई लेना-देना नहीं है। इसलिए उन्हें इस योजना के फायदे से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सीपीआई, सीपीएम, कांग्रेस और भाजपा सभी पार्टियों के अपने राजनीतिक अधिकार हैं, लेकिन इनकी राजनीति के कारण बच्चों की जरूरतें पूरी होने में बाधा नहीं आनी चाहिए।

राज्य के स्कूलों की हालात पर गोपी ने जताई चिंता

इस दौरान गोपी ने राज्य के स्कूलों की हालत पर चिंता भी जताई। उन्होंने कहा कि कई स्कूलों की इमारतें 40-50 साल पुरानी हैं और खराब हालत में हैं। उन्होंने कहा कि क्या हमारे बच्चों को जर्जर इमारतों में पढ़ाई करनी चाहिए? इन स्कूलों को सुधारा जाना जरूरी है। यह योजना बच्चों के लिए फायदेमंद होगी।

हालांकि दूसरी ओर केंद्रीय मंत्री के इस बयान से पहले केरल की सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) में शामिल सीपीआई ने सरकार के इस फैसले पर खुला विरोध जताया था। सीपीआई के राज्य सचिव बिनॉय विश्वम ने आरोप लगाया कि पार्टी और अन्य सहयोगियों को इस निर्णय की जानकारी नहीं दी गई, जिससे मोर्चे की सामूहिक अनुशासन का उल्लंघन हुआ है।

राज्य शिक्षा मंत्री ने किया फैसला का बचाव

वहीं, राज्य के शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने सरकार के फैसले का बचाव करते हुए कहा कि यह एक रणनीतिक कदम है ताकि राज्य को केंद्र से फंड मिल सके, जबकि राज्य अपनी शिक्षा नीतियों को बरकरार रख सके। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पीएम श्री योजना से जुड़ने का मतलब यह नहीं है कि केरल सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2022 को स्वीकार कर लिया है, जिसका वाम मोर्चा लंबे समय से विरोध करता रहा है।दूसरी ओर, विपक्षी कांग्रेस ने कहा कि यह फैसला एलडीएफ के भीतर गहरे मतभेदों को उजागर करता है।

चंडीगढ़ में भिड़े कांग्रेसी

महिला नेता ने ब्लॉक प्रमुख को थाने में जड़े थप्पड़, फोटो पर बढ़ा विवाद

चंडीगढ़, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। चंडीगढ़ महिला कांग्रेस की प्रदेश सचिव ममता डोगरा और डड्डूमाजरा ब्लॉक प्रमुख हरजिंदर सिंह प्रिंस के बीच व्हाट्सएप ग्रुप में फोटो को लेकर शुरू हुई बहस इतनी बढ़ी कि मामला थाने पहुंच गया। गुस्से में आई ममता डोगरा ने मलोया थाने में ही अपनी ही पार्टी के ब्लॉक प्रमुख को थप्पड़ जड़ दिया, जिसके बाद थाने में हंगामा मच गया।

मामला वीरवार रात का है। चंडीगढ़ प्रदेश कांग्रेस के आधिकारिक व्हाट्सएप ग्रुप में एक आपत्तिजनक फोटो से सारा विवाद शुरू हुआ। ममता डोगरा ने कहा कि फोटो उन्होंने नहीं भेजी लेकिन उन्होंने देखा कि उनके कई व्हाट्सएप ग्रुप में एक स्क्रीनशॉट हरजिंदर सिंह की तरफ से शेयर किया गया, जिसमें लिखा था कि यह पोस्ट ममता डोगरा ने टीसीटी के ग्रुप में डाली है। इस पर उन्होंने आपत्ति जताई और मलोया के पुलिस थाने पहुंच गईं।

पुलिस ने हरजिंदर सिंह को भी बुलाया। सभी थाने के एक कमरे में बैठे हुए थे। इस पूरे घटना की एक वीडियो भी वायरल हुई है, जिसमें डोगरा यह कहती हुई नजर आ रही हैं कि स्क्रीनशॉट लेकर अलग-अलग ग्रुप में क्यों डाला। इतना कह कर वह कुर्सी से उठती हैं कि हरजिंदर सिंह को एक-एक करके कई थप्पड़ मारती हैं।

इस दौरान आसपास कई लोग बीच बचाव करते हुए भी नजर आए। इसमें पूर्व मेयर व पार्षद कुलदीप कुमार भी हैं, जो दोनों को छुड़ाते हुए नजर आए। वहां पुलिसकर्मी भी मौजूद थे, लेकिन उनकी मौजूदगी में ही यह सारी घटना हुई। एरिया एसएचओ ने कहा कि उन्होंने दोनों के मोबाइल चेक किए हैं। नियमों के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। शुक्रवार को मामले की वीडियो वायरल होने के बाद हरजिंदर सिंह ने भी चंडीगढ़ की एसएसपी को शिकायत दी। कहा है कि थाने में पहले से ही प्लानिंग की गई थी।

खबरें जरा हट के

'शादी नहीं करोगी तो 29 लाख रुपये दूंगी!'

मां ने बेटियों के सामने रखा अजीब ऑफर

हर मां-बाप चाहता है कि वो अपनी बेटियों की शादी समय से कर दे. हालांकि, विदेशों में ये नियम नहीं होता. वहां तो लोग खुद से ही पार्टनर खोज लेते हैं. मगर एक विदेशी मां ने अपनी बेटियों को शादी को लेकर गजब का ऑफर दिया है. मां ने कहा कि अगर उसकी बेटियां शादी नहीं करतीं, या फिर बहुत छोटे स्तर पर, बिना किसी खास इंतेजाम के शादी करती हैं तो वो उन्हें बदले में 29 लाख रुपये देगी. आखिर उसने ऐसा क्यों कहा...इसकी वजह भी उसने बताई है.

एक समझदार मां सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनी हुई है, जिसने अपनी बेटियों को शादी के खर्च से बचाने के लिए एक अनोखा ऑफर दिया है- अगर वो शादी नहीं करेंगी, या फिर भव्य शादी करने से बचेंगी, तो उन्हें नकद इनाम मिलेगा. अमेरिका की केट नाम की इस महिला ने अपने वायरल वीडियो में घोषणा की, "मैं अपनी हर बेटी को $35,000 (लगभग 29 लाख रुपये) दूंगी अगर वे शादी नहीं करतीं या छोटी सी सादी शादी करती हैं." उनके इस वीडियो को अब तक 15 लाख से अधिक लोग देख चुके हैं. केट ने बताया कि वह यह प्रस्ताव नई सोच के तहत दे रही हैं- ताकि उनकी बेटियां शादी के बाद कर्ज़ के बोझ में न दबें. उनका कहना है कि "शादी के पहले ही कर्ज़ लेना जीवन की सबसे बड़ी गलती है." उन्होंने कहा, "मैंने अपनी बेटियों से बचपन से कहा है- या तो वे शादी करें, या फिर मुझसे चेक लें. दोनों नहीं मिलेंगे."

मां ने रखा प्रस्ताव

केट खुद भी शादीशुदा हैं और उन्होंने स्वीकार किया कि उनकी अपनी शादी बेहद भव्य थी- "बड़ा हॉल, भारी गाउन, शानदार पार्टी" लेकिन इस सपनों की शादी की कीमत बहुत भारी पड़ी. "हमने अपनी शादी पर इतना खर्च किया कि अगले पांच साल तक हम उसका कर्ज़ चुकाते रहे," उन्होंने बताया. "अगर उस समय हम वही पैसा घर खरीदने, निवेश करने या छोटी सी पारिवारिक शादी में लगाते- तो हमारी ज़िंदगी की शुरुआत बहुत बेहतर होती." उनका यह बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिका और अन्य देशों में शादियां बेहद महंगी होती जा रही हैं.

दाईं आंख हो गई थी कमजोर, शख्स ने लगवा लिया 2 कैरेट का हीरा

लोगों ने कहा-'असली रईसी इसे कहते हैं!'

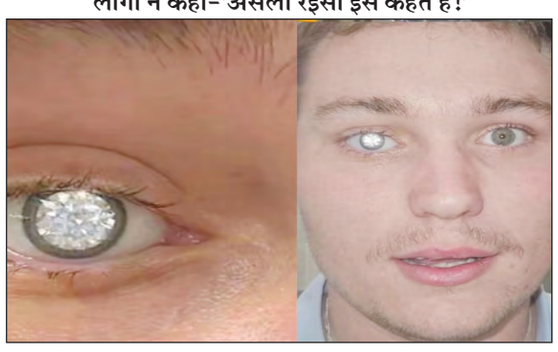

कहते हैं, "जब जिंदगी एक दरवाजा बंद करती है, तो कहीं न कहीं एक नई खिड़की खोल देती है." अमेरिका के अलबामा में रहने वाले स्लेटर जोन्स ने इस कहावत को अपनी जिंदगी में पूरी तरह सच साबित कर दिखाया. कुछ साल पहले एक गंभीर बीमारी में उनकी दाहिनी आंख की रोशनी खो गई. ज्यादातर लोग ऐसी परिस्थितियों में टूट जाते हैं या हतोत्साहित हो जाते हैं, लेकिन स्लेटर ने इस कठिनाई का सामना इस तरह किया कि पूरी दुनिया हैरान रह गई.

दरअसल, स्लेटर एक ज्वेलरी स्टोर के मालिक हैं. कुछ साल पहले एक गंभीर बीमारी के कारण उन्होंने अपनी दाईं आंख खो दी. ज्यादातर लोग ऐसी स्थिति में मायूस हो जाते हैं, लेकिन स्लेटर ने परेशानी ना दिखाते हुए कुछ उलट किया. जब डॉक्टरों ने उन्हें आर्टिफिशियल (नकली) आंख लगवाने को कहा, तो उन्होंने सोचा- "अगर नई आंख बनवानी ही है, तो क्यों न इसे अपने ज्वेलरी बिजनेस की पहचान बना दूं?" और यहीं से शुरू हुई एक अनोखी कहानी. स्लेटर ने अपनी नई आंख को आम ना बना के 'हीरे जैसी खास' बना दिया. उन्होंने अपनी नकली आंख में 2 कैरेट का असली डायमंड जड़वाया! यह काम आसान नहीं था. रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसके लिए उन्होंने आर्टिफिशियल आंख बनाने वाले एक्सपर्ट जॉन लिम से संपर्क किया, जिन्होंने अब तक 10,000 से ज्यादा नकली आंखें तैयार की हैं. लेकिन जॉन लिम के मुताबिक, स्लेटर की "डायमंड आई" अब तक की सबसे यूनिक और महंगी आर्टिफिशियल आंख है. जब इस आंख पर रोशनी पड़ती है, तो यह चमक उठती है. डायमंड आई लगवाने के बाद स्लेटर ने कहा- "मैंने सोचा कि अगर मुझे नकली आंख लगवानी ही है, तो क्यों न इसे कुछ ऐसा बनाया जाए जो मुझे कॉन्फिडेंस दे और मेरे बिजनेस की पहचान भी बन जाए." और उन्होंने ऐसा कर के भी दिखाया.

2 करोड़ खर्च कर टैटू से ढक लिया पूरा शरीर, असली चेहरा देखे हो गए 10 साल

आजकल टैटू बनवाना काफी आम बात हो गई है. लोग अपने शरीर पर जगह-जगह टैटू गुदवा लेते हैं. कुछ लोग तो पूरा शरीर ही टैटू से भर लेते हैं. ऐसा ही एक ऑस्ट्रेलिया की महिला ने भी किया. उसके शरीर पर इतने टैटू हैं कि वो अब अपना असली चेहरा ही भूल चुकी है. इस वजह से उसने ठाना है कि अब वो साफ-सुथरी शक्ल को हासिल करेगी. इसके लिए उसने तय किया है कि वो टैटू हटवाएगी. ऑस्ट्रेलिया की मशहूर मॉडल एंबर ल्यूक, जिन्हें "टाटू वूमन" कहा जाता है, ने खुलासा किया है कि उन्हें अपने असली चेहरे को देखे पूरा 10 साल हो चुका है. अब वह अपने चेहरे से टैटू हटाकर दोबारा अपनी पुरानी पहचान से जुड़ना चाहती हैं. 30 वर्षीय एंबर ब्रिस्बेन की रहने वाली हैं और पिछले एक दशक में उन्होंने अपने शरीर पर करीब £193,000 (लगभग 2 करोड़ रुपये) खर्च करके सैकड़ों टैटू बनवाए. इनमें उनके चेहरे, आंखों और शरीर के लगभग हर हिस्से पर टैटू शामिल हैं लेकिन अब वह अपने जीवन के नए अध्याय की शुरुआत करते हुए, 2027 तक अपने चेहरे से 36 टैटू हटाने का फैसला कर चुकी हैं. एंबर का कहना है कि जब उन्होंने टैटू बनवाने शुरू किए थे, तब वह अपने भीतर बहुत टूटी हुई और खोई हुई महसूस करती थीं. उन्होंने बताया- "जब मैं 20 साल की थी, मैं अपने चेहरे को छिपाना चाहती थी. मुझे अपनी प्राकृतिक सुंदरता पर विश्वास नहीं था. टैटू मेरे लिए खुद को बचाने का एक तरीका था." अब वह मानती हैं कि उस दौर में किए गए फैसलों ने उन्हें आत्म-स्वीकार और आत्म-सम्मान सिखाया.

रिश्तेदारों की मांग-आरोपियों को दी जाए फांसी

सतारा। मुंबई महाराष्ट्र के सतारा जिले में कथित तौर पर दुष्कर्म और उत्पीड़न से परेशान होकर आत्महत्या करने वाली महिला डॉक्टर के रिश्तेदारों ने मांग की है कि सुसाइड नोट में जिन लोगों के नाम का जिक्र है, उन्हें फांसी की सजा दी जाए।

सतारा के फलटण शहर में एक सब-डिस्ट्रिक्ट अस्पताल में तैनात 28 साल की डॉक्टर ने गुरुवार को एक होटल के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। महिला डॉक्टर ने अपनी हथेली पर एक नोट छोड़ा, जिसमें उसने एक पुलिस सब-इंस्पेक्टर पर दुष्कर्म करने और एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर पर मानसिक रूप से उत्पीड़न करने का आरोप लगाया था। एक रिश्तेदार ने मीडिया से बात करते हुए आरोप लगाया कि उसने उत्पीड़न के बारे में कई बार शिकायत की थी।

महाराष्ट्र डॉक्टर आत्महत्या केस : मकान मालिक का बेटा गिरफ्तार

4 पेज का सुसाइड नोट मिला, इसमें सांसद और उनके 2 पीए के भी नाम

सातारा, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के सातारा में फलटण के होटल में सुसाइड करने वाली डॉक्टर का सुसाइड केस में पुलिस ने पहली गिरफ्तारी की है। पुलिस ने डॉक्टर के मकान मालिक के बेटे प्रशांत को हिरासत में लिया है। प्रशांत बांकर पर रेप और आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज है। डॉक्टर ने 23 अक्टूबर को सुसाइड किया था। उसने अपने हाथ पर लिखे नोट में सॉफ्टवेयर इंजीनियर प्रशांत बांकर पर मेंटली हेरैस करने का आरोप लगाया है।

हथेली पर सब-इंस्पेक्टर गोपाल बदने का नाम भी लिखा था। आरोप है कि बदने ने पिछले 5 महीने में 4 बार डॉक्टर का रेप किया। बदने भी आरोपियों के फर्जी फिटनेस सर्टिफिकेट बनाने का दबाव बना रहा था।

डॉक्टर ने लिखा-सांसद के दो पीए अस्पताल आए

गोपाल बदने भी रेप और आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज किया गया है। सीएम देवेंद्र फडणवीस ने सतारा के एसपी को आरोपी सब-इंस्पेक्टर को सस्पेंड करने के आदेश दिए हैं। महिला डॉक्टर बीड जिले की रहने वाली थी और फलटण तहसील के सरकारी अस्पताल में काम करती थी। पुलिस को 4 पेज का एक और सुसाइड नोट मिला है। जिसमें एक सांसद और उसके दो पीए का नाम है। आरोप है कि ये लोग डॉक्टर पर आरोपियों के फर्जी फिटनेस सर्टिफिकेट बनाने का दबाव बना रहे थे। मना करने पर सांसद ने महिला डॉक्टर को फोन किया था। डॉक्टर ने सुसाइड नोट में लिखा है कि सांसद के दो पर्सनल असिस्टेंट अस्पताल आए थे। दोनों ने उस पर अन्य केस से जुड़े आरोपियों के फर्जी फिटनेस सर्टिफिकेट जारी करने का दबाव बनाया। जो आरोपी अस्पताल नहीं आए उनके भी फिटनेस सर्टिफिकेट जारी करने का बोलते थे। मैंने ऐसा करने से मना किया तो मेरी सांसद से फोन पर बात कराई थी।

रिश्तेदारों का दावा-पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट बदलने का प्रेशर था

डॉक्टर के रिश्तेदार ने कहा-उस पर पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट बदलने और गिरफ्तार आरोपियों की मेडिकल रिपोर्ट में हेरफेर का दबाव डाला जा रहा था। डॉक्टर के चचेरे भाई ने कहा कि वह इस मामले में सतारा एसपी और डीएसपी से शिकायत की थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। उसने लेटर में लिखा था- अगर उसके साथ कुछ हुआ तो जिम्मेदारी कौन लेगा।

एक और रिलेटिव ने कहा-काम के तनाव में थी और सीनियर उसे परेशान करते थे। उसने इस मामले और पुलिस से हो रही दिक्कत के बारे में पहले भी अपने सीनियर डॉक्टरों से शिकायत की थी। उससे हो रहे गलत व्यवहार की शिकायत की थी। उसने कहा भी था कि अगर उनकी बात नहीं सुनी गई तो वह आत्महत्या कर लेगी।

होटल स्टाफ ने दूसरी चाबी से दरवाजा खोला

एसपी दोशी ने बताया कि डॉक्टर ने फलटण के एक होटल में कमरा लिया था। जब स्टाफ ने दरवाजा खटखटाया तो कोई जवाब नहीं मिला। शक होने पर दूसरी चाबी से दरवाजा खोला गया तो वह फांसी से लटकी मिली। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

हाईकोर्ट के निर्णय पर सुप्रीम कोर्ट की कड़ी नाराजगी

भूमि विवाद मामले में एमपी सरकार ने दायर की थी अपील

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। भूमि विवाद के एक मामले में मध्य प्रदेश सरकार की ओर से पौने पांच साल की देरी से दायर अपील को स्वीकार करने के हाईकोर्ट के निर्णय पर सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी नाराजगी जताई। शीर्ष अदालत ने इस मामले में राज्य सरकार समेत अन्य को नोटिस जारी किया।

जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से अपील दायर करने में चार वर्ष नौ महीने की देरी को माफ करना हाईकोर्ट की विवेकहीनता को दर्शाता है। याचिकाकर्ता के वकील दुष्यंत पाराशर ने पीठ के समक्ष दलील दी कि हाईकोर्ट ने कानून के स्थापित सिद्धांतों की अनदेखी की है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट अपने पूर्व फैसलों में स्पष्ट कर चुका है कि राज्य को देरी माफ करने में कोई विशेष छूट नहीं दी जा सकती। पाराशर ने कहा कि सरकार ने अपील दाखिल करने में घोर लापरवाही दिखाई है और सिर्फ सरकारी प्रक्रिया में देरी का हवाला देना पर्याप्त कारण नहीं है।

हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ शंकरगिर की विशेष अनुमति याचिका को स्वीकार करते हुए पीठ ने राज्य सरकार समेत अन्य प्रतिवादियों को जवाब दाखिल करने को कहा। इस मामले में अगली सुनवाई 17 नवंबर को होगी।

तहसीलदार का आदेश किया था रद्द

शंकरगिर ने 2002 में रतलाम जिले में 3.870 हेक्टेयर कृषियोग्य भूमि एक नीलामी के माध्यम से खरीदी थी।

2010 में तहसीलदार ने आदेश दिया कि यह भूमि मठ नव दुर्गा मंदिर की संपत्ति है। शंकरगिर ने इस आदेश को न्यायालय में चुनौती दी। रतलाम की जिला अदालत ने 25 नवंबर 2019 को अपने निर्णय में तहसीलदार का आदेश रद्द करते हुए कहा कि शंकरगिर इस भूमि के वैध मालिक और कब्जाधारी हैं तथा सरकार या मंदिर का इससे कोई लेना-देना नहीं है। राज्य सरकार ने इस निर्णय के खिलाफ लगभग चार वर्ष नौ माह की देरी से 2024 में हाईकोर्ट में अपील दायर की।

तमिलनाडु में अगले हफ्ते शुरू होगा मतदाता सूची पुनरीक्षण

चुनाव आयोग ने मद्रास हाईकोर्ट को दी जानकारी

चेन्नई, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार के बाद अब तमिलनाडु में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इंटेसिव रिवीजन) कराने की तैयारियां कर ली गई हैं। निर्वाचन आयोग ने मद्रास हाईकोर्ट को जानकारी दी है कि वह तमिलनाडु समेत चुनावी राज्यों में एसआईआर का अभियान अगले हफ्ते से शुरू करेगा। चुनाव आयोग ने मद्रास हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस मनींद्र मोहन श्रीवास्तव और जस्टिस जी. अरुलमुरुगन की बेंच को बताया कि बिहार की तरह ही यह प्रक्रिया तमिलनाडु में भी हफ्ते भर के अंदर शुरू की जाएगी।

एआईएडीएमके के नेता की शिकायत को भी देखा जाएगा

हाईकोर्ट को ईसी की तरफ से यह जानकारी ऐसे समय में दी गई है, जब ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कझगम (एआईएडीएमके) पार्टी के पूर्व विधायक बी. सत्यनारायणन की याचिका पर सुनवाई जारी है। पूर्व विधायक का आरोप है कि चेन्नई के टी. नगर निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव अधिकारियों ने लगभग 13,000 एआईएडीएमके समर्थकों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए। याचिकाकर्ता के अनुसार, 1998 में क्षेत्र में मतदाताओं की संख्या 2,08,349 थी, जबकि 2021 तक यह केवल 36,656 बढ़ी। उन्होंने कहा कि जनसंख्या और मतदाता संख्या में बड़ा अंतर है।

उनका यह भी आरोप है कि जहां 13,000 समर्थकों के नाम हटा दिए गए हैं, वहीं मृत व्यक्तियों के नाम अब भी सूची में बने हुए हैं।" सत्यनारायण का आरोप है कि इससे द्रविड़ मुनेत्र कझगम (द्रमुक) को फायदा हुआ। पूर्व विधायक ने अदालत से अपील की कि 2026 विधानसभा चुनावों से पहले टी. नगर निर्वाचन क्षेत्र में मतदाता सूची का पूर्ण पुनरीक्षण किया जाए और गलत एंट्रीज को हटाकर अंतिम सूची जारी की जाए।

निर्वाचन आयोग ने दिया एसआईआर के जरिए जांच का भरोसा

निर्वाचन आयोग ने अदालत को भरोसा दिया कि प्रस्तावित एसआईआर के दौरान याचिकाकर्ता की शिकायत पर विचार किया जाएगा। कोर्ट ने याचिकाकर्ता की मांग स्वीकार करते हुए मामले की सुनवाई अगले हफ्ते तक के लिए स्थगित कर दी और आयोग को निर्देश दिया कि बिहार एसआईआर से संबंधित सर्वोच्च न्यायालय के आदेश की कॉपी पेश की जाए।

सरहद पर सैन्य अभ्यास : सरकार ने 'त्रिशूल' से पहले जारी किया नोटम

> 12 दिन तक वायुसीमा में प्रवेश पर पाबंदियां

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद बढ़े भारत-पाकिस्तान तनाव को देखते सरहद पर तीनों सेनाओं के संयुक्त सैन्य अभ्यास के लिए नोटम जारी किया है। गुजरात-राजस्थान की सरहद पर सर क्रीक से लेकर जैसलमेर तक सेना, वायुसेना और नौसेना का यह अभ्यास 30 अक्तूबर से 10 नवंबर तक चलेगा। नोटम दरअसल उड़ान क्षेत्र को सुरक्षित बनाने के लिए जारी किया जाता है।

अभ्यास के लिए चुना गया क्षेत्र इस बार काफी बड़ा और असामान्य!

जियो-इंटेलिजेंस सैटेलाइट इमेज विशेषज्ञ डेमियन साइमन द्वारा साझा की गई सैटेलाइट तस्वीरों में यह क्षेत्र साफ दिखाई दे रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, इस अभ्यास के लिए चुने गए क्षेत्र इस बार काफी बड़ा और असामान्य है। इस सैन्य अभ्यास के दौरान 28,000 फीट तक का एयरस्पेस सुरक्षित रखा जाएगा, यानी इस ऊंचाई तक कोई सामान्य विमान उड़ान नहीं भर सकेगा।

अभ्यास में दक्षिणी कमान के सैनिक भी शामिल होंगे

वायुसीमा को लेकर पाबंदियों का मकसद सैन्य गतिविधियों को सुरक्षित और निर्बाध तरीके से अंजाम देना है। तीनों सेना का संयुक्त अभ्यास त्रिशूल के नाम से होगा। इस अभ्यास का मकसद भारत की संयुक्त क्षमता, आत्मनिर्भरता और नवाचार प्रदर्शन है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, इस अभ्यास में दक्षिणी कमान के सैनिक चुनौतीपूर्ण इलाकों में संयुक्त सैन्य अभियानों का प्रदर्शन करेंगे।

क्या है भारतीय सेना का ऑपरेशन सिंदूर?

गौरतलब है कि भारतीय सेना ने विगत 6-7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तानी दहशतगर्दों के नौ ठिकानों को नेस्तनाबूद कर दिया था। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में इसी साल 22 अप्रैल को हुए कायराना आतंकी हमले का मुंहतोड़ जवाब देते हुए भारतीय सेना ने पाकिस्तानी सीमा के भीतर आतंकी संगठनों- लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद के केंद्रों को जमींदोज कर दिया था।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने संसद में बताया कि इस सैन्य कार्रवाई के दौरान कम से कम 100 आतंकी मारे गए। सेना की इस कार्रवाई के बाद दोनों देशों के बीच चार-पांच दिनों तक काफी तनावपूर्ण स्थिति रही थी। बाद में दोनों देशों के सैन्य महानिदेशक स्तरीय बातचीत के बाद गोलाबारी बंद करने पर सहमति बनी थी।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

युविचार

दिमाग ठंडा हो तो फैसले गलत नहीं होते,
और भाषा मीठी हो तो
अपने दूर नहीं होते!

उपचुनाव से पहले डीआरसी केंद्र की व्यवस्था की समीक्षा

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सामान्य चुनाव पर्यवेक्षक रंजीत कुमार सिंह ने चुनाव अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) के दिशानिर्देशों का कड़ाई से पालन करते हुए वितरण, स्वागत और गणना (डीआरसी) केंद्र पर चुनाव सामग्री के वितरण, प्राप्ति, भंडारण और गणना के लिए सावधानीपूर्वक और अचूक व्यवस्था सुनिश्चित करें। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि सिंह के साथ जिला निर्वाचन अधिकारी और जीएचएमसी आयुक्त आरवी कर्णन, पुलिस पर्यवेक्षक ओम प्रकाश त्रिपाठी और व्यय पर्यवेक्षक संजीव कुमार लाल ने शुक्रवार को कोटला विजया भास्कर रेड्डी स्टेडियम का दौरा किया और जुबली हिल्स उपचुनाव में आगामी उपचुनाव की व्यवस्था की समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान, पर्यवेक्षकों ने डीआरसी केंद्र के लेआउट का निरीक्षण किया और ईवीएम व वीवीपैट सहित चुनाव सामग्री के सुरक्षित संचालन हेतु रसद और सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने वितरण, प्राप्ति और मतगणना की सुचारू और पारदर्शी प्रक्रिया के लिए नियोजित उपायों को समझने के लिए अधिकारियों के साथ बातचीत भी की।

छात्रों को चुनावी भागीदारी के बारे में शिक्षित करता है स्वीप कार्यक्रम

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक रचनात्मक और आकर्षक पहल के तहत, शुक्रवार को जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत शेखपेट स्थित सेंट जोसेफ डिग्री कॉलेज में व्यवस्थित मतदाता शिक्षा और चुनावी भागीदारी (एसवीईईपी) कार्यक्रम का अनोखे तरीके से आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य आगामी उपचुनावों में योग्य नागरिकों और छात्रों को चुनावी भागीदारी के महत्व के बारे में शिक्षित, सक्रिय और प्रेरित करना था। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण एक इंटरैक्टिव 'साँप और सीढ़ी' खेल था, जो लोकतंत्र के खेल का प्रतीक है, जहां हर वोट प्रगति की ओर एक कदम बन जाता है। इस कार्यक्रम में मतदाता जागरूकता, नैतिक मतदान और चुनावी तैयारियों पर जानकारीपूर्ण सत्र भी आयोजित किए गए। छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने साथियों और पहली बार मतदान करने वालों के बीच जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।

मैलारदेवपल्ली में ऑटो चालक की हत्या

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के मैलारदेवपल्ली में शुक्रवार रात अज्ञात व्यक्तियों ने एक ऑटो चालक की हत्या कर दी। गुंटलशाह दरगाह क्षेत्र निवासी पीड़ित अफरोज (22) को शुक्रवार देर रात कुछ लोगों ने बातचीत के लिए बुलाया और बाद में धारदार हथियारों से उसकी बेरहमी से हत्या कर दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवाया। पुलिस को शक है कि कुछ लोगों ने पुरानी रंजिश के चलते अफरोज की हत्या की होगी। पुलिस जांच कर रही है।

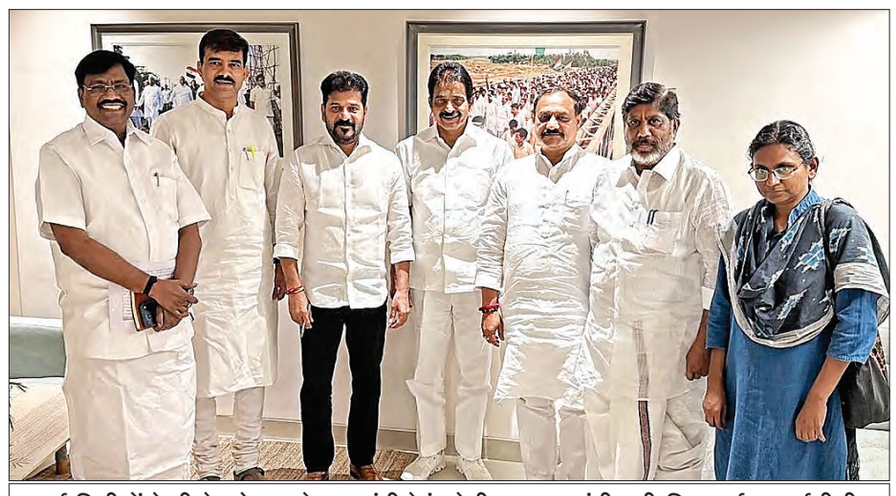

नई दिल्ली में केसी वेणुगोपाल से मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, एआईसीसी प्रभारी मीनाक्षी नटराजन, पीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़, वामसीचंद रेड्डी, एआईसीसी सचिव विश्वनाथन के साथ मुलाकात की।

राज्य के विभिन्न हिस्सों में हो रहे अपराधों पर ध्यान केंद्रित करें सीआईडी : शिवधर रेड्डी

पुलिस महानिदेशक ने सीआईडी विभाग के प्रदर्शन की समीक्षा की

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी ने शनिवार को अपने कार्यालय में अपराध जांच विभाग (सीआईडी) के प्रदर्शन की समीक्षा की। डीजीपी की समीक्षा बैठक में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक चारु सिन्हा, पुलिस उपमहानिरीक्षक नारायण नायक, सीआईडी विभाग के पुलिस अधीक्षक और संबंधित अधिकारी शामिल हुए। सीआईडी विभाग के अंतर्गत आने वाले एससीआरबी, पीसीआर, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, सीसीटीएनएस, महिला सुरक्षा शाखा के प्रदर्शन की समीक्षा की गई और पिछले पांच वर्षों के अपराधों का विवरण प्रस्तुत किया गया। राज्य भर के विभिन्न जिलों में घटित अपराधों और स्थानीय स्थिति पर अधिकारियों के साथ चर्चा की गई। डीजीपी ने कहा कि राज्य के विभिन्न जिलों में घटित अपराधों और उनके कारणों का विश्लेषण किया जाना चाहिए। डीजीपी ने सुझाव दिया कि सीआईडी को राज्य के विभिन्न हिस्सों में हो रहे अपराधों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और उन्हें रोकने के लिए विशेष ध्यान देना चाहिए। आगामी वर्ष में, जिस अपराध पर सीआईडी का ध्यान केंद्रित हो, उसे उस वर्ष का मुख्य लक्ष्य माना जाना चाहिए और उस पर नियंत्रण के साथ-साथ अन्य अपराधों को भी रोका जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि विभिन्न विभागों के अधिकारी अपराधों का विश्लेषण और कुशलता से कार्य करें, तो निचले स्तर के कर्मचारियों को भी अधिक कुशलता से कार्य करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि राज्य भर में हो रहे अपराधों

को दर्ज करते समय उनका गहन विश्लेषण किया जाना चाहिए और हत्या, आत्महत्या, चोरी, मारपीट, धोखाधड़ी आदि अपराधों के प्रकारों को दर्ज करके उन पर नियंत्रण के उपाय तलाशे जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि चोरी में शामिल गिरोहों का विवरण एकत्र किया जाना चाहिए। सड़क दुर्घटनाओं में यदि चालकों की कोई गलती है, तो उसके कारणों का पता लगाया जाना चाहिए और पुलिस चालकों के मामले में, यदि कमज़ोर दृष्टि के कारण दुर्घटनाएँ होती हैं, तो डीजीपी ने सुझाव दिया कि संबंधित अधिकारियों को सूचित किया जाना चाहिए ताकि वे आँखों की जांच करा सकें। समीक्षा बैठक में सीआईडी के एसपी विश्वजीत कंपाटी, संग्राम सिंह जी पाटिल, मद्दीपति श्रीनिवास, वेंकटालक्ष्मी, रामिरेड्डी, श्रीनिवास आदि शामिल हुए।

58 उम्मीदवार मैदान में, प्रत्येक ईवीएम में 4 बैलेट यूनिट का होगा इस्तेमाल

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिला चुनाव अधिकारी आरवी कर्णन ने शुक्रवार को बताया कि 11 नवंबर को होने वाले जुबली हिल्स उपचुनाव में कुल 58 उम्मीदवार मैदान में हैं। उम्मीदवारों की संख्या ज़्यादा होने के कारण, प्रत्येक इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) में चार बैलेट यूनिट (बीयू) का इस्तेमाल किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मतदान कक्ष सामान्य से बड़े होंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए कुल 600 पीठासीन अधिकारी, 600 सहायक पीठासीन अधिकारी और 1,200 मतदान अधिकारी तैनात किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि महिलाओं के लिए विशेष कतारों की व्यवस्था की जाएगी और दिव्यांग मतदाताओं के लिए परिवहन की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। डीईओ ने बताया कि अब तक चुनाव अधिकारियों ने चुनाव मानदंडों का उल्लंघन कर ले जाई जा रही 2.83 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की है और एमसीसी उल्लंघन के लिए 11 व्यक्तियों के खिलाफ मामले दर्ज किए हैं।

मतदाताओं से ऐप के माध्यम से उम्मीदवारों का विवरण जांचने का किया आग्रह

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने शुक्रवार को जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र के मतदाताओं से ईसीआईएनईटी मोबाइल एप्लिकेशन पर उपलब्ध 'अपने उम्मीदवार को जानें' मॉड्यूल का उपयोग करने का आग्रह किया। इस मॉड्यूल के माध्यम से, मतदाता चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों के बारे में पूरी जानकारी आसानी से प्राप्त कर सकते हैं, जिसमें उनकी शैक्षणिक योग्यता, मुकदमे, संपत्ति और देनदारियां शामिल हैं।

इस पहल का उद्देश्य पारदर्शिता और सूचित मतदान को बढ़ावा देना है, जिससे प्रत्येक मतदाता को वोट डालने से पहले अपने उम्मीदवारों की पृष्ठभूमि जानने का अधिकार मिलता है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि मतदाता एंड्रॉइड और आईओएस प्लेटफॉर्म से ईसीआईएनईटी ऐप डाउनलोड कर सकते हैं और मतदान दिवस से पहले पूरी जानकारी प्राप्त करने के लिए 'अपने उम्मीदवार को जानें' सेक्शन का उपयोग कर सकते हैं।

अब्दुल्लापुरमेट में निजी बस पलटी, पांच घायल

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार सुबह अब्दुल्लापुरमेट के आउटर रिंग रोड पर हैदराबाद से गुंटूर जा रही एक निजी ट्रैवल्स बस पलट गई, जिसमें कम से कम पांच लोग घायल हो गए। हादसे के समय बस में लगभग 20 यात्री सवार थे। राहगीरों और स्थानीय पुलिस की मदद से घायल यात्रियों को 108 एम्बुलेंस के माध्यम से अस्पताल पहुंचाया गया।

चंद्रायनगुट्टा में इंजन लुब्रिकेंट्स स्टोर में आग

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के चंद्रायनगुट्टा में शनिवार सुबह एक इंजन लुब्रिकेंट्स स्टोर में आग लग गई। आग तीन मंजिला इमारत की पहली मंजिल पर लगी, जहां भूतल पर लुब्रिकेंट्स की दुकान और पहली मंजिल पर गोदाम था।

हरीश राव के प्रयासों से जॉर्डन में फंसे 12 तेलंगाना प्रवासी मजदूर स्वदेश लौटे

बीआरएस नेता ने खुद की निगरानी में कराया बचाव, मजदूरों ने जताया आभार

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के बारह प्रवासी मजदूर (जो जॉर्डन में कठिन परिस्थितियों में फंसे हुए थे) आखिरकार भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेता और पूर्व मंत्री टी. हरीश राव के प्रयासों से सुरक्षित रूप से अपने घर लौट आए हैं। शनिवार तड़के हैदराबाद पहुंचे इन मजदूरों का हरीश राव के आवास पर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। भावुक मजदूरों ने विदेश में झेली गई तकलीफों को याद करते हुए बीआरएस और हरीश राव का आभार व्यक्त किया।

मजदूरों ने बताया कि जॉर्डन में उन्हें कई दिनों तक भूखा रहना पड़ा और उन्हें शोषण का भी सामना करना पड़ा। एक मजदूर ने कहा कि वे वहां बिना पर्याप्त भोजन और उम्मीद के जीवन जी रहे थे। उन्होंने बताया कि उन्होंने राज्य सरकार से कई बार मदद मांगी, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। मजदूरों ने कहा कि उन्होंने कांग्रेस और भाजपा के सांसदों और विधायकों से भी संपर्क किया, पर किसी ने सहायता नहीं की।

उन्होंने कहा कि बीआरएस ने तब मदद की जब बाकी सभी ने उन्हें नजरअंदाज कर दिया। मजदूरों ने कहा कि वे हरीश राव और बीआरएस के इस सहयोग के ऋणी रहेंगे। इस मुलाकात के दौरान हरीश राव ने सभी की बातें ध्यान से सुनीं और उन्हें भरोसा दिलाया कि राज्य में ही रोजगार के अवसर खोजने में उनकी मदद की जाएगी।

बाद में मजदूरों को उनके जिलों (जगतियाल, निर्मल, कामारेड्डी, निजामाबाद और सिद्दीपेट) तक पहुंचाने के लिए विशेष वाहनों की व्यवस्था की गई। इस मौके पर हरीश राव ने कहा कि इस बचाव अभियान के पीछे पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव का मार्गदर्शन रहा। उन्होंने बताया कि केसीआर के निर्देश पर ही इन मजदूरों को स्वदेश लाने की पूरी प्रक्रिया शुरू की गई।

हरीश राव ने कहा कि तेलंगाना के कई युवा बेहतर आजीविका की तलाश में विदेश जाते हैं, लेकिन एजेंटों के धोखे का शिकार हो जाते हैं। उन्होंने बताया कि इन मजदूरों की दुर्दशा जानने के बाद बीआरएस टीम ने केंद्र और राज्य सरकारों से संपर्क किया और हस्तक्षेप की मांग की, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। अंततः, मजदूरों की रिहाई और सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए उन्हें खुद जुर्माना भरना पड़ा। राव ने कहा कि सरकारों को यह समझना होगा कि विदेशों में संघर्ष कर रहे तेलंगाना के युवाओं की सुरक्षा उनकी जिम्मेदारी है और इस दिशा में ठोस कदम उठाना जरूरी है।

निरंजन ने वादाखिलाफी और वित्तीय संकट को लेकर कांग्रेस सरकार की आलोचना की

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस नेता और पूर्व मंत्री सिंगरेड्डी निरंजन रेड्डी ने कांग्रेस सरकार की कड़ी आलोचना की है और उस पर अपने चुनावी वादों की अनदेखी करने और सत्ता संभालने के मात्र 23 महीनों के भीतर ही राज्य को आर्थिक संकट में धकेलने का आरोप लगाया है। शनिवार को तेलंगाना भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, निरंजन रेड्डी ने बीआरएस विधायकों माधवराम कृष्ण राव, मुता गोपाल और पूर्व विधायक बाल्का सुमन के साथ जनता से आगामी जुबली हिल्स उपचुनाव में सत्तारूढ़ पार्टी के "मनमाने शासन" का विरोध करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी संविधान लेकर देश भर में यात्रा करते हैं, जबकि तेलंगाना में कांग्रेस पार्टी ऐसा व्यवहार करती है मानो उनके विचार ही कानून तय करते हैं।

उन्होंने 2023 के चुनावों के दौरान किए गए अधूरे वादों की ओर इशारा किया, जहां सोनिया गांधी, राहुल, मल्लिकार्जुन खड़गे, प्रियंका गांधी और सिद्धारमैया जैसे नेताओं ने पिछड़े वर्गों, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अल्पसंख्यकों, युवाओं और किसानों के लिए किए गए वादों के साथ भारी भीड़ जुटाई थी। निरंजन रेड्डी ने बड़े विश्वासघातों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हर साल 2,00,000 नौकरियां पैदा करने और 4,000 रुपये मासिक बेरोज़गारी भत्ता देने का वादा पूरी तरह से गायब हो गया है।

उन्होंने कहा, प्रियंका गांधी ने युवाओं को 10 लाख रुपये का ब्याज-मुक्त ऋण देने का वादा किया था, लेकिन उन्होंने इसके बाद राज्य सरकार से कोई वादा नहीं किया। अशोक नगर में बेरोजगार प्रदर्शनकारियों से राहुल गांधी द्वारा किए गए वादों की अवहेलना की गई, क्योंकि पुलिस ने अब बलपूर्वक विरोध प्रदर्शनों को कुचल दिया है।

वारंगल के किसानों द्वारा की गई घोषणा, जिसमें उन्होंने ऋण माफ़ी का वादा किया था, अब भुला दी गई है, साथ ही धान खरीद बोनस के 1,154 करोड़ रुपये भी भुला दिए गए हैं। निरंजन रेड्डी ने निराशा व्यक्त करते हुए कहा, कोई भी मंत्री अनाज खरीद के मुद्दे पर ध्यान देने को तैयार नहीं है, क्योंकि इसमें कोई जवाबदेही नहीं है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Chohap Singh, Father of No.14686536L, Hav, Ajay Tomar, R/o, Vill & PO: Bhudpur,Dist: Baghpat, Uttar Pradesh, changed my name from Chohap Singh to Chauhap Singh, vide Affidavit No. 282336 dt. 24.10.2025, before Medchal - Malkajgiri Court, Telangana.

I, Kushum Devi, Mother of No.14686536L, Hav, Ajay Tomar, R/o, Vill&PO: Bhudpur, Dist: Baghpat, Uttar Pradesh, changed my name from Kushum Devi to Kusum, vide Affidavit No.282338 dt. 24.10.2025, before Medchal -Malkajgiri Court, Telangana.

LAND FOR SALE

Agricultural Land 26 Pits for Sale Near Neo Police - Kokapet, Price: One Pit 70 Lakhs, Only interested People Call. No Brokers. Ph: 9985342782, 9121948687

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

AGRASEN BANK
Estd.1998

GRAND OPENING

You are cordially invited to be a part of a giant step in the history of Agrasen Bank as we open our 11th Branch at

MADHAPUR

1-90/8/R/13, Plot No. 17 to 24, Vittal Rao Nagar, Madhapur, Ranga Reddy District, TG – 500081

26th October 2025, Sunday at 11:00 AM

CHIEF GUEST

Sri Gireesh Kumar Sanghi
(Former Rajya Sabha MP
CMD Vaartha Publications)

GUESTS OF HONOUR

Sri P Raghuram
Senior Advocate

Sri Chandrakant Agarwal
Industrialist and Philanthropist

Sri Dushyanth Reddy
Senior Advocate

THE AGRASEN CO-OPERATIVE URBAN BANK LTD.
Head Office: 15-2-391/392/1, Siddiamber Bazar,
Hyderabad 500012. TG.
www.agrasenbank.in info@agrasenbank.in

Branches:

Siddiamber Bazar	9281021411	Himayatnagar	9281021416
Malakpet	9281021412	Banjara Hills	9281021415
Rikab Gunj	9281021413	Ameerpet	9281021419
Secunderabad	9281021414	Gagan Pahad	9281021420
Attapur	9281021417	Kukatpally	9281021418

BOARD OF DIRECTORS

Pramod Kumar Kedia
Chairman

CA. Naveen Kumar Agarwal
Senior Vice Chairman

Suresh Kumar Agarwal
Vice Chairman

Narayan Dutt
Chairman-BoM

DIRECTORS

Narsing Das

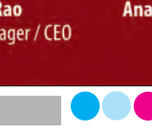

Mohan Agarwal

Gopal Chand Agarwal

Mahesh Kumar Agarwal

Rajesh Kumar Agarwal

Anju Kedia

Apoorva Agarwal

Bajrang Prasad Gupta

CA. Pankaj Kumar Agarwal

SENIOR MANAGEMENT TEAM

C.V. Rao
General Manager / CEO

Anand Agarwal
DGM

छठ महापर्व सिर्फ पूजा नहीं, हमारी सांस्कृतिक आत्मा का उत्सव : सीए योगी

लखनऊ, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को सूर्य उपासना और लोक आस्था के महापर्व छठ की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कामना की कि सभी लोग स्वस्थ, सुख और समृद्धि का जीवन पाएं और यह महान परंपरा पीढ़ी-दर-पीढ़ी जारी रहे।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संदेश में कहा, आप सभी पर छठी माता की कृपा बनी रहे। परिवार के लिए कठिन व्रत रखने वाली माताओं और बहनों को मेरी तरफ से विशेष मंगलकामनाएं। जय छठी माता। उन्होंने कहा, छठ महापर्व प्रकृति, श्रद्धा और अनुशासन का एक अनुपम संगम है। सूर्य उपासना के माध्यम से यह हमें जीवन में प्रकाश, ऊर्जा और संतुलन का संदेश देता है। यह पर्व सिर्फ पूजा नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक आत्मा का उत्सव है।

छठी मइया की कृपा से व्रती अपने संकल्प में सफल हों। इस मौके पर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने लिखा, समस्त श्रद्धालुओं को सूर्य उपासना और लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के प्रथम अनुष्ठान नहाय-खाय की हार्दिक शुभकामनाएं। गोरखपुर से सांसद रवि किशन ने भी छठ पर्व की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, लोक आस्था और सूर्य उपासना के महापर्व छठ पूजा के प्रथम अनुष्ठान नहाय खाय की हार्दिक शुभकामनाएं। छठ महापर्व सुख, शांति और समृद्धि का संचार हो, यही प्रार्थना है। उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने अपने संदेश में लिखा, समस्त श्रद्धालुओं को सूर्य उपासना एवं लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के प्रथम अनुष्ठान नहाय-खाय की हार्दिक शुभकामनाएं। गोरखपुर से सांसद रवि किशन ने भी छठ पर्व की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, लोक आस्था और सूर्य उपासना के महापर्व छठ पूजा के प्रथम अनुष्ठान नहाय खाय की हार्दिक शुभकामनाएं। छठ महापर्व शनिवार को 'नहाय-खाय' के साथ शुरू हुआ। कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि से शुरू होने वाली छठ पूजा का समापन सप्तमी तिथि (28 अक्टूबर) को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ होगा। 'संध्या अर्घ्य' (डूबते सूर्य को शाम का अर्घ्य) का मुख्य अनुष्ठान 27 अक्टूबर को होगा, जिसके बाद अगले दिन 'उषा अर्घ्य' (सुबह का अर्घ्य) होगा। यह पर्व बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश और नेपाल में बड़े उत्साह और भक्ति के साथ मनाया जा रहा है।

कृषि से औद्योगिक प्रगति की नई कहानी लिख रहा यूपी, करीब 2.5 लाख को मिल रहा रोजगार

लखनऊ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश अब कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को औद्योगिक शक्ल दे रहा है। राज्य तेजी से भारत का फूड प्रोसेसिंग हब बनकर उभर रहा है।

ग्लोबल ट्रेड रिसर्च की हालिया रिपोर्ट में गुजरात और उत्तर प्रदेश को देश के प्रमुख प्रोसेसिंग केंद्रों के रूप में रेखांकित किया गया है।रिपोर्ट के अनुसार, आपूर्ति पक्ष पर जहां गुजरात के मेहसाणा और बनासकांठा में आधुनिक डिहाइड्रेशन (निर्जलीकरण) संयंत्र विकसित हुए हैं, वहीं उत्तर प्रदेश के आगरा और फर्रूखाबाद जिलों में नए अत्याधुनिक प्रोसेसिंग प्लांट्स स्थापित हो रहे हैं। इन संयंत्रों को कांट्रैक्ट फार्मिंग और कोल्ड स्टोरेज नेटवर्क का मजबूत आधार प्राप्त है, जिससे किसानों को अपने उत्पादों का बेहतर मूल्य मिल रहा है।

सात वर्षीय बच्चे की हत्या का मामला, पुलिस मुठभेड़ में आरोपी गिरफ्तार

कानपुर, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कानपुर के बर्रा क्षेत्र में सात वर्षीय बच्चे के अपहरण और हत्या के सनसनीखेज मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के मुताबिक, मुठभेड़ के दौरान आरोपी के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। बर्रा पुलिस और क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम ने यह कार्रवाई की।

आरोपी ने पूछताछ में अपना जुर्म कबूल कर लिया और वारदात की पूरी कहानी बताई। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, बर्रा क्षेत्र में गुरुवार को सात साल की एक मासूम बच्चे का अपहरण कर लिया गया था।

सरकारी अस्पताल से चली गई दुष्कर्म पीड़िता

स्वास्थ्य विभाग बेखबर, डॉक्टरों की निगरानी में होना है गर्भपात

मुरादाबाद, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुरादाबाद में 22 सप्ताह की गर्भवती रेप पीड़िता गर्भपात कराए बिना डॉक्टरों की निगरानी के बीच महिला अस्पताल से चली गई। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी इस बात से बेखबर रहे। गर्भपात की प्रक्रिया के लिए दस्तावेज पूरे किए और जांच भी कराई लेकिन अधिकारियों के जाने के बाद वहां से चली गई।

स्वास्थ्य विभाग ने इसकी रिपोर्ट सीजेएम कोर्ट और पुलिस को सौंप दी है। दुष्कर्म पीड़िता के निजी अस्पताल में गर्भपात कराने के निवेदन पर विभाग का कहना है कि इस संबंध में कोई लिखित पत्र नहीं मिला है। पीड़िता ने अधिकारियों को ऐसा कुछ नहीं बताया है। अस्पताल से जाने के बाद भी उससे संपर्क साधने की कोशिश की गई लेकिन पीड़िता नहीं आई। विभाग का कहना है कि निजी अस्पताल में गर्भपात के लिए पीड़िता को कोर्ट से अनुमति लेनी होगी। हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति की ओर से शक्तियां निहित करने के बाद सीजेएम कोर्ट ने पीड़िता को गर्भ गिराने की अनुमति दी थी। भ्रूण को सुरक्षित रखकर उसका डीएनए सैंपल कराने की भी अनुमति दी गई। 22 अक्तूबर को पीड़िता को महिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। दो स्त्री रोग विशेषज्ञों की देखरेख में उसे रखा गया। इसके अलावा बोर्ड में एक फिजिशियन, एक एनेस्थेटिस्ट और एक सर्जन को शामिल किया गया। 23 अक्तूबर की रात स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को खबर मिली की पीड़िता अस्पताल से जा चुकी है। इसके बाद मामले की रिपोर्ट सीजेएम कोर्ट और पुलिस को सौंप दी गई। अब कोर्ट के आदेश के अनुसार आगे की प्रक्रिया होगी। वहीं निगरानी के बीच पीड़िता के अस्पताल से जाने के मामले में जिम्मेदार कुछ बोलने को तैयार नहीं हैं।

यह था मामला

करीब एक माह पहले मुगलपुरा क्षेत्र में रहने वाली युवती ने मुगलपुरा थाने में नागफनी क्षेत्र में रहने वाले युवक के खिलाफ केस दर्ज कराया था जिसमें पीड़िता ने बताया कि आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया। इससे युवती गर्भवती हो गई थी। युवती ने अनचाहा गर्भ गिराने के लिए अपने अधिवक्ताओं के जरिए हाईकोर्ट में याचिका दायर की।

यूपी में पत्रकार का कत्ल : पेट से बाहर निकल आईं आंतें

शरीर पर चाकू से किए 18 वार; 20 मिनट सड़क पर तड़पते रहे

प्रयागराज, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रयागराज के सिविल लाइंस इलाके के हर्ष होटल के पास हुई धूमनगंज के शकुंतला कुंज कॉलोनी निवासी मीडियाकर्मी लक्ष्मी नारायण सिंह (48) की हत्या के बाद शुक्रवार शाम डॉक्टरों के पैनल ने उनके शव का पोस्टमार्टम किया। सूत्रों के अनुसार, पोस्टमार्टम के दौरान उनके शरीर पर चाकू के 18 निशान मिले, जिन्होंने हत्या की बर्बरता बयां की। हाथ, पेट, सीने और कमर पर किए गए वार इतने निर्मम थे कि उनकी आंतें तक बाहर आ गई।

हमले के बाद लक्ष्मी नारायण करीब 20 मिनट तक सड़क पर खून से लथपथ तड़पते रहे। मौके पर मौजूद राहगीर फोटो खींचने में व्यस्त रहे। किसी ने उन्हें अस्पताल पहुंचाने की जहमत नहीं उठाई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उन्हें अपने वाहन से एसआरएन अस्पताल पहुंचाया जहां करीब दो घंटे बाद उन्होंने दम तोड़ दिया।

आसपास रहने वाले बोले दिखा खौफनाक मंजर

मीडियाकर्मी एलएन सिंह की हत्या के बाद शुक्रवार को घटनास्थल के आसपास रहने वाले लोगों में डर का माहौल रहा। उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार रात चीखने-चिल्लाने की आवाज सुनकर वह घर से बाहर आए तो खौफनाक मंजर दिखा। एलएन सिंह लड़खड़ाते हुए फुटपाथ पर गिर पड़े। उनके पेट, हाथ और पैर से खून निकल रहा था और वह दर्द से कराह रहे थे। उन्हें बेरहमी से कई बार चाकू मार गया था। क्षेत्र के एक युवक ने कहा कि आरोपी पर मानो जैसे भूत सवार हो गया था। वह दौड़ा-दौड़ाकर एलएन सिंह पर एक के बाद एक चाकू से कई वार करता रहा। किसी ने भी एलएन सिंह की जान बचाने का प्रयास नहीं किया। सूचना पर पुलिस आई और घायल अवस्था में उन्हें अपने साथ ले गई। पूरा फुटपाथ उनके खून से लाल हो गया था। आसपास के लोगों ने बताया कि आरोपी व्हाइटनर से लेकर कई तरह का नशा करता है।

यह था पूरा मामला

प्रयागराज के सिविल लाइंस थाना इलाके में हर्ष होटल के पास बृहस्पतिवार की रात मीडियाकर्मी एलएन सिंह (48) की चाकू से गोद कर हत्या कर दी गई। वारदात के दौरान हमलावर ने एक दर्जन से अधिक बार चाकू से वार किए। धूमनगंज थाना क्षेत्र में नेहरू पार्क के पास हत्यारोपी से पुलिस की मुठभेड़ हो गई।

इस दौरान आरोपी के पैर में चार गोली लगी है। उसे एसआरएन में भर्ती कराया गया है। मूलरूप से बलिया के रहने वाले एलएन सिंह पिछले कई साल से धूमनगंज में परिवार के साथ रहते थे। वह एक निजी चैनल से जुड़े हुए थे। रात करीब 10:30 बजे वह सिविल लाइंस के जीएचएस रोड के पास गए थे। तभी वहां पर उन्होंने दोस्त के बेटे साहिल को ले जा रहे नशे के आदी आरोपी विशाल को रोका। इस पर कहासुनी हुई और विशाल ने चाकू से हमला कर दिया।

'भाई' समेत दो युवकों से था अफेयर, पुलिस चौकी से लाकर मार डाला

'कातिल' ने कत्ल कर पहनी दूसरी शर्ट

उन्नाव, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। उन्नाव के बांगरमऊ कोतवाली के एक गांव में भाई दूज के दिन किशोरी की हत्या चचेरे भाई ने नहीं उसके ही सगे बड़े भाई ने की थी। पुलिस की जांच में इसका खुलासा हुआ है।

पुलिस ने हत्यारोपी भाई को गिरफ्तार कर चाकू भी बरामद कर लिया है। आरोपी ने बताया कि बहन दो युवकों से फोन पर बात करती और उनसे मिलती थी। युवक उसकी फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी भी दे रहे थे। गांव और बिरादरी में बदनामी हो रही थी। बहन को कई बार समझाया, नहीं मानी तो गुस्से में हत्या कर दी। बांगरमऊ कोतवाली के एक गांव में 16 साल की किशोरी की बृहस्पतिवार को ग्राम प्रधान के अहाते के पास खून से लथपथ मिली थी। गले और शहर में धारदार हथियार के सात गहरे जख्म मिले थे। छोटी बुआ ने चचेरे भाई राजेश पर हत्या का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई थी। बांगरमऊ कोतवाली प्रभारी चंद्रकांत सिंह ने बताया कि नामजद आरोपी राजेश की मां से पूछताछ चल रही थी। इसी दौरान नगर पुलिस चौकी के पास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज में किशोरी अपने सगे बड़े भाई के साथ बाइक से आती दिखी। घटनास्थल पर आरोपी की अंगुलियों के निशान इस पर रात करीब दस बजे दबिश के लिए रवाना होने की तैयारी कर रही पुलिस की जांच का रुख मुड़ गया। पुलिस ने मृतका के बड़े भाई को उठाया और पूछताछ की तो पहले गुमराह करने का प्रयास किया। जब फुटेज और घटनास्थल पर उसकी अंगुलियों के निशान मिलने की बात कही तो उसने सच उगल दिया। पुलिस को बताया कि पिता के बीमार रहने से वह दिल्ली में मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करता है। दिवाली मनाने 19 अक्तूबर को वह घर आया था। गांव में चचेरे भाई व एक अन्य युवक से बहन की नजदीकी को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं सुनीं। बहन का मोबाइल चेक किया तो उसमें भी गांव के युवकों से बात होने की पुष्टि और कुछ फोटो मिले। बदनामी को देखते हुए बहन को समझाने का प्रयास किया लेकिन वह नहीं मानीं।

'लठबंधन, ठगबंधन और हठबंधन से मिलकर बना है महागठबंधन' : केशव प्रसाद मौर्य

पटना, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने विपक्षी महागठबंधन पर निशाना साधते हुए महागठबंधन को 'लठबंधन, ठगबंधन और हठबंधन' बताया है।उन्होंने कहा कि यह गठबंधन सत्ता के अहंकार में डूबा हुआ है और जनता को अब भी गुलाम समझता है। मौर्य ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट करते हुए लिखा, जाहिर है कि लठबंधन, ठगबंधन और हठबंधन से मिलकर बना है महागठबंधन, जो अपनी राजशाही के अहंकार में जनता को गुलाम समझता है।

उन्होंने आधिकारिक 'एक्स' पोस्ट के जरिए कहा कि महागठबंधन का एनडीए से कोई मुकाबला नहीं है, क्योंकि बिहार में विकास का चेहरा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हैं, जो 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के मंत्र पर आगे बढ़ रहे हैं। मौर्य ने दावा किया कि इस साल नवंबर महीने में शुरू हो रहे विधानसभा चुनाव में फिर से 2010 जैसा इतिहास दोहराया जाएगा और एनडीए भारी बहुमत के साथ सरकार बनाएगा। मौर्य ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश और राज्य दोनों ने विकास के नए आयाम छुए हैं।

तेजस्वी यादव के खिलाफ चुनाव आयोग में शिकायत

भाजपा ने एआई जनरेटेड वीडियो को लेकर कार्रवाई की मांग की

पटना, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव के बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव पर गंभीर आरोप लगाते हुए चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराई है।

पार्टी ने आरोप लगाया कि तेजस्वी यादव ने अपने आधिकारिक फेसबुक अकाउंट से एक एआई जनरेटेड भ्रामक वीडियो शेयर किया, जिसमें बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को गलत तरीके से दर्शाया गया है।भाजपा की शिकायत में कहा गया कि यह वीडियो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के जरिए तैयार किया गया और इसमें भ्रामक व असत्य बयान शामिल हैं, जिनका उद्देश्य मतदाताओं की धारणा को प्रभावित करना और चुनावी माहौल को दूषित करना है। भाजपा ने अपनी शिकायत में कहा कि तेजस्वी यादव

की ओर से शेयर वीडियो चुनाव आयोग की हालिया एडवाइजरी का सीधा उल्लंघन है। भाजपा ने यह भी कहा कि वीडियो मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट के कई प्रावधानों का उल्लंघन करता है।

पार्टी ने आरोप लगाए कि एआई निर्मित और डीपफेक वीडियो का सहारा लेकर तेजस्वी यादव ने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों का झूठा चित्रण और चरित्र हनन किया है, जो आदर्श आचार संहिता का सीधा और गंभीर उल्लंघन है। इसके अलावा, शिकायत में कहा गया है कि तेजस्वी यादव का आचरण जनप्रतिनिधित्व अधिनियम-1951 के तहत गंभीर वैधानिक उल्लंघनों को भी दर्शाता है। यह कृत्य धारा 123(4) के अंतर्गत 'भ्रष्ट आचरण' की श्रेणी में आता है, क्योंकि इसमें चुनाव के परिणाम को प्रभावित करने के इरादे से किसी भी उम्मीदवार के व्यक्तिगत चरित्र या आचरण से संबंधित या किसी भी उम्मीदवार की उम्मीदवारी या नाम वापसी के संबंध में किसी भी झूठे तथ्य का प्रकाशन शामिल है। भाजपा ने चुनाव आयोग से कार्रवाई की मांग की है। पार्टी ने कहा, शिकायत पर तत्काल संज्ञान लिया जाए। फेसबुक-मेटा को निर्देश दिया जाए कि वह संबंधित वीडियो को तुरंत हटाए और जांच के लिए उसका मेटाडाटा संरक्षित रखे। तेजस्वी यादव और उनकी पार्टी को आचार संहिता और एआई संबंधी दिशा-निर्देशों के उल्लंघन पर नोटिस जारी किया जाए। पार्टी ने यह भी मांग की कि वीडियो के स्रोत और तकनीकी हेरफेर का पता लगाने के लिए निर्वाचन आयोग के साइबर सेल और उपयुक्त नोडल अधिकारी के अधीन जांच का आदेश दिया जाए।

बिहार में लालटेन का दौर गया, अब एलईडी का जमाना : रवि किशन

पटना, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव के बीच भाजपा के स्टार प्रचारक और सांसद रवि किशन ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर जोरदार पलटवार करते हुए कहा कि बिहार से लालटेन का दौर जा चुका है अब बिहार में एलईडी का जमाना है।पटना में मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने राजद के शासनकाल को 'भ्रष्टाचार का दौर' करार देते हुए कहा कि अब बिहार नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है। भाजपा सांसद ने दावा किया कि 14 नवंबर को मतगणना के बाद बिहार नया मुकाम हासिल करेगा। लालटेन का दौर गया, अब एलईडी का जमाना है।

उन्होंने कहा कि 20 साल पहले बिहार में भ्रष्टाचार का बोलबाला था। लाखों-करोड़ों के घोटाले होते थे। क्या आपने कभी सुना कि मोदी सरकार में कोई घोटाला हुआ। बिहार ने उस घोटालों के दौर को देखा है। आज बिहार जगमग हो रहा है। यह नया भारत है, जो 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। रवि किशन ने राजद के 'लालटेन' पर तंज कसते हुए कहा कि अब लालटेन का दौर गया। यह एलईडी लाइट का जमाना है। बिहार में विकास कार्यों का जिक्र करते हुए भाजपा सांसद ने कहा कि पटना का एयरपोर्ट लंदन की तरह दिखने लगा है।

200 पीड़ितों सेपांच से सात करोड़ की ठगी

32 केस के बाद जावेद हबीब पैसा लौटाने को तैयार, वकील ने दिलाया भरोसा

संभल, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। मशहूर हेयर ड्रेसर जावेद हबीब की कंपनी फॉलिकल ग्लोबल में निवेश करने वाले लोगों के रुपये मिलेंगे। यह भरोसा जावेद हबीब के अधिवक्ता पवन कुमार ने कुछ पीड़ितों को दिया है।

कुछ लोगों के नाम भी लिए हैं। अब सवाल उठता है कि पीड़ितों की संख्या 200 से ज्यादा है और पांच से सात करोड़ रुपये की ठगी से जुड़ा मामला है तो कुछ ही लोगों के नाम क्यों लिए गए। लोगों ने भी पुलिस से यही सवाल करना शुरू कर दिया है। जिन लोगों ने रायसत्ती थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है वह अब पुलिस से जानकारी करने में लगे हैं। दरअसल संभल और उसके आसपास के गांवों के 200 से ज्यादा लोगों ने फॉलिकल ग्लोबल कंपनी में कॉइन में निवेश किया था। इस निवेश से पहले एक सेमिनार किया गया था। जिसमें जावेद हबीब और उसके बेटे अनोस हबीब भी मौजूद रहे थे। इस सेमिनार में बताया गया था कि कंपनी वेलनेस इंडस्ट्री को डिजिटाइज कर रही है। जमीन, हेल्थ और ब्यूटी बिजनेस में निवेश करेगी। इसका जो मुनाफा मिलेगा वह निवेशकों तक पहुंचेंगा।

इस झांसे में आकर लोग निवेश करने लगे। जब दो वर्ष बाद भी निवेश की गई राशि नहीं मिली और न मुनाफा मिला तो लोगों को ठगी का अहसास हुआ। इसके बाद रायसत्ती थाने में 32 मुकदमे दर्ज किए गए। शुरुआती कार्रवाई में जावेद हबीब के अधिवक्ता ने कहा था कि कंपनी ने कोई संबंध नहीं है। अब कार्रवाई आगे बढ़ी तो लोगों को रुपये लौटाने का प्रयास शुरू किया है। पीड़ितों का कहना है कि अधिवक्ता ने कुछ लोगों से ही रकम वापस करने का वादा किया है। रायसत्ती थाना प्रभारी का कहना है कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है।

सीआर पाटिल ने दिलाई लालू शासन की याद, सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली

पटना, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार में पहले चरण के चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहे हैं, एक-दूसरे दल के खिलाफ राजनीतिक बयानबाजी तेज होती जा रही है। केंद्रीय मंत्री सीआर पाटिल ने महागठबंधन की तरफ से तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री और मुकेश सहनी को उपमुख्यमंत्री का उम्मीदवार बनाने पर कहा कि बिहार के लोग लालू के समय का जंगलराज अभी नहीं भूले हैं।उन्होंने दावा किया कि बिहार में फिर से एनडीए की सरकार बनने जा रही है। सीआर पाटिल ने मीडिया से बात करते हुए सभी बिहारवासियों को छठ की शुभकामनाएं दी और कहा कि मुझे विश्वास है कि छठ के इस पर्व पर सभी को छठी मैया से आशीर्वाद प्राप्त होगा।

उन्होंने कहा कि बिहार के मतदाता राज्य का विकास चाहते हैं। पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जिस तरह से बिहार में भ्रष्टाचार मुक्त सरकार मिली। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जो लोग दावा करते हैं कि वे भ्रष्टाचार मुक्त सरकार देंगे, उनके लिए मैं सिर्फ यही कहूंगा कि सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली है। बिहार की जनता सब जान रही है और अब किसी के बहकावे में आने वाली नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में लगातार विकास हो रहा है। बिहार की जनता इन कामों से खुश है और उनको भी पता है कौन सी सरकार बनने पर उनका फायदा होने वाला है।

केंद्रीय मंत्री सीआर पाटिल ने कहा कि बिहार के लोग जो किसी दूसरे प्रदेश में नौकरी के लिए गए थे, वे वापस आकर एनडीए के साथ खड़े हो गए हैं ताकि उनसे सरकार चुनने में कोई गलती न हो और बिहार का विकास हो सके। बिहार की जनता लालू यादव के समय को भूली नहीं है। उस समय बिहार की स्थिति क्या हो गई थी?

मुख्तार के करीबी को ईडी ने दबोचा

जबरन लेता था टॉवरों में डीजल आपूर्ति के ठेके

लखनऊ, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय ने माफिया मुख्तार अंसारी के करीबी शादाब उर्फ डंपी को लखनऊ स्थित चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के पास से गिरफ्तार कर लिया। वह मुख्तार की कंपनी विकास कंस्ट्रक्शन से जुड़ा था और भारत संचार निगम लिमिटेड के मोबाइल टॉवरों में डीजल की आपूर्ति का काम करता था। विकास कंस्ट्रक्शन के खिलाफ ईडी की जांच शुरू होने पर वह दुबई भाग गया था।

दुबई से वापस आने के बाद बुधवार को वह मुंबई से लखनऊ आया, जहां मौजूद ईडी की टीम ने उसे दबोच लिया। ईडी, लखनऊ की टीम ने उसे गिरफ्तार करने के बाद राजधानी स्थित पीएमएलए की विशेष अदालत में पेश किया, जिसके बाद उसे 3 नवंबर तक न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया

गया। ईडी की ओर से उसे कस्टडी रिमांड पर देने की अर्जी भी पेश की गई, हालांकि उस पर अभी निर्णय नहीं हुआ है। ईडी के अधिकारियों के मुताबिक शादाब बीएसएनएल में मुख्तार का खौफ दिखाकर डीजल आपूर्ति के ठेकों को हथिया लेता था। इसमें होने वाला मुनाफा मुख्तार को मिलता था।

वह मुख्तार के आईएस 191 गैंग के सदस्यों में शामिल है। उस पर बीएसएनएल में हुए सात करोड़ रुपये के डीजल घोटाले को अंजाम देने का भी आरोप है। तीन साल तक करते रहे घोटाला विकास कंस्ट्रक्शन कंपनी की आड़ में वर्ष 2013 से 2015 तक मुख्तार अंसारी गैंग ने गाजीपुर जिले में बीएसएनएल के मोबाइल टॉवरों में डीजल सप्लाई का काम लिया था। बाद में सामने आया कि करीब 7 करोड़ रुपये का भुगतान बिना डीजल की आपूर्ति किए हो गया। इसमें विभाग के कई अधिकारियों और कर्मचारियों की सांठगांठ की आशंका भी जताई गई थी। ईडी की प्रयागराज यूनिट ने इस प्रकरण की जांच शुरू की थी, जिसके बाद वर्ष 2022 में शादाब को नोटिस भेजकर तलब किया था, हालांकि वह पेश होने की जगह दुबई भाग गया। ईडी ने उसके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट हासिल किया था। बुधवार को उसके मुंबई से वापस आने की सूचना पर एयरपोर्ट से धर लिया गया।

सबरीमाला सोना चोरी मामला

मुख्य आरोपी के आवास और बेल्लारी की ज्वैलरी शॉप में छापेमारी

एसआईटी की कार्रवाई तेज

बंगलूरू, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। केरल के सबरीमाला मंदिर से सोने के चोरी मामले में विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने कार्रवाई तेज कर दी है। इसके तहत अब एसआईटी ने शनिवार को मामले के मुख्य आरोपी उन्नीकृष्णन पोटी के बंगलूरू स्थित अपार्टमेंट और बेल्लारी के एक ज्वैलरी शॉप पर छापेमारी की। सूत्रों के अनुसार, पोटी को शुक्रवार को जांच के सिलसिले में बंगलूरू लाया गया था। एसआईटी ने गोवर्धन नामक ज्वैलरी शॉप का भी निरीक्षण किया, जिसने मंदिर के श्रीकोविल (मुख्य गर्भगृह) के दरवाजे के सोने की चढ़ाई के काम में फंडिंग की थी।

मामले में अधिकारियों ने बताया कि यहां से कई सोने की बारें जब्त की गई हैं, लेकिन यह अभी स्पष्ट नहीं है कि ये सोने की बारें 2019 में इलेक्ट्रोप्लेटिंग के लिए भेजी गई द्वारपालक मूर्तियों की प्लेटों से संबंधित हैं या नहीं।इससे पहले एसआईटी ने पहले ही गोवर्धन का बयान दर्ज कर लिया है। वहीं, टीम ने पोटी के श्रीरामपुरा स्थित अपार्टमेंट और वहां के अय्यप्पा मंदिर का भी दौरा किया, जहां वह पहले पुजारी रहे हैं।

पोटी को चेन्नई के एक कार्यालय ले जाया जाएगा

अब मामले में अगले कदम के रूप में पोटी को चेन्नई के स्मार्ट क्रिएशन कार्यालय ले जाया जाएगा, जहां 2019 में इलेक्ट्रोप्लेटिंग का काम हुआ था। रन्नी की न्यायिक प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट कोर्ट ने पहले ही पोटी को 30 अक्टूबर तक एसआईटी की कस्टडी में सौंपा था। जांचकर्ताओं का लक्ष्य है कि इस अवधि में सभी सबूत इकट्ठे कर लिए जाएं। इसके साथ ही जांच में सामने आया है कि पोटी ने 2019 में त्रावनकोर देवस्वोम बोर्ड (टीडीबी) से द्वारपालक मूर्तियों की सोने की चढ़ी हुई प्लेटें इलेक्ट्रोप्लेटिंग के लिए ली थीं और बिना अनुमति के इन्हें विभिन्न मंदिरों और घरों में ले गया।

दो मामलों में आरोपी है पोटी

गौरतलब है कि पोटी दो मामलों में मुख्य आरोपी हैं, जिसमें एक द्वारपालक प्लेटों से सोने की गायब होने और दूसरा श्रीकोविल दरवाजे के फ्रेम से सोने के गायब होने का। उन्हें द्वारपालक प्लेटों से सोने के गायब होने के मामले में गिरफ्तार किया गया है, जबकि इसी मामले में एसआईटी ने हाल ही में पूर्व सबरीमाला प्रशासनिक अधिकारी बी. मुरारी बाबू को भी गिरफ्तार किया है।

टीडीबी अध्यक्ष बोले-भगवान अयप्पा का एक दाना सोना भी नहीं खोना चाहिए

वहीं इस मामले में त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (टीडीबी) के अध्यक्ष पीएस प्रसांत ने शनिवार को कहा कि अगर बोर्ड ने हाईकोर्ट को 'द्वारपालक' मूर्तियों की सोने की परत हटाकर मरम्मत के बारे में समय पर सूचित किया होता, तो यह मामला पहले ही सामने आ सकता था। पत्रकारों से बातचीत में प्रसांत ने कहा कि भगवान अयप्पा का एक दाना सोना भी नहीं खोना चाहिए। हम इस मामले में कुछ भी छिपा नहीं रहे हैं। उन्होंने कहा कि जांच विशेष जांच टीम (एसआईटी) सही दिशा में कर रही है और उन्हें भरोसा है कि चोरी हुआ सोना बरामद कर लिया जाएगा। प्रसांत ने कहा कि कुछ लोग उन्हें बेंगलुरु के व्यवसायी उन्नीकृष्णन पोटी से जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन "हमारा उनसे कोई संबंध नहीं है।" उन्होंने यह भी कहा कि अगर किसी अधिकारी या बोर्ड सदस्य की संलिप्तता पाई गई, तो एसआईटी उसे जरूर उजागर करेगी।

भाजपा ने केरल सचिवालय के बाहर किया प्रदर्शन

इसके साथ ही केरल भाजपा अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने शनिवार को सचिवालय के बाहर प्रदर्शन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। राजीव चंद्रशेखर ने राज्य सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि सबरीमाला सोने की चोरी में गंभीर लापरवाही और भ्रष्टाचार हुआ है। उन्होंने मांग की कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और पूरे मामले की पारदर्शी जांच सुनिश्चित की जाए।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने इस दौरान नारेबाजी करते हुए देवस्वोम बोर्ड और राज्य प्रशासन की भूमिका पर सवाल उठाए। प्रदर्शन के कारण सचिवालय क्षेत्र में कुछ समय के लिए ट्रैफिक प्रभावित रहा।

रामलला के दर्शन व आरती के समय में हुआ बदलाव

दोपहर में एक घंटे बंद रहेंगे कपाट; क्या है समय सारिणी

अयोध्या, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। शरद ऋतु के आगमन के साथ ही अयोध्या में रामलला के दर्शन अवधि में बदलाव कर दिया गया है। 23 अक्तूबर से श्रद्धालुओं को राम मंदिर में सुबह 7 बजे से रामलला के दर्शन हो रहे हैं। रात 9 बजे तक दर्शन का यह क्रम जारी रहता है। आरती के समय में भी बदलाव किया गया है। दोपहर में आरती व भोग के लिए एक घंटे तक मंदिर का पट बंद रहता है।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से रामलला के दर्शन की नई समय सारिणी जारी की गई है। राम मंदिर के ट्रस्टी डॉ अनिल मिश्र ने बताया कि शरद ऋतु शुरू हो रही है। ऐसे में रामलला के दर्शन अवधि में कुछ बदलाव किया गया है।

दोपहर 12 से 1 बजे तक दर्शन बंद रहेंगे

रामलला की मंगला आरती जो अब तक सुबह 4 बजे होती थी, अब वह 4:30 बजे होती है। साथ ही रामलला की श्रृंगार आरती सुबह 6 बजे के बजाय 6:30 बजे हो रही है। दर्शन अब सुबह 6:30 बजे के बजाय सुबह 7 बजे से शुरू होता है। दोपहर 12 बजे रामलला को भोग अर्पित किया जाता है। इस दौरान दोपहर 12 से 1 बजे तक दर्शन बंद रहता है।

रामलला की संध्या आरती शाम 7 बजे ही होती है। इसके बाद श्रद्धालुओं को रात 9 बजे तक दर्शन प्राप्त होंगे। रात 9:30 बजे शयन आरती के साथ ही मंदिर बंद कर दिया जाता है। शरद ऋतु के चलते रामलला के राग-भोग में भी बदलाव किया गया है। रामलला को ठंड न लगे इसलिए उन्हें सुबह गुनगुने पानी से स्नान कराया जा रहा है। भोग में ड्राई फ्रूट्स की मात्रा बढ़ा दी है। सर्दी और बढ़ने पर रामलला के रजाई ओढ़ाई जाएगी व ऊनी वस्त्र पहनाए जाएंगें।

ये है समय सारिणी

सुबह 04:30 बजे- मंगला आरती
सुबह 6:30 बजे- श्रृंगार आरती- दर्शन मार्ग से प्रवेश प्रारंभ
सुबह 07:00 बजे- दर्शन प्रारंभ
दोपहर 12:00 बजे- भोग आरती- डी-वन से प्रवेश बंद
दोपहर 12:30 से 01 बजे तक पट बंद रहेगा
दोपहर 01:00 बजे- दर्शन प्रारंभ
रात 09:00 बजे- डी-एक से प्रवेश बंद
रात 9:15 बजे- दर्शन समाप्त
रात 9:30 बजे- शयन आरती- फिर कपाट बंद

टीबी के खिलाफ जंग को लगा झटका

वैज्ञानिक अध्ययन में उठे सवाल- टीके को नहीं मिली मंजूरी

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत में तपेदिक (टीबी) के खिलाफ नई पीढ़ी का टीका लाने की दिशा में चल रहे प्रयासों को झटका लगा है। केंद्र सरकार की विशेषज्ञ समिति ने सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा विकसित रिकॉम्बिनेंट बीसीजी टीका को फिलहाल मंजूरी देने से इनकार कर दिया। समिति ने स्पष्ट किया है कि जिन दावों के आधार पर टीका के लिए अनुमति मांगी गई वे पर्याप्त, मजबूत और निष्कर्ष पूर्ण नहीं हैं। दरअसल कोरोना महामारी की तरह टीबी संक्रमण को भी रोकने के लिए हाल ही में जर्मन रिसर्च इंस्टिट्यूट ने एक टीका विकसित किया जो मौजूदा बीसीजी टीके को आनुवंशिक तरीके से अपग्रेड कर बनाया गया है। इसलिए यह रिकॉम्बिनेंट बीसीजी (वीपीएम1002) नाम से जाना जाता है। इस टीका के उत्पादन के लिए भारत की सीरम इंस्टीट्यूट कंपनी के साथ करार हुआ है। समिति ने भारत के औषधि महानियंत्रक से सिफारिश की है कि कंपनी को अधिक शक्तिशाली नया अध्ययन करना होगा, जिसमें नमूनों की संख्या और प्राथमिक लक्ष्य स्पष्ट हों। भारत में टीबी पर नियंत्रण की लड़ाई में यह टीका एक बड़ी उम्मीद माना जा रहा है।

आईसीएमआर के अध्ययन में भी मजबूत दावा नहीं

समिति के एक वरिष्ठ सदस्य ने बताया कि आवेदन के साथ दो अध्ययन दिए गए जिनमें से एक भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) का भी है जो टीका को मंजूरी देने का आधार है लेकिन विश्लेषण के दौरान समिति ने उसमें भी कई वैज्ञानिक खामियां पाईं। समिति ने पाया कि परिषद के अध्ययन में एक्स्ट्रा-पल्मोनरी टीबी पर टीका का 50.4% प्रभाव दिखाई दिया लेकिन कुल टीबी पर प्रभाव सिर्फ 16.9% रहा जो सांख्यिकीय रूप से असफल रहा।

जबकि अन्य अध्ययन में प्राइमरी एंड पॉइंट हासिल नहीं हुआ जिसका मतलब है कि टीबी की दोबारा होने की घटनाओं में टीका और प्लेसिबो के बीच अंतर सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण नहीं दिखा।

एयरपोर्ट पर महिला के पास मिले सोने के छह बिस्किट

धातु जब्त-पूछताछ जारी

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। आईजीआई एयरपोर्ट पर कस्टम अधिकारियों को एक महिला के पास से सोने छह बिस्किट मिले हैं। इनका वजन करीब एक किलो है। सोना जब्त कर लिया गया है और महिला से पूछताछ की जा रही है।

जानकारी के अनुसार इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर दिल्ली सीमा शुल्क अधिकारियों ने शुक्रवार को उड़ान संख्या 8एम 620 से यांगून से आ रही एक महिला यात्री को रोका। यात्री को ग्रीन चैनल से बाहर निकलने की कोशिश करते समय रोका गया, जो उन लोगों के लिए है जिनके पास घोषित करने के लिए कोई शुल्क योग्य सामान नहीं है।

खाना बनाने के तेल के दोबारा इस्तेमाल से मानवाधिकारों का उल्लंघन होने का आरोप

एनएचआरसी ने मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए खाना बनाने के तेल के दोबारा इस्तेमाल करने के खिलाफ कार्रवाई करते हुए फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एफएसएसएआई) से रिपोर्ट मांगी है। साथ ही आयोग ने एफएसएसएआई को शिकायत संबंधी जांच कर दो हफ्ते में विस्तृत रिपोर्ट देने का निर्देश दिया है। शिकायतकर्ता ने खाना बनाने के तेल के दोबारा इस्तेमाल को मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा बताते हुए इसे मानवाधिकारों का उल्लंघन माना है। देशभर में खाने के तेल के दोबारा इस्तेमाल के खिलाफ 'सार्थक सामुदायिक विकास एवं जन कल्याण संस्था', भोपाल के संस्थापक द्वारा शिकायत दर्ज कराई गई है। शिकायत में कहा गया है कि देशभर में छोटे होटलों, सड़क किनारे लगने वाले ठेले-खोमचों और फूड वेंडर्स द्वारा खाने के तेल का बार-बार इस्तेमाल किया जा रहा है, जिससे जन स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा हो रहा है और इससे कैंसर, हृदय संबंधी बीमारियां और लिवर संबंधी बीमारियां होने का खतरा है।

लोगों को जागरूक करने की मांग

शिकायत में ये भी कहा गया है कि कई बार इस्तेमाल करने के बाद बचे हुए तेल को पानी या जमीन पर लापरवाही से फेंक दिया जाता है, जिससे पानी और मिट्टी प्रदूषित होती है। इससे पर्यावरण को लंबे समय में नुकसान होता है। शिकायतकर्ता ने इसे मानवाधिकारों का उल्लंघन बताते हुए मानवाधिकार आयोग से इस मामले में तुरंत हस्तक्षेप करने की मांग की है। शिकायतकर्ता ने मानवाधिकार आयोग से इस मामले में एफएसएसएआई, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, नगर निगमों को निर्देश देने की मांग की। शिकायतकर्ता ने मांग की है इस्तेमाल तेल को लेकर सख्त नियम बनाने की मांग की और तेल को दोबारा इस्तेमाल लायक बनाने के लिए अधिकृत केंद बनाने का भी सुझाव दिया और साथ ही लोगों को जागरूक करने के लिए अभियान चलाने की भी मांग की।

गर्म करने से तेल बनता है जहर

तेल गाढ़ा, लिसलिसा हो जाता है और उसका रंग बदल जाता है।

ऑक्सीडेशन, हाइड्रोलिसिस, पॉलीमेराईजेशन जैसे केमिकल रिएक्शन होते हैं।

तेल के गुण बदलने और पोषक तत्व जहरीले होने लगते हैं।

पॉलीसाइक्लिक एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन बनते हैं, कैंसर का खतरा बढ़ता है।

हाइड्रोपैराक्साइड, एल्डिहाइड जैसे केमिकल बनते हैं, जिन्हें खाना सोख लेता है।

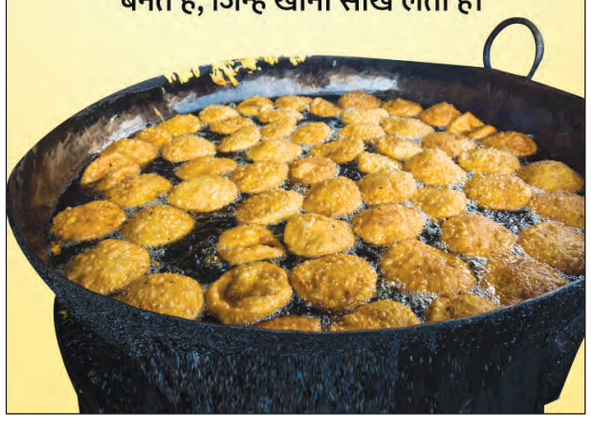

चिंताजनक : 10 साल में प्रदूषण से 38 लाख मौत, छोटे शहरों में भी हवा जहरीली

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत में सांस लेना अब जानलेवा होता जा रहा है। स्वीडन के कारोलिंस्का इंस्टीट्यूट की एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक 2009 से 2019 के बीच वायु प्रदूषण ने देश में 38 लाख लोगों की जान ली, जबकि छोटे और औद्योगिक शहर अब नए प्रदूषण हॉटस्पॉट के रूप में उभर रहे हैं। इस बात का उल्लेख दिल्ली स्थित सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट (सीएसई) की पुस्तक सांसों का आपातकाल करते हुए चेतावनी दी गई है कि यह संकट अब महानगरों से निकलकर पूरे भारत की हवा को विषाक्त कर चुका है। कारोलिंस्का इंस्टीट्यूट की रिसर्च बताती है कि 2009 से 2019 के दशक में भारत में वायु प्रदूषण से होने वाली मौतें कुल मृत्यु दर का 25 प्रतिशत हैं। अगर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सख्त मानक (5 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर) को आधार बनाया जाए तो यह संख्या अनुमानित रूप से 1.66 करोड़ मौतों तक जा सकती है। कारोलिंस्का इंस्टीट्यूट का अध्ययन भारत के 655 जिलों में किया गया था, जिसमें सभी क्षेत्रों में पीएम 2.5 का स्तर मानक से ऊपर पाया गया। अध्ययन में कहा गया है कि भारत की पूरी आबादी ऐसे इलाकों में रहती है जहां पीएम 2.5 का स्तर डब्ल्यूएचओ के मानकों से कहीं अधिक है। विशेषज्ञ बताते हैं कि पीएम 2.5 के कण बेहद सूक्ष्म होते हैं, यहां तक कि बाल की मोटाई के मुकाबले 30 गुना पतले जो सांस के जरिए सीधे फेफड़ों और रक्त प्रवाह तक पहुंच जाते हैं।

दिमागी रूप से कमजोर महिला के पास निकला खजाना

लोग गिनते-गिनते थक गए पर पैसा खत्म नहीं हुए

मंगलौर, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। मंगलौर कस्बे में 13 साल से रह रही दिमागी रूप से कमजोर महिला के पास लगभग एक लाख रुपये की नकदी मिली है। नकदी को देखकर लोग हतप्रभ रह गए। आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस महिला को सुरक्षित स्थान पर भेजने की तैयारी कर रही है। मंगलौर कस्बे के मोहल्ला पठानपुरा में एक मकान के पास एक दिमागी रूप से कमजोर महिला करीब 13 साल से रह रही थी। मोहल्ले के लोगों ने उसे वहां से हटाया तो उसके पास से प्लास्टिक के थैले से काफी पैसे मिले। मोहल्लेवालों ने पुलिस को सूचना दी। यही के कुछ लोगों ने उन पैसों को गिनना शुरू किया तो लगभग दो घंटे की मशक्कत के बाद 53186 रुपये व 17 किलोग्राम के सिक्के मिले हैं।

तेजस्वी को हरियाणा के मंत्री विज ने बनाया निशाना

कहा-राजद ने 'एनडीए की जीत स्वीकार ली'

अंबाला, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के बीच राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। हरियाणा सरकार में कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने राघोपुर विधानसभा सीट से राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के उम्मीदवार तेजस्वी यादव के ताजा बयान पर कड़ा प्रहार किया है। तेजस्वी के दावे पर विज ने कहा कि यह बयान एनडीए की अप्रत्यक्ष स्वीकृति दर्शाता है। मंत्री अनिल विज ने कहा कि तेजस्वी यादव का ये बयान देना कि अगर एनडीए की सरकार आ भी गई तो नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री नहीं बनाया जाएगा, ये बताता है कि तेजस्वी यादव ने ये तो स्वीकार कर लिया है कि एनडीए की सरकार आएगी।

बंगाल की खाड़ी में चक्रवाती तूफान के आसार

> कल से भारी बारिश का अलर्ट, पहाड़ों पर बर्फबारी से सर्दी बढ़ी

भुवनेश्वर, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। बंगाल की खाड़ी में बने एक नए निम्न दबाव क्षेत्र के चक्रवाती तूफान में बदलने की आशंका जताई गई है। मौसम विभाग के अनुसार, इसके असर से ओडिशा और पश्चिम बंगाल में 27 अक्तूबर से अगसे तीन दिनों तक भारी बारिश हो सकती है। उधर, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के ऊंचाई वाले इलाकों में पिछले दिनों हुई बर्फबारी और बारिश के चलते सर्दी ने दस्तक दी। तीनों जगह तापमान में गिरावट भी दर्ज की गई है। भुवनेश्वर मौसम विज्ञान केंद्र की निदेशक मनोरमा मोहंती ने बताया कि यह सिस्टम पिछले कुछ घंटों में पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ा है और इसी दिशा में आगे बढ़ने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, यह 25 अक्तूबर तक कम दबाव, 26 अक्तूबर तक अधिक कम दबाव और 27 अक्तूबर की सुबह तक चक्रवाती तूफान में बदल जाएगा।

मोहंती ने कहा कि फिलहाल यह बताना जल्दबाजी होगी कि तूफान कहां लैंडफॉल करेगा, लेकिन ओडिशा में 27 से 29 अक्तूबर के बीच भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। खास तौर पर तटीय जिलों में इसका ज्यादा असर पड़ेगा। मौसम विभाग ने शुक्रवार को 12 जिलों, शनिवार और रविवार को 21 जिलों और सोमवार को पूरे राज्य में यलो एलर्ट जारी किया है। ओडिशा के राजस्व और आपदा प्रबंधन मंत्री सुरेश पुजारी ने कहा कि राज्य सरकार हालात पर नजर रखे हुए है और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा, अक्तूबर महीना आमतौर पर चक्रवातों के लिए संवेदनशील होता है, लेकिन घबराने की जरूरत नहीं है। सरकार पूरी तैयारी में है। मौसम विभाग के अनुसार, दक्षिण बंगाल के उत्तर और दक्षिण 24 परगना, पूर्व और पश्चिम मेदिनीपुर, झारग्राम और हावड़ा जिलों में 28 से 30 अक्तूबर के बीच भारी बारिश की संभावना है। वहीं, 28 अक्तूबर को कोलकाता और हावड़ा में गरज के साथ बिजली गिरने की भी चेतावनी जारी की गई है। उत्तर बंगाल के जलपाईगुड़ी, अलीपुरद्वार, कूचबिहार, दक्षिण दिनाजपुर और मालदा जिलों में भी 29 और 30 अक्तूबर को भारी बारिश की संभावना जताई गई है। चेन्नई समेत प्रदेश के कई इलाकों में शुक्रवार को भी बारिश दर्ज की गई है। भारतीय मौसम विभाग ने दो-तीन दिन में प्रदेश के कई इलाकों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। पूर्वानुमान के मुताबिक, 28 अक्तूबर तक तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में गरज और बिजली के साथ बारिश जारी रह सकती है। वहीं, कुड्डालोर, पुडुचेरी, विल्लुपुरम और चेंगलपट्टू जैसे जिलों में भारी बारिश होने का अनुमान है।

जम्मू-कश्मीर में आज से बादल छाने और बर्फबारी के आसार

जम्मू-श्रीनगर में मौसम का मिलाजुला रूप देखने को मिल रहा है। दिन में तेज धूप तो रात में ठंडी हवा ठंड का अहसास हो रहा है। मौसम विभाग के अनुसार तीन नवंबर तक बादल छाए रहने के आसार हैं। 28 अक्तूबर को हल्की बारिश व ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी हो सकती है।

हिमाचल में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय, बर्फबारी का अलर्ट

हिमाचल के अधिकतर क्षेत्रों में पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता के चलते 27 अक्तूबर को बारिश और बर्फबारी का पूर्वानुमान है। प्रदेश में बदले मौसम के बीच न्यूनतम तापमान में कमी दर्ज होने से सुबह और शाम के समय ठंडक बढ़ गई है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार 27 अक्तूबर को एक नया पश्चिमी विक्षोभ पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र को प्रभावित कर सकता है। इसके प्रभाव से राज्य में फिर से बारिश-बर्फबारी का दौर शुरू हो सकता है। 28 से 30 अक्तूबर तक मौसम साफ रहने का पूर्वानुमान है। वीरवार रात को ताबो में न्यूनतम तापमान माइनस 2.0, कुकुमसेरी में 1.0, कल्पा में 3.1, नारकंडा में 4.2, मनाली में 5.4, रिकांगपिओ में 6.3, कुफरी में 8.1, भुंतर में 8.5, सोलन में 10.0, ऊना में 11.4, हमीरपुर में 11.7, धर्मशाला में 12.1, मंडी में 12.5, कांगड़ा में 13.0, बिलासपुर में 14.2 और नाहन में 18.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

गंगोत्री-यमुनोत्री की पहाड़ियों पर बर्फबारी

उत्तराखंड में बृहस्पतिवार को गंगोत्री व यमुनोत्री और बदरीनाथ की ऊपरी पहाड़ियों पर बर्फबारी हुई थी, जिससे निचले इलाकों में बारिश हुई, इस वजह से उत्तरकाशी, हर्षिल और जोशीमठ क्षेत्र में ठंडक बढ़ गई है। हालांकि शुक्रवार को सभी जगह तेज धूप निकलने से मौसम खुशगवार रहा। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों तक मौसम इसी तरह रहने की संभावना जताई है।

केरल में बारिश से भारी तबाही पेड़ और बिजली के खंभे उखड़े

केरल में पिछले 24 घंटे से जारी भारी बारिश और तेज हवाओं ने कई जिलों में पेड़ गिरने, बिजली की तारें टूटने, घर और वाहनों को नुकसान पहुंचाने के साथ यातायात में बाधा उत्पन्न कर दी। शुक्रवार को भी बारिश जारी रही, जिससे राज्य के निचले इलाकों में जलभराव और कई नदियों में पानी का स्तर बढ़ गया। पालक्कड़ जिले में वालायार, मलमपुझा, मूळथारा और चुलियार जैसी कई झीलों के जलस्तर अपने अधिकतम सीमा के करीब पहुंच गए, जिसके चलते अधिकारियों ने डेम के शटर कुछ सेंटीमीटर खोल दिए।

विज्ञान के शिरोमणि डा शांति स्वरूप भटनागर

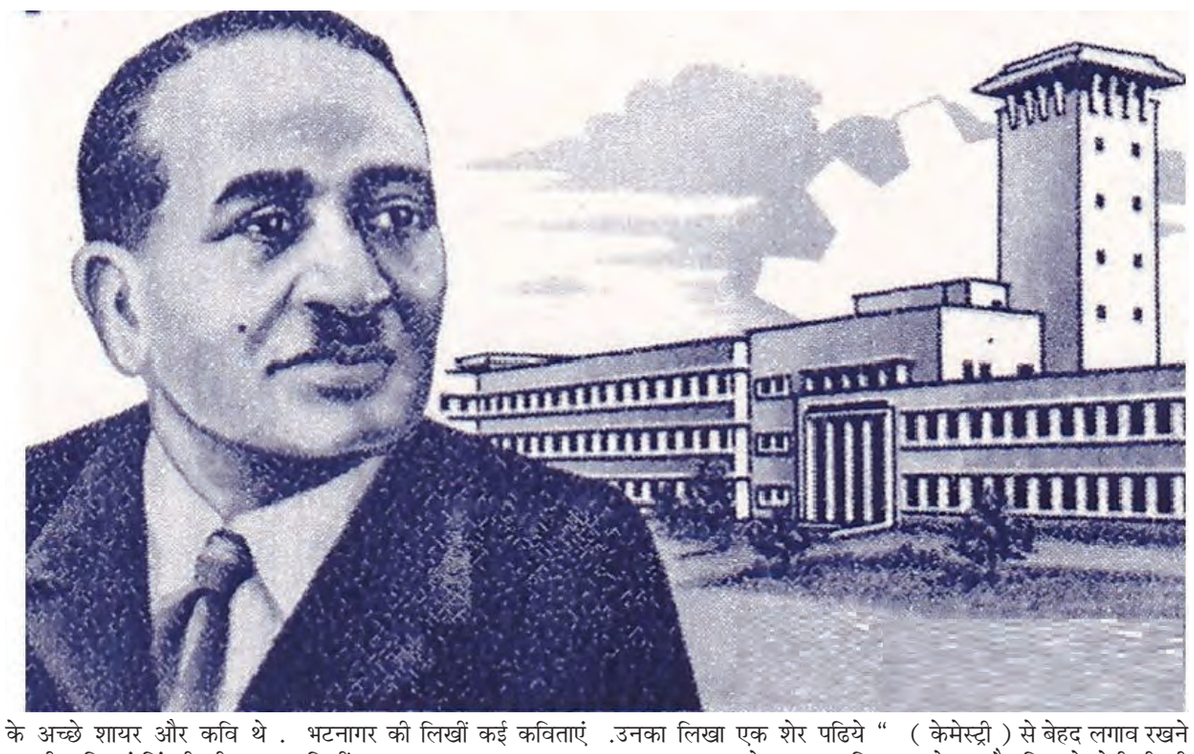

अतुल कुमार

विज्ञान आज जीवन का अभिन्न अंग है जिसकी कई खोजों से मनुष्य जीवन का उद्धार हुआ और हो रहा है . चिकित्सा , कृषि ,परिवहन और मनोरंजन आदि के क्षेत्र में विज्ञान ने जो छलांग भरी उसने मनुष्य जीवन को सरल बनाया . उसके अनुसंधानों ,आविष्कारों ने जीवन को आरामदायक बनाया जिससे जीवन की गुणवत्ता में कई बदलाव हुए और हो रहे हैं . बिजली और रबर की खोज ने पूरे जीवन के तरीकों को बदला .इनके आने से पूर्व मनुष्य दिन की रौशनी में ही कार्य करने को विवश थे बिजली के कारण वह किसी भी समय काम करने योग्य बने . बिजली .मोबाइल फोन , कंप्यूटर और इंटरनेट , जैसे आविष्कारों ने जीवन को अत्याधुनिक सुविधा प्रदान की .बीमारियों के इलाज में इतनी सफलता मिली कि पहले लाइलाज समझी जाने वाली कई बीमारियां उपचार के दायरे में आयीं .कई घातक रोगों ने इलाज के सामने समर्पण किया जिससे मनुष्य छुट्टी पा गया .साइंस इंसान के लिये महत्वपूर्ण टूल बना . विद्वान लोगों की मान्यता है कि विज्ञान आज का जादुई चिराग है जिससे जो मांगो वह देर सबेर मिल जाता है . यही विज्ञान के विकास , विश्वास , विश्लेषण और विजय का प्रतीक भी है . साइंस पर किसी ने खूब कहा " विज्ञान इंसान का वफादार सेवक है जिसने कई बंद रास्ते खोले " .

सच तो यह है कि विज्ञान और वैज्ञानिकों के महत्व को जानने समझने की कोशिश नहीं की गयी जो मान सम्मान और आदर उनको मिलना चाहिये उसमें कमी दिखायी देती है . ऐसा क्यों ? क्रिकेट और फिल्म सितारों से कहीं बडा योगदान साइंटिस्टों का होता है जो जीवन के तौर तरीकों को बदलते है . युवा पीढी में साइंटिस्ट बनने की वह हूक दिखायी नहीं देती कि वह वैज्ञानिक बनें . जब कि यह क्षेत्र कई क्षमताओं से युक्त है . दर असल इस तरफ जागरूकता को बढावा देने के प्रयास नहीं हुए .

देश के महान वैज्ञानिकों में एक वैज्ञानिक शिरोमणि डा शांति स्वरूप भटनागर थे जिन्होंने लगन और कठिन परिश्रम के बल से साधनों के नहीं होते हुए भी साधन जुटा विज्ञान की खोज को अपने जीवन का उद्देश्य बनाया . जुनूनी साइंटिस्ट की तरह उस राह चले जिसने विज्ञान के सुनहरे इतिहास को लिखने में सफलता हासिल की . सूचनानुसार आज जितनी भी वैज्ञानिक खोजें हुईं या हो रही हैं उसकी नींव उन्होंने ही रखी . ऊर्दू के अच्छे शायर और कवि थे . उनकी कविताएं ज़िंदगी की ताकत बन लोगों को आगे बढने के लिये प्रेरित करती हैं . एक काव्य संग्रह " लाजवंती " शीर्षक से प्रकाशित हुआ .जिसे उन्होंने पत्नी की स्मृति में लिखा जिसको दुर्भाग्य वश चोरों द्वारा चुरा लिया गया . लाजवंती के निधन के बाद उनका संदूक खोला गया तो उसमें डा भटनागर की लिखीं कई कविताएं मिलीं .

कम ज्ञात तथ्य है कि वह कवि ही नहीं बल्कि कहानी कार और नाटककार भी थे जिन्होंने अपने लिखे नाटक "करामात " से दर्शकों और पाठकों को प्रभावित किया .लोगों को साइंस के प्रति जागरूक बनाने और इसके प्रति दिलचस्पी बढाने के लिये हमेशा सकृय रहे .उनका लिखा एक शेर पढिये " गरज मयास्सर जो चश्मा ए दिल हो तो उसका जलवा कहां नहीं है " अर्थात यदि किसी के पास शुद्ध हृदय से सुविचारित दृष्टि है ,तो ईश्वर का रहस्योद्घाटन हर जगह है . प्रसिद्ध शायर मिर्ज़ा गालिब उनके पारिवारिक मित्र थे . भटनागर ने रिटायरमेंट के बाद कई ऊर्दू कविताएं लिखीं रसायन शास्त्र (केमेस्ट्री) से बेहद लगाव रखने वाले इस वैज्ञानिक ने खेती भी की और कृषि से संबंधित गहन जानकारियां भी उनके पास थीं .

डा शांति स्वरूप भटनागर भारतीय कोलाईड रसायन , शिक्षा विद और वैज्ञानिक प्रशासक थे जिनको देश में अनुसंधान प्रयोगशालाओं के जनक के रूप में जाना जाता है . वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सी एस आई आर) के पहले महानिदेशक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी और देश में 12 राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं की स्थापना की .उनके प्रमुख शोध क्षेत्र मैग्नेटो केमिस्ट्री और इमल्शन के भौतिक रसायन

विज्ञान थे . भौतिक शास्त्री आर एन माथुर के साथ मिल कर "भटनागर – माथुर इंटरफेरेंस बैलेंस " का आविष्कार किया . वह विश्व विद्यालय अनुदान आयोग (यू जी सी) के पहले अध्यक्ष थे . और भारत सरकार के शैक्षिक सलाहकार थे .उनकी मान्यता थी कि साइंस को हर स्तर पर प्रमोट किया जाना चाहिये क्यों कि यह मानव कल्याण का सबसे अच्छा माध्यम है . 19 वर्षों तक केमिस्ट्री के प्रोफेसर रहे . 21 फरवरी 1894 में उनका जन्म हुआ . मात्र 8 महीने के थे तब पिता परमेश्वरी सहाय भटनागर का निधन हो गया उनकी परवरिश नाना के घर हुई . बचपन से ही खिलौने ,इलेक्ट्रानिक बैटरियां , और तार युक्त टेलीफोन बनाने का शौक था .देश में पहली बार मशीनी खिलौने बनाने का श्रेय उन्हीं को है . महान साइंटिस्ट के यह शुरुआती दिन थे जिसने वैज्ञानिक इतिहास को बदला .

वास्तव में डा भटनागर का पूरा जीवन भारत को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है .अंग्रेज़ शासक उनके वैज्ञानिक ज्ञान और कौशल से प्रभावित थे और उनको प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया . जिसमे रायल सोसायटी फेलो (1936) एक है . भारत सरकार द्वारा विज्ञान और अभियांत्रिकी के क्षेत्र में उनको पद्मभूषण सम्मान (1954) से नवाज़ा गया . इस महान वैज्ञानिक ने 1 जनवरी 1955 को इस संसार को अलविदा कहा .

रसायन विद्या के प्रचार और प्रसार के लिये अपना जीवन झोंक कर कार्य किया जिससे साइंटिफिक रिसर्च की नींव मज़बूत हुई और शोधों को बहुत लाभ हुआ . लंदन विश्वविद्यालय से विज्ञान में डाक्टरेट की उपाधि प्राप्त की जो उस समय दुर्लभ उपलब्धि थी .

उनके सम्मान में भारत सरकार द्वारा विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिये सन 1958 में " शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार " की स्थापना की गयी . किसी शायर ने खूब लिखा " अपने हुनर से ऐसा अफसाना लिख गये / कि रहती दुनिया तक उनके काम की रौशनी सहारा बन चमका करेगी // ऐतिहासिक वैज्ञानिक डा शांति स्वरूप भटनागर ने यही किया .

काव्य कुंज

छठ पर्व

डॉ संजुला सिंह जमशेदपुर

सनातन धर्म है बड़ा अनोखा
इसके जैसा ना कोई देखा ।
रंग रूप इसका बड़ा प्यारा
जो औरों से बिल्कुल न्यारा ।
सनातन धर्म में पर्व बहुत हैं
एक से बढ अदभुत सभी हैं
एक जाता तो दूजा आता
सभी के मन को खूब है भाता ।
गई नवरात्रि दीवाली आई
घर-घर में सबके खुशियां छाई
अब देखो छठ पूजा आई
पावनता मन मस्तिष्क समाई ।
चार दिनों का ये त्योहार
रखते सब हैं शुद्ध विचार
मन पवित्र रख कार्य हैं करते
छठी मैया से खूब हैं डरते ।
लौकी भात से ये पर्व शुरु हैं करते
द्विजे दिन फिर खरना करते ।
तीजे शाम को अर्ध्य चढ़ा कर
चौथे पर्व का समापन करते ।
प्रसाद में इनको ठेकुआ चढ़ता
चावल का लड्डुआ भी बनता
जोड़ा सूप फल फूल से सजता
छठी मैया के घाट दमकता ।
कुछ त्रुटि ना हो रखते ध्यान
करे छठी मैया सबका कल्याण
आस सभी की पूरण करते
जो भी हृदय से सेवा देते ।
संजू भी छठ का व्रत है रखती
मां के चरण अरदास है करती
छठी मैया सुनलो विनय हमार
हम सबका नैया करना पार ॥

मेरा शहर उजालों का शहर है

संजीव ठाकुर, रायपुर

हाँ मेरा शहर उजालों का शहर है,
मस्जिदों और शिवालों का शहर है।
नर्म दिल, नाज़ुक-ख़याल लोग यहाँ,
आशिक़ी के हवालों का शहर है।
रजत की थाली, स्वर्ण के प्याले लिए,
जन्नतों के ख़यालों का शहर है।
कुछ ने बोईं हथियारों की फसलें,
फिर भी अमन-मतवालों का शहर है।
हर गली में है बेलौस मोहब्बत,
इश्क़ की उन मिसालों का शहर है।
मेहनतों की है रौशनी हर नज़र में,
अख़्लाक की मशालों का शहर है।
संजीव कह दे, ये रायपुर ही सही,
रूह के सुरम्य सालों का शहर है।

आ भी जाओ

रेणुका अग्रवाल हैदराबाद

प्यार का मतलब समझते हो,
तो,मुश्किल कुछ भी नही होता है।
जुनूँ हो प्यार का अग़र,
तो सावन अपने घर होता है।
तुम ठान लो मिलने की अगर,
तो दूरियाँ मिट सकती है।
एक प्यासी नदिया,
साग़र की हो सकती है।
दिल पास होने से क्या होता है,
जब तक न मिले,इक दूजे से,
दिल तो रोता रहता है।
तस्वीर से कब तक दिल बहलाआगे,
अब तो चले आओ पास मेरे,
सच में मिलने की तमन्ना है तो,
चल दिल तेरी तरफ़ होता है।

हे छठी मैया

कुमुद बाला, हैदराबाद

देहरी पर दीप जलाया है
स्वागत में सज गयी रंगोली
इस अंतर्मन को निर्मल करके
आओ मिलें हम फिर हमजोली
सभी सूप हैं तैयार लचकती कदली की डाली है
अर्ध्य देने चलो सूर्य की किरण निकलने वाली है
सजी बहुविध पूजा की वेदी
हैं जल रहीं दीपमालिकाएँ
थाल अक्षत-हल्दी-कुमकुम वाली
पूजित सुहाग की कामनाएँ
निर्मल हृदय के नवल आँचल से गौरैया बोली है
अर्ध्य देने चलो सूर्य की किरण निकलने वाली है
सूर्य पूजन की दिव्यानुभूति
परिवार को देती मधुरिम शक्ति
गन्ने बहँगी संग मिट्टी की सुगंध
जगा जाती मन में अविरल भक्ति
माँ छठी के गायें गीत फैली सिंदूर की लाली है
अर्ध्य देने चलो सूर्य की किरण निकलने वाली है
सुगंधित मीठे - मीठे पकवान
सुगुंजित आँगन में पूजन गान
भावनाओं की नयन गंगा में
लगाती डुबकी वंशी की तान
सत्य के रश्मिरथी की चर्चा करती पवन मतवाली है
अर्ध्य देने चलो सूर्य की किरण निकलने वाली है।।

भविष्य

टी तारासिंह हैदराबाद

ये चांदी की खाईशे
ये सोने के सपने
अब कभी न देखना
याद दिलाती है हमे हर दम
क्या यही है जिंदगी के सपने ?
दौडते रहो बस चांदी - सोने के पीछे
ये वो सपने है जो कभी पूरे नही होते
इनका खरीदना इनको पहनना
जिंदगी को मुश्किल मे डालना
सांसे है तो जिंदगी है
कुछ ओर चीजे खरीद लेते
कुछ ओर चीजे पहन लेते
छोटी सी जिंदगी है कुछ और कर लो
कम ज्यादा मे गुजार कर लो
सिख लेते बचत करना भविष्य के लिए
अपना - अपने बच्चो का भविष्य सुखमय होता ।।

मत समझो कमजोर किसी को

पद्मजा श्रीवास्तव

जाने क्यों हर इंसान
दूसरों को कमजोर है समझे
प्रश्न चिन्ह उठाए समझ पर सबकी
क्यों आखिर क्यों ??
जो झुका है वो टूटा नहीं करता
जो सहता है वह डरा नहीं करता
बस सही समय का करता है इंतजार
जिन्हें तुमने कभी गिना नहीं
वही एक दिन कदमों में दुनिया को झुकाते हैं
हर इंसान में एक चिंगारी है
बस पहचानने की देरी है
मत मापो कद किसी का अपनी समझ से
मत समझो कमजोर किसी को
हर चुप्पी के पीछे शोर होता है कहीं
जो मुस्कुरा रहा चुपचाप कहीं
वहीं तूफानों से लड़ा कहीं ।
बहुत आसान है ठुकरा देना किसी को
समय बीत जाने पर पश्चाताप के सिवा
कुछ नहीं रहता।।

छठ मैया.. सूर्य देव

गीता अग्रवाल हैदराबाद

सूर्य देव प्रकाश संग,
छठ मैया लक्ष्मी महारानी।
सूर्य बहन छठ मैया
व सूर्य देव बड़े ही दानी ।।
श्रद्धा,विश्वास से
कूट-कूट कर भरी हिंदू नारी,
कठिन तप करने से भी कभी न घबराई नारी,
घर परिवार की सुख समृद्धि की कामना हेतु
'नहाय खाय' से शुरू नदी में स्वच्छ हो आई नारी,
खरना,संध्या आरती,36 घंटे उपवास करे घर रानी।
सूर्य देव प्रकाश संग , छठ मैया लक्ष्मी महारानी।
सूर्य देवता की कृपा से ही यह जीवन संसार चले,
छठ मैया की कृपा दृष्टि से संतान मिले और वंश चले,
सूर्योदय अर्ध्य, संध्या अर्ध्य, 4 दिन आस्था रंग चले
छठ मैया की करके पूजा सुहागन को वरदान मिले,
सूर्योदय अर्ध्य पारण से खिल गई जिंदगानी।
सूर्य देव प्रकाश संग, छठ मैया लक्ष्मी महारानी।
सूर्य बहन छठ मैया व सूर्य देव बड़े ही दानी ।।

भला शब्द का अर्थ

केएल प्रभाकर प्राण

भला शब्द का अर्थ ढूंढता हूं
मन के शब्दकोश में,
बीती कई घटनाएं होती हैं समावेश
स्मृति के विशाल आकाश में ।
जिनके कारनामों के स्पर्श से
आनंद के मोती बरसे हैं,
जीवन के बगीचे में
मुस्कान के फूल खिले हैं ।
ये भले कारनामे करनेवाले कौन हैं ?
ये तो दया-प्रेम की अनंत कांति किरणें हैं !
जिन्हें शब्दों की परिभाषा में
बांधा नहीं जा सकता ।
जिनके परिवार तो सारा संसार है ।

"धुंध"

हेमंत सुराना, उदयपुर

प्रकृति की माया, धुंध की छाया,
इसमें दिखे ना अपना साया
मंजिल पाना हो गया मुश्किल,
धुंध में रास्ते भटक गए हैं
गहन धुंध में हर दिशा खोई ,
सिमट कर सुनहरी किरण सोई
धुंध तो कुछ दिनों की, छंट जाएगी,
मन की धुंध कब मिट पायेगी
मन की धुंध को साफ किया तो,
सब कुछ साफ नजर आएगा
निराशा की धुंध को आशा में पिरोया तो,
विषाद ,अवसाद सब मिट जाएगा
उम्मीद की रोशनी पकड़ ,
यह अंधेरा भी छंट जाएगा
मुश्किल है पर हौसला रख,
हर रात के बाद सवेरा आएगा
धुंध हटेगी, आएगा उजाला ,
मन को चाहिए, धैर्य का हवाला ,
मन को चाहिए, धैर्य का हवाला ।

मुझे किसी के...

दर्शन सिंह हैदराबाद

हम साथ रहे थे कभी
हमदर्द बन कर ऐसे
उस वक्त को सोच के
कुछ आराम ही तो है
गुज़र रही थी जिंदगी
धीरे धीरे ही सही
तेरे लिए इस दिल में
कुछ इकराम ही तो है
याद वे पल
ले हाथ में हाथ
दूर तक निकल जाते थे
क्यों निशोहीन इतनी
मिट्टी पलीत नहीं थी
मुझे किसी के बदल
जाने का कोई ग़म नहीं
बस कोई था, जिससे
यह उम्मीद नहीं थी
सूनी सूनी सी इन पलकों पर
तुम सुंदर सपने लिख जाना
सागर से इस गहरे मन से
तुम उज्जवल मोती चुन लाना
आँखें खोली, मुंगेरी सपने
जो भी समझो,
इतनी रात सहमी नहीं थी
मुझे किसी के...
कसम उसने तो खाई थी
चमन को सिंचने के
मगर जिस फूल को देखो
वही रौंदा हुआ है
परिंदे हर शाख पर सहमे हुए हैं
जारी कोई फतवा हुआ है
क्या सोच के चला,
चलता रह गया
अनायास पीछे मुड़ा
शून्य के टीले..
नाजनीन नहीं थी मुझे किसी के...

बात कहें सांचे

सुनिल चौरसिया, उत्तरप्रदेश

मिलजुल के मनइह दशहरा दिवाली।
दिन दोगुनी रात चौगुनी बढ़ी खुशहाली।।
धन बरसी, मन हरसी, आई धनतेरसिया
तारीख पे तारीख मिले कोर्ट आ कचहरी में।
जिनगी सेराइल जाता जेठ के दुपहरी में।।
घर खेत बेंचि-बेंचि, जमा कर फिसिया ।
गांवे के प्रतिभा के पांखि द हे भाई।
सोचले बिचरले के आंखि द हे भाई ।।
मुकदमा के दमा से बेदम ग्राम वसिया।
बात कहें सांचे सुनील चौरसिया
हम हईं शाकाहारी।
नाहीं हईं मांसाहारी ।।
न चले मछरी, न मुर्गा न खंसियां
कलकल कलकल छलछल छलछल गूंजे हरिहर घाटी।
महमह महके चहचह चहके आसमानी माटी।।
पतरकी नदी झूमे पहाड़े पर बारो मसिया।
लाल, पीला, हरा, नीला रंग शोभे तन पर
लगा के प्यार से अबीर भइया राज कर मन पर
अंग अंग रंग पोति बन रंगरसिया
बात कहें सांचे सुनील चौरसिया।।
रिमझिम-रिमझिम बरसे सतरंगी रंग रस
झूमें फागुन में गंगा के संग बनारस
झूमि-झूमि होली खेलें काशी में विदेशिया
चार दिन के जिनगी में केकर कवन ठेकाना बा
सबसे प्यार से बोलि बतियाल के आपन बेगाना बा
हइ सोना जइसन देहियां एक दिन बनि जाई लसिया
जबले चले सांस तबले सबके हित में जील..
मस्ती के रस बरसव मस्ती के रस पील ..
एक दिन त रुकि जइबे करी, हई आवत जात संसिया
बात कहें सांचे सुनील चौरसिया
पढब लिखब त डॉक्टर बनब..
इंजीनियर बनब चाहें मास्टर बनब..
ना पढब त जिनगी भरि गढे के परी घसिया
घटिया के मटिया लिलारे लगइह
कांच ही बांस के बहंगी सजइह
छठी माई के कृपा से भरीह तू कोसिया
बात कहें सांचे सुनील चौरसिया।

परवरिश : एक समृद्ध परम्परा

डॉ शोभा भंडारी हैदराबाद

अंतहीन इतिहास है परवरिश का,
प्रकृति में अंतर्निहित
ब्रह्मांड की संरचना का,
प्रकृति प्रदत्त आनुवंशिक
क्षमताओं का, और
उन क्षमताओं को आकार देकर,
उनको विकसित
करनेवाले पर्यावरण का,
जो है परवरिश से,सम्पूर्णता की प्राप्ति के उद्घोष का।
परवरिश का पहला पाठ पढ़ाया प्रकृति ने,
इस सन्देश को भेजा सृष्टि हेतु,
माता-पिता और गुरुजनों की संज्ञप्ति में,
तदुपरांत भाई -बहन, बंधु-सखा की विज्ञप्ति में,
पुनः परिलक्षित हुए पति-पत्नी के संबंधों में,
तथा समाज और राष्ट्र संकुल के संरक्षण में ।।
आधुनिक संदर्भ में यह अनूठी परंपरा,
कुछ विश्रृंखलित सी हो रही है,
आधुनिक पीढ़ी परवरिश के दायित्व से,
विन्मुख और उदासीन सी हो रही है।
आव्हान है युवा पीढ़ी के कर्णधारों से,
दो क्षण रुको, तनिक विचार करो कि,
यदि प्रकृति ने परवरिश की परम्परा तोड़ दी,
तो क्या हश्र होगा तथाकथित,
आधुनिकता और दीवानगी का? क्या रूप होगा,
समाज और परिवार की बहुमूल्य संस्था का?

मेरी ही भूल है

डॉ विजय पांढरीपांडे हैदराबाद

आईना साफ है चेहरे पे धूल है
उसकी नहीं थी मेरी ही भूल है
उसने तो ठीक कहा लहजा अच्छा था
मैं ही समझ नहीं पाया मेरी ही भूल है
जिंदगी भर पढाता रहा जी जान से
वो समझ नहीं पाया मेरी ही भूल है
सवाल ठीक ही थे परचा आसान था
मैं लीख नहीं पाया मेरी ही भूल है
भगवान ने सबकुछ दिया मैने भी लिया
संभालकर रख न सका मेरी ही भूल है..

शायद

डॉ डी डी देसाई

एक बालक मासूम सा,
कूड़े कचरे की भेंट चढ़ा शायद
घुँगराले बालों का घोसला सर पर,
गालों पर पोती गयी कालीमा शायद
वक्त के थपेड़ों से मुरझाई सूरत,
कूड़ेदान से टुकड़े उठाने की जद्दोजहद,
न ही ख़ुशी का आभास...
न ही दर्द की पहचान शायद
नजरों से कचरा बिनता बालक,
न माँ बाप का पता न घर का शायद
किसी के प्यार की निशानी है या...
किसी की ठुकराई गई जिम्मेदारी शायद
अनगिनत लावारिसों का हिस्सा या,
किसी की अधूरी कहानी का किस्सा शायद
कचरे का ढेर ही उसकी दुनिया...
कूड़ेदान ही उसका बसेरा शायद
मिली रोटी तो खा के सोये कभी...तो
कभी खाली पेट आसमान ओढ़े सोये शायद
न धूप तोड़ पाई हौसला उसका ...
न ही बरसात ने उम्मीदें भिगोई कभी
न कभी खिलौनों से बना रिश्ता ...
न ही जगी खेलने की ख्वाहिश कभी
खस्ता है हाल...और हालात उसके,
काँच के टुकड़ों सा बिखरा बचपन शायद
एक बालक मासूम सा,
कूड़े कचरे की भेंट चढ़ा शायद
किसी के गुनाह की निशानी था...या,
भुगत रहा किसी के कर्मों की सजा शायद
किसी का तो दिल पिघले इस जनसागर में,
कोई देख उसे...अपना ले शायद
कोई तो आए भगवान बन कर...
उठा के अपने घर ले जाय शायद
ममता का हाथ फेरे सर पर कोई,
या प्रेम से एक निवाला कोई खिलाए शायद
क्या रोशन होगा भाग्य का दिया...?
या उसी में मिलेगी मौत शायद
एक बालक मासूम सा,
कूड़े कचरे की भेंट चढ़ा शायद ।।

रामायण

पी एन गुप्ता हैदराबाद

दीपावलि नहीं है
सिर्फ़ अवलि दीप की,
आभा है इसकी जैसी
समंदर की सीप की।
सनातन के सारे पर्व
जुड़े हैं कथाओं से,
इससे जुड़ी कथा है
भानुकुल महीप की।
त्याग कर सर्वस्व वन की ओर चल दिए,
पूरण प्रतिज्ञा की पिता दशरथ महीप की।
वन वन भटक रहे थे जब सीता की खोज में,
खाए थे बेर जाके कुटी में गरीब की।
पाई मदद जब वनवासी वानर समूह की,
निश्चिंतता हुई तभी लंका की जीत की।
लंका दहन के बाद कर लंकेश का हनन,
स्वागत हुआ अवध में मालाओं से दीप की।
जल जल के दीप देते हैं संदेश यह हमें,
यदि करना है तमस नष्ट जलो भांति दीप की।
अपने अंतर में बसे राक्षस को करो भस्म,
देती हैं मौन शिक्षा ये ज्वालाएं दीप की।
जब तक रहेगा स्नेह शेष हृदय के दीप में,
विषमताएं सब मिटेंगी मन के अंतरीप की।
गोवंश की सेवा भी है दायित्व हमारा,
याद आती इस संदर्भ में राजा दिलीप की।

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA, Publications, Ltd,
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

स्वतंत्र वार्ता साप्ताहिकी
हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम
रविवार, 26 अक्टूबर 2025

आधे मिनट में बस बन जाती है आग का गोला

क्यों प्राइवेट बस की आग में नहीं बच पाते लोग?

अक्टूबर में दस दिन के अंदर चलती बस में आग लगने की दो बड़ी दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। 14 अक्टूबर को राजस्थान में और अब कुरनूल में बर्निंग बस की वजह से 20 लोगों की जान चली गई। आखिर एक के बाद एक क्यों एक्सीडेंट के बाद बसें आग का गोला बन रही हैं। इस पर अब सवाल उठने लगे हैं।

आंध्र प्रदेश के कुरनूल में हैदराबाद से बेंगलुरु जा रही प्राइवेट बस में बाइक से टकराने के बाद आग लग गई। देखते ही देखते पूरी बस आग के गोले में तब्दील हो गई और अंदर बैठे 20 लोग जल गए। मरने वाले इतनी बुरी तरह से जले हैं कि उनकी पहचान कर पानी भी मुश्किल है। इससे पहले 14 अक्टूबर को जैसलमेर में एक चलती बस में आग लग गई थी और इसमें भी 21 लोग ऐसे ही जलकर मर गए थे। ऐसे में सवाल उठता है कि बार-बार ऐसी घटनाएं क्यों हो रही हैं।

आंध्र प्रदेश की घटना में सामने आया कि एक बाइक बस से टकराने के बाद उसके नीचे फंस गई और उसी वजह से आग लगी। कुरनूल रेंज के डीआईजी कोया प्रवीण ने बताया कि आग लगने के बाद शॉर्ट सर्किट की वजह से बस का दरवाजा बंद हो गया था। इसलिए लोग आग लगने के बाद बाहर नहीं निकल सके। जैसलमेर में भी जब बस में आग लगी थी तो बस का गेट जाम हो गया था और लोग अंदर ही फंस गए थे।

आग लगने पर जाम हो जाता है बस का गेट

हर बार आग लगने के बाद बस का गेट जाम हो जाता है और ये एक गैस चैंबर में बदल जाता है। ऐसे में बस कुछ ही सेकंड में अंदर बैठे लोगों के फेंफड़े झुलस जाते हैं और उनकी मौत हो जाती है या फिर वे मौत के करीब पहुंच जाते हैं। आग लगने के बाद बस का गेट जाम होने असली वजह बस का इंटीरियर, वायरिंग और उसकी संरचना है।

बस का इंटीरियर ऐसे किया जाता है कि इसकी सीटे और सीलिंग फोम और जल्द आग पकड़ने वाले रेक्सीन से बने होते हैं। इनके बीच ही तारों के जाल बिछे होते हैं। ऐसे में कोई भी इलेक्ट्रिक गड़बड़ी होने पर या शॉर्ट सर्किट जैसी स्थिति में छोटी सी चिंगारी भी बड़ी आग में बदल जाती है। बसों के अंदर ज्यादा यात्रियों के बैठने की जगह बनाने के चक्कर में क्षमता से अधिक सीट बना दिये जाते हैं। इस वजह से आने-जाने का गलियारा संकरा हो जाता है। ऐसे में जब बस में आग लगती है तो अफरा-तफरी का माहौल बन जाता है और तारों के फैले जाल के कारण शॉर्ट सर्किट से अक्सर दरवाजे लॉक हो जाते हैं।

दिल्ली अग्निशमन सेवा के एक अधिकारी ने बताया कि सिर्फ 30 सेकंड से भी कम समय में एक छोटी सी लौ पूरी तरह से नियंत्रण से बाहर हो सकती है और बड़ी आग में बदल सकती है। पांच मिनट में कमरा इतना गर्म हो सकता है कि उसमें मौजूद हर चीज में एक साथ आग पकड़ ले।यह गर्मी कपड़ों को पिघला देती है जो लोगों की त्वचा में समा सकती है।

अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि जब बस में आग लगती है तो वहां का तापमान कुछ ही सेकंड में 100 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा हो जाता है। आंखों के स्तर पर 600 डिग्री सेल्सियस गर्मी पहुंच सकती है। ऐसे में बस के अंदर बेहद गर्म हवा बन जाती है। वहीं जब गेट लॉक हो जाता है तो बस एक गैस चैंबर की तरह बन जाता है। इसमें गर्म धुआं और गैस भर जाते हैं और ये साँस लेने से यात्रियों के फेफड़े तक पहुंचकर इन्हें झुलसा देते हैं।

बस में आग लगने की कई घटनाएं आ चुकी हैं सामने

हैदराबाद और जैसलमेर से पहले भी चलती बस में आग लगने की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इसी साल मई में, बिहार से दिल्ली जा रही एक डबल-डेकर बस में लखनऊ के पास आग लग गई थी। इसमें

एक महीने में दो बस आग हादसों में 40 से अधिक मौतें: आखिर क्यों लक्जरी स्लीपर बसें बन जाती हैं मौत का जाल

दो बच्चों समेत पांच लोगों की मौत हो गई थी। उस बस में 80 लोग सवार थे। इनमें से 20 लोग घायल हो गए थे।

बस में फटे हुए टैंक से ईंधन के रिसाव के कारण ऊपरी डेक में आग लग गई थी। आग लगने के बाद ऊपर से कूदने के चक्कर में कई लोग घायल हो गए थे और कुछ लोगों की नींद में ही जलकर मौत हो गई थी।

महाराष्ट्र में बस में आग लगने की दो घटना आ चुकी है सामने

वहीं जुलाई 2023 में, महाराष्ट्र के बुलढाणा के पास एक हाईवे पर टायर फटने से एक बस डिवाइडर से टकरा गई थी। इसके बाद बास एक आग के गोले में तब्दील हो गई। इस घटना में 25 लोगों की जान चली गई थी। टैंक में 500 लीटर डीजल था। इस वजह से आग तेजी से भड़ गई थी। वहीं अक्टूबर 2022 में महाराष्ट्र के ही नासिक में एक बस में ट्रक से टक्कर के बाद आग लग गई थी। इसमें 12 लोगों की मौत हो गई थी। आग की वजह से बस का पिछला दरवाजा लॉक हो गया था और कई लोग अंदर ही फंसकर जल गए थे।

जहां अन्य वाहनों की तरह बसों में भी दुर्घटनाएं होती हैं, वहीं रात में चलने वाली लक्जरी और स्लीपर बसों में हताहतों की संख्या दिन सेवा वाली बसों के मुकाबले असामान्य रूप से अधिक होती है। सामान्य मान्यता है कि जब बस में आग लगती है, तो उसे तुरंत देखा जाएगा, बस रोकी जाएगी और यात्री जल्दी बाहर निकल जाएंगे। दिन में चलने वाली बसों में यह सच है क्योंकि यात्री जागते रहते हैं, लेकिन रात में यह स्थिति जटिल हो जाती है।

कम बचाव मार्ग और संकरी जगहें

दिन की सामान्य बसों का इंटीरियर खुला और अधिक विशाल लगता है, जबकि लक्जरी और स्लीपर बसें अंदर से तंग और भीड़भाड़ वाली महसूस होती हैं। सामान्य दिन सेवा वाली बसों में यात्रियों के लिए सामने और पीछे दो मुख्य दरवाजे होते हैं, साथ ही आपातकालीन दरवाजे भी। इसके अलावा स्लाइडिंग विंडो होती हैं, जिन्हें आसानी से खोला जा सकता है और आग या अन्य आपात स्थितियों में निकासी के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।

लक्जरी स्लीपर बसें लंबी रात की यात्रा के लिए डिजाइन की जाती हैं, और आराम पर जोर दिया जाता है। इन बसों में पीछे का मुख्य दरवाजा नहीं होता, केवल सामने का एक मुख्य दरवाजा और एक-दो आपातकालीन दरवाजे होते हैं, जो अक्सर पहुंचने में मुश्किल होते हैं। जैसलमेर हादसे में यही एक इमरजेंसी दरवाजा जाम हो गया, जिससे दर्जनों लोग अंदर फंस गए।

खिड़कियां और अंधेरा

लक्जरी बसों की खिड़कियां सील और फिक्स होती हैं, धूल और शोर से बचाव और बेहतर क्लाइमेट कंट्रोल के लिए। लेकिन दुर्घटना की स्थिति में ये कांच की दीवार बन जाती हैं। बिना किसी कठोर वस्तु के इन्हें तोड़ना लगभग असंभव है। सामान्य बसों की खुलने योग्य खिड़कियां धुएं और गैस को बाहर निकालने में मदद करती हैं, जिससे यात्री सुरक्षित बाहर निकल पाते हैं। लक्जरी बसों में बंद वातावरण धुआं और गैस को अंदर रोक देता है, जिससे लोगों को ऑक्सीजन की कमी के कारण जल्दी बेहोशी आती है और फिर वे आग में घिर जाते हैं।

संकरी रास्ते और बड़ी सीटें

लक्जरी बसों में बड़े रीक्लाइनर सीट और स्लीपर बंक के कारण रास्ते संकरी होती हैं। दिन की सामान्य बसों में साधारण सीटें होती हैं, जिससे रास्ता चौड़ा होता है। आग लगने की स्थिति में संकरी रास्ते और पीछे का दरवाजा न होना, लोगों को जल्दी आगे निकलने से रोकता है। स्लीपर बसों में ऊपर की बंकों पर बैठे लोगों को उतरकर निकासी करनी होती है, और अक्सर वे समय पर नहीं कर पाते।

असुविधाजनक इमरजेंसी दरवाजे

लक्जरी बसों में एक-दो आपातकालीन दरवाजे होते हैं, जो मुख्य दरवाजा ब्लॉक होने पर जरूरी होते हैं। लेकिन ये दरवाजे सीटों के पीछे होते हैं, अक्सर पर्दों के पीछे छिपे होते हैं और सही तरीके से मार्क नहीं किए जाते। नियमित रूप से नहीं खोले जाने के कारण ये जाम हो जाते हैं, और जब आवश्यकता होती है तब इन्हें खोलना मुश्किल या असंभव हो जाता है।

हैदराबाद में जन्मीं गजाला हाशमी बन सकती है अमेरिका में लेफ्टिनेंट गवर्नर

हैदराबाद में जन्मीं वर्जीनिया की स्टेट सीनेटर गजाला हाशमी वर्जीनिया के लेफ्टिनेंट गवर्नर पद के लिए चुनाव लड़ रही हैं। वह अपनी इस दावेदारी को लेकर खूब चर्चा में हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और प्रवासी प्रतिनिधित्व जैसे मुद्दों पर उनका अभियान दक्षिण एशियाई समुदायों में काफी लोकप्रिय हो रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, वह अपने रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी जॉन रीड से 7 प्वॉइंट्स की बढ़त बनाए हुए हैं। यह चुनाव वर्जीनिया के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकता है, क्योंकि अगर गजाला हाशमी जीतती हैं, तो वह राज्य की पहली मुस्लिम और दक्षिण एशियाई लेफ्टिनेंट गवर्नर होंगी।

कौन हैं गजाला हाशमी?

गजाला हाशमी का सफर भारत के हैदराबाद से शुरू हुआ। 4 साल की उम्र में वह अपनी मां और भाई के साथ अमेरिका चली गईं। आज वह वर्जीनिया की राजनीति में एक जाना-पहचाना चेहरा हैं और एक प्रभावशाली डेमोक्रेटिक सीनेटर के तौर पर काम कर रही हैं। वर्जीनिया स्टेट सीनेट में सेवा देने वाली वह पहली दक्षिण एशियाई अमेरिकी और पहली मुस्लिम महिला हैं। न्यूयॉर्क सिटी के मेयर चुनाव में खड़े जोहरान ममदानी की तरह, गजाला हाशमी भी अमेरिका में भारतीय-अमेरिकी समुदाय के लिए गर्व का विषय बनी हुई हैं।गजाला हाशमी को न केवल भारतीय-अमेरिकी समुदाय से, बल्कि पाकिस्तानी-अमेरिकी मतदाताओं से भी समर्थन मिल रहा है।

शिक्षा और मजदूरों के अधिकारों पर फोकस

गजाला हाशमी के अभियान का मुख्य फोकस शिक्षा और मजदूरों के अधिकारों पर है। उनके एक 30 सेकंड के विज्ञापन, जिसका नाम 'एजुकेटर' है, में बताया गया है कि हाशमी ने तकनीकी प्रशिक्षण और अप्रेंटिसशिप को बढ़ावा देने पर जोर दिया है। इसका मकसद यह है कि लोग कॉलेज जाए बिना भी अच्छी नौकरियां पा सकें। इस विज्ञापन में उनके तीन दशकों के शिक्षण अनुभव को भी प्रमुखता से दिखाया गया है। यह दर्शाता है कि वह शिक्षा के क्षेत्र में अपने अनुभव का उपयोग करके लोगों के जीवन को बेहतर बनाना चाहती हैं।

डेमोक्रेटिक पार्टी का नामांकन जीता

61 वर्षीय गजाला हाशमी ने जून में डेमोक्रेटिक पार्टी का नामांकन जीता था, जिसमें उन्होंने पांच अन्य उम्मीदवारों को हराया था। 2019 में, वह वर्जीनिया सीनेट में चुनी जाने वाली पहली मुस्लिम और दक्षिण एशियाई अमेरिकी महिला बनीं। अगर वह लेफ्टिनेंट गवर्नर का चुनाव जीत जाती हैं, तो यह वर्जीनिया के इतिहास में एक ऐतिहासिक क्षण होगा।

बिहार में कांग्रेस की 'रणनीति' विफल

चूक का ठीकरा कृष्णा अल्लावरु पर फूटा; आखिर कैसे लागू हुआ लालू का फॉर्मूला

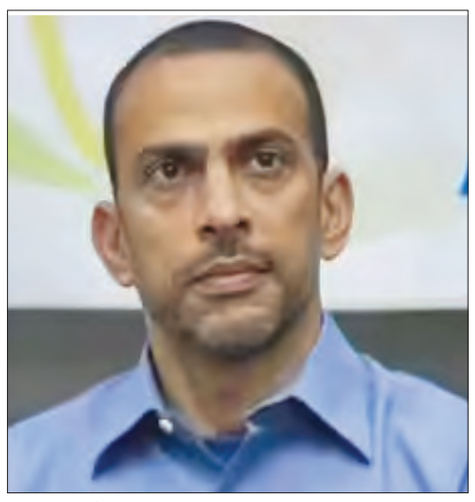

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर कांग्रेस जरूर कुछ नया स्टैंड लेकर बिहार के चुनावी समर में उतरी थी। यह और बात है कि न तो बिहार की चुनावी रणभूमि और न ही बिहार का जनमानस इस बदलाव के प्रति आग्रही था। फिर भी कांग्रेस की जिस युवा टीम को इस परिवर्तन की लहर की वास्तविकता जानने और समझने की जिम्मेदारी दी उसका निर्वहन नहीं हो पाया। और धीरे धीरे कांग्रेस कब बैकफुट पर चली आई इसका एहसास भी अंत में हुआ। चलिए जानते है कि कांग्रेस क्या चाहती थी और क्या मिला ?

चौबे गए छब्बे बनने, दुबे बन कर लौटे

एक कहावत है कि चौबे गए छब्बे बनने ,दुबे बन कर लौटे। कांग्रेस पर यह मुहावरा बिलकुल फिट बैठता है। कांग्रेस के बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरु और एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष कन्हैया कुमार ने तो चली बहुत दूर से थी। इन युवा नेताओं ने चुनाव से काफी पहले नौकरी दो पलायन रोको की जो यात्रा बिहार से निकाली उस कार्यक्रम की पूरी रूपरेखा सदाकत आश्रम में तैयार की गई। राजद सुप्रीमो लालू यादव को इन लोगों ने बताया भी नहीं। सीटों को चिह्नित करने की बात आई तो सदाकत आश्रम से ही करीब 140 सीटें चिह्नित कर राजद सुप्रीमो लालू यादव तक भिजवा दी।

अब चुनाव लड़ने की बात और सीटों की हिस्सेदारी पर जब बात हुई तो 71 सीटों की ऐसी सूची भेज दी जिनमें राजद की कुछ सीटिंग भी थी। यह फैसला भी सदाकत आश्रम से ही हुआ। फिर महागठबंधन की संयुक्त बैठक में इस बात पर चर्चा हुई कि कई और साथी दल जुड़े हैं तो राजद और कांग्रेस अपनी सीटों की संख्या कम करेगी। इस संदर्भ में भी जब 61 सीटें की सूची महागठबंधन के प्लेटफार्म पर रखा गया तो कांग्रेस ने इस सूची में वैसे कई सीटों पर दावा छोड़ दिया जहां कांग्रेस ज्यादा मतों से हारी थी। यह निर्णय भी सदाकत आश्रम में की गई। दरअसल ,कांग्रेस ऐसा कर राजद की बी टीम होने के लांक्षण से मुक्ति की लड़ाई लड़ रही थी और कांग्रेस आलाकमान बिहार में कांग्रेस का भविष्य। कांग्रेस अपनी विरासत यानी मुस्लिम, दलित और सवर्ण मतों के साथ अपनी जड़ तलाश रही थी।

बैक फूट पर क्यों गई कांग्रेस

अब तक बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरु और एनएसयूआई के अध्यक्ष कन्हैया कुमार ने कांग्रेस को उसकी जमीन पर खड़ा करने की कवायद की। राहुल गांधी ने भी अधिकार यात्रा के दौरान प्रदेश कांग्रेस की ताकत समझने की कोशिश की। लेकिन कांग्रेस रणनीतिकारों की ओर से इंटरनल सर्वे में राजद की वैशाखी छोड़ने की बात नहीं बताई गई।

उनका आधार वोट मुस्लिम, दलित और सवर्ण संपूर्णता में साथ नहीं है। मुस्लिम तो वक्फ बोर्ड संशोधन के नाम पर राजद के साथ खड़ी है और सवर्ण भाजपा के साथ। दलित मत टुकड़ों टुकड़ों में अपने अपने नेताओं के साथ खड़े थे। पासवान पांच प्रतिशत से ज्यादा मतों के साथ चिराग पासवान के साथ खड़ी थी तो रविदास बसपा, कांग्रेस के साथ-साथ कुछ स्थानीय नेतृत्व के साथ। ऐसे में कांग्रेस को बैकफुट पर लौटना मजबूरी बन गई।

ठीकरा कृष्णा पर फूटा

कांग्रेस की राजनीतिक चूक का ठीकरा कृष्णा अल्लाबरू पर फूटा। वापसी के लिए पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जैसे रणनीतिकार का इस्तेमाल किया। अशोक गहलोत राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद के साथ साथ राजनीति की भी है। फिर मिल बैठकर सीटों की हिस्सेदारी का वही फॉर्मूला आया जो राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने तय किया था। कांग्रेस की हालत तो भई गति सांप छछूंदर वाली हो गई। कहा कांग्रेस के एकला चलो की राह पर चलने को सोच रही थी और कहां वर्ष 2020 के स्टैंड पर खड़ी नहीं रह सकी।

2020 में 70 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारने वाली कांग्रेस के हिस्से मात्र 61 सीटें आई। इनमें से अधिकांश वही पुरानी सीटें हैं, जहां पार्टी ने पिछली बार चुनाव लड़ा था। जबकि 13 सीटें ऐसी हैं जो पार्टी ने छोड़ दी हैं, जिनमें से कई पर कांग्रेस का पिछला प्रदर्शन ठीक-ठाक रहा था। कोई नई सीट नहीं मिली, बल्कि दो मौजूदा सीटें महाराजगंज और जमालपुर भी गंवानी पड़ीं। दोनों जगहों पर कांग्रेस के मौजूदा विधायकों को टिकट नहीं मिला और सीटें महागठबंधन के अन्य घटकों को दे दी गईं। एक सकारात्मक बातें यह हुई कि बिहारशरीफ, बनमनखी और कुम्हरार जैसी नई सीटें जरूर हासिल हुईं।

12 राज्यों में फैला बीमा-फ्रॉड गैंग, आपकी पॉलिसी कितनी सेफ

100 करोड़ से ज्यादा ठगे; पहले कैंसर फिर हार्ट अटैक से मारा, 20 लाख निकाले

दिल्ली के शालीमार गार्डन में रहने वाले त्रिलोक कुमार। ऐसे शख्स जिनकी 6 महीने के अंदर दो बार मौत हुई। पहली बार 19 जून 2024 को कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से और दूसरी बार 27 दिसंबर 2024 को हार्ट अटैक से हुई। दोनों ही बार दिल्ली नगर निगम के डॉक्यूमेंट पर मृत्यु प्रमाण पत्र जारी हुए। इन्हीं डॉक्यूमेंट्स पर 20 लाख रुपए का बीमा भी पास हो गया।

मरने वाले को फिर से जिंदा कर बीमा कराने वाले जालसाज नेटवर्क का सिर्फ ये एक छोटा सा हिस्सा है। पिछले 10 महीने से इस नेटवर्क पर यूपी की संभल पुलिस काम कर रही है। इसमें अब तक 68 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। ये भी पता चला कि इस जालसाजी का नेटवर्क देश के 12 राज्यों में फैला है। 100 करोड़ रुपए से ज्यादा की ठगी हो चुकी है। हालांकि जांच अब भी जारी है।

शुरुआत में सिर्फ एक मॉड्स ऑपरेंडी का पता चला। मसलन गरीब और बीमार लोगों का बीमा कराने से फर्जीवाड़े की शुरुआत हुई। जांच बढ़ी तो पता लगा कि न सिर्फ बीमार लोगों का बीमा बल्कि मरे हुए इंसानों को भी कागजों में जिंदा कर बीमा हो रहा है। यहां तक इसके लिए हत्याएं तक कराई गईं। जबकि पुलिस रिकॉर्ड में ये मामूली सड़क हादसे के केस हैं। त्रिलोक कुमार से जुड़े सभी डॉक्यूमेंट्स निकाले गए। सबसे पहले राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट की इमरजेंसी ट्रीटमेंट समरी की बात। इससे पता चलता है कि मरीज त्रिलोक को 15 जून 2024 को अस्पताल लाया गया था। 19 जून 2024 को इलाज के दौरान इनकी मौत हो गई थी। दिल्ली के निगम बोध श्मशान घाट की पर्ची भी है, जिस पर मौत और 20 जून को हुए अंतिम संस्कार की तारीख दर्ज है। इसके बाद भी नगर निगम ने कैसे एक और मृत्यु प्रमाण पत्र जारी कर दिया, जिस पर लिखा है कि मौत की तारीख 27 दिसंबर 2024 है। वहीं मौत की जगह जीबी पंत अस्पताल बताई है। इस बार मौत की वजह हार्ट अटैक लिखी गई है। इस डॉक्यूमेंट पर एक QR कोड भी है, जिसे हमने स्कैन करने की कोशिश की लेकिन नहीं हुआ। जबकि 19 जून को हुई मौत को लेकर MCD से जारी सर्टिफिकेट का QR कोड स्कैन हो गया और पूरी डिटेल ऑनलाइन मिल गई।

ऐसे में सवाल ये है कि क्या बीमा कंपनी ने 20 लाख का क्लेम पास करने से पहले ये छोटी सी पड़ताल भी नहीं की। दरअसल ये बीमा दो अलग-अलग कंपनियों ने किया था। दोनों में ही उनकी पत्नी सपना को नॉमिनी बनाया गया था। नया बैंक खाता भी खुलवाया लेकिन बीमा और बैंक खाते को जिस फोन नंबर से लिंक किया गया, वो जालसाजों के पास था। पॉलिसी से जुड़े कागजात भी जालसाजों के पास ही थे। इसे लेकर हमने त्रिलोक कुमार की पत्नी सपना से फोन पर बात की। वे कहती हैं, '19 जून को कैंसर की वजह से पति की मौत हो गई। इसके करीब 3 महीने बाद कुछ लोगों ने हमसे संपर्क किया। बताया कि कैंसर जैसी बीमारी से मौत होने पर सरकार से आर्थिक मदद मिलेगी। इसलिए उनके कहने पर हमने काफी डॉक्यूमेंट उन्हें दे दिए थे।'

बीमा जालसाजों का खुलासा कैसे हुआ...

इसकी शुरुआत 2025 में नए साल से हो गई थी। 17 जनवरी की आधी रात यूपी के संभल जिले की पुलिस पेट्रोलिंग कर रही थी। उसे एक संदिग्ध गाड़ी की तलाश थी। पुलिस ने एक स्कॉर्पियो को रुकने का इशारा किया। जब वो नहीं रुकी तो पुलिस ने पीछा किया और चारों तरफ से घेराबंदी की गई। कार की तलाशी में दो संदिग्ध व्यक्ति और करीब 11.45 लाख कैश मिला। इसके अलावा बीमा से जुड़े दर्जनों कागजात, कैंसर ट्रीटमेंट के डॉक्यूमेंट्स और 19 डेबिट कार्ड मिले। ये सभी कार्ड गाड़ी में मिले दोनों संदिग्धों के नहीं थे। अब सवाल था कि फिर ये किसके हैं? संदिग्धों से पूछताछ में पुलिस को सही जवाब नहीं मिल रहा था। लिहाजा पुलिस ने डॉक्यूमेंट के आधार पर रिवर्स इन्वेस्टिगेशन शुरू की। इस जांच टीम को IPS अनुकृति शर्मा ने लीड किया।

वे बताती हैं, 'उस रात गाड़ी में मिले एक संदिग्ध ओंकारेश्वर नाथ और दूसरा अमित था। दोनों बीमा कंपनी के पूर्व कर्मचारी हैं। इनके पास से मिले सभी 19 डेबिट कार्ड्स पर दूसरे के नाम थे। संदिग्धों से पूछताछ में कोई सटीक जवाब नहीं मिला। जब इनके फोन चेक किए तो एक लाख से ज्यादा फोटोग्राफ और 30 हजार से ज्यादा डॉक्यूमेंट्स मिले।'

'इनमें से ज्यादातर फोटोग्राफ गरीबों के थे। सभी के हाथ में एक पेज था, जिस पर लिखा था- मेरे जानकार की मौत हार्ट अटैक से हो गई है। इनका बीमा है। इनकी मौत के बाद बीमा का पैसा दिया जाए। किसी में 20 लाख तो किसी में 30 लाख या इससे भी ज्यादा की रकम।' IPS अनुकृति आगे बताती हैं, 'हमें शक हुआ कि इतने गरीब होने के बावजूद 20 लाख या इससे ज्यादा के इंश्योरेंस का प्रीमियम कैसे भरा होगा।

छठ माता हैं सूर्य देव की बहन, इस कारण भगवान सूर्य के साथ छठ माता की पूजा करने की परंपरा है

26 अक्टूबर को खरना

छठ पूजा व्रत का दूसरा दिन खरने का होता है। खरने में शाम को सूर्यास्त के बाद पीतल के बर्तन में गाय के दूध से खीर बनाते हैं। व्रत करने वाला व्यक्ति ये खीर खाता है, लेकिन खीर खाते समय अगर उसे कोई आवाज सुनाई दे जाए तो वह खीर वहीं छोड़ देता है। इसके बाद पूरे 36 घंटों का निर्जला व्रत शुरू हो जाता है यानी पूरे 36 घंटे तक व्रत करने वाला व्यक्ति पानी भी नहीं पीता है।

सूर्यास्त और सूर्योदय के समय देते हैं अर्घ्य

तीसरे दिन यानी छठ पूजा (27 अक्टूबर) के दिन शाम को सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। इस दिन सुबह से व्रत करने वाला व्यक्ति निराहार और निर्जल रहता है। प्रसाद में ठेकुआ बनाते हैं। शाम को सूर्य पूजा करने के बाद भी रात में व्रत करने वाला निर्जल रहता है। चौथे दिन यानी यानी सप्तमी तिथि (28 अक्टूबर) की सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद व्रत पूरा होता है।

छठ माता से जुड़ी मान्यताएं

माना जाता है कि प्रकृति ने खुद को छह भागों में बांटा था। इनमें छठे भाग को मातृ देवी कहा जाता है। छठ माता ब्रह्मा जी की मानस पुत्री मानी जाती हैं।

देवी दुर्गा के छठे स्वरूप यानी कात्यायनी को भी छठ माता कहते हैं।

छठ माता सूर्य देव की बहन मानी गई हैं। इस वजह से भगवान सूर्य के साथ छठ माता की पूजा की जाती है।

छठ माता संतान की रक्षा करने वाली देवी मानी जाती हैं। इस कारण संतान के सौभाग्य, लंबी उम्र और अच्छे स्वास्थ्य की कामना से छठ पूजा का व्रत किया जाता है।

एक अन्य मान्यता है कि बिहार में देवी सीता, कुंती और द्रौपदी ने भी छठ पूजा का व्रत किया था और व्रत के प्रभाव से ही इनके जीवन के सभी कष्ट दूर हो गए थे।

चार दिनों तक चलने वाले छठ पर्व का समापन 29 अक्टूबर को उगते सूर्य देवता को अर्घ्य देकर होगा। प्रथम दिन नाहय-खाय और कल यानी 26 अक्टूबर को छठ पर्व के दूसरे दिन खरना होगा। खरना का भी विशेष महत्व है। छठ में सूरज देवता के साथ ही छठी मैया की भी पूजा की जाती है। मुख्य रूप से बिहार, झारखंड, नेपाल, उत्तर प्रदेश में रहने वाले लोग इसे मनाते हैं। खरना को लोहंडा भी कहा जाता है। खरना पर खास प्रसाद तैयार किया जाता है, जिसका विशेष महत्व है। इसी प्रसाद को व्रती इस दिन खाते हैं।

खरना पर प्रसाद में क्या बनता है?

खरना यानी 26 अक्टूबर को है। इस दिन गुड़ वाली खीर और रोटी बनती है। यह खीर मिट्टी का नया चूल्हा बनाकर तैयार किया जाता है। वह भी आम की लकड़ी जलाकर बनाने की प्रथा है। दूसरी लकड़ी का इस्तेमाल इसमें वर्जित माना गया है। व्रती पूजा के बाद प्रसाद के तौर पर इसका ही सेवन करते हैं।

खरना प्रसाद का महत्व क्या है?

खरना वाले दिन व्रती पूरे दिन उपवास रखते हैं। शाम के समय जब मिट्टी का चूल्हा बना जाता है, तो उस पर गुड़ की खीर, रोटी बनाई जाती है। आप इसे पीतल या मिर्टी के बर्तन में बना सकते हैं। साथ ही गेहूं की रोटी या फिर पूड़ी बनाई जाती है। शाम में सूर्य देव को पूजा-आराधना करके इस प्रसाद को ग्रहण करते हैं।

आम की लकड़ी ही क्यों लिया जाता है?

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, आम का पेड़ छठी मइया को प्रिय है। आम की लकड़ी शुद्ध, सात्विक होता है। माना जाता है कि आम की लकड़ी पर पके भोजन में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है। साथ ही इसका धुआं वातावरण को शुद्ध करता है।

खरना का क्या है महत्व?

खरना छठ पर्व के दूसरे दिन पड़ता है और यहीं से 36 घंटे वाला निर्जला व्रत शुरू होता है। खीर और रोटी खाने के बाद व्रती अन्न और जल ग्रहण नहीं करते हैं। खरना के दिन बनने वाली गुड़ की खीर खाने से छठी मइया का आशीर्वाद प्राप्त होता है। यह सेहत, सुख-समृद्धि, संतान सुख भी देता है। व्रती जब सूर्य देव को अर्घ्य दे देते हैं तो इस प्रसाद का सेवन किया जाता है। उसके बाद ही घर के अन्य सदस्य भी इसे खाते हैं। यहां से शुरू होता है व्रती का 36 घंटे का निर्जला व्रत। 27 अक्टूबर को संध्या अर्घ्य और 28 को उगते सूरज को अर्घ्य देकर पूजा का पारण होता है।

खरना प्रसाद गुड़ की खीर बनाने की विधि

इसके लिए मिट्टी या पीतल के बर्तन में दूध डालकर उबालें। इसमें चावल को तीन-चार बार साफ पानी से धोकर डालें। जब चावल पक जाए तो उसमें गुड़ डालकर पकाएं। आंच को मीडियम ही रखें। आप इसमें थोड़ी सी शुद्ध घी भी मिला सकते हैं। अपना पसंदीदा ड्राई फ्रूट्स, इलाचयी पाउडर भी डाल दें।

क्यों छठ पूजा में मिट्टी का चूल्हा और आम की लकड़ी होती है खास?

छठ पूजा में हर छोटी-बड़ी चीज का विशेष ध्यान रखा जाता है। खरना के दिन मिट्टी के नए चूल्हे पर आम की लकड़ी से प्रसाद बनाया जाता है। इसके पीछे गहरी धार्मिक मान्यता है। स्वामी जी ने कहा मिट्टी को सात्विक माना गया है इसलिए नया चूल्हा बनता है। वहीं आम की लकड़ी छठी मईया को प्रिय है। जब आम की लकड़ी जलती है तो वातावरण शुद्ध और सात्विक बन जाता है।

क्या है आम की लकड़ी का महत्व

उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा जैसे नीम की लकड़ी जलाओ तो कड़वाहट फैलती है, मिर्ची जलाओ तो खांसी छूट जाती है, चंदन जलाओ तो खुशबू फैलती है... वैसे ही आम की लकड़ी जलाने से पवित्रता फैलती है। खरना के दिन गुड़ और कच्चे चावल का मीठा रसिया बनाया जाता है, जो मिट्टी के चूल्हे पर ही पकाया जाता है। यह प्रसाद माता को अर्पित करने के बाद व्रती 36 घंटे का निर्जल उपवास रखता है।

इस दौरान दो बार सूर्यदेव को अर्घ्य दिया जाता है शाम डूबते सूर्य को और सुबह उगते सूर्य को। इस व्रत की पवित्रता इतनी मानी गई है कि इसमें लहसुन और प्याज जैसे तामसिक पदार्थ पूरी तरह वर्जित होते हैं।

लहसुन और प्याज क्यों माना जाता है तामसिक

स्वामी कामेश्वरानंद ने बताया कि राहु ने जब अमृत पान किया था तब उसके खून की बूँदों से लहसुन और प्याज की उत्पत्ति हुई थी। अमृत से जन्मे होने के कारण इसमें औषधीय गुण तो हैं, परंतु तामसिक होने से इसे देवताओं को नहीं चढ़ाया जाता। उनका कहना है कि इन चीजों के सेवन से आलस्य और निद्रा जैसे गुण बढ़ते हैं, इसलिए त्योहारों और भगवान के भोग में इनका प्रयोग नहीं किया जाता।

क्या बरतें सावधानियां

उन्होंने आगे कहा कि अगर कोई मिट्टी का चूल्हा नहीं बना सकता तो गैस पर भी सात्विक तरीके से प्रसाद बना सकता है। बस ध्यान रहे कि उस चूल्हे पर पहले कभी मांस, लहसुन या प्याज का प्रयोग न हुआ हो। सिलेंडर को गीले कपड़े से पोंछकर शुद्ध किया जा सकता है। छठ में एक-एक बात का बारीकी से ध्यान रखा जाता है... जैसे मुंह में उंगली लग जाए तो तुरंत हाथ धोना चाहिए ताकि पूजा में कोई अशुद्धि न रह जाए।

अनुशासन, शुद्धता और श्रद्धा का पाठ पढ़ाने वाली परंपरा

सच कहा जाए तो छठ पूजा केवल एक पर्व नहीं बल्कि जीवन में अनुशासन, शुद्धता और श्रद्धा का पाठ पढ़ाने वाली परंपरा है। जैसे सूर्य अपनी रोशनी से अंधकार मिटाता है वैसे ही छठ व्रत भक्तों के जीवन से अंधेरों को दूर कर देता है। हर साल यह पर्व हमें यही सिखाता है कि सच्ची भक्ति वही है जिसमें मन, वचन और कर्म... तीनों का समर्पण हो।

छठ में जरूर शामिल करें ये 11 चीजें!

छठ के महापर्व की छठा पूरे देश में दिखाई देती है। नहाय खाए से इस महापर्व की शुरुआत हो गई है। छठ के इस महापर्व पर भगवान सूर्य के साथ छठी मैया के पूजन का विधान है। इस महापर्व में शुद्धता और सुचिता का विशेष ख्याल रखा जाता है। महाप्रसाद बनाने से लेकर उसके अर्पण तक कुछ खास नियमों का पालन करना पड़ता है। कुछ चींजे तो ऐसी भी हैं जिन्हें पूजा में जरूर शामिल करना चाहिए। वरना,

आपकी पूजा भी अधूरी मानी जाती है। ऐसे में आप जिस मनोकामना की पूर्ति के लिए छठ का कठिन महाव्रत कर रहे हैं उसका फल भी नहीं मिलता है।

बीएचयू के ज्योतिष डिपार्टमेंट के प्रोफेसर पंडित सुभाष पांडेय ने बताया कि छठ का महापर्व प्रकृति के पूजन का महापर्व है। एकमात्र सूर्य देवता ही ऐसे देवता है जो साक्षात रूप में नजर आते हैं। इस महापर्व पर उनकी पूजा होती है। इस पूजा में उन्हें जो भी नए फल, सब्जियां होती है उन्हें इस पूजा में जरूर शामिल करना चाहिए।

शामिल करें ये 5 फल

छठ के महापर्व पर पूजा के दौरान केला, सिंघाड़ा, संतरा, सेव और आनार के फल को जरूर शामिल करें। कम से कम टोकरी में 5 फल का होना इस पूजा के लिए अनिवार्य है।

कुछ लोग 7 तरह के फल को भी इस पूजा में शामिल करते हैं। छठी मैया के पूजा में नए धान के चावल और उससे बने चूड़ा को भी शामिल करना चाहिए। क्योंकि इस पूजा में नए धान को भी सूर्य देव और छठी मैया को समर्पित किया जाता है।

जरूर शामिल करें ये महाप्रसाद

छठ के महापर्व का सबसे अहम भोग ठेकुआ है। इसे महाप्रसाद भी कहा जाता है। शुद्ध घी और चावल के आटे से इसे तैयार किया जाता है।इसे बनाने में पूरी शुद्धता का ख्याल रखना पड़ता है। इस पूजा में नारियल को भी जरूर शामिल करना चाहिए। बगैर नारियल और गन्ने के यह पूजा अधूरी मानी जाती है। इसके अलावा मिठाई का भोग भी छठी मैया को लगाना चाहिए।

छठी मईया कौन हैं? जिनकी छठ महापर्व में होती है पूजा

छठ महापर्व का शुभारंभ आज 25 अक्टूबर से हुआ है। 4 दिनों तक चलने वाले छठ महापर्व में छठी मईया और सूर्य देव की पूजा करते हैं। कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को छठ पूजा करते हैं। वैसे छठ पूजा का प्रारंभ कार्तिक शुक्ल चतुर्थी को नहाय खाय से होता है और समापन सप्तमी के दिन पारण से होता है। अब सवाल यह है कि छठी मईया कौन हैं? छठी मईया की पूजा करने के फायदे क्या हैं?

छठी मईया कौन हैं?

छठी मईया को सूर्य देव की बहन कहा जाता है। छठ पूजा में भाई सूर्य देव और बहन छठ मईया की पूजा होती है।

छठी मईया को कुछ स्थानों पर देवसेना भी कहा गया है।

ऐसी मान्यता है कि जब शिशु का जन्म होता है, तो छठी मईया उसके पास 6 दिनों तक रहती हैं। वे शिशु की रक्षा करती हैं।

मार्कंडेय पुराण के अनुसार, देवी प्रकृति ने स्वयं को 6 भागों में बांट लिया था, जिसमें उनका छठा हिस्सा मातृदेवी के रूप में जाना जाता है। ये ब्रह्मा जी की मानस पुत्री भी हैं। वही छठी मईया के रूप में प्रसिद्ध हुईं।

छठी मईया को संतानों की रक्षक और आयु प्रदान करने वाली देवी मानी जाती हैं। वे छठ पूजा की

अधिष्ठात्री देवी हैं। इनका संबंध सूर्य देव की शक्ति ऊषा या प्रकृति देवी से माना गया है।

छठी मईया का संबंध षष्ठी तिथि से है। इस दिन इनकी विशेष पूजा होती है। ये देवी मातृत्व की शक्ति और स्नेह का प्रतीक हैं।

छठी मईया के मंत्र

ओम षष्ठ्यै नमः

या देवी सर्वभूतेषु मातृरूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः॥

छठी मईया की पूजा के फायदे

लोक मान्यताओं के अनुसार, जिस महिला और पुरुष को संतान सुख नहीं है या उसकी संतान बीमार रहती हैं तो उसे छठी मईया का व्रत करना चाहिए। उनकी कृपा से मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

छठी मईया की पूजा करने से बच्चों की सेहत अच्छी रहती है। कार्य में सफलता मिलती हैं और उनको दीर्घायु होने का आशीर्वाद प्राप्त होता है। छठी मईया की पूजा और व्रत करने से व्यक्ति के जीवन में सुख-समृद्धि आती है।

छठ पूजा में सूप का महत्व

छठ पूजा के दौरान बांस से बनी कई वस्तुओं का प्रयोग किया जाता है, जिनमें सूप का विशेष स्थान है। सूप सूर्य पूजा का अभिन्न हिस्सा माना जाता है और इसके बिना यह अनुष्ठान अधूरा रहता है। सूर्य को अर्घ्य देने के समय सूप का उपयोग किया जाता है, जिसमें अक्सर फल और ठेकुआ जैसी पारंपरिक मिठाइयाँ रखी जाती हैं।

सूप और परिवार पर प्रभाव

ऐसी मान्यता है कि जो दंपत्ति श्रद्धापूर्वक छठ मैया की पूजा करते हैं, उन्हें उत्तम स्वास्थ्य और सुख-समृद्धि प्राप्त होती है। निःसंतान दंपत्तियों को संतान की प्राप्ति होती है और पूरे परिवार में खुशियों का वातावरण बनता है।

छठ पर्व में नारंगी टीका नाक से क्यों लगाती हैं महिलाएं?

छठ पूजा का कैलेंडर

26 अक्तूबर 2025, रविवार- खरना
27 अक्तूबर 2025, सोमवार- संध्या अर्घ्य
28 अक्तूबर 2025, मंगलवार- उषा अर्घ्य

छठ प्रारंभ हो रहा है। इस त्योहार में व्रती कठोर व्रत रखते हैं और पानी में उतर को उगते डूबते सूरज को अर्घ देकर अर्ध देते हैं। इस दौरान महिलाएं नाक से सिंदूर लगाती हैं। दरअसल, छठ पूजा के मौके पर महिलाओं की पारंपरिक सजावट में सिंदूर का विशेष स्थान होता है। आमतौर पर महिलाएं लाल सिंदूर लगाती हैं, जो वैवाहिक जीवन और प्रेम का प्रतीक माना जाता है। लेकिन छठ पर्व पर खासतौर पर नारंगी सिंदूर का प्रयोग किया जाता है, जिसे नाक से पहनने की परंपरा सदियों पुरानी है। इस सिंदूर से जुड़ी मान्यताएं, धार्मिक महत्ता और रीति-रिवाज इसे बेहद खास बनाते हैं। आइए जानते हैं कि लाल और नारंगी सिंदूर में क्या अंतर है और छठ पूजा में नारंगी सिंदूर को नाक से पहनना क्यों शुभ माना जाता है।

लाल और नारंगी सिंदूर में क्या है अंतर

लाल

सिंदूर सामान्य दिनों में विवाहिता महिलाओं का श्रृंगार माना जाता है। यह प्रेम, समर्पण और पति के प्रति निष्ठा का प्रतीक है। वहीं नारंगी सिंदूर को पवित्रता, ऊर्जा और आध्यात्मिकता से जोड़ा जाता है। छठ पूजा सूर्य देव की उपासना का पर्व है और नारंगी रंग सूर्य का ही प्रतीक माना जाता है। यही वजह है कि इस पूजा के दौरान महिलाएं लाल के बजाय नारंगी सिंदूर का प्रयोग करती हैं। यह रंग सूर्य देव की आभा और तेज का प्रतीक है जो जीवन में सकारात्मक ऊर्जा और नई शुरुआत लाता है।

नाक से सिंदूर लगाने की परंपरा

पूर्वांचल और बिहार के कई हिस्सों में छठ के दौरान महिलाएं सिंदूर को सिर्फ मांग में नहीं, बल्कि नाक से लगाकर माथे तक बढ़ाती हैं। माना जाता है कि ऐसा करने से सूर्य देव की कृपा बनी रहती है। नाक से सिंदूर लगाना यह दर्शाता है कि महिला पूरी श्रद्धा से सूर्य देव को अर्घ्य दे रही है और अपने परिवार की सुख-समृद्धि की कामना कर रही है। इसके पीछे एक वैज्ञानिक कारण भी माना जाता है, नाक से माथे तक का हिस्सा 'अजना चक्र' से जुड़ा होता है, जिसे सक्रिय करने से मानसिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा मिलती है।

धार्मिक मान्यता और महत्व

छठ व्रत करने वाली महिलाएं पूरी सादगी, शुद्धता और आत्मसंयम के साथ पूजा करती हैं। नारंगी सिंदूर उनके व्रत की पवित्रता का प्रतीक माना जाता है। यह न केवल सजने का हिस्सा है, बल्कि यह सूर्य की आराधना का हिस्सा भी है। मान्यता है कि नारंगी सिंदूर पहनने से व्रती महिला को सूर्य देव का आशीर्वाद मिलता है और उनके परिवार पर संकट नहीं आता।

आज भी कायम है परंपरा

समय बदल गया है, लेकिन छठ पूजा से जुड़ी ये परंपराएं आज भी वैसी ही हैं। महिलाएं घर की साफ-सफाई, व्रत की तैयारी और पूजा के साथ नारंगी सिंदूर से अपने श्रृंगार को पूर्ण करती हैं। यह सिंदूर उनके विश्वास, शक्ति और समर्पण की झलक पेश करता है।

'बदलाव' की शुरूआत घर से होती है : कृति सेनन

बचपन से ही मुझे लगता था कि पुरुष और महिलाएं समान हैं, यह मेरी परवरिश के तरीके की बदौलत है। हम दो बहनें थीं और बड़े होते हुए, मुझे कभी नहीं कहा गया कि मैं कुछ नहीं कर सकती।

कृति सेनन ने 2014 में फिल्म 'हीरोपंती' से बॉलीवुड में डेब्यू करने के बाद से ही सिनेप्रेमियों का दिल जीतना शुरू कर दिया था । विभिन्न शैलियों में मनोरंजक फिल्में देकर वह दर्शकों के साथ ही फिल्मकारों को प्रभावित करने में भी सफल रही है। प्रतिष्ठित राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार अपने नाम करके वह अपने अभिनय का दम खम भी साबित कर चुकी है।

कृति ने अपने फिल्मी करियर में महिला प्रधान फिल्में भी की हैं। वह मजबूत महिलाओं के रोल फिल्मों में करती है और असल जिंदगी में भी वह ऐसी ही है। एक के बाद एक हिट फिल्में देने वाली कृति अभिनय के साथ-साथ खुलकर अपने दिल की बात सबके सामने रखने के लिए भी प्रसिद्ध है ।

वह अक्सर लैंगिक भेदभाव पर खुलकर अपनी राय रखती है और फिल्म इंडस्ट्री में भी असमानताओं का विरोध करती रही है । सम्भवतः यही कारण रहा होगा जो' संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यू.एन.एफ.पी.ए.) ने भारत में 'लैंगिक समानता' यानी 'जैंडर इक्वैलिटी' के लिए कृति को ही अपना एम्बैसेडर चुना है ।

इस भूमिका में कृति अपने साथियों के साथ मिलकर ऐसे समाधानों पर विचार कर रही है जिनसे महिलाओं और लड़कियों को सीखने, नेतृत्व करने और आगे बढ़ने में मदद मिले। साथ ही 'यू.एन.एफ.पी.ए.' के समानता के मिशन को भी बढ़ावा मिल सके।

एक इंटरव्यू के दौरान कृति ने कहा, "लैंगिक समानता के लिए बदलाव घर से शुरू होता है। बच्चों का पालन-पोषण समान रूप से होना चाहिए। हम अक्सर ऐसी कहानियां सुनते हैं कि लोगों के पास अपने बेटे और बेटी दोनों

को पढ़ाने के लिए पर्याप्त पैसे नहीं होते इसलिए वे बेटे को पढ़ाना पसंद करते हैं। शिक्षा आपके जीवन और करियर के विकल्पों को आकार देती है, इसलिए अपने बेटे और बेटी दोनों को अपने सपनों को पूरा करने की आजादी देना बहुत जरूरी है ।

अपने बचपन को किया याद

कृति ने अपनी और अपनी बहन नूपुर सेनन की बिना किसी रोक-टोक के की गई परवरिश का श्रेय अपने माता-पिता को देते हुए कहा, "बचपन से ही मुझे लगता था कि पुरुष और महिलाएं समान हैं, यह मेरी परवरिश के तरीके की बदौलत है। हम दो बहनें थीं और बड़े होते हुए, मुझे कभी नहीं कहा गया कि मैं कुछ नहीं कर सकती क्योंकि मैं एक लड़की हूं। जब भी मेरे सपनों की बात आई, मेरे माता-पिता ने हमेशा मेरा साथ दिया ।

उसने आगे कहा, मेरे रिश्तेदारों सहित कई लोगों ने कहा, 'ओह, वह एक अभिनेत्री बनना चाहती है, वह शादी नहीं करेगी। लोग ऐसी लड़कियों से शादी नहीं करते।' लेकिन मेरे माता-पिता ने वास्तव में इस पर कभी ध्यान नहीं दिया। जब आप अपने माता-पिता दोनों को काम करते और साथ मिलकर घर संभालते देखते हैं, तो आपको यह एहसास होता है कि कोई लैंगिक भूमिका नहीं होती।

कृति का यह भी मानना है कि फिल्म इंडस्ट्री में भी महिला-पुरुषों में इन्कम गैप नहीं होना चाहिए लेकिन मौजूदा स्थिति ऐसी ही है जो बात कृति को बहुत चुभती है । उसने कहा, मेरा मानना है कि वेतन एक जैसा होना चाहिए ।

फैंस को सलाह

"उन सभी के लिए जिनकी आंखों में सपने हैं..... वह छलांग लगाओ जिससे आप डरते हैं ... यह आसान नहीं हो सकता है, लेकिन आपको अपने पंख मिल जाएंगे, आपको अपने लिए रास्ता मिल जाएगा, आप उड़ना सीख जाएंगे।"

अगली फिल्में

करियर की बात करें तो कृति की झोली में कई फिल्में हैं। आनंद एल. राय की फिल्म 'तेरे इश्क में' में वह धनुष के साथ नजर आएगी । यह नवम्बर में रिलीज होनी है। इसके अलावा वह 'कॉकटेल 2' की भी शूटिंग शुरू कर चुकी है। वहीं उसके फरहान अख्तर की फिल्म 'डॉन 3' में भी होने की खबरें हैं। हालांकि, अभी तक इसकी कास्टिंग के बारे में कोई पुष्टि नहीं की गई है।

'शादी' की अटकलों पर 'तृषा' ने तोड़ी चुप्पी

हाल ही में तृषा कृष्णन के चंडीगढ़ के एक बिजनैसमैन से शादी करने की अफवाह उड़ी थी जिसे लेकर उसने अब अपनी चुप्पी तोड़ी है और ऐसी खबर फैलाने वालों को करारा जवाब भी दिया है और इस तरह की अफवाहों पर विराम लगा दिया है।

सोशल मीडिया पर तृषा ने कहा, "मुझे अच्छा लगता है जब लोग मेरे लिए मेरी जिंदगी के प्लान बनाते हैं। बस इंतजार है कि वे हनीमून का भी प्लान बनाएं।₹

बता दें कि तृषा हाल ही में तब सुर्खियों में आई जब खबरें फैलने लगीं कि वह जल्द ही चंडीगढ़ के एक व्यवसायी से शादी करने वाली है और ऐसा उसके माता- पिता की कथित सहमति से हो रहा है। हालांकि, अभिनेत्री और न ही उसके माता-पिता ने इन खबरों की पुष्टि की। अब, तृषा ने खुद इस साधारण लेकिन सटीक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इस चर्चा को विराम दे दिया है।

दिलचस्प बात है कि तृषा अपनी निजी जिंदगी को बेहद सीक्रेट रखती है। उसने पहले भी कहा है कि अगर उसे सही इंसान मिला, तभी वह शादी के बारे में सोचेगी।

टूट चुकी है सगाई

2015 में, तृषा की एक बिजनैसमैन वरुणमनियन से सगाई हुई थी। हालांकि, बाद में यह टूट गई । उस समय, ऐसी अटकलें लगाई जा रही थीं कि शादी के बाद अपने अभिनय करियर को जारी रखने के उसके फैसले के कारण ही वे दोनों अलग हो गए ।

झोली में 4 फिल्में

तृषा को पिछली बार कमल हासन और सिलंबरासन टी. आर. स्टारर फिल्म 'ठग लाइफ' में देखा गया था । मणिरत्नम द्वारा निर्देशित यह गैंगस्टर एक्शन फिल्म दिल्ली के एक माफिया बॉस रंगाराव शक्तिवेल की कहानी है। अब वह 4 फिल्मों 'विशम्भरा', 'राम', 'खलीफा' और 'कारूपू' में नजर आने वाली है।

किरदार निभाना ईमानदारी से: 'रिद्धिमा तिवारी'

हस्य, शक्ति और फैंटेसी र से भरी दुनिया में कदम रखते हुए रिद्धिमा तिवारी अब लोकप्रिय शो 'दिव्य प्रेम : प्यार और रहस्य की कहानी' में एक नई ऊर्जा लेकर आ रही है । शो में उसकी एंट्री शक्तिशाली राक्षसी के रूप में होगी, जिससे कहानी एक अप्रत्याशित और रोमांचक मोड़ लेगी । उसके आने से दर्शकों को भरपूर ड्रामा, रहस्य और अलौकिक ट्विस्ट देखने को मिलने वाला है ।

अपना अनुभव साझा करते हुए रिद्धिमा ने कहा, मैं इस शो का हिस्सा बनकर बहुत उत्साहित हूं क्योंकि इस प्रोडक्शन हाऊस के साथ यह मेरा पहला अनुभव है । हमारी टीम बहुत शानदार है, भले ही मैं शो में 6 महीने बाद जुड़ी हूं लेकिन सभी ने मेरा पूरे सहज भाव से स्वागत किया । एक कलाकार के रूप में अपने हर किरदार

ईमानदारी से निभाना हमारी जिम्मेदारी होती है और मैं इसे पूरी गंभीरता से निभाती हूं । मेरे किरदार की लुक बेहद खास और अनोखी है। स्टाइलिंग और डिजाइनिंग में टीम ने जो मेहनत की है, वह बहुत ही जबरदस्त और सराहनीय है ।

अपने किरदार के बारे में बात करते हुए उसने आगे कहा, ₹मैं राक्षसी का किरदार निभा रही हूं । यह किरदार सौ वर्षों की तपस्या के बाद अपनी आध्यात्मिक शक्तियों का इस्तेमाल कर शहर नकारात्मक ऊर्जा फैला रही है। वह सीधे हीरोइन से नहीं लड़ती, बल्कि अलग- अलग शक्तियों को नियंत्रित कर पूरे उज्जैन शहर में विनाश फैलाती है । हर बार वह इन ऊर्जाओं को दिशा देती है, जिससे उसका किरदार और भी शक्तिशाली और कई उतार-चढ़ाव से भरा है। चूंकि यह एक फैंटेसी थ्रिलर है, इसलिए इसमें कई दिलचस्प मोड़ और ट्विस्ट देखने को मिलेंगे, जिन्हें बच्चे और परिवार दोनों पसंद करेंगे। यह किरदार पूरे समर्पण, ऊर्जा और सहनशक्ति की मांग करता है, लेकिन मैं इसके लिए पूरी तरह तैयार हूं।' 'दिव्य प्रेम : प्यार और रहस्य की कहानी' उज्जैन की एक लड़की दिव्या की कहानी है, जिसकी जिंदगी तब पूरी तरह बदल जाती है जब उसकी मुलाकात प्रेम से होती है। प्यार, रहस्य और बीते समय के छिपे सच से बुनी यह कहानी परम्परा और तकनीक के संगम को खूबसूरती से दर्शाती है। शो में मेघा रे और सूरज प्रताप सिंह मुख्य भूमिकाओं में हैं।

रिद्धिमा ने कई टी.वी. शो और फिल्मों में काम किया है। टी.वी. शोज में 'आशिक बीवी का', 'ससुराल गेंदा फूल 2', 'गुलाम', 'सावधान इंडिया : क्राइम अलर्ट', 'राज महल' शामिल हैं। उसने फिल्म 'बेगम जान' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था ।

इंटरनैट पर महिलाएं ज्यादा 'निशाने' पर रहती हैं : 'एली अवराम'

एली अवराम जुलाई के महीने में खबरों में आ ई । जब उसकी एक तस्वीर यू-ट्यूबर आशीष चंचलानी के साथ सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी। तस्वीर वायरल होने के बाद लोग कहने लगे

कि दोनों डेट कर रहे हैं। हालांकि, बाद में पता चला कि यह केवल एक मजाक था ।

दोनों ने अपने नए रोमांटिक गाने 'चंदनिया' के प्रमोशन के लिए यह तस्वीर पोस्ट की थी । वहीं, तस्वीर वायरल होने बादली को सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। कई लोगों ने उसके खिलाफ गलत कमैंट किए थे। कुछ लोगों ने 'बॉडी काऊंट्स' (कितने लोगों के साथ यौन संबंध रहे हैं के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले शब्द) को लेकर नफरत भरे और गलत कमैंट्स किए थे। अब कुछ महीनों बाद एली ने ट्रोल्स पर अपना रिएक्शन दिया है। उसने कहा कि महिलाएं हमेशा ऑनलाइन टारगेट होती हैं, जबकि पुरुषों के साथ ऐसा कम होता है ।

उसका कहना है कि जो लोग ऐसी गलत बातें लिखते हैं, शायद अंदर से बहुत दुखी और परेशान होते हैं। 'बॉडी काऊंट' का मतलब नहीं पता था वे एली ने बताया कि उसे पहले 'बॉडी काऊंट' का मतलब नहीं पता था । उसके 'जैन- जी' दोस्तों ने उसे इसके बारे में समझाया। उसने कहा कि यह शब्द बहुत घिनौना और गलत है। इसका इस्तेमाल महिलाओं को जज करने के लिए किया जाता है। उसने यह भी कहा कि महिलाएं अक्सर समाज में 'दुष्ट' की तरह दिखाई जाती हैं, जबकि उन्होंने कुछ गलत नहीं किया।

एली ने यह भी बताया कि कैसे उर्फी जावेद ने सोशल मीडिया पर उसका सपोर्ट किया था । उसने कहा, उर्फी ने मेरे लिए स्टेटमैंट दिया, यह बहुत अच्छा था । वह ऐसी एकमात्र व्यक्ति हैं जो सच बोलती हैं।

वहीं, जुलाई के महीने में आशीष चंचलानी ने भी एली का सपोर्ट किया। जब एक यूजर ने लिखा था कि उनके फ्रैंक और फैंस के चलते एली को ट्रोल किया गया । जिस पर जवाब देते हुए आशीष ने कहा था, ₹मैं साफ करना चाहता हूं। ये लोग मेरे असली फॉलोअर या फैंस नहीं हैं। कई लोग मुझे फॉलो भी नहीं करते। यह ओपन प्लेटफॉर्म है। मैं या मेरे फैंस किसी भी बुरी या गंदी बात को सपोर्ट नहीं करते।₹

किसी ने बदतमीजी नहीं की

एली रियलिटी शो 'बिग बॉस 7' में नजर आई थी। सलमान खान के इस शो से उसे लोकप्रियता मिली। आज भी सलमान के साथ एली के अच्छे रिलेशन हैं। एली का कहना है सलमान की वजह से इंडस्ट्री में उसके साथ किसी ने बदतमीजी नहीं की है। उसने कहा, "मैं सलमान खान के कॉन्टैक्ट में हूं । ४ सलमान अपने लोगों का बहुत ध्यान रखते हैं। मैं इसके लिए हमेशा उनकी आभारी रहूंगी।₹

मेरे लिए परिवार सबसे कीमती है राशि खन्ना

इस तेज रफ्तार जिंदगी में जब हम बहुत कुछ खोते और पाते हैं, तब एहसास होता है कि सबसे ज्यादा कीमती क्या है? राशि खन्ना ने मेहनत, प्रतिभा और आत्मविश्वास से इंडस्ट्री में अपनी एक खास जगह नाई है। वह आज की पीढ़ी की उन अभिनेत्रियों में हैं, जो ग्लैमर के साथ-साथ गहराई से भरपूर किरदार निभाने के लिए जानी जाती हैं। राशि ने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की थी। उन्होंने कई विज्ञापनों और प्रिंट कैम्पेन्स में काम किया। फिल्मी दुनिया में उन्होंने पहला कदम 2013 में रखा, जब उन्होंने बॉलीवुड फिल्म 'मद्रास कैफे' में जॉन अब्राहम के साथ एक छोटा लेकिन अहम किरदार निभाया। इसके बाद उन्होंने साऊथ इंडियन सिनेमा, खासकर तेलुगु फिल्मों में काम करना शु रू

कि या । उनका तेलुगु डेब्यू फिल्म 'ऊहालू गुसगुसलाडे' (2014) से हुआ जिसे दर्शकों का भरपूर प्यार मिला।

राशि को किताबें पढ़ना, कविताएं लिखना और संगीत सुनना बहुत पसंद है । वह अपनी फिटनैस और स्किनकेयर को लेकर भी काफी जागरूक हैं । सोशल मीडिया पर वह अपने विचार और परिवार के साथ बिताए पलों को अक्सर शेयर करती हैं।

वह एक संवेदनशील अभिनेत्री हैं, जो हर किरदार को दिल से निभाती हैं। राशि, हाल ही में आपने सोशल मीडिया पर अपने परिवार के साथ कुछ तस्वीरें शेयर कीं।

इस तेज रफ्तार जिंदगी में जब हम बहुत कुछ खोते और पाते हैं, तब एहसास होता है कि सबसे ज्यादा कीमत क्या है - और वह है परिवार। मेरे माता-पिता, भाई- भाभी और हमारे छोटे बच्चे, ये सभी मेरे दिल के सबसे करीब हैं। उनके साथ बिताया हर पल मुझे सुकून और ताकत देता है।

'तेलुसु काडा' शूटिंग सफर बहुत ही खास था। कुछ कहानियां ऐसी होती हैं जो कैमरे बंद होने के बाद भी दिल में रह जाती हैं ' ते लु सु काडा' वैसी ही एक कहानी है। इसमें प्यार है, दर्द है और दो लोगों के बीच के अनकहे जज्बात भी हैं। इस फिल्म की टीम का मैं तहे दिल से शुक्रिया अदा करती हूं।

फिल्म में परिवार, दोस्ती, आत्म- प्रेम और त्याग जैसे विषयों को बहुत ही संवेदनशील तरीके से दिखाया गया है। मेरे साथ इसमें सिद्धू जोनालागड्डा और श्रीनिधि शैट्टी भी हैं। निर्देशन नीरजा कोना ने किया है और संगीत थमन का है। मुझे यकीन है कि दर्शक इस फिल्म से जुड़ाव महसूस करेंगे। 'तेलुसु काडा' के अलावा मैं जल्द ही विक्रांत मैसी के साथ 'तलाखों में एक' में नजर आऊंगी, जो एक 'सामाजिक विषय पर आधारित फिल्म है। फिर पवन कल्याण सर के साथ 'उस्ताद भगत सिंह' कर रही हूं, जो एक एक्शन- ड्रामा है। साथ ही फरहान अख्तर के साथ '120 बहादुर' में भी मेरा एक खास किरदार है।

आर. माधवन के साथ फिल्म 'ब्रिज' भी साइन की है इसकी कहानी ब्रिटेन की पृष्ठभूमि पर आधारित है और इसमें एक कपल की कहानी है जो अपनी लापता बेटी की तलाश कर रहा है । इस फिल्म में माधवन सर और सोहा अली खान भी हैं। दर्शकों को इसमें इमोशन और थ्रिल दोनों मिलेंगे।

ओ.टी. टी. पर भी आपकी वापसी होगी। 'फर्जी' के पहले सीजन को दर्शकों 'बहुत पसंद किया। अब 'फर्जी 2' की शूटिंग दिसम्बर से शुरू होने जा रही है। इसे लेकर मैं बहुत एक्साइटेड हूं। इसकी एक वजह यह भी है कि पहले सीजन में तो मेरा रोल काफी अहम था ही, दूसरे सीजन में यह और भी अधिक महत्वपूर्ण होने वाला है जिसमें अब की बार दर्शकों को कई परतें देखने को मिलेंगी।

दर्शकों के लिए बस यही कहना चाहूंगी कि कहानियां सिर्फ पर्दे पर नहीं, हमारी जिंदगी में भी होती अपने परिवार, अपने रिश्तों और अपनी भावनाओं को समय दीजिए । और जब मेरी फिल्में आएं, तो उन्हें देखिए और अपना प्यार दीजिए, जैसा अब तक देते आए हैं।

फैशन की पसंद राशि ढीले-ढाले और आरामदायक कपड़ों, खासकर पजामा के प्रति अपने प्यार का खुलासा करते हुए कहती हैं, "मुझे तरह-तरह के रंगों वाले कपड़े पहनना अच्छा लगता है। लेकिन मुझे सफेद, काला और ग्रे पसंद हैं। मैं शर्मीली और निजी हं और यह भी एक कारण है कि मैं खुद को इन रंगों तक ही सीमित रखती हूं क्योंकि ये रंग बहुत ज्यादा ध्यान आपकी ओर नहीं खींचते हैं।

"हम वैसे भी ऑनस्क्रीन या अन्यथा बहुत सारे रंग पहनते हैं। अगर आप सोशल मीडिया पर मेरी तस्वीरें देखेंगे, तो पाएंगे कि मैंने बैंगनी, गुलाबी और हरे सहित सभी तरह के रंग पहने हैं इसलिए, जब मैं अपने घर पर होती हूं तो मुझे ग्रे, काले या सफेद रंग पहनना पसंद है। उसके लिए हॉलीवुड अभिनेत्री सारा जैसिका पार्कर स्टाइल और आत्मविश्वास का आदर्श उदाहरण हैं। उन्होंने कहा, वह जो भी पहनती हैं, उसमें बहुत आत्मविश्वास होता है और उन पर सब कुछ प्यारा लगता है । मैं उनकी शैली और आत्मविश्वास की भावना से प्रेरित हूं।"

फैशन में जरूरी है आत्मविश्वास

राशि ने कहा कि वह अपनी व्यक्तिगत शैली में भी इसी सोच और दृष्टिकोण को शामिल करने की कोशिश करती हैं। उनके अनुसार, मैंने महसूस किया है कि फैशन के बारे में बात यह है कि आप चाहे जो भी पहनें, अगर आपके पास इसे पहनने का आत्मविश्वास नहीं है तो कुछ भी काम नहीं करता है और अगर आपके पास आत्मविश्वास है तो सब कुछ काम करता है इसलिए मुझे लगता है कि मेरे फैशन से ज्यादा मैं एक इंसान के तौर पर विकसित हुई हूं। मैं अपने फैशन विकल्पों को लेकर ज्यादा आत्मविश्वासी हो गई हूं।

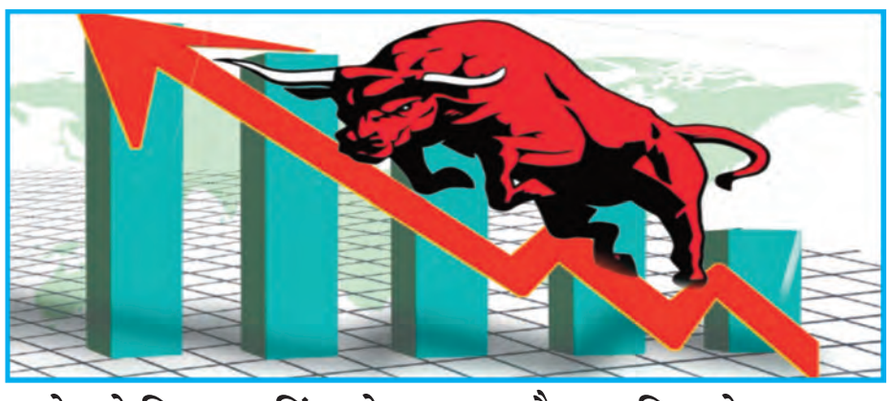

रेलवे टिकट बुकिंग वेबसाइट और एप फिर से डाउन

छठ पर्व पर हजारों यात्री परेशान; तत्काल टिकट बुक नहीं कर पाए

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। छठ पर्व के पहले दिन आज यानी, 25 अक्टूबर को IRCTC की वेबसाइट और एप डाउन हो गए। लोगों को सुबह 10 बजे से रेल टिकट बुक करने में परेशानी हो रही है। इससे पहले दिवाली पर भी IRCTC की वेबसाइट और एप डाउन हो चुके हैं।

आउटेज ट्रैकिंग प्लेटफॉर्म डाउन डिटेक्टर के मुताबिक सुबह 9:00 बजे से लोगों ने साइट और एप डाउन होने की शिकायत दर्ज करानी शुरू कर दी थी। सुबह 10 बजे करीब 180 लोगों ने इसे रिपोर्ट किया था। सोशल मीडिया पर भी लोग वेबसाइट डाउन होने की शिकायत करते रहे। डाउन डिटेक्टर के मुताबिक वेबसाइट पर 45%, एप पर 51% लोगों ने शिकायतें की हैं। हालांकि अभी डाउन डिटेक्टर पर वेबसाइट और एप डाउन होने की शिकायतें घट गई हैं। IRCTC पर सुबह 10 बजे AC क्लास के लिए तत्काल टिकट बुक करने का टाइम होता है। जबकि स्लीपर क्लास के लिए तत्काल टिकट बुक करने का समय 11 बजे होता है। आईआरसीटी के टिकटिंग प्लेटफॉर्म तत्काल बुकिंग खुलने के समय ही डाउन हो गए। छठ के लिए तत्काल कोटे से बुकिंग करने वाले लोगों को परेशान होना पड़ा। IRCTC पर रोजाना करीब 12.5 लाख टिकटों की सेल होती है।

IRCTC वेबसाइट डाउन होने पर यूजर्स कस्टमर केयर नम्बर 14646,08044647999 और 08035734999 पर कॉल कर सकते हैं। ईमेल etickets@irctc.co.in के माध्यम से भी अपनी परेशानी बता सकते हैं। अगर अर्जेंट हो तो काउंटर पर जाकर टिकट बुक करा सकते हैं।

रिलायंस-फेसबुक ने मिलकर नई एआई कंपनी बनाई

रिलायंस एंटरप्राइज इंटेलिजेंस लिमिटेड नाम रखा

855 करोड़ का निवेश किया

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने फेसबुक के साथ मिलकर एक नई AI कंपनी बनाई है। दोनों कंपनियों ने इस जॉइंट वेंचर का नाम रिलायंस एंटरप्राइज इंटेलिजेंस लिमिटेड (REIL) रखा है। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने शनिवार (25 अक्टूबर) को रेगुलेटरी फाइलिंग में इसका ऐलान किया। इस जॉइंट वेंचर में मुकेश अंबानी और मार्क जुकरबर्ग की कंपनियों ने मिलकर शुरुआती तौर पर 855 करोड़ रुपए का निवेश किया है।

रिलायंस इंटेलिजेंस लिमिटेड ने फेसबुक की इंडियन आर्म के साथ मिलकर यह नई कंपनी बनाई है। यह नई कंपनी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) सर्विसेज को डेवलप करने, मार्केटिंग करने और बेचने पर काम करेगी।

रिलायंस इंटेलिजेंस लिमिटेड के पास REIL में 70% हिस्सेदारी होगी, जबकि बाकी 30% हिस्सा मेटा प्लेटफॉर्म्स इंक की कंपनी फेसबुक ओवरसीज इंक के पास रहेगा। रिलायंस की AI यूनिट ने शुरुआती तौर पर 2 करोड़ रुपए का निवेश किया है। जिसमें 20 मिलियन यानी 2 करोड़ इक्विटी शेयर खरीदे गए हैं, जिनकी कीमत 10 रुपए प्रति शेयर है।

इस कंपनी का मकसद क्या है?

अगस्त में रिलायंस की एनुअल जनरल मीटिंग (AGM) में इस जॉइंट वेंचर का ऐलान किया था। REIL का फोकस मेटा के ओपन-सोर्स लामा मॉडल्स और रिलायंस की बिजनेस पहुंच का इस्तेमाल करके अलग-अलग सेक्टर्स के लिए AI टूल्स तैयार करना होगा।

एंटरप्राइज AI प्लेटफॉर्म-एज-ए-सर्विसः इससे कंपनियां अपने हिसाब से जेनरेटिव AI मॉडल्स बनाएंगी और इस्तेमाल कर सकेंगी। प्री-कॉन्फिगर्ड सॉल्यूशंसः ये खास तौर पर सेल्स, मार्केटिंग, IT ऑपरेशंस, कस्टमर सर्विस और फाइनेंस जैसे सेक्टर के लिए होंगे। मेटा इस पार्टनरशिप में लामा-बेस्ड AI मॉडल्स बनाने की टेक्निकल एक्सपर्टीज देगा। वहीं रिलायंस अपने डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और भारत की हजारों कंपनियों और छोटे बिजनेस तक पहुंच का फायदा उठाएगा। ये AI सॉल्यूशंस क्लाउड, ऑन-प्रिमाइसेस और हाइब्रिड एनवायरनमेंट में इस्तेमाल किए जा सकेंगे, और इनका मकसद कंपनियों के लिए लागत को कम करना होगा।

रिलायंस की फाइलिंग के मुताबिक, REIL का फॉर्मेशन रिलेटेड पार्टी ट्रांजैक्शन के तहत नहीं आता है और न ही रिलायंस के प्रमोटर्स या ग्रुप कंपनियों का इसमें कोई निजी हित है। साथ ही इस कंपनी को बनाने के लिए किसी सरकारी या रेगुलेटरी मंजूरी की जरूरत नहीं पड़ी है। इस पार्टनरशिप से भारत के बिजनेस को AI टेक्नोलॉजी का फायदा आसानी से मिल सकेगा। रिलायंस की मार्केट पहुंच और मेटा की टेक्नोलॉजी छोटे-बड़े बिजनेस को और स्मार्ट और किफायती बनाने में मदद करेगा।

शटडाउन से घुटने लगा है अमेरिका की इकॉनमी का दम

छोटे कारोबारियों पर सबसे ज्यादा असर

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी वाले देश अमेरिका में 1 अक्टूबर से शटडाउन है और हाल फिलहाल इसके खत्म होने के कोई आसार नहीं हैं। इसका असर अब अमेरिका की इकॉनमी पर भी पड़ता दिख रहा है। खासकर छोटे कारोबारियों को शटडाउन के कारण टैक्स क्रेडिट नहीं मिल पा रहा है जिसके कारण उनका बिजनेस अटक गया है। इसके साथ ही फेडरल गवर्नमेंट के लाखों कर्मचारियों को वेतन नहीं मिलने के कारण वे अपनी बचत को खर्च करने से बच रहे हैं। यह सब ऐसे समय हो रहा है जबकि अमेरिका की फेडरल गवर्नमेंट का कर्ज 38 ट्रिलियन डॉलर पहुंच चुका है। शटडाउन के कारण सरकार के कई जरूरी कामकाज रुक गए हैं। इनमें लेंडिंग और टैक्स क्रेडिट की प्रोसेसिंग शामिल है। माना जा रहा है कि अगर शटडाउन की स्थिति लंबे समय तक चलती है तो कंपनियां कर्मचारियों की छंटनी शुरू कर सकती हैं। इसकी वजह यह है कि लोगों के पास खर्च करने के लिए पैसे नहीं हैं। इस कारण कई कंपनियों का कारोबार प्रभावित हुआ है। मसलन लोगों ने बाहर खाना-पीना कम कर दिया है जिससे रेस्टोरेंट्स की इनकम पर असर पड़ रहा है। कोरोना महामारी के कारण कई बिजनेस को संभलने में कई महीने लग गए थे और अब शटडाउन ने उनकी हालत एक बार फिर खराब कर दी है। पिछली बार अमेरिका में शटडाउन 22 दिसंबर 2018 को शुरू हुआ था और 25 जनवरी, 2019 तक 35 दिन चला था। यह अमेरिका के इतिहास में सबसे लंबा शटडाउन था। इससे अमेरिका की इकॉनमी को 3 अरब डॉलर की चपत लगी थी। अमेरिका की सरकार को अपने खर्च चलाने के लिए फंड की जरूरत होती है।

फोर्ब्स एशिया की '100 स्टार्टअप्स टू वॉच' लिस्ट जारी

इसमें सबसे ज्यादा 18 भारत के; 8779 करोड़ तक की वैल्यू वाली कंपनी शामिल

मुंबई, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। एशिया-प्रशांत के स्टार्टअप इकोसिस्टम में भारत सबसे आगे निकल गया है। 2025 के लिए फोर्ब्स एशिया की '100 स्टार्टअप्स टु वॉच' लिस्ट में 16 देशों से उम्मीद जगाने वाले 100 स्टार्टअप्स चुने गए हैं।

इनमें 18 स्टार्टअप्स के साथ भारत सबसे आगे है। इसमें 8779 करोड़ तक की वैल्यू वाली कंपनी भी शामिल है। यह लिस्ट क्षेत्रीय इनोवेशन की तस्वीर पेश करती है, जहां AI, डीपटेक और सस्टेनेबल सॉल्यूशंस पर फोकस बढ़ रहा है।

फोर्ब्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत का यह प्रदर्शन युवा इकोसिस्टम की ताकत दर्शाता है। दुनियाभर के देशों से तुलना करें तो भारत महज दो दशकों में अमेरिका और चीन से मुकाबला करने की स्थिति में आ गया है। भारतीय स्टार्टअप्स ने स्थानीय चुनौतियों का समाधान करते हुए वैश्विक स्तर पर स्केलेबल मॉडल्स विकसित किए हैं। यानी यह बढ़ती डिमांड के साथ बिना ज्यादा लागत या संसाधन बढ़ाए आसानी से विस्तार कर सकते हैं।

व्यापक पहुंचः लिस्ट में शामिल कंपनियां 10 में से 8 सेक्टरों को कवर करती हैं। इनमें हेल्थकेयर, फाइनेंस, ई-कॉमर्स एंड रिटेल, स्पेस टेक्नोलॉजी, कंज्यूमर और रूरल कॉमर्स शामिल हैं।

इंडियन टेस्टः कंज्यूमर स्पेस में फॉक्सटेल, विक्डगुड और स्वीट करम कॉफी इंडियन टेस्ट को ग्लोबल बनाते हैं। रूरल कॉमर्स में ये लोकल डिजिटल डिवाइड कम कर रहे हैं।

गहरे इनोवेशंसः रिपोर्ट के मुताबिक, भारत का नेतृत्व सिर्फ संख्या में नहीं, इनोवेशन की गहराई में भी है। जैसे, हेल्थकेयर में क्लाउड फिजिशियन और ट्राइकॉग गरीबों तक पहुंच बढ़ा रहे।

दैनिक पंचांग

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2082**
शक संवत् **-1947,** सूर्य दक्षिणायने,ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् **-2551**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय **06-13**
भोग्य कलि वर्ष-**426874** सूर्यास्त. **17-48**
कलियुग संवत् **-5126** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949126**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885126**
दिशाशूल - पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
मास - कार्तिक शुक्ल पक्ष रविवार **26 October**
तिथि - पंचमी **06-05** तक उपरान्त षष्ठी
नक्षत्र - ज्येष्ठा **10-46** तक मूल
योग - शोभन **06-45** तक अतिगण्ड
करण - बव **16-59** तक उप बालव
व्रत - सौभाग्य ज्ञान लाभ
त्योहार - पांडव पंचमी

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 16-20 से 17-46 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा **9247132654 9167555710**

दिन का चौघडिया		रात का चौघडिया	
उत्पात	06-13 - 07-40 अशुभ	शुभ।	17-48 - 19-20 शुभ
चंचल	07-40 - 09-07 शुभ	अमृत	19-20 - 20-53 शुभ
लाभ	09-07 - 10-33 शुभ	चंचल	20-53 - 22-27 शुभ
अमृत	10-33 - 11-59 शुभ	रोग	22-27 - 00-00 अशुभ
काल	11-59 - 13-27 अशुभ	काल	00-00 - 01-34 अशुभ
शुभ	13-28 - 14-53 शुभ	लाभ	01-34 - 03-07 शुभ
रोग	14-53 - 16-20 अशुभ	उत्पात	03-07 - 04-40 अशुभ
उत्पात	16-20 - 17-48 अशुभ	शुभ	04-40 - 06-13- शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

अपने प्रति ईमानदार रहें क्योंकि इसी से आप हरेक स्थिति में खुश रह पायेंगे | केवल दूसरों की परवाह करने के लिए अपनी इच्छाओं का बलिदान न करें ,जो आपको भी अच्छा लगे,वही करें ।आपको यह सोचने में कुछ समस्या हो सकती है कि कहां से शुरू करूं,इसलिए सारे पहलू देखकर अपनी प्राथमिकताएं तय कर लें।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

खुशियाँ मनाने का समय है ।आपके किसी करीबी की शादी है । इस जोड़े को आपसे बहुत शुभकामनाएँ मिलेंगी ।अगर किसी से प्यार करते हैं तो उससे शादी के बारे में सोच सकते हैं । जो पहले से शादीशुदा हैं,उनके लिए पार्टी में मजे करने का समय है। आज आपको अपने स्वास्थ्य सम्बन्धी कई जांचें करानी पड़ सकती हैं।

मिथुन का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,

आज आपके हर एक काम में आत्मविश्वास की झलक दिखेगी। कुछ समय पहले तक बहुत मुश्किल दिखने वाली बाधाएं आज आसानी से पार हो जाएंगी। आपकी संवाद कुशलता अब पहले से बेहतर है और आप लोगों को इसके चलते विश्वास में लेकर अपनी बात समझा पायेंगे। दिन किसी मुश्किल परियोजना पर काम करने के लिए भी उपयुक्त है।

कर्क ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,

आपका व्यक्तित्व प्रतिभाशाली और प्रभावी है ,जो आज आपके हितेषियों तथा विरोधियों सहित सबके सामने आएगा। अपने शुभचिन्तकों की बातों पर ध्यान दें और बाकी सब बातों की उपेक्षा कर दें।आपके बड़े आपका साथ देंगे और जीवन के महत्वपूर्ण लक्ष्यों पर ध्यान फोकस करने में आपकी मदद करेंगे।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

बिजनेस सम्बन्धी किसी मीटिंग में आपके मनमुताबिक मोड़ आने की सम्भावना है। आप आज शांत किन्तु दृढ हैं ।आपने खूब सोच समझकर फैसले लिए हैं। कार्यस्थल पर सकारात्मक बदलाव होंगे ।किसी पुराने दोस्त से मुलाकात संभव है। घर पर शांत और संतुष्ट बने रहेंगे ।बौद्धिक उन्नति होगी ,प्रियजनों की और से कोई खुश कर देने वाली खबर मिलेगी।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आप अपने आप को विभिन्न दिशाओं में आकर्षित अनुभव कर रहे हैं और समझ नही पा रहे कि क्या किया जाना चाहिए ? यह परेशानी आज और ज्यादा बढ़ेगी और आपके लिए फैसला लेना और भी मुश्किल हो जाएगा ।आपको सावधानी से काम लेना होगा क्योंकि आपके फैसले लेने की क्षमता भावनाओ और दुसरे कारणों से प्रभावित हो सकती है।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आपको अपनी स्थिति ,विशेषकर वित्तीय स्थिति पर अच्छी तरह विचार करने की आवशयकता है । बहुत खर्च करने में आनंद आ सकता है लेकिन इससे आपके परिवार की वित्तीय स्थिति पर भी बुरा असर पड़ सकता है ,आपको यह जानना होगा । जहां तक वित्तीय स्थिति का सवाल है,आपको ठंडे दिमाग से

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आज अपने सिद्धांतों की व्याख्या और पुनर्मुल्यांकन का दिन है ।आप पिछले फैसलों के लिए खुद से और अपने साथी से भी सवाल कर सकते हैं ।फिर भी आप उसके प्रति बहुत अच्छे बने रहेंगे और उससे भी बदले में यही उम्मीद रखेंगे ।जब पुराने विचारों से कोई काम बनता दिखाई न दे रहा हो तो नए विचारों को अपना लेने में कोई बुराई नही है।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

इस समय आपके जीवन में अजीब ही घटनाएँ हो रही हैं ।जिससे भी आप मिलते हैं,आपके मन में उसी के लिए कोमल भावनाएं पैदा हो जाती हैं ,विशेषत विपरीत लिंग को आप बहुत आकर्षित करेंगे । साथ ही आप उस काम के बारे में भी जागरूक रहेंगे जो आपको दूसरों के लिए घर और कार्यस्थल पर करना है ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

वित्तीय लाभ की सूचना से आपको और आपके परिजनों को ख़ुशी होगी । इससे ये भावना आएगी कि सब अच्छा हो रहा है । आप खुशमिजाज और आकर्षक हैं,नए लोगों से मिलें । इससे आपको नए अवसर मिलेंगे जो अंतत आपके लिए फायदे का सौदा साबित होंगे ।आप परिवार या घर की बनावट में कोई बदलाव लाने के बारे में सोच सकते हैं ।

कुंभ गु, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

इस बात की सम्भावना है कि कोई आपके आसपास आपके विचार चुराकर आने करियर में प्रगति करना चाहता है । इसीलिए किसी से बात करते हुए सावधान रहें । आपको इस समय बड़ी गंभीरता से अपने हित के बारे में सोचना है ।अपने लम्बे सहकर्मी रह चुके लोगों के साथ भी अपनी जानकारियां साझी न करें ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आपको अपने कामों को पूरा करने के लिए बहुत कम साधन उपलब्ध होंगें और इससे आपके काम में बाधा पहुचेगी। इससे परेशान न हों,आपको दिन के अंत तक अपनी पसंद का काम और साधन दोनों ही मिल जायेंगे। आप प्रकृति से ही मेहनती हैं और आप जिम्मेदारियों के साथ साथ स्वतंत्रता का भी आनंद लेंगे ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

आरबीआई बनाम एसबीआईः देश के दो शीर्ष वित्तीय संस्थाओं के अधिकारी सोशल मीडिया पर उलझे

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश की दो सबसे भरोसेमंद वित्तीय संस्थाओं के अर्थशास्त्री बीते दिनों सोशल मीडिया पर आमने-सामने नजर आए। मामला किसी नीतिगत फैसले का नहीं, बल्कि एक रिसर्च रिपोर्ट की मौलिकता और सही क्रेडिट देने का है। आइए जानते हैं यह बहस, क्यों दिलचस्प और संवेदनशील दोनों है।

दिवाली की छुट्टियों के दौरान भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के सहायक महाप्रबंधक स्तर के अर्थशास्त्री सार्थक गुलाटी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म लिंक्डइन पर आरोप लगाया कि भारतीय स्टेट बैंक (आरबीआई) की इकोरैप रिपोर्ट में आरबीआई की मौद्रिक नीति रिपोर्ट (एमपीआर) के हिस्सों-पैराग्राफ,

चार्ट और ग्राफिक्स को बिना कोई स्पष्ट क्रेडिट दिए इस्तेमाल कर लिया गया। उन्होंने इसके स्क्रीनशॉट भी अपने पोस्ट के साथ साझा किए। एक तरह से देश के बैंकिंग नियामक के एक बड़े अधिकारी ने देश के ही सबसे बड़े बैंक पर प्लेगरिज्म यानी बिना क्रेडिट के किसी और के कंटेंट इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। इसी कारण से यह विषय काफी संवेदनशील व दिलचस्प दोनों बन गया।

एसबीआई ने अपनी ओर से क्या सफाई दी?

भारतीय स्टेट बैंक के एक अधिकारी ने इस पूरे प्रकरण पर अपनी बात रखते हुए इन आरोपों को दुखद और सनसनीखेज बताया। इकोरैप टीम के सदस्य तापस परिदा ने कहा कि उनका मॉडल और तरीका अलग है। एसबीआई की रिपोर्ट में हाल के एक साल के डेटा से महंगाई के रुझान समझाए गए हैं, जबकि आरबीआई का अध्ययन लंबी अवधि का है। परिदा ने यह भी कहा कि इकोरैप की तालिकाओं में आरबीआई, एनएसओ और एसबीआई रिसर्च जैसे स्रोत दिए गए हैं। इकोरैप टीम के मुखिया सौम्या कांति घोष देश के प्रमुख आर्थिक पैनलों से भी जुड़े रहे हैं।

इस मामले पर अर्थशास्त्री अजीत रानाडे ने भी अपनी टिप्पणी की है। उन्होंने कहा, ₹अकादमिक दुनिया में उचित उद्धरण और संदर्भ के बुनियादी नियम हैं; उल्लंघन गंभीर माना जाता है।₹ इसके जवाब में परिदा ने तर्क दिया कि आइडिया साझा होने से ही वैश्विक शोध समृद्ध होता है। किसने 'किससे पहले' कहा, यह बहस का विषय नहीं होना चाहिए। उनका इशारा यह भी था कि प्राइस कनवर्जेंस जैसे विषयों पर पहले भी कई अध्ययन हो चुके हैं और आगे भी होंगे।

यह मामला क्यों अहम है?

नीतिगत हलकों में चर्चा है कि देश के शीर्षस्थ संस्थानों के बीच यह तनातनी सिर्फ तकनीकी मतभेद नहीं, बल्कि वरिष्ठ स्तर पर सामंजस्य का अभाव भी जाहिर करता है। हालांकि, की ओर से इस बारे में आधिकारिक तौर पर अब तक कोई टिप्पणी नहीं की गई है। दूसरी ओर, गुलाटी ने अपनी पोस्ट में साफ लिखा कि ये उनके निजी विचार हैं।

चीन रूसी तेल का सबसे बड़ा खरीदार

फिर भी अमेरिका ने नहीं लगाया है कोई टैरिफ

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका ने रूस की दो बड़ी तेल कंपनियों पर पाबंदी लगा दी है। भारत आने वाले रूसी तेल में इन दो कंपनियों की 60% हिस्सेदारी थी। अमेरिकी पाबंदियों के बाद अब भारतीय कंपनियां रूस से कच्चे तेल की खरीद कम कर रही हैं। साथ ही चीन की सरकारी कंपनियों ने भी फिलहाल रूस के साथ तेल सौदों पर रोक लगा दी है। अमेरिका ने रूसी तेल खरीदने के लिए भारत पर 25% का अतिरिक्त टैरिफ लगा रखा है लेकिन रूस से से सबसे ज्यादा तेल खरीदने वाले चीन पर इस तरह का कोई टैरिफ नहीं लगाया गया है।

ब्लूमबर्ग के मुताबिक जून में रूसी तेल का सबसे बड़ी खरीदार चीन रहा। रूस के कुल क्रूड एक्सपोर्ट का करीब 47 फीसदी हिस्सा चीन की झोली में आया। चीन के बाद भारत का नंबर है। रूस के कुल क्रूड एक्सपोर्ट में भारत की हिस्सेदारी 38 फीसदी है। रूस भारत का सबसे बड़ा क्रूड सप्लायर है। हालांकि अप्रैल से सितंबर के दौरान इसमें कुछ गिरावट आई है। रूस से तेल मंगाने वाले देशों में चीन और भारत के अलावा तुर्की और यूरोपियन यूनियन शामिल हैं।

11 अरब डालर स्वाहा! हफ्ते के आखिरी दिन लुट गए एलन मस्क, अब कितनी रह गई है नेटवर्थ

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क के लिए शुक्रवार का दिन भारी रहा। अमेरिकी शेयर बाजार में रेकॉर्ड तेजी के बावजूद इलेक्ट्रिक कार बनाने वाली कंपनी टेस्ला के शेयरों में 3.4% गिरावट आई। इस कारण मस्क की नेटवर्थ में 11 अरब डॉलर यानी करीब 9,66,06,40,00,000 की गिरावट आई। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक मस्क की नेटवर्थ अब 451 अरब डॉलर रह गई है। इस साल उनकी नेटवर्थ में 18 अरब डॉलर की तेजी आई है। दुनिया के टॉप 10 अमीरों में से 8 की नेटवर्थ में शुक्रवार को तेजी रही।

ओरेकल के फाउंडर लैरी एलिसन ने इस साल सबसे ज्यादा 151 अरब डॉलर की कमाई की है। एलिसन की नेटवर्थ में शुक्रवार को 2.82 अरब डॉलर की तेजी आई और वह 343 अरब डॉलर पहुंच गई। दुनिया के अमीरों की लिस्ट में फेसबुक के मार्क जकरबर्ग तीसरे (260 अरब), ऐमजॉन के जेफ बेजोस ($247 अरब) चौथे, लैरी पेज ($227 अरब) पांचवें, सर्गेई ब्रिन ($212 अरब) छठे, बर्नार्ड आरनॉल्ट ($195 अरब) सातवें, स्टीव बालमर ($180 अरब) आठवें, जेंसन हुआंग ($162 अरब) नौवें और माइकल डेल ($159 अरब) दसवें नंबर पर हैं।

अंबानी-अडानी की नेटवर्थ

भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी 103 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ इस लिस्ट में 18वें नंबर पर जमे हुए हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन की नेटवर्थ में शुक्रवार को 11.1 करोड़ डॉलर की तेजी आई। इस साल उनकी दौलत 12.2 अरब डॉलर बढ़ी है। अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी 92.3 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ इस लिस्ट में 20वें नंबर पर हैं। शुक्रवार को उनकी नेटवर्थ में 64.5 करोड़ डॉलर की गिरावट आई। वैसे इस साल उनके खाते में 13.6 अरब डॉलर आए हैं।

सोने की कीमत बढ़ेगी, डॉलर कमजोर होगा

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। सोने की कीमत में इस समय लगातार गिर रही है। वहीं अमेरिकी डॉलर में कुछ तेजी आई है। काफी निवेशकों को लगने लगा है कि सोने की कीमत अभी और गिरेगी। लेकिन एक निवेशक की राय कुछ अलग है। इस निवेशक ने चेतावनी देते हुए कहा है कि आने वाले समय में न केवल सोने की कीमत बढ़ेगी, बल्कि डॉलर भी कमजोर होगा।

अरबपति निवेशक रे डेलियो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि रूस की तेल कंपनियों पर अमेरिकी प्रतिबंधों से वैश्विक वित्तीय जगत में हलचल मच सकती है। इससे डॉलर कमजोर हो सकता है और सोने की कीमतें बढ़ सकती हैं। उन्होंने अतीत के ऐसे उदाहरणों का हवाला दिया जहां आर्थिक युद्ध ने वैश्विक मौद्रिक गतिशीलता को बदल दिया था।

बैन के बाद बढ़ी तेल की कीमत

डेलियो की यह टिप्पणी वाशिंगटन द्वारा यूक्रेन में चल रहे युद्ध के कारण रूस की दो सबसे बड़ी तेल कंपनियों रोसनेफ्ट और लुकोइल पर नए बैन लगाने के बाद आई है। इस कदम ने

आपूर्ति संबंधी चिंताओं को बढ़ा दिया है, जिससे सप्ताह की शुरुआत में तेल की कीमतें बढ़ीं। हालांकि शुक्रवार की सुबह ब्रेंट क्रूड 36 सेंट गिरकर 65.63 डॉलर प्रति बैरल और अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट 33 सेंट गिरकर 61.43 डॉलर पर आ गया। लेकिन शनिवार सुबह इसमें फिर तेजी आ गई।

इतिहास का दिया हवाला

डेलियो ने कहा कि इतिहास में गोलीबारी वाले युद्धों से पहले और उनके दौरान ऐसे वित्तीय और आर्थिक युद्ध हुए हैं जिन्हें हम अब बैन कहते हैं। उन्होंने आगे कहा कि जब कोई देनदार अपने दायित्वों का भुगतान करने से इनकार करता है, तो यह लेनदार को वित्तीय रूप से नुकसान पहुंचा सकता है। लेकिन यह अपने स्वयं की मुद्रा और ऋण को भी कमजोर कर सकता है। यह प्रभाव तब और बढ़ जाता है जब दुनिया की प्रमुख शक्ति की आरक्षित मुद्रा इसमें शामिल होती है।

सोने और डॉलर पर दिखा असर

इन घटनाओं के कारण सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखा गया है। शुक्रवार सुबह स्पॉट गोल्ड 0.2% गिरकर 4,118.68 डॉलर प्रति औंस पर था, जो 10 हफ्तों में पहली साप्ताहिक गिरावट की ओर बढ़ रहा था। डॉलर की मजबूती और अमेरिकी मुद्रास्फीति से पहले की पोजीशनिंग ने इस पर दबाव डाला। अमेरिकी दिसंबर गोल्ड फ्यूचर्स 0.3% गिरकर 4,133.40 डॉलर प्रति औंस पर आ गए।

आईपीएस डांगी उत्पीड़न केस में नया मोड़

शिकायतकर्ता योग शिक्षिका के बहन–जीजा बोले– उसके आरोप झूठे, पापा को भी इसी तरह बदनाम किया

रायपुर, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ पुलिस के सीनियर आईपीएस अधिकारी रतनलाल डांगी पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगे हैं। इस केस में अब एक नया मोड़ आ गया है। जिस योग शिक्षिका ने आईजी डांगी पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है, उसके परिजनों (दीदी-जीजा) ने बहन को ही गलत ठहराया है।

मीडिया से बातचीत में शिकायतकर्ता महिला की बड़ी बहन ने आईपीएस डांगी पर छोटी बहन की ओर से लगाए गए आरोपों को झूठा बताया। उन्होंने कहा कि उसकी छोटी बहन बचपन से ही ऐसी है। वह पहले भी पापा और मेरे पति को इसी तरह बदनाम कर चुकी है।

वहीं, जिस महिला ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था, उसका एक ऑडियो भी सामने आया है, जिसमें वह खुद इन बातों से इनकार करती सुनाई दे रही है।

शिकायतकर्ता महिला की बड़ी बहन ने बताया कि जब वो नाबालिग थी, तब भी कई बार अलग-अलग लड़कों के साथ घर छोड़कर चली गई थी। उनका दावा है कि उनकी छोटी बहन की वजह से परिवार टूट गया।

धोखाधड़ी-ब्लैकमेलिंग में पहली भी शामिल

परिजनों का कहना है कि महिला का व्यवहार पहले से संदिग्ध रहा है और वह धोखाधड़ी और ब्लैकमेलिंग जैसे मामलों में पहले भी शामिल रह चुकी है। जीजा ने बताया कि वह कई बार पारिवारिक विवादों में झूठे आरोप लगाकर पैसे की मांग करती थी। उन्होंने कहा 'अब उसने एक ईमानदार अधिकारी को निशाना बनाया है।'

हमारे पास उसके पुराने केस के दस्तावेज और बयान मौजूद हैं। जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता महिला के खिलाफ भी कई पुरानी शिकायतें सामने आई हैं, जिन्हें अब जांच में शामिल किया जा सकता है।

इस बीच, शिकायतकर्ता महिला का एक ऑडियो सामने आया है, जिसमें वह खुद यौन उत्पीड़न की

बात से इनकार करती सुनाई दे रही है। ऑडियो में वह किसी युवक से बातचीत कर रही है।

छत्तीसगढ़ पुलिस के सीनियर आईपीएस अधिकारी रतनलाल डांगी पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगे हैं। यह आरोप पुलिस विभाग में पदस्थ एसआई की पत्नी ने लगाया है। महिला का कहना है कि पिछले 7 सालों से आईपीएस डांगी उसका शारीरिक और मानसिक शोषण कर रहे हैं।

वहीं आईपीएस डांगी ने भी डीजीपी को लिखित शिकायत में बताया है कि महिला उन्हें बदनाम करने और ब्लैकमेल करने की कोशिश कर रही है, साथ ही जहर लेकर धमकी देने और वीडियो कॉल पर लगातार निगरानी रखने जैसी शर्तें भी रखी हैं।

महिला ने पुलिस मुख्यालय में दर्ज कराई थी शिकायत

महिला ने पुलिस मुख्यालय पहुंचकर 15 अक्टूबर को शिकायत दर्ज कराई थी। उसने बताया कि साल 2017 में रतनलाल डांगी से उसकी मुलाकात कोरबा में हुई थी, जब आईपीएस डांगी वहां एसपी पद पर तैनात थे।

शुरूआती बातचीत सोशल मीडिया पर हुई, जो आगे बढ़ती गई। दंतेवाड़ा में पदस्थापना के दौरान वह वीडियो कॉल के माध्यम से उन्हें योग सिखाती थी। बाद में राजनांदगांव और सरगुजा में आईजी बनने के बाद डांगी ने कथित रूप से उसे परेशान करना शुरू किया। बिलासपुर आईजी रहते हुए उत्पीड़न का सिलसिला और बढ़ गया।

शिकायत में महिला ने बताया है कि आईपीएस डांगी उसे अपनी पत्नी की गैरमौजूदगी में बंगले पर बुलाते थे और न आने पर तबादले की धमकी देते थे। चंद्रखुरी पुलिस प्रशिक्षण अकादमी में तबादले के बाद भी वह वीडियो कॉल के जरिए सुबह 5 बजे से रात 10 बजे तक संपर्क करने का दबाव बनाते थे। महिला ने यह भी दावा किया है कि उसके पास कई आपत्तिजनक डिजिटल साक्ष्य मौजूद हैं। रतनलाल डांगी ने बताया कि शिकायतकर्ता महिला उन्हें ब्लैकमेल कर रही है। इस मामले की शिकायत उन्होंने पूर्व में ही सीनियर अफसरों से की है। महिला को इस बात की जानकारी मिली तो उसने पुलिस मुख्यालय पहुंचकर शिकायत की है। महिला मुझे बदनाम करने और ब्लैकमेल करने के लिए ये सब कर रही है।

आईपीएस रतनलाल डांगी की शिकायत की जांच पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर आईजी आनंद छाबड़ा को जांच की जिम्मेदारी दी गई है। आईजी आनंद छाबड़ा के साथ डीआईजी मिलना कुर्रे जांच करेंगी।

सड़क हादसे में युवक की मौत, सड़क पर बवाल

धनबाद में गुस्साए लोगों ने अस्पताल में तोड़फोड़ की, पुलिस ने किया लाठीचार्ज

धनबाद, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। आठ लेन सड़क पर 99 कोलांचल सिटी के पास शुक्रवार की रात दो बाइक की टक्कर में बारामुड़ी खटाल में रहने वाले 26 वर्षीय नंदू राय की मौत हो गई। मौत की खबर पर बारामुड़ी से काफी संख्या में लोग मौके पर पहुंचे। शव को अशर्फी अस्पताल परिसर में खड़े ऑटो में पड़ा देख वह भड़क गए।

गुस्साए लोगों ने पहले 8 लेन सड़क को जाम कर दिया। आने जाने वाले वाहन सवारों को पीटा। इसके बाद अशर्फी अस्पताल में घुसकर इमरजेंसी में तोड़फोड़ शुरू कर दी। तोड़फोड़ के दौरान एक डॉक्टर और 3-4 अस्पताल कर्मी जख्मी हो गय। गेट और अस्पताल परिसर में खड़ी दो एंबुलेंस का शीशा तोड़ दिया। सूचना पर धनबाद थाना प्रभारी राम नारायण ठाकुर दलबल के साथ पहुंचे। पुलिस को देख उपद्रवी ईंट-पत्थर चलाने लगे। इसमें धनबाद थाना के दरोगा चरणजीत सिंह का सिर फट गया। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने लाठी चार्ज किया। पुलिस ने उपद्रवियों को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा। पुलिस एक्शन के बाद वहां अफरातफरी मच गई। उपद्रवी मौके से भाग निकले। पुलिस मौके पर कैंप कर रही है। उपद्रव करने वालों को चिन्हित कर पुलिस उनके खिलाफ प्राथमिक की दर्ज करेगी।

8 लेने की सर्विस लेन में दो बाइक की सीधी टक्कर में नंदू की मौत हो गई। वहीं, बारामुड़ी खटाल का श्याम यादव (17) व नंदन यादव (16) गंभीर रूप से जख्मी हो गए। जख्मी श्याम और नंदन के मुताबिक वे दूध बांटकर विनोद बिहारी चौक की ओर लौट रहे थे। इसी दौरान विनोद बिहारी चौक की ओर से भूली मोड़ की तरफ जा रही बाइक से सीधी टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि तीनों युवक सड़क पर गिर गए और दोनों बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। आसपास के लोग तीनों युवक को एक ऑटो से अशर्फी अस्पताल ले गए। वहां नंदू को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। वहीं, श्याम और नंदन का इलाज अशर्फी अस्पताल में चल रहा है।

नंदू की मौत की खबर मिलने के बाद बारामुड़ी बस्ती के सैकड़ों की संख्या में महिला-पुरुष अस्पताल पहुंच गए। नंदू को ऑटो में ही पड़ा देखा तो लोग उग्र हो गए। प्रबंधन पर नंदू का इलाज न करने का आरोप लगाते हुए अस्पताल में जमकर उत्पात मचाया। अस्पताल की इमरजेंसी वार्ड से लेकर अस्पताल के अन्य कई जगहों के शीशे दरवाजे डाले। वहीं, अस्पताल के बाहर काफी संख्या में लोगों ने सड़क जाम कर दिया। एक तरफ जहां युवक की मौत को लेकर हंगामा हो रहा था। वहीं, दूसरी तरफ विनोद बिहारी चौक से मेमको मोड़ जाने वाले सर्विस लेन में खड़ी एसयूवी को दूसरी एसयूवी द्वारा धक्का मारने से फिर अफरातफरी मच गई।

बीजापुर में नक्सलियों ने मामा-भांजे को मार-डाला

घर से बाहर बुलाकर धारदार हथियार से हत्या की, मृतकों में एक सीआरपीएफ जवान का भाई

बीजापुर, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। बीजापुर जिले में माओवादियों ने 2 ग्रामीणों की धारदार हथियार से हत्या कर दी। नेलाकांकेर गांव में शुक्रवार (24 अक्टूबर) रात को नक्सलियों ने 2 युवकों को घर से बाहर बुलाया और मार डाला। दोनों रिश्ते में मामा-भांजे और पड़ोसी हैं। मामला उसूर थाना क्षेत्र का है।

मृतकों की पहचान रवि कट्टम (25 वर्ष) और तिरुपति सोढ़ी (38 वर्ष) के रूप में हुई है। मृतक तिरुपति का भाई सीआरपीएफ में जवान है। पुलिस ने आशंका जताई है कि माओवादियों ने बदले की भावना से इस वारदात को अंजाम दिया है। घटना की सूचना मिलते ही उसूर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। फिलहाल, पुलिस और सुरक्षाबल आसपास के क्षेत्र में तलाशी अभियान चला

रहे हैं। यह घटना प्रदेश के गृहमंत्री विजय शर्मा के बीजापुर और उसूर क्षेत्र के हालिया दौरे के कुछ दिनों बाद हुई है। माना जा रहा है कि माओवादी सुरक्षाबलों और प्रशासनिक गतिविधियों से बौखलाए हुए हैं। इस घटना से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। जानकारी के मुताबिक, तिरुपति सोढ़ी 8वीं पास था। पेशे से किसान था। कट्टम रवि 12 वीं पास था। बताया जा रहा है दोनों का आवापल्ली, बीजापुर मुख्यालय आना जाना होता था। इसलिए मुखबिरी के शक में नक्सलियों ने उन्हें मारा है। एक महीने में नक्सलियों ने 7 ग्रामीणों को मार डाला।

जानकारी के मुताबिक, नक्सलियों ने अक्टूबर महीने में 5 ग्रामीणों को मौत के घाट उतारा है। गृहमंत्री अमित शाह के 4 अक्टूबर के बस्तर दौरे से ठीक पहले नक्सलियों ने सुकमा और बीजापुर जिलों में दो ग्रामीणों की हत्या की थी। इससे पहले सुकमा में दो और बीजापुर में एक ग्रामीण को मौत के घाट उतार दिया था।

डकैती कांड का खुलासा, पांच आरोपी गिरफ्तार

देवघर, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। देवघर के मधुपुर थाना क्षेत्र के मिसरना गांव में हुई डकैती का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जिन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। पुलिस ने लूटे गए 15 लाख रुपये नगद और घटना में प्रयुक्त हथियार व वाहन भी बरामद किए हैं। यह घटना 16 अक्टूबर को हुई थी, जब 10 से 12 अज्ञात अपराधियों ने मिसरना गांव में डकैती को अंजाम दिया था। घटना के बाद, देवघर के एसपी सौरभ कुमार के निर्देश पर डीएसपी सत्येंद्र प्रसाद के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया था।

इस टीम ने लगातार छापेमारी की। तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर की गई छापेमारी के दौरान, पुलिस ने घटना में इस्तेमाल किए गए हथियार, एक वाहन और लूटे गए 15 लाख रुपए नगद बरामद किए।

झारखंड में नहाय-खाय के साथ छठ की शुरुआत

रांची के बाजार में समस्तीपुर का अरता, बंगाल से नारियल और जयपुर से पहुंचा लोहे का चूल्हा

रांची, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। पूरे झारखंड में लोक आस्था का महापर्व छठ आज से नहाय-खाय के साथ शुरू हो गया है। व्रती 27 अक्टूबर की शाम को डूबते सूर्य को और 28 अक्टूबर की सुबह उगते सूर्य को साफ-सुथरे और सुरक्षित घाटों पर अर्घ्य अर्पित करेंगे।

इसे लेकर राजधानी रांची सहित पूरे प्रदेश में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। बात राजधानी रांची की करें तो यहां की 155 छठ पूजा समितियां भी तैयार हैं।

आज नहाय खाय है। कल खरना होगा। इन दोनों ही दिनों में पूजन सामग्री की खरीदारी बड़े पैमाने पर होती है। ऐसे में बाजार सज कर पूरी तरह तैयार हैं। इस पूजा में पवित्रता का पूरा ध्यान रखा जाता है। ऐसे में रांची के बाजार भी तैयार हो चुके हैं।

विभिन्न दुकानदारों से मिली जानकारी के अनुसार इस बार बाजार में समस्तीपुर से गागल मंगाए गए हैं। वहीं, पश्चिम बंगाल

से नारियल भी मंगाया गया है। गयाजी का अरता-पात और गयाजी, जहानाबाद व औरंगाबाद की बद्धी माला से व्रती पूजा में शामिल होंगी। दुकानदारों का कहना है कि इस बार छठ व्रती सामग्री की मांग पहले से अधिक है। इसके अलावा बाजार में जयपुर का लोहे का चूल्हा और पटनिया का ठेकुआ सांचा भी उपलब्ध हैं। कर्रा और गोविंदपुर से कच्ची हल्दी, मूंगफली और शकरकंद तथा लोहरदगा से ईख की आवक हुई है।

दुकानदारों ने बताया कि ताजा आवक और विविध सामग्री के चलते व्रती आसानी से अपनी छठ पूजा की खरीददारी पूरी कर पा रहे हैं। उत्साह के साथ व्रत की तैयारियों में जुटे हैं।

छठ पर्व को लेकर सुबह से ही व्रती महिलाएं और आम नागरिक पूजन सामग्री की खरीदारी के लिए शहर के विभिन्न बाजारों की ओर उमड़ पड़े। राजधानी रांची के जिला स्कूल ग्राउंड, बकरी बाजार, धुर्वा, हिनू, मोरहाबादी इलाकों में सजे बाजारों में लोग पहुंचे।

छह बाजार को लेकर न केवल व्रतियों बल्कि दुकानदारों में भी जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। बांस और मिट्टी के उत्पादों की बिक्री बढ़ने से स्थानीय कारीगरों के चेहरे भी खिल उठे हैं।

प्रशासन की ओर से भीड़भाड़ वाले इलाकों में यातायात, सफाई और सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। शहर की गलियों और बाजारों में इस समय छठ महापर्व की आस्था, उत्साह और उल्लास का अनूठा संगम स्पष्ट रूप से झलक रहा है।

जमीन पर लेटीं 800 महिलाओं के ऊपर से गुजरा बैगा

धमतरी के मां अंगारमोती मंदिर में संतान प्राप्ति की मन्नत, परंपरा बंद करने की मांग

धमतरी, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। धमतरी जिले के गंगरेल स्थित मां अंगारमोती मंदिर में दीपावली के बाद पहले शुक्रवार को देव मड़ई का आयोजन हुआ। इस दौरान संतान प्राप्ति की मन्नत लेकर 800 से अधिक महिलाएं पेट के बल जमीन पर लेटीं।

बैगा उनके ऊपर से चलकर मां अंगारमोती माता तक पहुंचे, जो यहां की एक परंपरा है।

गंगरेल स्थित मां अंगारमोती मंदिर के पुजारी इस परंपरा को 1000 साल पुरानी बता रहे हैं। यहां प्रदेश ही नहीं, बल्कि देश के अन्य राज्यों से भी श्रद्धालु पहुंचते हैं। ऐसी मान्यता है कि यहां आने वाले भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं, खासकर निःसंतान दंपतियों को संतान सुख मिलता है। इस परंपरा पर अंध श्रद्धा निर्मूलन समिति ने ऑब्जेक्शन लिया है। समिति के अध्यक्ष दिनेश मिश्र ने इसे अनुचित और अमानवीय बताते हुए इस परंपरा को बंद कराने की मांग की है और कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है। जिसके बाद मंदिर ट्रस्ट ने दिनेश मिश्र को नोटिस भिजवाया है। मान्यता के मुताबिक, देव मड़ई के दिन 52 गांवों के देवी-देवता यहां आते हैं। सभी देवी-देवता एक साथ गंगरेल में ढाई परिक्रमा लगाकर सीधे मां अंगारमोती के दरबार में पहुंचते हैं और भेंट चढ़ाते हैं।

सुपारी किलर की हत्या

जिसकी हत्या की सुपारी ली, उसी ने रची मारने की साजिश, तीन आरोपी गिरफ्तार

पलामू, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। पलामू में हत्या की सुपारी लेने वाले हसन अली (28) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह घटना चैनपुर थाना क्षेत्र के लालगंज में हुई। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एसपी रीष्मा रमेशन ने बताया कि हसन अली ने शाहपुर निवासी जमीन कारोबारी एकराम कुरैशी की हत्या की सुपारी ली थी। यह सौदा पांच लाख रुपये में तय हुआ था, जिसमें हसन को ढाई लाख रुपये अग्रिम भुगतान के रूप में मिले थे।

हालांकि, एकराम कुरैशी को अपनी हत्या की योजना की भनक लग गई। इसके बाद उसने अपने भतीजों के साथ मिलकर सुपारी किलर हसन को ही खत्म करने

की साजिश रची। आरोपियों ने हसन की गतिविधियों पर नजर रखी। हसन रोज सुबह नशे के लिए कफ सिरप पीने घर से दूर जाता था। वारदात के दिन हसन अपने दोस्त विनय अग्रवाल के साथ बाइक से लालगंज की ओर आया था। एकराम के साथियों ने उन्हें घेर लिया। इजहार खान और सद्दाम अंसारी हसन को बाइक पर बैठाकर ले गए और गोली मार दी।

इस हत्याकांड को अंजाम देने वाले इजहार खान, सद्दाम अंसारी और मोबारक अंसारी को गिरफ्तार कर लिया गया है। इनके पास से दो बंदूकें और तीन गोलियां भी बरामद हुई हैं। सभी आरोपी शाहपुर के रहने वाले हैं।

पुलिस के अनुसार, एकराम की हत्या की सुपारी देने के पीछे शहर के एक सामाजिक और राजनीतिक रूप से चर्चित व्यक्ति का नाम सामने आ रहा है, जिस पर अनुसंधान जारी है। सदर एसडीपीओ के नेतृत्व में इस कांड के खुलासे के लिए एक टीम का गठन किया गया था।

हसन के पिता ने पाँच नामजद और पांच अज्ञात अभियुक्तों के विरुद्ध मामला दर्ज कराया था। शुक्रवार रात लगभग 10:30 बजे इजहार और सद्दाम को गढ़वा की तरफ से शाहपुर आते समय मंगरदाहा घाटी में पकड़ा गया।

कंप्यूटर ऑपरेटर ने किसान से ली 4 हजार रिश्वत

पीएम किसान योजना में नाम त्रुटि सुधार के लिए मांगे 7 हजार,जांच के आदेश

जांजगीर-चांपा, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले के बम्हनीडीह विकासखंड स्थित वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी कार्यालय में पदस्थ एक कंप्यूटर ऑपरेटर का किसान से रिश्वत लेते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है।

आरोपी ऑपरेटर नीतेश किशोर पर प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में नाम त्रुटि सुधार के नाम पर 4,000 लेने का आरोप है। मामले की जानकारी सामने आने के बाद कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने तत्काल जांच के निर्देश जारी किए हैं।

जानकारी के अनुसार, एक किसान अपनी पीएम किसान सम्मान निधि में नाम त्रुटि सुधार कराने के लिए कार्यालय पहुंचा था। इस दौरान कंप्यूटर ऑपरेटर नीतेश किशोर ने नाम त्रुटि सुधार के लिए 7,000 रुपए की मांग की।

किसान कंप्यूटर ऑपरेटर को पैसे देने के लिए तैयार हो गया। जब किसान कंप्यूटर ऑपरेटर को पैसे दे रहा था। इसी दौरान वहां एक दूसरा किसान भी नाम त्रुटि सुधार के लिए आया था। उसने कंप्यूटर ऑपरेटर को किसान से पैसे लेते हुए इस घटना को वीडियो में रिकॉर्ड कर लिया। इसके बाद वीडियो को वायरल कर दिया।

थैलेसीमिया पीड़ित बच्चे को चढ़ा एचआईवी संक्रमित खून

हाईकोर्ट के आदेश पर रांची से पांच सदस्यीय टीम ने सदर अस्पताल का किया निरीक्षण

चाईबासा, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। चाईबासा सदर अस्पताल में थैलेसीमिया पीड़ित एक बच्चे को एचआईवी संक्रमित रक्त चढ़ाए जाने का मामला गरमा गया है। झारखंड हाईकोर्ट ने इस घटना का स्वतः संज्ञान लेते हुए जांच के आदेश दिए हैं। इसके बाद रांची से झारखंड सरकार की पांच सदस्यीय टीम ने चाईबासा पहुंचकर सदर अस्पताल का निरीक्षण किया।

स्वास्थ्य सेवा निदेशक डॉ. दिनेश कुमार के नेतृत्व में इस टीम ने अस्पताल के ब्लड बैंक और थैलेसीमिया वार्ड का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान कई गंभीर खामियां सामने आईं। टीम ने डॉक्टरों से बातचीत की और रक्त के नमूने भी एकत्र किए। जांच में यह भी आशंका जताई गई

है कि थैलेसीमिया वार्ड में भर्ती 5 अन्य बच्चे भी एचआईवी संक्रमित हो सकते हैं, जिनकी जांच जारी है। यह मामला मजदूर कामगार यूनियन के नेता माधव चंद्र कुंकल के आरोप के बाद सामने आया था।

उन्होंने अस्पताल पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा था कि 7 वर्षीय बच्चे को एचआईवी पॉजिटिव रक्त चढ़ा दिया गया। जांच में खुलासा हुआ कि बच्चे को 13 सितंबर को रक्त चढ़ाया गया था और 18 अक्टूबर को उसकी एचआईवी जांच रिपोर्ट में संक्रमण की पुष्टि हुई।

डॉ. दिनेश कुमार ने बताया कि संक्रमण के कारणों का पता लगाने के लिए गहन जांच की जा रही है। उन्होंने सिविल सर्जन, उपाधीक्षक और संबंधित अधिकारियों से इस संबंध में बातचीत की है। जिले में फिलहाल 515 एचआईवी संक्रमित मरीज इलाजरत हैं।

युवक पर हथौड़ी से हमला

गाड़ी में तोड़फोड़ करने से रोकने पर हुआ विवाद, हथौड़ी के वार से फटा सिर

बिलासपुर, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिलासपुर में गाड़ी में तोड़फोड़ करने से मना करने पर युवक और उसके परिवार के लोगों ने मारपीट कर हथौड़ी से हमला कर दिया, जिससे एक युवक का सिर फट गया है। घायल युवक की शिकायत पर पुलिस ने हमलावरों पर केस दर्ज कर लिया है। घटना सिविल लाइन थाना क्षेत्र की है।

मंगला चौक स्थित मिनोचा कॉलोनी निवासी अजय विश्वकर्मा ने रिपोर्ट कराई। रिपोर्ट के अनुसार दिवाली के समय कुछ युवकों ने अजय की गाड़ी के शीट कवर पर ब्लेड मार दिया था। इसके बाद अजय ने उन युवकों पर नजर रखना शुरू किया। इस दौरान पता चला कि पड़ोस का एक नाबालिग और उसके दोस्तों ने मिलकर गाड़ी में तोड़फोड़ की थी।

आंख से होकर दिमाग तक घुसा घंटी का नुकीला सिरा

रायपुर डीकेएस में 4 घंटे चली सर्जरी, डॉक्टर्स ने बच्ची और आंख दोनों को बचाया

रायपुर, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। रायपुर के सरकारी अस्पताल डीकेएस में डॉक्टरों ने 9 साल की बच्ची की आंख से होते हुए दिमाग में घुसी घंटी का सफल ऑपरेशन कर उसकी जान बचा ली। साथ ही बच्ची की आंख भी सही सलामत है। दरअसल, बिलासपुर की 9 साल की काव्या दिवाली की शाम खेलते-खेलते मुंह के बल गिर गई। जिस घंटी से वह खेल रही थी, उसका ऊपरी हिस्सा बाई आंख में घुसकर सीधे दिमाग तक पहुंच गया।

परिवार ने तुरंत उसे सिम्स, बिलासपुर पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने बच्ची की गंभीर हालत देखकर डीकेएस रायपुर रेफर कर दिया। डीकेएस पहुंचने पर सीटी स्कैन में साफ दिखा कि घंटी का हैंडल आंख की हड्डी (ऑर्बिट) पार कर ब्रेन टिशू तक चला गया है।

मामूली गलती जानलेवा साबित हो सकती थी।

बिलासपुर के सिविल लाइन इलाके में रहने वाले बच्ची के पिता दीपक ने बताया कि दिवाली की रात उनका परिवार पूजा की तैयारी कर रहा था। उसी समय उनकी 9 साल की बेटी काव्या खेल रही थी। खेलते-खेलते दौड़ते वक्त उसका पैर किसी चीज से टकरा गया और वह मुंह के बल गिर गई। जिस घंटी से वह खेल रही थी, उसका ऊपरी हिस्सा उसकी आंख में जा घुसा। बच्ची की जोरदार चीख सुनकर माता-पिता दौड़े तो देखा कि उसकी आंख से खून बह रहा था। वे तुरंत उसे इलाज के लिए सिम्स अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां शुरुआती इलाज के बाद एक्स-रे और सीटी स्कैन किया गया, जिसमें पता चला कि घंटी उसकी आंख की झिल्ली पार कर दिमाग तक पहुंच गई है। हालत गंभीर होने के कारण डॉक्टरों ने उसे तुरंत रायपुर के डीकेएस अस्पताल रेफर कर दिया। दिवाली की रात थी, कई डॉक्टर छुट्टी पर थे, लेकिन जैसे ही मामला सामने आया, अस्पताल की टीम तुरंत एक्टिव हो गई। न्यूरोसर्जन डॉ. राजीव साहू ने सर्जरी की जिम्मेदारी संभाली। उनके साथ डॉ. लवलेश राठौड़, डॉ. नमन चंद्राकर, डॉ. प्रांजल मिश्रा और एनेस्थीसिया एक्सपर्ट डॉ. देवश्री की टीम पूरी रात ऑपरेशन में जुटी रही।

डॉक्टर्स के अनुसार यह ऑपरेशन दूरबीन से किया गया, ताकि दिमाग के ऊत्तकों को कम से कम नुकसान पहुंचे।

ट्रम्प के सीक्रेट दोस्त ने यूएस आर्मी की सैलरी दी

1100 करोड़ डोनेशन दिया, शटडाउन की वजह से अमेरिकी सरकार के पास पैसे नहीं

वॉशिंगटन, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका के रक्षा मंत्रालय पेंटागन ने शुक्रवार को बताया कि उसने सैनिकों की सैलरी के लिए 130 मिलियन डॉलर (लगभग 1,100 करोड़ रुपए) का एक सीक्रेट डोनेशन स्वीकार किया है।

यह डोनेशन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के एक अनजान 'दोस्त' ने दिया है, ताकि सरकारी शटडाउन के दौरान सैनिकों को तनख्वाह मिल सके। हालांकि इस डोनेशन से कई सवाल खड़े हो गए हैं।

ट्रम्प ने गुरुवार को व्हाइट हाउस में इस डोनेशन की बात बताई और दानदाता को देशभक्त कहा। उन्होंने दानदाता का नाम नहीं बताया, क्योंकि वह अपनी पहचान छुपाना चाहता है।

अमेरिका में 1 अक्टूबर से शुरू हुए सरकारी शटडाउन को 25 दिन हो गए हैं। अमेरिका के दोनों प्रमुख दल डेमोक्रेट और रिपब्लिकन में ओबामा हेल्थ केयर सब्सिडी प्रोग्राम को लेकर ठनी हुई गई है।

डेमोक्रेट्स चाहते थे कि हेल्थ केयर (स्वास्थ्य बीमा) की सब्सिडी बढ़ाई जाए। रिपब्लिकन को डर है कि अगर सब्सिडी बढ़ाई गई तो सरकार को खर्च करने के लिए और पैसे की जरूरत पड़ेगी, जिससे बाकी सरकारी काम प्रभावित होंगे।

पेंटागन के प्रवक्ता शॉन पार्नेल ने कहा कि यह पैसा सैनिकों के वेतन और अन्य सुविधाओं के लिए इस्तेमाल होगा। उन्होंने डेमोक्रेट्स पर सैनिकों का वेतन रोकने का इल्जाम भी लगाया।

हालांकि, यह 130 मिलियन डॉलर सैनिकों के वेतन के लिए जरूरी अरबों रुपए की तुलना में बहुत कम है। पिछले हफ्ते ट्रम्प सरकार ने 6.5 अरब डॉलर का इंतजाम करके सैनिकों को तनख्वाह दी थी।

अब अगली तनख्वाह कुछ ही दिनों में देनी है, और यह साफ नहीं है कि सरकार फिर से पैसे का इंतजाम कैसे करेगी। सैनिकों का वेतन एक बड़ा मुद्दा बना हुआ है।

पिछले हफ्ते सरकार ने मिलिट्री रिसर्च के लिए रखे 8 अरब डॉलर में से कुछ पैसा सैलरी के लिए इस्तेमाल किया था। लेकिन अगले हफ्ते फिर से ऐसा करना मुश्किल हो सकता है।

पार्टनरशिप फॉर पब्लिक सर्विस के प्रमुख मैक्स स्टायर ने इस डोनेशन को अजीब बताया और कहा कि यह सैनिकों के वेतन को निजी डोनेशन से देना सही नहीं लगता। उन्होंने इसे 'किसी के बार बिल चुकाने' जैसा बताया। उन्होंने इस डोनेशन के नियमों और पारदर्शिता पर सवाल उठाए।

पेंटागन के नियम कहते हैं कि 10,000 डॉलर से ज्यादा का डोनेशन लेने से पहले यह जांचना जरूरी है कि दानदाता का रक्षा मंत्रालय से कोई गलत संबंध तो नहीं है। लेकिन अभी तक दानदाता का नाम और इस डोनेशन की पूरी जानकारी सामने नहीं आई है।

सीएनएन के मुताबिक शटडाउन का सबसे बुरा असर एयर ट्रैफिक कंट्रोलरों पर पड़ रहा है। इन्हें जरूरी कर्मचारी माना जाता है, इसलिए 1 अक्टूबर को शटडाउन शुरू होने के बावजूद उन्हें लगातार काम करना पड़ रहा है, लेकिन उन्हें वेतन नहीं मिल रहा है। वेतन रुकने के कारण हजारों कंट्रोलर अपनी बुनियादी ज़रूरतें पूरी करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। स्थिति इतनी खराब है कि कई कंट्रोलर अपनी नियमित शिफ्ट खत्म करने के बाद दूसरी नौकरी करने को मजबूर हैं। वे गुजारा करने के लिए Uber चला रहे हैं, खाना डिलीवर कर रहे हैं, या रेस्टोरेंट में काम कर रहे हैं।

25 दिन के शटडाउन का असर कर्मचारियों पर: करीब 7.5 लाख सरकारी कर्मचारी बिना सैलरी के छुट्टी पर हैं। सेना, पुलिस, बॉर्डर सिक्योरिटी और एयर ट्रैफिक कंट्रोलर जैसे जरूरी कर्मचारियों को बिना सैलरी काम करना पड़ रहा है।

वेनेजुएला पर हमला कर सकता है अमेरिका

सबसे बड़ा जहाजी बेड़ा भेजा, वेनेजुएला ने भी 5000 मिसाइलें तैनात कीं

वॉशिंगटन, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका जल्द ही वेनेजुएला पर हमला कर सकता है। राष्ट्रपति ट्रम्प वेनेजुएला के भीतर ड्रग ठिकानों और उनके तस्करी रूट्स पर हमला करने पर विचार कर रहे हैं। हालांकि अभी इस पर आखिरी फैसला नहीं लिया गया। यह जानकारी अमेरिकी न्यूज चैनल सीएनएन ने व्हाइट हाउस के 3 अधिकारियों के हवाले से दी है।

रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई कर सकता है। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, ट्रम्प ने हाल ही में वेनेजुएला में संभावित हमले के लिए जगहों को लेकर बातचीत बढ़ाई है।

अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने अमेरिकी नौसेना के सबसे बड़े और एडवांस एयरक्राफ्ट कैरियर स्ट्राइक ग्रुप यूएसएस जेराल्ड आर फोर्ड को यूरोप से कैरिबियाई क्षेत्र में भेजने का आदेश दिया है। इसके अलावा, ट्रम्प ने सीआइए को वेनेजुएला में सीक्रेट ऑपरेशन्स करने की अनुमति भी दी है।

हालांकि, ट्रम्प ने यह भी कहा

है कि वेनेजुएला के साथ कूटनीतिक बातचीत का विकल्प भी खुला है ताकि अमेरिका में ड्रग्स की आवाजाही को रोका जा सके।

वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मदुरो ने बुधवार को एक टीवी प्रोग्राम में कहा कि उनके देश ने अमेरिकी खतरे से निपटने के लिए रूस से मिली 5,000 इग्ला-एस मिसाइलें तैनात की हैं।

मदुरो ने कहा- हमारे पास 5,000 मिसाइलें हैं, जो देश की शांति और आजादी की रक्षा करेंगी। ये मिसाइलें हवा में कम दूरी के हमलों को रोकने के लिए तैनात की गई हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि ये हथियार किसी भी साम्राज्यवादी खतरे का जवाब देने के लिए हैं और वेनेजुएला की सेना अपनी मातृभूमि की एक-एक इंच जमीन की रक्षा के लिए तैयार है।

यूएसएस जेराल्ड आर फोर्ड एक न्यूक्लियर-पावर्ड एडवांस्ड एयरक्राफ्ट कैरियर है। 333 मीटर लंबाई वाले इस जहाज पर 4000 से 4500 लोगों को तैनात होते हैं। इसके साथ ही इस एक बार में करीब 70 लड़ाकू विमान मौजूद होते हैं। इस एयरक्राफ्ट कैरियर के साथ कई गाइडेड-मिसाइल डिस्ट्रॉयर, क्रूजर, अटैक सबमरीन और सपोर्ट या सप्लाई शिप होते हैं।

ये एस्कॉर्ट्स एयर डिफेंस, एंटी-सबमरीन व लोजिस्टिक सपोर्ट देते हैं। यह न्यूक्लियर एनर्जी से चलता है, इसकी वजह से यह महीनों तक समुद्र में बना रह सकता है। अमेरिकी सेना लगातार इंटरनेशनल वॉटर्स में ड्रग्स ले जा रहे जहाजों पर हमले कर रही है। हाल ही में कैरिबियाई क्षेत्र में एक ड्रग तस्करी जहाज पर हमला किया गया, जिसमें छह लोगों की मौत हुई। पिछले महीने से अब तक ऐसे लगभग 10 हमलों में कुल 43 लोग मारे जा चुके हैं।

अमेरिका लंबे समय से मदुरो के खिलाफ है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने वेनेजुएला के समुद्री तट के पास कुछ नौसैनिक जहाज भेजे हैं, जिन्हें अमेरिका ने ड्रग्स के खिलाफ ऑपरेशन बताया है।

अमेरिका ने पिछले कुछ वक्त में वेनेजुएला की कुछ नावों को तबाह भी कर दिया है। उसका आरोप है कि ये नावें ड्रग्स ले जा रही थीं। हालांकि वेनेजुएला ने इन आरोपों को गलत बताया है।

अमेरिका में एंट्री-एग्जिट के समय हर बार विदेशियों की तस्वीर ली जाएगी

ट्रम्प सरकार का नया नियम

वॉशिंगटन, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की सख्त इमिग्रेशन पॉलिसी के तहत अमेरिका में अब हर विदेशी की एंट्री और एग्जिट के समय तस्वीर ली जाएगी। यह काम नई फेस रिकग्निशन तकनीक से होगा। इसका मकसद नकली दस्तावेजों को रोकना और देश को सुरक्षित रखना है।

अमेरिकी बॉर्डर सिक्योरिटी डिपार्टमेंट (सीबीपी) ने शुक्रवार को बताया कि हवाई अड्डों, समुद्री बंदरगाहों और जमीन सीमाओं पर तस्वीरें और जानकारी इकट्ठा की जाएगी।

सीबीपी का कहना है कि यह नया सिस्टम आतंकवाद, फर्जी दस्तावेज, वीजा से ज्यादा समय रुकने और गलत जानकारी जैसे खतरों से निपटेगा।

यह नियम सभी गैर-नागरिकों पर लागू होगा, चाहे वे अवैध आप्रवासी हों या ग्रीन कार्ड होल्डर्स।

यह नियम 2021 में पहली बार सुझाया गया था, लेकिन अब यह ट्रम्प सरकार की सीमा सुरक्षा को मजबूत करने की बड़ी योजना का हिस्सा है। कुछ एक्सपर्ट्स ने चिंता जताई है कि होम लैंड सिक्योरिटी डिपार्टमेंट सोशल सिक्योरिटी और टैक्स डिपॉर्टमेंट से ज्यादा जानकारी लेने की कोशिश कर रहा है। ये नियम 26 दिसंबर 2025 से शुरू होंगे। इसके तहत बॉर्डर पर गैर-नागरिकों के देश छोड़ने पर उनकी तस्वीरें ली जाएंगी और दूसरी जानकारी भी इकट्ठा होगी। पहले 79 साल से ज्यादा उम्र के लोग और 14 साल से कम उम्र के बच्चे इस नियम से बाहर थे, लेकिन अब उनकी भी तस्वीरें ली जाएंगी। ट्रम्प सरकार का कहना है कि यह सिस्टम उन लोगों को पकड़ेगा जो आप्रवासन नियम तोड़ते हैं या वीजा से ज्यादा समय रुकते हैं।

पाकिस्तान ने अमेरिका को सौंप दिए थे परमाणु हथियार

खुफिया एजेंसी सीआइए के पूर्व अफसर बोले- हमने मुशर्रफ को 'खरीद' लिया था

वॉशिंगटन, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ ने अपने देश के परमाणु हथियारों का नियंत्रण अमेरिका को सौंप दिया था। अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआइए के पूर्व अफसर जॉन किरियाकू ने शुक्रवार को यह दावा किया है।

किरियाकू ने कहा कि अमेरिका ने मुशर्रफ को लाखों डॉलर की मदद के जरिए 'खरीद' लिया था। उनके शासनकाल में अमेरिका को पाकिस्तान की सुरक्षा और सैन्य गतिविधियों तक लगभग पूरी पहुंच थी। उन्होंने कहा, हमने लाखों डॉलर की सैन्य और आर्थिक मदद दी। बदले में मुशर्रफ ने हमें सब कुछ करने दिया।

किरियाकू ने यह भी कहा कि मुशर्रफ ने दोहरे खेल खेले। उन्होंने एक तरफ अमेरिका के साथ दिखावा किया और दूसरी ओर पाकिस्तान की सेना और चरमपंथियों को भारत के खिलाफ आतंकी गतिविधियां जारी रखने दिया। किरियाकू ने बताया कि 2002 में भारत और पाकिस्तान युद्ध के कगार पर थे। उन्होंने

कहा, इस्लामाबाद से अमेरिकी अधिकारियों के परिवारों को निकाल लिया गया था। हमें लगा कि भारत और पाकिस्तान युद्ध में उतर सकते हैं।

पूर्व सीआइए अधिकारी ने यह भी खुलासा किया कि पाकिस्तान के परमाणु वैज्ञानिक अब्दुल कादिर खान को अमेरिकी कार्रवाई से बचाने में सऊदी अरब का अहम रोल था। सऊदी ने अमेरिका को कहा कि खान को न छेड़ा जाए, जिससे अमेरिका ने अपने प्लान को छोड़ दिया।

किरियाकू ने अमेरिकी विदेश नीति पर भी सवाल उठाया और कहा कि अमेरिका लोकतंत्र का ढोंग करता है, लेकिन वास्तव में अपने स्वार्थ के अनुसार काम करता है। उन्होंने यह भी बताया कि सऊदी और अमेरिका का रिश्ता पूरी तरह लेन-देन पर आधारित है, अमेरिका तेल खरीदता है और सऊदी हथियार।

किरियाकू ने कहा कि वैश्विक ताकतों का संतुलन बदल रहा है और सऊदी अरब, चीन और भारत अपनी रणनीतिक भूमिका को नया आकार दे रहे हैं। किरियाकू ने खुलासा किया है कि 9/11 आतंकी हमले का जिम्मेदार और अल कायदा का लीडर ओसामा बिन लादेन तोरा बोरा की पहाड़ियों से महिलाओं के कपड़े पहनकर भागा था।

किरियाकू ने बताया कि उस समय उन्हें यह भी नहीं पता था कि सेंट्रल कमांड के कमांडर के लिए काम करने वाला ट्रांसलेटर असल में अल-कायदा का एजेंट था, जिसने अमेरिकी सेना में घुसपैठ की थी।

उन्होंने कहा, हम अफगानिस्तान पर बमबारी शुरू करने से पहले एक महीने से अधिक इंतजार कर रहे थे। अक्टूबर 2001 में हमें लगा कि हमने बिन लादेन और अल-कायदा के नेताओं को तोरा बोरा में फंसा लिया है। हम उन्हें पहाड़ी से उतरने के लिए कह रहे थे।

सिंगापुर में भारतीय नर्स को क्यों मिली दो कोड़े मारने की सजा?

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। सिंगापुर के प्रतिष्ठित रैफल्स अस्पताल में कार्यरत भारतीय नागरिक नर्स पर पुरुष के साथ छेड़छाड़ का आरोप लगा है। छेड़छाड़ के मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद भारतीय नागरिक नर्स को 14 महीने की जेल और दो बेंत की सजा सुनाई गई है।

दरअसल, 34 वर्षीय एलीपे सिवा नागू जो भारतीय नागरिक है, सिंगापुर के एक बड़े अस्पताल में नर्स के पद पर काम करता है। उस पर आरोप था कि वह रैफल्स अस्पताल में आए एक पुरुष आगंतुक से डिसइंफेक्ट करने के बहाने अनुचित हरकत की। अपराध के तुरंत बाद उसे नर्सिंग ड्यूटी से निलंबित कर दिया गया था।

कोर्ट ने सुनाई सजा

आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। इसके बाद सिंगापुर की कोर्ट ने शुक्रवार को उसे 1 साल और 2 महीने की जेल की सजा सुनाई। सुनवाई के दौरान कोर्ट बताया गया कि इस अपराध के कारण पीड़िता को घटना की यादें ताजा हो गईं। हालांकि, पीड़ित के बारे में विवरण, जिसमें उसकी उम्र भी शामिल है, अदालती दस्तावेजों से हटा दिया गया था।

उप लोक अभियोजक यूजीन फुआ ने कहा कि पीड़ित 18 जून को अपने दादा से मिलने नॉर्थ ब्रिज रोड स्थित अस्पताल गया था, जो वहां भर्ती थे। शाम करीब 7.30 बजे, पीड़ित एक मरीज के शौचालय में घुसा और जब वह शौचालय इस्तेमाल कर रहा था, तो एलीप ने अंदर झांका।

डीपीपी फुआ ने बताया कि पीड़ित को कीटाणुरहित करने के बहाने, एलीप ने उसके हाथ पर साबुन लगाया और उसके साथ छेड़छाड़ की। अदालत को बताया गया कि चौंका हुआ पीड़ित सदमे में होने के कारण हिल-डुल नहीं पाया। बाद में, पीड़ित अपनी इस दरिंदगी के बाद अपने दादा के बिस्तर के पास लौट आया।

इस्लामिक एकता के खिलाफ पाकिस्तान

बलूच नेता ने खोली पाकिस्तानी जनरलों की पोल बताया दुनिया के साथ कैसे खेल रहे डबल गेम

इस्लामाबाद, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान की सेना इस समय कई मोर्चे पर फंसी हुई है। खैबर-पख्तूनख्वा में जहां पाकिस्तानी तालिबान (टीटीपी) ने मुनीर की सेना के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है तो बलूचिस्तान में सशस्त्र बलूच विद्रोही संगठन लगातार हमले कर रहे हैं। इस बीच एक बलूच नेता ने पाकिस्तान पर बड़ा हमला बोला है। बलूच नेता मीर यार बलूच ने पाकिस्तान के सैन्य नेतृत्व पर डबल गेम खेलने का आरोप लगाया है। इसके साथ ही पाकिस्तान पर इस्लामिक एकता के खिलाफ काम करने का आरोप भी लगाया है, जो गैर-मुस्लिम ताकतों का एजेंट बनकर काम करता है।

मीर यार बलूच ने कहा कि पाकिस्तान के पंजाबी जनरल पश्चिमी दुनिया के सामने आतंकवाद के खिलाफ युद्ध में भागीदार होने का करते रहे, वहीं दूसरी तरफ गुप्त रूप से चरमपंथी नेटवर्क को पोषित करते हुए पश्चिम के ही हितों को कमजोर करते रहे। पाकिस्तानी जनरलों ने आतंकवाद से लड़ाई ने काम पर अरबों डॉलर की सैन्य और विकास सहायता हड़प ली, जिसका उद्देश्य सत्ता पर अपनी पकड़ मजबूत करना और दक्षिण में प्रॉक्सी वॉर को फंडिंग करना था। मीर यार बलूच ने आगे कहा कि इतिहास ने दिखा दिया है कि

पाकिस्तान ने मुस्लिम जगत की एकता और प्रगति के खिलाफ काम किया है। अपने बनने के समय से ही पाकिस्तान गैर-मुस्लिम ताकों का एजेंट बनकर काम करता रहा है। उन्होंने बताया कि किस तरह से पाकिस्तान आज कंगाली के भंवर में फंसा हुआ है, जिसके ऊफर 26 ट्रिलियन रुपये से ज्यादा का विदेशी कर्ज है।

एक रात में दो जगहों पर गोलीबारी

जुगसलाई में घर के पास युवक को मारी गोली, दो युवक गंभीर रूप से हुए घायल

जमशेदपुर, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। जमशेदपुर में गोलीबारी की दो अलग-अलग घटनाओं ने लोगों में दहशत फैला दी। दोनों घटनाएं जुगसलाई और गोलमुरी थाना क्षेत्रों में हुईं, जहां अज्ञात हमलावरों की गोली से दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने दोनों मामलों की जांच शुरू कर दी है। हमलावरों की तलाश में जुट गई है।

पहली घटना जुगसलाई थाना क्षेत्र के मिल्लत नगर में देर शाम की है। बताया जा रहा है कि जफर अली नामक युवक अपने घर के पास खड़ा था, तभी कुछ अज्ञात बदमाशों ने उस पर गोली चला दी।

यूरोपीय संघ के प्रतिबंध लगाने पर भड़का रूस

चेतावनी देते हुए कहा- ईयू खुद को अलग-थलग कर रहा

मॉस्को, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। यूरोपीय संघ द्वारा हाल ही में ब्रुसेल्स में हुई बैठक में रूस पर 19वां प्रतिबंध लगाने का एलान किया। यूरोपीय संघ के इस कदम से रूस भड़क गया है और रूस ने नए प्रतिबंध को अवैध बताते हुए चेतावनी दी कि इस कदम से यूरोपीय संघ खुद को अलग-थलग कर रहा है। यूरोपीय संघ ने रूस पर जो नए प्रतिबंध लगाए हैं, उनके तहत 2026 तक यूरोपीय संघ के बाजारों तक रूस की एलएनजी की आपूर्ति को प्रतिबंधित कर दिया गया है। रूस की कंपनियों पर प्रतिबंध लगाया गया है। साथ ही कथित छद्म तेल बेड़े को भी

प्रतिबंधित किया गया है। कुछ रूसी और विदेशी बैंकों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। वित्तीय प्रतिबंध लगाए गए हैं और कुछ सामानों के निर्यात पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है।

रूस के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा कि यूरोपीय संघ परिषद ने हमारे देश पर अवैध और एकतरफा प्रतिबंधों के 19वें पैकेज को मंजूरी दी है।

यूरोपीय संघ के विदेश मामलों और सुरक्षा नीति की प्रतिनिधि काजा कल्लास के बयान का जिक्र करते हुए जखारोवा ने कहा कि यूरोपीय संघ रूस पर और प्रतिबंध लगाने के तैयारी शुरू कर चुका है। जखारोवा ने कहा कि इससे साफ है कि ईयू को ही अपने द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों की प्रभावशीलता पर विश्वास नहीं है, लेकिन फिर भी वे लगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि यूरोपीय संघ एक ऐसे रास्ते पर है, जो और भी ज्यादा विनाशकारी होता जा रहा है।

अमेरिका और चीन के बीच ट्रेड डील पर बनेगी बात?

दक्षिण कोरिया में होगी चिनफिंग और ट्रंप की मुलाकात

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। चीन और अमेरिका के बीच नई दौर की व्यापार वार्ता शनिवार को मलेशिया में शुरू हुई, दोनों देशों के प्रतिनिधियों ने इसकी पुष्टि की है। यह बातचीत उस समय हो रही है जब अगले हफ्ते साउथ कोरिया में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग की मुलाकात होने वाली है।

चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने पहले ही बताया था कि उपप्रधानमंत्री ही लिफेंग मलेशिया में सोमवार तक अमेरिकी प्रतिनिधियों के साथ बातचीत करेंगे। लिफेंग और उनके दल को दुनिया की सबसे ऊंची इमारत 'मर्देका 118' प्रवेश करते देखा, जहां बैठक आयोजित की गई थी।

अलग-अलग प्रवेश द्वार से अंदर गए चीनी व अमेरिकी प्रतिनिधिमंजल

वे बिना मीडिया से बात किए लॉबी से होकर अंदर गए, जबकि अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल ने अलग प्रवेश द्वार से इमारत में प्रवेश किया था। इमारत के कर्मचारियों ने बताया कि दोनों दल 92वें फ्लोर पर बैठक कर रहे थे।

दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं अब टैरिफ युद्ध को और बढ़ाने से रोकने की कोशिश कर रही हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप अगले गुरुवार को शी चिनफिंग से साउथ कोर्या में मुलाकात करेंगे। ट्रंप ने कहा कि वे अच्छा समझौता करना चाहते हैं। हालांकि, उन्होंने पहले यह बैठक रद करने की धमकी दी थी। यह मुलाकात एशया-प्रशांत आर्थिक सहयोग सम्मेलन के दौरान होगी, जो 31 अक्टूबर से शुरू हो रहा है।

चीन को लेकर ट्रंप की धमकी

शनिवार को अमेरिकी ट्रेजरी के प्रवक्ता ने बताया कि कुआलालंपुर में वार्ता शुरू हो चुकी है, जबकि चीन की सरकारी एजेंसी शिन्हुआ ने भी पुष्टि की कि दोनों पक्षों ने बातचीत शुरू कर दी है। हाल ही में चीन ने दुर्लभ खनिज (रेयर अर्थ्स) उद्योग पर नए नियंत्रण लागू किए हैं, जिसके जवाब में ट्रंप ने चीन से आयात पर 100% टैरिफ लगाने की धमकी दी थी।

इसके अलावा, दोनों देशों ने एक-दूसरे के जहाजों पर आगमन शुल्क लगाना शुरू किया है। यह कदम अमेरिकी 'सेक्शन 301' जांच के बाद आया, जिसमें कहा गया कि बीजिंग का इस उद्योग पर नियंत्रण अनुचित है।

राफेल से टकराने वाले जे-10सी के बाद चीन की नई हवाई चाल

मिडिल ईस्ट में उतारा नया एयरक्राफ्ट, एयरबस-बोइंग की उड़ी नींद

दुबई/बीजिंग, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। चीन लड़ाकू विमानों की दुनिया में धीरे धीरे मजबूती से अपने पांव जमा रहा है। जे-10सी और जेएफ-17 जैसे लड़ाकू विमानों की तरफ दुनिया के कई देश आकर्षित हो रहे हैं। जे-10सी वही विमान है, जिसे पाकिस्तान ने भारतीय राफेल के खिलाफ उतारा था। लेकिन अब, बीजिंग अपने वाणिज्यिक विमानों को आगे बढ़ा रहा है, जिसने बोइंग और एयरबस की नींद उड़ा दी है। बीजिंग की सरकारी कंपनी कॉमर्शियल एयरक्राफ्ट कॉर्पोरेशन ऑफ चायना (सीओएमएसी) नवंबर 2025 के दुबई एयर शो में अपने दो नागरिक विमानों सी909 और सी919 को उतारने जा रही है। ये दोनों विमान चीन में पहले से सेवा में हैं, लेकिन इस बार बीजिंग का लक्ष्य उन्हें मिडिल

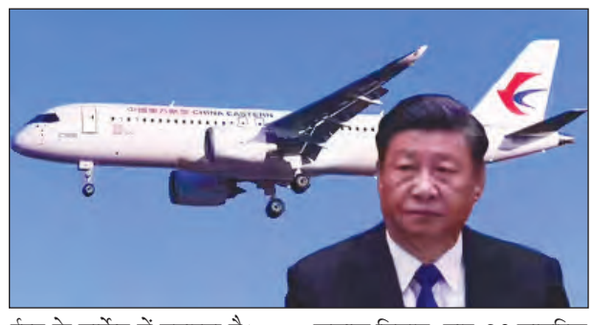

ईस्ट के मार्केट में उतारना है।

इससे पहले भी चीन ने मध्य पूर्व में अपनी हथियार प्रणालियों का प्रदर्शन किया है और वो मिडिल ईस्ट के देशों को अपने हथियारों को बेचने की कोशिश कर रहा है। चीन ने नवंबर 2023 में दुबई एयर शो में अपने जे-10सी का अनावरण किया था। इसके अलावा, एफसी-31 स्टील्थ लड़ाकू विमान, वाइ-20 सामरिक परिवहन विमान, जेड-20 सामरिक उपयोगिता हेलीकॉप्टर और मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी) भी प्रदर्शित किए, जिनमें एआर-36 वर्टिकल टेकऑफ और लैंडिंग ड्रोन और विंग लूंग-X और विंग लूंग-2 फिक्स्ड-विंग ड्रोन शामिल हैं।

मिडिल ईस्ट में 'मेक इन चाइना' की उड़ान

आपको बता दें कि सीओएमएसी का सी909, जिसे पहले एआरजे21 के नाम से जाना जाता था, वो चीन का पहला स्वदेशी विकसित रीजनल जेट है। वहीं सी919 को बोइंग 737 एमएएक्स और एयरबस ए320नियो का सीधा प्रतिद्वंद्वी माना जा रहा है। दोनों विमान चीन के एविएशन सेक्टर में आत्मनिर्भरता मिशन का प्रतीक हैं। सीओएमएसी को चीन के विशाल घरेलू बाजार, सस्ती फाइनेंसिंग और सरकारी समर्थन का लाभ मिल रहा है। 2025 में कंपनी 25 सी919 विमानों की डिलीवरी करने की योजना बना चुकी है, जिसे आने वाले वर्षों में 75 तक बढ़ाने का लक्ष्य है।

जयपुर, जोधपुर और कोटा निगमों में प्रशासक नियुक्त, 'वन स्टेट, वन इलेक्शन' की तैयारी तेज

जयपुर, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में शहरी शासन व्यवस्था में बड़ा बदलाव लागू हो चुका है। जयपुर, जोधपुर और कोटा में दो-दो नगर निगमों को मर्ज करने के बाद अब राज्य सरकार ने इन निगमों में प्रशासक नियुक्त कर दिए हैं। इन निगमों के बोर्ड का कार्यकाल 9 नवंबर को समाप्त हो रहा है और इसके बाद यहां कार्यवाहक के रूप में संबंधित संभागीय आयुक्त प्रशासनिक जिम्मेदारी संभालेंगे। यह पहली बार है जब शहरी निकाय की कमान सीधे सीनियर आईएएस अधिकारी यानी संभागीय आयुक्तों को सौंपी गई है। इससे पहले आमतौर पर जिला कलेक्टर या नगर निगम कमिश्नर इस भूमिका

में रहते थे।

सरकार 'वन स्टेट, वन इलेक्शन' के लक्ष्य के तहत सभी नगरीय निकायों में एक साथ चुनाव करवाने पर काम कर रही है। फिलहाल प्रदेश के कई शहरी निकायों में प्रशासक पहले से ही तैनात हैं और आने वाले महीनों में इनकी संख्या और बढ़ने वाली है। स्वायत्त शासन विभाग के सूत्रों के मुताबिक, दिसंबर 2025 में 50 नगरीय निकायों का कार्यकाल समाप्त होगा। वहीं जनवरी 2026 में 90 और फरवरी 2026 में एक निकाय का कार्यकाल पूरा होगा। इस प्रकार आने वाले कुछ महीनों में पूरे प्रदेश में चुनावी कवायद की तैयारियां तेज होंगी।

राज्य में 2019 में वार्डों के पुनर्गठन के बाद जयपुर, जोधपुर और कोटा में कुल छह नगर निगम बनाए गए थे, जिससे उस समय निकायों की संख्या बढ़कर 196 हो गई थी। 2019 से 2021 तक इनके चुनाव भी संपन्न हुए थे। बाद में जनसंख्या और शहरी विस्तार के आधार पर कई ग्राम पंचायतों को नगरीय निकायों में क्रमोन्नत किया गया, जिससे 116 नए निकाय अस्तित्व में आए। इसी दौरान हाल ही में तीन निकायों को समाप्त करने की अधिसूचना जारी की गई, जिनमें जयपुर, जोधपुर और कोटा का एक-एक निकाय शामिल है। इस तरह वर्तमान में कुल 309 नगरीय निकाय हैं और संभावना है कि इस साल के अंत या अगले साल की शुरुआत में सभी निकायों में एक साथ चुनाव करवाए जाएंगे। इससे प्रशासनिक व्यवस्था में एकरूपता के साथ चुनावी लागत और समय की भी बचत होगी। सरकार का मानना है कि यह कदम शहरी विकास और सुशासन को नई दिशा देगा।

'कांग्रेस और क्राइम जुड़वा भाई हैं' अशोक गहलोत के आरोपों पर बीजेपी विधायक गोपाल शर्मा का पलटवार

जयपुर, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में कानून व्यवस्था को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री ने भजनलाल सरकार को जमकर घेरा। इसके जवाब में भाजपा विधायक गोपाल शर्मा भी उन पर जमकर बरसे। उन्होंने यहां तक कह दिया कि कांग्रेस और क्राइम दोनों की राशि एक है, ऐसा लगता है दोनों जुड़वा भाई हैं। इस दौरान शर्मा ने गहलोत सरकार में हुए अपराधों को गिनाते दिए उन पर करारा हमला किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कई नेता तो आपराधिक मामलों में लिप्त हैं।

क्राइम और कांग्रेस दोनों तो जुड़वा भाई हैं: गोपाल शर्मा

दरअसल राजस्थान की कानून व्यवस्था को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बड़े सवाल खड़े

किए थे। इसके पलटवार में विधायक गोपाल शर्मा ने कांग्रेस और क्राइम को जुड़वा भाई बता दिया। उन्होंने कहा कि दोनों की राशि एक हैं, मानो दोनों जुड़वा भाई हैं। उन्होंने कहा गहलोत के कार्यकाल में अपराध चरम शिखर पर था। जोबनेर के जंगलों में एक तिब्बती युवती के साथ गैंग रेप जैसी घटना हुई, जो राजस्थान के इतिहास में सबसे शर्मनाक घटना है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कई नेताओं पर तो आपराधिक मामले दर्ज हैं। उन्होंने गहलोत पर बिहार चुनाव का हवाला देते भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि गहलोत जिन नेताओं के साथ मंच पर हैं, वे तो अपराध की दुनिया के बड़े नाम हैं।

गहलोत ने कानून व्यवस्था को लेकर यह दिया था बयान

बता दें, गहलोत ने राज्य की कानून व्यवस्था को लेकर बड़े सवाल खड़े किए थे। उन्होंने कहा कि बीजेपी अपराध को लेकर दोहरा मापदंड अपनाती है। उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि बीजेपी राज में प्रदेश में अपराध का ग्राफ लगातार बढ़ गया है। प्रदेश में कानून व्यवस्था चरमरा गई है। आम लोग इस सरकार से बुरी तरह परेशान है। उन्होंने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था लगातार बिगड़ती जा रही है, अपराध बढ़ते जा रहे हैं, लेकिन सरकार का इस और कोई ध्यान नहीं है।

बीकानेर के पूर्व राजपरिवार में संपत्ति विवाद गहराया

बीजेपी विधायक ने अपनी बुआ को जूनागढ़ मंदिर नहीं जाने दिया

बीकानेर, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान की पूर्व रियासतों में चल रहे संपत्ति विवाद का एक और मामला बीकानेर से सामने आया है। यहां पूर्व राजघराने के दो पक्ष, जूनागढ़ किले में स्थित एक निजी मंदिर में दर्शन करने के दौरान आमने-सामने आ गए। राज्यश्री कुमारी मंदिर में दर्शन करने जा रही थीं, लेकिन उन्हें प्रवेश से पहले ही रोक दिया गया।

बीकानेर में पूर्व राजपरिवार में संपत्ति विवाद गहराने लगा है

बीकानेरः राजस्थान की कई पूर्व रियासतों में संपत्ति विवाद चल रहा है। विवाद के कारण कई बार आरोप प्रत्यारोप भी सामने आते रहे हैं। ताजा मामला बीकानेर की पूर्व रियासत का है, जहां जूनागढ़ किले में स्थित मंदिर में दर्शन करने जाने के दौरान दो पक्ष आमने सामने हो गए। एक पक्ष में भाजपा की विधायक सिद्धि

कुमारी हैं और दूसरे पक्ष से उनकी बुआ राज्यश्री कुमारी हैं। राज्यश्री कुमारी जूनागढ़ किले में स्थित मंदिर में दर्शन करने जा रही थी, लेकिन उन्हें मंदिर जाने से पहले ही रोक दिया गया।

आखिर बिना दर्शन राज्यश्री कुमारी को लौटना पड़ा

राज्यश्री कुमारी अपने सहयोगियों के साथ जूनागढ़ किले में स्थित मंदिर में दर्शन करने के लिए रवाना हुई। जूनागढ़ किले में स्थित मंदिर निजी संपत्ति के अधीन हैं। ऐसे में उस मंदिर में केवल पूर्व राज परिवार के सदस्य ही दर्शन करने जाते रहे हैं। राज्यश्री कुमारी जब जूनागढ़ किले में स्थित मंदिर में दर्शन करने जा रही थी तो उन्हें किले के बाहर ही रोक दिया गया। पुलिस ने उन्हें अंदर प्रवेश करने से रोका। मौके पर सिद्धि कुमारी के विधि सलाहकार अशोक व्यास दस्तावेज लेकर पहुंच गए। उधर राज्यश्री कुमारी के वकील कमल नारायण पुरोहित भी दस्तावेज लेकर मौके पर आए। दोनों पक्षों में करीब दो घंटे तक बहस हुई। आखिर राज्यश्री को बिना दर्शन किए ही वापस लौटना पड़ा।

सिद्धि कुमारी के दबाव में रोके जाने का आरोप

राज्यश्री कुमारी का कहना था कि वे पूर्व राज परिवार की सदस्य हैं और वे किले में स्थित मंदिर के दर्शन कर सकती हैं। चूंकि दो पक्षों में संपत्ति का विवाद है। ऐसे में पुलिस ने उन्हें मंदिर तक जाने से रोक दिया। बाद में दोनों पक्षों के वकील भी मौके पर पहुंचे और काफी देर तक विवाद होता रहा। इस दौरान राज्यश्री कुमारी ने आरोप लगाया कि पुलिस भाजपा विधायक सिद्धि कुमारी के दबाव में हैं।

उन्हीं के दबाव में आकर मंदिर तक जाने से रोक रही है। उधर पुलिस का कहना है कि विवाद की स्थिति उत्पन्न ना हो, इसलिए रोका गया है।

न्यायालय में विचाराधीन है मामला

संपत्ति विवाद को लेकर विधायक सिद्धि कुमारी की ओर से बीकानेर के जिला न्यायालय में वाद दायर कर रखा है। वाद में बताया गया है कि करणी सिंह की वसीयत में संपत्तियों के बाबत उन्हें एडमिनिस्ट्रेटर नियुक्त किया जाए। साथ ही उनकी बुआ से संपत्तियों के हिसाब किताब के नियंत्रण का कब्जा दिलाये जाने की भी मांग की गई है।

उधर सिद्धि कुमारी की बुआ राज्यश्री कुमारी की ओर से भी कोर्ट में प्रार्थना पत्र लगाया हुआ है जिनमें सिद्धि कुमारी पर पूर्व राज परिवार की संपत्तियों को अवैध रूप से खुर्द बुर्द करने का प्रयास करने का आरोप लगाया गया है। फिलहाल मामला न्यायालय में विचाराधीन है।

राजस्थान सरकार ने बॉन्ड नीलाम कर आरबीआई से जुटाया 5 हजार करोड़ का कर्ज

जयपुर, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार ने विकास कार्यों और योजनाओं के वित्तीय प्रबंधन के लिए इस बार 5000 करोड़ रुपये का कर्ज रिजर्व बैंक (RBI) के माध्यम से स्टेट ग्रांटेड सिक्योरिटीज बॉन्ड जारी करके जुटाया है। यह राशि सरकार ने सीधे कर्ज लेने के बजाय तीन अलग-अलग बॉन्ड के जरिए एकत्र की है। इन बॉन्ड्स की अदायगी 10 से 26 साल की अवधि में की जाएगी।

तीन बॉन्ड से जुटाए 5000 करोड़ रुपये

आरबीआई की ओर से जारी की गई प्रेस रिलीज के अनुसार ; राजस्थान SGS 2043 बॉन्ड के रि-इश्यू से 1500 करोड़ रुपये जुटाए गए हैं, जिस पर 7.57% ब्याज देना होगा (अवधि 18 वर्ष)। राजस्थान SGS 2035 बॉन्ड के जरिए 2000 करोड़ रुपये जुटाए गए हैं, जिस पर

7.23% ब्याज (अवधि 10 वर्ष) निर्धारित है। राजस्थान एसजीएस 2051 बॉन्ड से 1500 करोड़ रुपये जुटाए गए हैं, जिसकी अवधि 26 वर्ष है और ब्याज दर 7.30% रखी गई है। राज्य सरकार हर साल विकास योजनाओं के लिए बॉन्ड के माध्यम से फंड जुटाती है, लेकिन इस बार अन्य राज्यों की तुलना में राजस्थान को अपने बॉन्ड पर थोड़ा अधिक ब्याज देना पड़ रहा है।

दिवाली के दिन हुआ बॉन्ड नीलामी परिणाम जारी

20 अक्टूबर (दिवाली के दिन) आरबीआई ने राजस्थान समेत सभी राज्यों के बॉन्ड की नीलामी आयोजित की थी। इसके बाद बॉन्ड नीलामी के परिणाम सार्वजनिक किए गए।

बढ़ता कर्ज, विकास योजनाओं के लिए कर्ज पर निर्भरता

राजस्थान सरकार पर कुल कर्ज का बोझ लगातार बढ़ रहा है। बीते 10 वर्षों में राज्य का ऋण तेजी से बढ़ा है और अब यह 8 लाख करोड़ रुपये के करीब पहुंच गया है। बजट दस्तावेजों के अनुसार, 2025-26 तक यह आंकड़ा 8 लाख करोड़ पार कर सकता है। सरकार की आय का बड़ा हिस्सा कर्मचारियों के वेतन और पेंशन में खर्च हो जाता है, जिसके कारण विकास कार्यों के लिए कर्ज लेना मजबूरी बन गया है। इस साल राजस्थान ने अपने बजट में करीब 70 हजार करोड़ रुपए का कर्ज प्रस्तावित किया है।

ब्लैकमेल कर 30 लाख की फिरौती मांगने वाली महिला सहित तीन आरोपी गिरफ्तार

12 घंटे में सुलझा मामला

अलवर, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। अलवर जिले में पुलिस ने एक ब्लैकमेलिंग गैंग का खुलासा करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। इस गैंग ने एक डॉक्टर को फंसाने की धमकी देकर 30 लाख रुपये की फिरौती मांगी थी। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक महिला सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

एडिशनल एसपी शरणं कांबले \ने बताया कि 22 अक्तूबर की शाम करीब साढ़े पांच बजे महिला शहरुना ने परिवादी डॉक्टर को फोन कर आरटीओ ऑफिस के पास स्थित अपने घर बुलाया। उसने बहाने से कहा कि किसी मरीज को दिखाना है। डॉक्टर मानवता के नाते अपनी स्कॉर्पियो गाड़ी से वहां पहुंचे।

घर पहुंचने पर महिला डॉक्टर को अंदर ले गई। थोड़ी देर बाद तीन युवक कमरे में आए और डॉक्टर के साथ मारपीट की। आरोपियों ने कपड़े उतरवाकर महिला के साथ आपत्तिजनक वीडियो बनाया और 30 लाख रुपये की फिरौती मांगते हुए धमकी दी कि पैसे नहीं देने पर दुष्कर्म मामले में फंसा देंगे और जान से मार देंगे।

आरोपियों ने डॉक्टर को करीब तीन से चार घंटे तक बंधक बनाए रखा। इसके बाद वे उसे पाडीसल की ओर लेकर गए और बीच रास्ते में धक्का देकर नीचे गिरा दिया। किसी तरह डॉक्टर ने खुद को संभाला और पुलिस को पूरे मामले की सूचना दी।

गहलोत राजनीति तो कर सकते हैं, लेकिन रणनीति में फेल

बोले भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़

जयपुर, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बिहार चुनाव और इंडिया (विपक्षी गठबंधन) की नीतियों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त कर कहा कि इंडी गठबंधन का कोई वैचारिक या नीतिगत आधार नहीं है। उनका उद्देश्य केवल सत्ता प्राप्त करना है, न कि जनता के कल्याण के लिए काम करना। राठौड़ ने आरोप लगाया कि इन दलों के पास विकास, सुशासन और आम जनता के जीवन को सुधारने की कोई ठोस कार्ययोजना नहीं है। उन्होंने कहा कि जो नेता कल तक एक-दूसरे पर हमलावर थे, वही आज सत्ता की लालसा में एक मंच पर खड़े नजर आ रहे हैं।

प्रदेश अध्यक्ष राठौड़ ने दावा किया कि भाजपा विकास, पारदर्शिता और जनविश्वास की

राजनीति करती है जबकि इंडी गठबंधन केवल कुर्सी बचाने की राजनीति में विश्वास रखता है। जनता इनकी हकीकत भली-भांति समझ चुकी है और बिहार विधानसभा चुनाव इसका प्रमाण देंगे।

बिहार में इंडिया द्वारा घोषित मुख्यमंत्री चेहरे को लेकर उन्होंने कहा कि यह केवल लोगों को लुभाने और किसी भी प्रकार से सत्ता हासिल करने की लालसा का परिणाम है। उन्होंने कहा कि यह गठबंधन भरोसे के लायक नहीं है और इनकी आंतरिक राजनीति किसी भी समय पलटी मार सकती है। सीटों के बंटवारे को लेकर भी उन्होंने कहा कि इस पूरे प्रक्रिया में कोई नीति या सिद्धांत नजर नहीं आया, केवल सत्ता की भूख हावी रही।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर निशाना साधते हुए राठौड़ ने कहा कि गहलोत राजनीति करने में सक्षम हैं, किन्तु रणनीति बनाने में बार-बार असफल साबित हुए हैं। कांग्रेस ने उन्हें जहां-जहां चुनावी प्रबंधन के लिए भेजा, वहां आखिरकार भाजपा को ही लाभ मिला।

गुजरात और महाराष्ट्र के उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस को नुकसान और भाजपा को सफलता गहलोत की रणनीतियों का नतीजा रही। अब बिहार में भी ऐसा ही परिणाम देखने को मिलेगा। राठौड़ ने विश्वास व्यक्त किया कि जनता विकास चाहती है और बिहार में आगामी चुनाव भाजपा के पक्ष में

घरेलू कलह से टूटी सांसों की डोर

मां ने तीन बच्चों संग टांके में कूदकर दी जान

बाड़मेर, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। बालोतरा जिले में जसोल थाना क्षेत्र के टापरा गांव की एक ढाणी में बुधवार देर रात बाद दो बेटों और एक मासूम बेटी को टांके में फेंकने के बाद खुद मां के भी टांके में कूदने की

घटना ने आस-पड़ोस व परिवार के लोगों को अंदर तक हिला दिया। सामान्य अनबन और मानसिक तनाव के चलते 32 वर्षीय विवाहिता ममता ने पहले तो एक-एक कर खुद की तीन संतानों को पानी के गहरे टांके में डाला और फिर खुद भी कूद गई। पानी में डूबने से चारों की मौत हो गई। इस घटना में सबसे छोटी पांच महीने की मासूम बेटी मानवी थी, जो अभी तक मां भी बोलना नहीं सीख पाई, उससे पहले ही उसकी मां ने उसे मौत के मुंह में धकेल दिया। अब सिर्फ तीनों मासूमों और मां की केवल तस्वीरें बची हैं। घटना को 36 घंटे से अधिक का समय बीत जाने के बाद भी पुलिस अब तक आत्महत्या के प्रारंभिक कारणों तक नहीं पहुंच पाई है। हालांकि, मृतका के पीहर पक्ष ने भी किसी पर कोई शक या शंका जाहिर नहीं की, जिससे मामले की जांच पुलिस के चुनौती बन रही है। पुलिस अब तकनीकी रूप से पूरे घटनाक्रम की जांच में जुटी हुई है। घटना के बाद पुलिस की मोबाइल इंवेस्टिगेशन टीम ने मौक पर पहुंच कर घटना स्थल से विभिन्न प्रकार के साक्ष्य एकत्रित किए।

भीलवाड़ा में मंदिर के पुजारी को 5 साल की जेल

मां के साथ पूजा करने गई बालिका से की थी अश्लील हरकत

भीलवाड़ा, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। पॉक्सो कोर्ट संख्या एक ने मंदिर परिसर में बालिका के साथ अश्लील हरकते करने का दोषी पाए गए पुजारी को पांच साल की सजा सुनाई। वहीं, 18 हजार रुपए जुर्माना भी चुकाने के आदेश दिए हैं। अभियोजन पक्ष के अनुसार, 21 अप्रैल 2024 को जिले के एक थाने में एक महिला ने रिपोर्ट दी थी। परिवादी महिला ने बताया कि घटना के दिन वह अपनी सास और नाबालिग पुत्री के साथ मंदिर में पूजा करने गई थी। पूजा समाप्त होने के बाद पुत्री प्रसाद लेने गई।

परिवादी महिला के मुताबिक, पुजारी सुरेश कुमार मिश्रा ने उसके साथ छेड़छाड़ की और बैड टच किया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर अभियुक्त सुरेश कुमार को गिरफ्तार कर लिया। अनुसंधान के बाद न्यायालय में चालान पेश किया गया।

विशिष्ट लोक अभियोजक धर्मवीर सिंह कानावत ने अभियुक्त के खिलाफ 12 दस्तावेज और 12 ही गवाह पेशकर आरोप सिद्ध किया। विशिष्ट न्यायाधीश बालकृष्ण मिश्र ने सुनवाई के दौरान अभियुक्त सुरेश कुमार को दोषी मानते हुए पांच साज के कारावास की सजा सुनाई और 18 हजार रुपए जुर्माना राशि से दंडित किया।

पुष्कर मेला 2025: एक करोड़ की घोड़ी 'नगीना' बनी आकर्षण का केंद्र

अजमेर/पुष्कर, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। अजमेर का विश्वप्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय पुष्कर पशु मेला इस बार एक खास मेहमान की वजह से चर्चा में है। यह मेहमान है 1 करोड़ रुपये मूल्य की मारवाड़ी नस्ल की घोड़ी 'नगीना', जो अपने सौंदर्य, चाल और अनोखी बनावट से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर रही है।

भटिंडा (पंजाब) के सरां स्टड फार्म के मालिक गोरा भाई हर साल पुष्कर मेले में अपने श्रेष्ठ घोड़े लेकर पहुंचते हैं। इस बार वे 10 घोड़े-घोड़ियों के साथ आए हैं और जल्द ही 15 और पशु लाने वाले हैं। गोरा भाई बताते हैं कि नगीना देशभर में मशहूर घोड़े 'दिलबाग' की बेटी है। वह अब तक 5 राष्ट्रीय शो में विजेता रह चुकी है। मात्र 31 महीने की उम्र में ही वह अपनी नस्ल की सर्वश्रेष्ठ घोड़ियों में गिनी जाती है और वर्तमान में ढाई महीने की गर्भवती भी है।

नगीना की हाइट 63 इंच है, जो आने वाले समय में 66 इंच तक पहुंचने की संभावना है। पशु विशेषज्ञों के अनुसार, मारवाड़ी नस्ल के घोड़ों में यह कद और चाल अत्यंत दुर्लभ मानी जाती है। गोरा भाई ने बताया कि नगीना की चाल बेहद रेशमी है, उसकी गर्दन की लचक और शरीर की बनावट उसे अन्य घोड़ियों से अलग बनाती है।

नगीना की देखभाल किसी रानी से कम नहीं। उसके लिए 7 से 8 लोगों की टीम 24 घंटे तैनात रहती है। उसे उच्च गुणवत्ता वाला चारा, सूखे मेवे और विशेष सप्लीमेंट्स दिए जाते हैं। सरां स्टड फार्म में 5 लाख रुपये से लेकर 1 करोड़ रुपये तक की घोड़े-घोड़ियां हैं, जिनमें नगीना सबसे कीमती मानी जाती है।

वाटर प्लांट में गैस रिसाव

चार श्रमिक घायल, दो की हालत गंभीर; मचा हड़कंप

झुंझुनू, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। चित्तौड़गढ़ जिले के रावतभाटा में स्थित हैवी वाटर प्लांट में शनिवार को एक बड़ा हादसा हो गया। प्लांट में हाइड्रोजन सल्फाइड गैस का रिसाव हुआ, जिसकी वजह से चार श्रमिक गैस की चपेट में आ गए, जिनमें से दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। गैस रिसाव की सूचना मिलते ही प्लांट परिसर में हड़कंप मच गया और तत्काल बचाव कार्य शुरू किए गए। रावतभाटा के हैवी वाटर प्लांट में मेंटेनेंस कार्य के दौरान यह हादसा हुआ। बताया जा रहा है कि एक बंद पड़े कम्प्रेशर से अचानक हाइड्रोजन सल्फाइड गैस का रिसाव शुरू हो गया। उस समय वहां मेंटेनेंस के लिए कुछ श्रमिक काम पर जा रहे थे। गैस रिसाव इतना तेज था कि वहां मौजूद श्रमिक तुरंत इसकी चपेट में आ गए।

खेत में बंधे तार में फंसकर गर्भवती लेपर्ड की मौत, पोस्टमार्टम के बाद हुआ अंतिम संस्कार

सवाईमधोपुर, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। सवाई माधोपुर शिवाड़ कस्बे में लेपर्ड खेत के तार में फंसा हुआ मिला था। उसकी तार में फंसे होने से मौत हो गई थी। मौत के बाद लेपर्ड का आलनपुर नर्सरी में पोस्टमार्टम किया गया। बाद में लेपर्ड का अंतिम संस्कार किया गया।

रणथम्भौर टाइगर रिजर्व के वेटरनरी ऑफिसर चंदप्रकाश मीणा ने बताया कि यह एक फिमेल लेपर्ड थी। उसकी उम्र करीब ढाई साल थी। यह गर्भवती थी। उसका करीब 35 दिन का भ्रूण था। खेत के तार में फंसने से बच्चेदानी पर दबाव पड़ा। जिससे पहले बच्चे की मौत हुई और फिर मादा लेपर्ड की मौत हो गई। वेटरनरी ऑफिसर मीणा के अनुसार तार में फंसे होने फिमेल लेपर्ड को डिहाइड्रेशन भी हुआ था। उल्लेखनीय है कि शिवाड़ कस्बे में लेपर्ड का शव खेत के तार में फंसा हुआ मिला था। सूचना लोगों ने वन विभाग की टीम को दी। सूचना पर वन विभाग की टीम कमला विहार के पास खेत में पहुंची। लेपर्ड के शव को सवाई माधोपुर लाया गया।

पिछले दस दिन से लेपर्ड का मूवमेंट

पिछले दस दिनों से देवगिरी पर्वत पर लेपर्ड का लगातार मूवमेंट देखा जा रहा था, जिससे स्थानीय लोगों में भय का माहौल था। गुरुवार सुबह करीब 6 बजे गौ सेवा दल को पैंथर के तार में फंसे होने की सूचना मिली। गौ सेवकों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर पुलिस और वन विभाग को इसकी जानकारी दी। वन विभाग के कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर लेपर्ड को तारों से बाहर निकाला। इससे पहले ही लेपर्ड की मौत हो चुकी थी। जिसका बाद में पोस्टमार्टम कर अंतिम संस्कार कर दिया गया।

अन्नकूट और हनुमान गायत्री महायज्ञ आज

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्री बगीची हनुमान अभय आंजनेय स्वामी ध्यान मंदिर के तत्वावधान में स्वामी विवेकानंदा कम्युनिटी हॉल के सभागृह में आज रविवार को माध्याह्न काल 3 बजे से 4.30 बजे तक सुन्दरकाण्ड पारायण पाठ के साथ-साथ सायंकाल 4.45 से 6.15 बजे तक श्री हनुमान-गणेश, गायत्री महायज्ञ एवं सायंकाल 6.30 बजे से 9.30 बजे तक अन्नकुट महाप्रसाद का वितरण कार्यक्रम आयोजित होगा। ट्रस्टी ऐरावत सिंह राजपुरोहित ने बताया कि कार्यक्रम अन्नकुट-प्रसाद वितरण के साथ-साथ सभी को यज्ञ के महारणों एवं सुन्दरकाण्ड पारायण पाठ की विशेष रूप से आध्यात्मिक जानकारियां दी जाएंगी।

दीपावली स्नेह मिलन व सम्मान समारोह आज

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अम्बरपेट स्थित महाराणा प्रताप फंक्शन हॉल में राजस्थानी राजपूत संघ हैदराबाद-सिकंदराबाद (तेलंगाना) समाज बन्धुओं के तत्वावधान में दीपावली स्नेह मिलन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह रविवार 26 अक्टुबर प्रात: 10 बजे से आयोजित किया गया है।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में अध्यक्ष रतनसिंह शेखावत व महासचिव वनेसिंह राठौड़ ने संयुक्त रुप से बताया कि हर वर्ष की भांति समाज बन्धुओं के सानिध्य में दीपावली स्नेह मिलन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में सम्मानित अतिथियों व समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का समाज के पदाधिकारियों द्वारा सम्मान किया जाएगा। समाज बन्धुओं के लिए भोजन की व्यवस्था दोपहर 12.15 बजे से कार्यक्रम स्थल पर की जाएगी। कोषाध्यक्ष छैलसिंह राठौड़ ने समाज बन्धुओं से निवेदन किया है समय पर राजस्थानी वेष-भूषा में सहपरिवार, सहित पधारकर कार्यक्रम की शोभा बढाएं।

ताड़बन्द हनुमान मंदिर में अन्नकूट प्रसाद आज

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। ताड़बन्द स्थित श्री हनुमान मंदिर मे बारहवां अन्नकूट प्रसाद का आयोजन श्री बालाजी डेयरी प्रोडक्ट्स महाकाली मंदिर सिकंदराबाद एवं कोहिनूर डेयरी प्रोडक्ट्स घटकेसर, बाकलियाँ, सेवड़ राजपुरोहित परिवार के तत्वावधान में रविवार 26 अक्टुबर सायं 5.15 बजे से पूजा-अर्चनाकर, श्री खेतेश्वर महाराज की तस्वीर पर माल्यार्पण व महाआरती की जाएगी। पश्चात् बालाजी महाराज को भोग लगाकर भक्तों के लिए अन्नकूट प्रसाद का वितरण किया जाएगा।

गजेन्द्रसिंह राजपुरोहित निम्बोल ने बताया कि हर वर्ष की भांति अन्नकूट महाप्रसादी का भक्तों के लिए भव्य आयोजन किया जाएगा। जिसमें हजारों की संख्या में भक्तगण सपरिवार सम्मलित होकर अन्नकूट प्रसाद का लाभ लेंगे। अन्नकूट प्रसाद के वितरण के लिए कार्यकर्ताओं की विशेष टीमों का गठन किया गया। कार्यक्रम के आयोजन में बाकलिया परिवार निम्बोल, सेवड़ परिवार तालकिया व आनन्दपुर कालू परिवार एवं बहुत से कार्यकर्ता प्रमुख रुप से अपनी सेवाएँ देंगे। आयोजक गजेन्द्रसिंह राजपुरोहित निम्बोल ने सभी भक्तों एवं राजपुरोहित समाज बन्धुओं से निवेदन किया है कि गौसेवार्थ दान-पुण्यकर पुण्यलाभ लें

कार्तिक मास काकड आरती महोत्सव शुभारंभ

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्री विठ्ठलेश्वर स्वामी मंदिर, जनरल बाजार सिकंदराबाद में काकड आरती का शुभ आरंभ आज रविवार से 20 नवंबर गुरुवार कार्तिक अमावस्या तक मनाया जाएगा। इन दिनों में भगवान की विशेष पूजा, अभिषेक, अलंकार होंगे।

मंदिर के मुख्यपुजारी पंढरीनाथ नरसिकर ने बताया कि प्रातकाल 6.30 माखन भोग काकड आरती होगी। 7.30 बजे से 9.30 बजे तक अभिषेक अलंकार होगा। प्रातः 9.30 को महा आरती होगी। तत्पश्चात उत्सव मूर्ती के चरण दर्शन 12 बजे तक होगा। दोपहर 12 बजे आरती होगी। सायंकाल में 5 बजे आरती, 8 बजे शयन आरती होगी।

एससीएससी की बैठक में कई बड़े फैसले, बढ़ेगी सीसीटीवी की संख्या

महिलाओं और युवाओं के लिए सुरक्षित वातावरण पर जोर

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। एससीएससी की बैठक में कई बड़े फैसले लिए गए। बैठक में सीसीटीवी की संख्या 25 सौ करने और महिला सुरक्षा पर और काम करने पर सहमति व्यक्त की गई। साइबराबाद सुरक्षा परिषद सोसाइटी (एससीएससी) ने हैदराबाद के टी-हब में अपनी वार्षिक आम सभा 2024-25 का आयोजन किया। बैठक की अध्यक्षता साइबराबाद के पुलिस आयुक्त और एससीएससी के अध्यक्ष, अविनाश मोहंती ने की। इस कार्यक्रम की मेजबानी एससीएससी के सीईओ नावेद खान ने की और इसमें सदस्य संगठनों, स्कूलों, अस्पतालों, होटलों, स्टार्टअप्स और अन्य प्रतिष्ठानों के 250 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। साइबराबाद के सभी पुलिस उपायुक्त और एससीएससी कार्यकारी समिति के सदस्य भी उपस्थित थे।

बैठक में एससीएससी की प्रमुख सुरक्षा, संरक्षा और कल्याण पहलों की समीक्षा की गई और तीन केंद्रित पैनल चर्चाओं- महिला, बाल एवं युवा सुरक्षा, साइबर सुरक्षा एवं शारीरिक सुरक्षा और सड़क सुरक्षा, यातायात प्रबंधन एवं स्वास्थ्य सेवा- के माध्यम से आगे की रणनीति की रूपरेखा तैयार की गई।

महिला, बाल एवं युवा सुरक्षा मंच ने आत्मरक्षा सत्रों और महिला छात्रावासों के ऑडिट के साथ-साथ संघमित्रा और सुरक्षा कवच जैसे कार्यक्रमों की सफलता पर प्रकाश डाला। मंच ने महिलाओं और युवाओं के लिए सुरक्षित और अधिक समावेशी वातावरण को बढ़ावा देने के लिए इन पहलों को आवासीय कल्याण संघों, स्कूलों और कॉलेजों तक विस्तारित करने की योजना की घोषणा की। साइबर सुरक्षा एवं भौतिक सुरक्षा मंच ने प्रोजेक्ट प्रोटेक्ट सहित प्रमुख उपलब्धियां प्रस्तुत कीं, जो 25 लाख से अधिक नागरिकों और 45,000 प्रत्यक्ष लाभार्थियों तक पहुंच चुकी है। मंच ने कानून प्रवर्तन और उद्योग के बीच समन्वय बढ़ाने, तत्काल साइबर अपराध मामलों के लिए एक त्वरित चैनल बनाने और स्कूलों एवं संगठनों के लिए एआई सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम शुरू करने के लिए सीआईएसओ परिषद में सुधार की योजना की घोषणा की।

एक्टर सतीश शाह का निधन

किडनी की बीमारी से जूझ रहे थे, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शाह के निधन पर दुख जताया

मुंबई, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। एक्टर सतीश शाह का शनिवार दोपहर करीब 1:30 बजे मुंबई के हिंदुजा अस्पताल में निधन हो गया। वे 74 साल के थे। उनके मैनेजर ने बताया कि शाह का पार्थिव शरीर अस्पताल में ही रखा गया है। अंतिम संस्कार रविवार को किया जाएगा। वे लंबे समय से किडनी से जुड़ी परेशानी से जूझ रहे थे और हाल ही में उनका किडनी ट्रांसप्लांट हुआ था।

सतीश शाह टीवी शो साराभाई वर्सेज साराभाई से फेमस हुए थे। उन्होंने मैं हूं ना (2004), कल हो ना हो (2003), फना (2006) और ओम शांति ओम (2007) जैसी कई मशहूर फिल्मों में काम किया था। साल 2008 में उन्होंने अर्चना पूरन सिंह के साथ टीवी शो कॉमेडी सर्कस में बतौर जज काम किया था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सतीश शाह के निधन पर दुख जताते हुए ट्वीट किया है। उन्होंने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर लिखा- सतीश शाह जी के निधन से अत्यंत दुखी हूं। वो भारतीय मनोरंजन जगत के एक सच्चे दिग्गज के रूप में हमेशा याद किए जाएंगे। उनकी सहज हास्य प्रतिभा और यादगार अभिनय ने अनगिनत लोगों के जीवन में मुस्कान बिखेरी। उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति संवेदनाएं।

खाना खाने के बाद गिरे और दम तोड़ दिया :

कॉमेडियन जॉनी लीवर ने सतीश शाह के निधन पर दुख जताते हुए कहा कि वे उनके करीब 40 साल पुराने दोस्त थे। सतीश किडनी से पीड़ित थे। उनका ट्रांसप्लांट कोलकाता में हो चुका था। डेढ़ महीने वहां रहकर वे पूरी तरह ठीक होकर वापस आए थे। अचानक आज खाना खाने के बाद वे गिर पड़े और उनका निधन हो गया।

फिल्ममेकर को सुबह सेल्फी भेजकर कहा- देखो मैं कितना स्मार्ट लग रहा हूं :

साराभाई वर्सेस साराभाई शो में उनके साथ काम कर चुके एक्टर राजेश कुमार ने सतीश के निधन पर दुख जताते हुए कहा- ये मेरे लिए सबसे कठिन घड़ी है... अभी तक यकीन नहीं हो रहा कि सतीश जी अब हमारे बीच नहीं रहे। ऐसा लग रहा है जैसे मैंने अपने पिता को खो दिया हो। जिंदगी और ह्यूमर से भरपूर इंसान, जिन्होंने हर चीज को चुनौती दी, अपना नाम बनाया और एक अमिट छाप छोड़ी एक्टर के रूप में।

ये इंडस्ट्री और हम सबके लिए (साराभाई परिवार) के लिए बहुत बड़ी क्षति है। आइए हम सब उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करें और उन्हें अपनी दुआओं में याद रखें... ज़्यादा बोल नहीं पा रहा हूं, मनोस्थिति ठीक नहीं है।

फिल्ममेकर विवेक शर्मा ने बताया- शनिवार सुबह ही सतीश शाह से मेरी चैट हो रही थी। हम रोज बातें करते थे, एक-दूसरे को रील्स और दिलचस्प वीडियो भेजते थे। सतीश शाह का एक पुराना सहयोगी रमेश था, जो कई सालों से उनके साथ काम कर रहा था। वही उन्हें अस्पताल लेकर गया।

सतीश शाह का करीब डेढ़ साल से डायलिसिस चल रहा था। उन्होंने सुबह मुझसे कहा था कि नवंबर से हम काम शुरू करेंगे। उन्होंने मुझे अपनी एक सेल्फी भेजी थी और बोले थे- देख, मैंने 20-22 किलो वजन घटा लिया है, अब मैं कितना हैंडसम लग रहा हूं।

राज्यपाल ने छात्रों को कृषि नवाचार और सामाजिक परिवर्तन के लिए किया प्रेरित

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने छात्रों से कृषि उत्पादकता, प्रौद्योगिकी और अनुसंधान का उपयोग कर सामाजिक परिवर्तन का नेतृत्व करने का आग्रह किया। उन्होंने शुक्रवार को कावेरी विश्वविद्यालय और कावेरी सीड्स कंपनी का दौरा किया और कीट विज्ञान, रोग विज्ञान, मृदा विज्ञान, प्रजनन और शरीरक्रिया विज्ञान जैसी विभिन्न प्रयोगशालाओं का अवलोकन किया।

राज्यपाल ने ड्रोन तकनीक, रोबोटिक्स, 3डी प्रिंटिंग, एआर और वीआर मॉडल और छात्रों द्वारा विकसित कृषि नवाचारों की प्रदर्शनी भी देखी।

वर्मी कम्पोस्ट कार्यक्रमों का अवलोकन करने के बाद उन्होंने नव स्थापित एकीकृत अनुसंधान केंद्र का शुभारंभ किया।

श्रीधर बाबू ने भारतीय मूल के सीईओ को 'उभरते तेलंगाना' में भागीदारी के लिए आमंत्रित किया

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी एवं उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू ने ऑस्ट्रेलिया में भारतीय मूल के सीईओ से 'उभरते तेलंगाना' पहल के तहत राज्य में निवेश करने का आह्वान किया। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), डेटा एनालिटिक्स, मशीन लर्निंग, गेमिंग, एनिमेशन, वीएफएक्स, सेमीकंडक्टर, एयरोस्पेस, रक्षा, उन्नत विनिर्माण, हरित ऊर्जा और इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) उत्पादन सहित विभिन्न क्षेत्रों में अवसरों की रूपरेखा प्रस्तुत की। ऑस्ट्रेलिया-भारत संबंध केंद्र द्वारा आयोजित एक व्यावसायिक सम्मेलन में बोलते हुए, मंत्री ने तेलंगाना के मजबूत आर्थिक विकास, विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे, पारदर्शी शासन और निवेशक-अनुकूल नीतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने तेलंगाना में परिचालन स्थापित करने या विस्तार करने के इच्छुक निवेशकों को पूर्ण सुविधा और समर्थन का आश्वासन दिया। तेलंगाना की औद्योगिक शक्तियों का विस्तृत अवलोकन प्रस्तुत करते हुए, उन्होंने राज्य की एकल-खिड़की निकासी प्रणाली (टीजी-आईपास), प्रगतिशील औद्योगिक नीतियों और मजबूत नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र का प्रदर्शन किया जो बड़े और उभरते उद्योगों दोनों को समान रूप से समर्थन प्रदान करते हैं। सम्मेलन में ऑस्ट्रेलिया-भारत संबंध केंद्र की अध्यक्षा सुश्री स्वाति दवे, ऑस्ट्रेलिया-भारत व्यापार परिषद के राष्ट्रीय एसोसिएट अध्यक्ष इरफान मलिक, ईटीपीएल के निदेशक सौरव बनर्जी और कई व्यापारिक नेता एवं वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

श्रीगोपाल गौशाला- इब्राहिमपट्टनम में अन्नकूट 30 को

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)।श्री गोपाल गौशाला इब्राहिमपट्टनम पर गोपाष्टमी के शुभावसर पर 30 अक्टूबर गुरुवार दोपहर 1 बजे से 5 बजे तक अन्नकूट प्रसाद का आयोजन किया गया है। गौशाला के मैनेजिंग ट्रस्टी महावीर प्रसाद अग्रवाल की विज्ञाप्ति के अनुसार 30 अक्टूबर गुरुवार को दोपहर 1 बजे गौपूजन होगा।

1 बजे से मंचीय कार्यक्रम के अन्तर्गत नए ट्रस्टियों एवं अतिथियों को सम्मान किया जायेगा। विशेष अतिथि के रूप में राजेश गोयल एवं अग्रवाल समाज-तेलंगाना के पदाधिकारी गण उपस्थित रहेंगे। तत्पश्चात 2 बजे से भजन का कार्यक्रम होगा। तुलसीराम बंसल ने सभी गौशालाओं के पदाधिकारीगण, गौशाला के समस्त ट्रस्टी, मासिक सहयोगी एवं सभी भक्तों से गौशाला में पधार कर सेवालाभ लेने का निवेदन किया है।

अन्नकूट प्रसाद की व्यवस्था की देखरेख गौशाला के कोषाध्यक्ष विनोद गर्ग, रामुराम एवं रमेश काबरा करेंगे।

गौपूजन की व्यवस्था गौशाला के वायस चेयरमेन श्री गर्ग एवं जाइन्ट मैनेजिंग ट्रस्टी अर्जुन गोयल करेंगे। सभी भक्त अवसर का लाभ लें। बस की व्यवस्था सहारा एवं वनस्थलीपुरम से सुबह 11 बजे की गयी है।

जन सेवा संघ राजेंद्रनगर छठ पूजा घाट प्रभारी सरवन कुमार और श्याम शाह के नेतृत्व में विधायक प्रकाश गौड को छठ पूजा में आमंत्रित करते हुए।

पात्र विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति स्वीकृत

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। क्षत्रिय राजपूत ट्रस्ट बोर्ड, अंबरपेट के पदाधिकारियों ने बताया कि इस वर्ष इंटरमीडिएट, डिग्री तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लगभग 168 विद्यार्थियों ने छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत आवेदन किया था। सभा पात्र विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति स्वीकृत कर दी गई है तथा संबंधित राशि सीधे उनके आवेदन पत्र में उल्लिखित बचत खातों में जमा करा दी गई है। कुंदन सिंह चौहान ने बताया कि क्षत्रिय राजपूत ट्रस्ट बोर्ड, समाज के विद्यार्थियों की शैक्षणिक उन्नति एवं आर्थिक सहयोग के लिए निरंतर प्रयासरत है। भविष्य में भी इसी प्रकार की योजनाओं के माध्यम से ट्रस्ट राजपूत समाज के विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास और उज्ज्वल भविष्य के लिए कार्य करता रहेगा। राजपूत ट्रस्ट बोर्ड का उद्देश्य है कि समाज का प्रत्येक विद्यार्थी उच्च शिक्षा प्राप्त कर राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाए।

कुकटपल्ली में कंटेनर डिपो में भीषण आग

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कुकटपल्ली के मूसापेट स्थित कंटेनर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के इनलैंड कंटेनर डिपो में शनिवार सुबह भीषण आग लग गई। अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। अग्निशमन अधिकारियों के अनुसार, आग उस डिपो में लगी जहां सीमा शुल्क विभाग द्वारा कर उल्लंघन के आरोप में ज़ब्त की गई बड़ी मात्रा में सामग्री रखी गई थी। इसमें देश में तस्करी करके लाई गई शराब का एक बड़ा हिस्सा शामिल था। आग की सूचना मिलते ही छह दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और लगभग दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। दमकल अधिकारी आग लगने के सही कारण का पता लगाने के साथ-साथ तोड़फोड़ की संभावना की भी जांच कर रहे हैं।

राजस्थानी प्रगति समाज का दीपावली सम्मेलन आज

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सामाजिक संस्था राजस्थानी प्रगति समाज द्वारा इस वर्ष भी 'दीपावली सम्मेलन' का आयोजन रविवार 26 अक्टूबर को सायं 7 बजे से होटल ताजमहल, आबिड्स में किया जा रहा है। उक्त जानकारी यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में संस्था के मानद मंत्री गोविन्द राठी द्वारा दी गई।

राजस्थानी प्रगति समाज के अध्यक्ष कमलनारायण अग्रवाल के अनुसार 'दीपावली सम्मेलन' के आयोजन के पीछे मुख्य उद्देश्य समग्र राजस्थानी समाज को एकजुट करना तथा एक ही मंच द्वारा दीपावली स्नेह मिलन हैं। उन्होंने समस्त राजस्थानी समाज से कार्यक्रम में पधारकर एकजुटता का परिचय देने की अपील की है।

सम्मेलन के संयोजक रमेश कुमार बंग के अनुसार 'दीपावली सम्मेलन' में श्रीमती के. शिल्पावती आईपीएस, डिप्टी कमीश्नर ऑफ पुलिस, सेन्ट्रल जोन, बी. आनन्द, अडिश्नल डिप्टी कमीश्नर ऑफ पुलिस, सेन्ट्रल जोन, जे. नरसय्या अडिश्नल डिप्टी कमीश्नर ऑफ पुलिस ईस्ट जोन, पी. प्रवीण कुमार असिस्टेंट कमीश्नर ऑफ पुलिस आबिड्स डिवीज़न, एम. मात्तय्या असिस्टेंट कमीश्नर ऑफ पुलिस सुल्तान बाजार डिवीजन, सुरेश एम. जैन, अध्यक्ष, अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच, आर. सुकेश रेड्डी, उपाध्यक्ष एक्जीबिशन सोसाइटी एवं बी.एन. राजेश्वर मानद मंत्री एक्जीबिशन सोसाइटी अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

मानद मंत्री गोविन्द राठी, संयोजक रमेश कुमार बंग के साथ मनोज जायसवाल, सुमित राठी एवं राज बंग ने ताजमहल होटल के दिनेश कुमार व प्रणव चारी के साथ कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर तैयारियों की जानकारी ली।

वीएच ने पिछड़ा वर्ग आरक्षण पर राजनीतिक एकता का आह्वान किया

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व सांसद और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता वी. हनुमंत राव ने सभी राजनीतिक दलों से तेलंगाना में पिछड़ा वर्ग आरक्षण लागू करने के समर्थन में एकजुट होने का आग्रह किया।

शनिवार को गांधी भवन में एक मीडिया ब्रीफिंग में, उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि संसद के लिए पिछड़ा वर्ग आरक्षण विधेयक पारित करने का यह सही समय है। उन्होंने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि कांग्रेस के राहुल गांधी और मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी जैसे नेता इस पहल के पक्ष में हैं। हनुमंत राव ने कहा, यहां तक कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जो पिछड़ा वर्ग समुदाय से आते हैं, को भी अपना समर्थन देना चाहिए, क्योंकि इससे सभी संबंधित लोगों को लाभ होगा। उन्होंने आगे बताया कि राहुल गांधी की पदयात्रा के दौरान, उन्होंने पिछड़े वर्गों के लिए अपनी प्रतिबद्धता दिखाई थी, और पदभार ग्रहण करने के बाद, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी विभिन्न पिछड़ा वर्ग आरक्षण पहलों पर सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, वर्तमान में, पिछड़ा वर्ग आरक्षण का मामला अदालत में लंबित है। तेलंगाना पिछड़ा वर्ग विधेयक संसद में पेश किया जाना चाहिए और उसे 9वीं अनुसूची में शामिल किया जाना चाहिए। भाजपा नेताओं और सांसदों को प्रधानमंत्री से पिछड़ा वर्ग आरक्षण लागू करने का आग्रह करना चाहिए।

दक्षिण मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं.43/2025,दि.24-10-2025
भण्डारण मदों की आपूर्ति
ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

निम्न निविदाएं आनलाइन पर दर्शायी गयी हैं। निविदाकारों से अनुरोध है कि, वेबसाइट:www.ireps.gov.in देखें तथा अपने आफर्स को प्रस्तुत करें। वेबसाइट पर निविदा कार्य विवरण,मात्रा, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा, एसडी देखा जा सकता है। मैन्युएल रूप से प्रस्तुत आफर्स अमान्य हैं। डाक द्वारा प्रेषित आफर्स या प्रस्तावों पर कतई विचार नहीं किया जायेगा। निविदा की नियत तिथि की निविदा बंद करने का समय 14.30 बजे है। सभी स्वदेशी या इंडिगेनस आफर्स, पूधरा को www.ireps.gov.in पर उपलब्ध केवल आनलाइन सिस्टम द्वारा ही स्वीकार किया जायेगा।

निविदा संख्या	संक्षिप्त कार्य विवरण
एलएच255077ए	व्हील सेट एर्थिंग हेतु मेनटेनेन्स किट-03
29251041	आरडीएसओ विनिर्देशन सं.आरडीएसओ/2007/इएल/एसपीइसी/0053 नुसार इलास्टिक रिंग
29251355	सीएलडब्ल्यूविनिर्देशनसं.सीएलडब्ल्यू/एमएस/3-089एलटी.4नुसारसभी स्टीललाकनट्स
29251147	डब्ल्यूएपी7/डब्ल्यूएजी9 लोकोज के ट्रैक्शन मोटर टाइप 6 एफआरए 6068 हेतु एयर आउटलेट नेट सहित एन्ड फ्रेम ड्राइविंग एन्ड
29251100	ट्रैक्शन मोटर डब्ल्यूएपी7/डब्ल्यूएजी9 लोकोज हेतु मोडिफाइड सिंगलडक्ट लेदरबेल्लो
6025पीटी011	आरडीएसओडीआरजी.नं.टी-4219नुसार60केजी 1इन12ओवर राइडिंग कर्व्ड स्वीचेस
38251024ए	बेयरिंग पीस एस्स्ले
38251014ए	नान-ट्रांजिशन सीबीसी हेतु नकल

टिप्पणीः निविदा खोलने की निर्धारित तिथियां-
क्रम सं.01 दि.06-11-2025, क्रम सं.02 व 03 दि.10-11-2025, क्रम सं.04 व 05 दि.12-11-2025, क्रम सं.06 व 07 दि.19-11-2025, क्रम सं.08 दि.24-11-2025

शुद्धिपत्र
निविदा सूचना सं.40/2025 दि.03-10-2025 निविदा सं.38255013 निर्धारित तिथि 23-10-2025, संक्षिप्त कार्य विवरण:10 इंच व 11 इंच बीएमबीएस ब्रेक सिलंडर के प्रति उपयुक्त रैम एसेम्बली की निर्धारित तिथि को मौजूदा के स्थानपर दि.30-10-2025 पढा जाए।

उपरोक्त निविदाओं के अतिरिक्त रु.50 लाख मूल्य से अधिक की अन्य निविदाएं भी हैं।

विवरण हेतु कृपया उपरोक्त रेलवे वेबसाइट देखें।

प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक/सिकंदराबाद

ई-निविदा सूचना संख्या डीआरएम/वर्क्स/बीजेडए/ 32/2025, दि.23-10-2025

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु तत्संबंधित विवरित तिथिनुसार समय 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम संख्या:01 निविदा संख्याः ई-18-ब्रिजेस या पुल-बीजेडए-2025, कार्य विवरण:निम्न कार्यों हेतु प्रस्तावित 36 महिनों के लिए वार्षिक रखरखाव। एसआर. डीइएन/बीआर.लाइन्स/बीजेडए क्षेत्राधिकार के तहत तुनी-जीएलयु स्टेशनों के बीच किमी 682/18-30 पर पुल सं. 544 डीएन(4x30.50एम) पर वाटर लेवल मानिटरिंग सिस्टम का तत्संबंधित कार्य तथा बीवीएम-एकेपी स्टेशनों पर किमी 744/16-18 पर 703 डीएन (6x30.50एम) का तत्संबंधित कार्य, केवीआर-आरजेवाय के बीच किमी 574/42-571/4 पर 248 ए (28x95.552 एम) का तत्संबंधित कार्य, एनबीएम-एनडीडी के बीच किमी 549/30-34 पर 220डीएन (2x18.29+2x14.73एम) का तत्संबंधित कार्य, एनडीडी-केएलडीआय के बीच किमी 151@4745@38 पर 7बी/एल (4x12.19एम) का तत्संबंधित कार्य, एके वीडीकेकेएलआर स्टेशनों के बीच किमी 86/1-15 पर 149बी/एल(10x18.13+2x19.67 एम) का तत्संबंधित कार्य, बीजेडए-केसीसी स्टेशनों के बीच किमी 427/5-126/1 पर 3 केबी इस्ट(12.91.44एम) का तत्संबंधित कार्य, केआरवी-एएनबी के बीच किमी: 300/12-22 पर 594डीएन(13x18.29एम) का तत्संबंधित कार्य, यूपीडी-एसकेएम स्टेशनों के बीच किमी: 25%/26-34 पर 518डीएन का तत्संबंधित कार्य, एनएलआर-पीजीयु स्टेशनों के बीच किमी 175/5-176/1 पर 357 सीपी का तत्संबंधित कार्य। निविदा मूल्य रु.21,35,654.00; पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.42,700.00; पूरा करने की अवधि: 36 (छत्तीस महिने), बंद करने की तिथि:18-11-2025

वेबसाइट:www.ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजों में निविदा शर्तें/अन्य कार्य विवरण जैसे संपूर्ण कार्य विवरण, उपरोक्त कार्य तत्समान स्वभाव का कार्य, योग्यता मानदंड आदि उपलब्ध है।

भावी निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि, कोई भी निविदा के किसी भी परिवर्तनों/शुद्धिपत्रों को नोट करने के लिए निविदा बंद करने की तिथि से पहले वेबसाइट:www.ireps.gov.in देखें।

निविदा सूचना को, विभागीय रेल प्रबंधक (कार्य) का कार्यालय, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, विजयवाडा स्थित नोटिस बोर्ड तथा विजयवाडा डिवीजन के एडीइएन सब-डिवीजनल कार्यालयों पर भी देखा जा सकता है।

रेल प्रशासन के पास कोई भी कारण न देते हुए निविदा को निरस्त करने का पूरा अधिकार सुरक्षित है।

विभागीय रेल प्रबंधक (कार्य), विजयवाडा

ई-निविदा सूचना संख्याः 09/2025-26

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, विभागीय बिजली अभियंता (रखरखाव), गुंटूर द्वारा निम्न कार्यों हेतु आईआरईपीएस पोर्टल:www.ireps.gov.in के माध्यम से ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम संख्या:01, निविदा संदर्भ संख्या: जीएनटी-ई.09.2025-26, दि.22-10-2025, निविदा शीर्षकः गुंटूर डिवीजन में 11 नंबर्स के ट्रैक मशीन स्टाफ कैम्पिंग कोचेस में बिजली आपूर्ति व्यवस्थाओं का मानकीकरण अनुमानित मूल्य रु.17,59.276.75; पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रू. 35,200.00; निविदा प्रपत्र मूल्य (गैर-वापसी)रु. शून्य।

निविदा हेतु ई-बोली की आनलाइन प्रस्तुति की अंतिम तिथि व समयः दि.12-11-2025 के 15.30 बजे तक

कोई भी अधिक संचार/शुद्धिपत्रों को केवल ई-पोर्टलः www.ireps.gov.in पर प्रकाशित किया जायेगा।

विभागीय बिजली अभियंता/एम/गुंटूर

निविदा सूचना संख्याः 15-एमइसीएच-वीबी-टीएम-जीडी-एसएस-25-26, दि.22-10-2025,

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, डीवाय.सीएमइ/सीआरएस/टीपीटीवाय द्वारा तत्संबंधित निविदा संख्या अधोलिखित बंद तिथि 11.30 बजे तक ई -निविदाएं आमंत्रित हैं। बोलीदाता अपने मूल/संशोधित बोलियों(बिड्स) को तत्संबंधित बंद तिथि व समय तक ही प्रस्तुत कर सकते हैं। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अस्वीकार्य है तथा किसी भी मैन्युएल आफर्स की प्राप्ति पर उसे नजरअंदाज किया जायेगा।

क्रम संख्या:01, कार्य विवरणः 15-एमइसीएच-वीबी-टीएम-जीडी-एसएस-25-26, दि.22-10-2025, एसएस-1 तथा एसएस-2 के दौरान वंदे भारत ट्रैक्शन मोटर & गेयर ड्राइव एन्ड व्हील सेट्स की ओवरहालिंग करना। अनुमानित मूल्य रु.51,14,880.00; बोली सुरक्षा राशि रु.1,02,300.00; पूरा करने की अवधि: 24 महिने, बंद करने की तिथि: 13-11-2025 के 11.00 बजे

वेबसाइट विवरणः www.ireps.gov.in
निविदा की संपूर्ण जानकारी देखने हेतु नोटिस बोर्ड स्थानः चीफ वर्कशाप मैनेजर का कार्यालय, कैरेज रिपेयर शाप, तिरुपति

निविदा शर्तें/अधिक जानकारी (निविदा दस्तावेजों में उपलब्ध) तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग, शुद्धिपत्रों हेतु कृपया हमारे वेबसाइटः https:// www.ireps.gov.in देखें।

उप मुख्य यांत्रिक अभियंता,सीआरएस, तिरुपति

निविदा संख्याः वाय /एसजी/36/2025-26/22, दि.24-10-2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ विभागीय सिग्नल & दूर संचार अभियंता, हैदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे -दमरे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-प्रोक्योरमेंट के माध्यम से दि.26-11-2025 के 11.30 बजे तक खुली निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम संख्या:01, निविदा संख्या: वाय/एसजी/36/2025-26/22, कार्य विवरण: हैदराबाद डिवीजन 1) इरिसेट पर आयटी इन्फ्रास्ट्रक्चर की वृद्धि, कोसेज & ट्रेनिंग कान्टेन्ट मैनेजमेंट का डिजीटाइजेशन कार्य तथा 2) ईरिसेट-टेलिकाम लैब्स जैसे ट्रांसमिशन, कंट्रोल आउटडोर टेलिकाम, यात्रियों की सुविधाओं & पीए लैब्स का नवीनीकरण एवम् सुधार कार्य। अनुमानित मूल्य रु.49269974.25, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रू.396400.00

वरिष्ठ विभागीय सिग्नल & दूर संचार अभियंता, हैदराबाद

A1685

निविदा शर्तें/ अधिक जानकारी व निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया हमारे वेबसाइट्सः https:// www.ireps.gov.in अथवा www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

पूर्व तट रेलवे

निविदा सं. 30256879, दिनांक: 21.10.2025
कार्य का नाम: RDSO विनिर्देश- AB/RB-40-2016 (संशो. 2 अथवा नवीनतम) के अनुसार फ्रेट स्टॉक पर प्रयोग हेतु AAR अनुमोदित CTRB उन्नत श्रेणी E (6x11") सम्पूर्ण। मात्रा: 1000 संख्यक। [वारंटी अवधि: डिलीवरी की तारीख के बाद 30 महीने]। निरीक्षण: TPI एजेंसी द्वारा।
द्रष्टव्यः 45 दिनों के अंदर सामग्रियों की आपूर्ति की जानी चाहिए।
निविदा खुलने की तारीख एवं समयः 21.11.2025 को 1500 बजे
सम्पूर्ण विवरण www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।
वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक/ वाल्टियर
PR-726/Q/25-26

पूर्व तट रेलवे

(1) सूचना सं.: eT-West-WAT-37-2025 दिनांक: 17.10.2025
कार्य का नाम: वाल्टियर मण्डल के KK-II लाइन पर सहायक मण्डल अभियन्ता/किरंडुल के अधिकार क्षेत्र के अधीन बचेली-किरंडुल स्टेशन के बीच कि.मी. 438/46-49 से RYD यार्ड तक में 2 (दो) संख्यक सीमित ऊंचाई वाले उपमार्ग का निर्माण।
विज्ञापित मूल्य : ₹5,54,44,378.16, EMD : ₹4,27,200/-

(2) सूचना सं.: eT-West-WAT-38-2025 दिनांक: 18.10.2025
कार्य का नाम: वाल्टियर मण्डल के KK-II लाइन पर वरिष्ठ मण्डल अभियन्ता/पश्चिम/वाल्टियर के अधिकार क्षेत्र के अधीन मालिगुड़ा-किरंडुल स्टेशन के बीच 38.048 कि.मी. लम्बाई के लिए थ्रू रेल नवीकरण (प्राथमिक)।
विज्ञापित मूल्य : ₹5,72,88,483.77, EMD : ₹4,36,500/-

(3) सूचना सं.: eT-West-WAT-39-2025 दिनांक: 18.10.2025
कार्य का नाम: वाल्टियर मण्डल के KK-II लाइन पर सहायक मण्डल अभियन्ता/जगदलपुर के अधिकार क्षेत्र के अधीन छत की रिसाव, दरवाजे एवं खिड़कियां बदलना, फिनिशिंग एवं पेंटिंग, टाइलयुक्त फ्लोरिंग, पाथवे की मरम्मत, सीलिंग एवं अन्य विविध कार्यों के देखभाल के द्वारा स्टाफ क्वार्टरों एवं सेवा भवनों की मरम्मत एवं रख-रखाव और फुट ओवर ब्रिज एवं प्लेटफॉर्म शेल्टर आदि की पेन्टिंग।
विज्ञापित मूल्य : ₹2,44,62,072.68, EMD : ₹2,72,300/-

(4) सूचना सं.: eT-West-WAT-40-2025 दिनांक: 18.10.2025
कार्य का नाम: वाल्टियर मण्डल के KK-II लाइन पर सहायक मण्डल अभियन्ता/जगदलपुर के अधिकार क्षेत्र के अधीन मालिगुड़ा (EX) से सिलकझोड़ी (EX) स्टेशन के बीच सेक्शन में विभिन्न P.WAY रख-रखाव कार्य का निष्पादन।
विज्ञापित मूल्य : ₹1,50,62,149.04, EMD : ₹2,25,300/-

कार्य पूरा होने की अवधि : 12 (बारह) महीने (क्रम सं. 1 एवं 2 के लिए) एवं 04 (चार) महीने (क्रम सं. 3 एवं 4 के लिए)।
निविदा बंद होने की तिथि व समय : 11.11.2025 को 1500 बजे (सभी निविदाओं के लिए)।
ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।
उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।
द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 10 (दस) दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें।
मण्डल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर
PR-720/Q/25-26

रोहित-कोहली को नहीं रोक पाया ऑस्ट्रेलिया

भारत ने तीसरा वनडे 9 विकेट से जीता, रोहित ने 121 और विराट ने 74 रन बनाए

सिडनी, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर वनडे सीरीज का अंत एक शानदार और दमदार जीत के साथ किया और इस जीत को ज्यादा खास बनाया टीम के दो सबसे बड़े सितारों ने. सिडनी में खेले गए वनडे सीरीज के आखिरी मैच में टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया को एकतरफा अंदाज में 9 विकेट से हराया, जिसमें रोहित शर्मा के शानदार और विराट कोहली के दमदार अर्धशतक ने सबसे बड़ी भूमिका निभाई. दोनों ने मिलकर 168 रन की साझेदारी करते हुए टीम को आसानी से 237 रन के लक्ष्य तक पहुंचाया. वहीं युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट झटके और टीम की जीत की बुनियाद तैयार की.

इस सीरीज की शुरुआत से ही सबसे ज्यादा नजरें विराट कोहली और रोहित शर्मा की वापसी पर टिकी थीं. दोनों का हर मैच में प्रदर्शन सबसे ज्यादा चर्चा का विषय था. ऐसे में इस सीरीज के नतीजे से ज्यादा दोनों के बल्ले के चलने या न चलने पर ही सबसे ज्यादा बातें हो रही थीं. यही कारण है कि सीरीज का नतीजा शुरुआती 2 मैच में ही तय होने के बावजूद आखिरी मुकाबले ने फैंस का सबसे ज्यादा एंटरटेनमेंट किया क्योंकि इसमें विराट और रोहित के बल्ले से जमकर रन निकले और हर फैन की ख्वाहिश पूरी हुई. ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज 2-1 से अपने नाम की लेकिन फैंस के लिए आखिरी वनडे पैसा वसूल साबित हुआ.

टीम इंडिया की थी और इस बार कप्तान शुभमन गिल ने रोहित के साथ मिलकर अच्छी शुरुआत दिलाई. दोनों ने 62 गेंदों में 69 रन की तेज साझेदारी कर टीम को दमदार स्थिति में पहुंचाया. गिल (24) के आउट होते ही विराट कोहली क्रीज पर उतरे, जो पिछले दोनों मैच में खाता खोलने में नाकाम रहे थे. मगर इस बार कोहली ने ऐसा नहीं होने दिया और पहली गेंद पर ही एक रन लेकर इसका जश्न मनाया. यहां से तो इन दोनों दिग्गजों ने पुराने दिनों की याद दिलाते हुए एक बेहतरीन शतकीय साझेदारी कर डाली. जीत के करीब पहुंचकर रोहित ने अपना 33वां और ऑस्ट्रेलिया में छठा वनडे शतक पूरा किया. वहीं कोहली ने 75वां अर्धशतक जमाया. दोनों ने 170 गेंदों में 168 रन की साझेदारी कर सिर्फ 39 ओवर के अंदर टीम को 9 विकेट से जीत दिला दी. रोहित 121 रन (125 गेंद, 13 चौके, 3 छक्के) और कोहली 74 रन (81 गेंद, 7 चौके) बनाकर नाबाद लौटे. दोनों के बीच ये वनडे क्रिकेट में 19वीं शतकीय साझेदारी थी.

विश्व कप में नहीं खेल सकेंगी महिला मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन

नाक की कराएंगी सर्जरी

ग्रेटर नोएडा, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। ग्रेटर नोएडा में अगले माह होने वाले विश्व कप फाइनल्स से पहले भारतीय मुक्केबाजी टीम को बड़ा झटका लगा है। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में टोक्यो ओलंपिक की पदक विजेता मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन नहीं खेलेंगी। विश्व कप फाइनल्स में प्रत्येक भार वर्ग में दुनिया के शीर्ष आठ मुक्केबाज ही खेलने उतरेंगे।

लवलीना ने विश्व कप फाइनल्स के लिए क्वालिफाई किया था और वह यहां पदक की भी दावेदार थीं, लेकिन नाक की बढ़ी हुई हड्डी के कारण उन्होंने इस टूर्नामेंट से हटने का फैसला लिया है। वह अपनी नाक की सर्जरी कराने जा रही हैं। लवलीना विश्व कप फाइनल्स की तैयारियों के लिए एनआईएस पटियाला में चल रहे तैयारी शिविर में भी शामिल नहीं हुईं। 2023 की विश्व चैंपियनशिप की स्वर्ण पदक विजेता लवलीना ने भारतीय मुक्केबाजी महासंघ को इस टूर्नामेंट में नहीं खेलने के बारे में सूचित कर दिया है। उनके भार वर्ग 75 किलो में अब पूर्व विश्व चैंपियन स्वीटी इस टूर्नामेंट में खेलने उतरेंगी।

निकहत, जैस्मिन, मीनाक्षी खेलेंगी

चैंपियनशिप में दो बार की विश्व चैंपियन निकहत जरीन (51), लिवरपूल में विश्व चैंपियन बनने वाली जैस्मिन (57), इसी चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतने वाली मीनाक्षी हुड्डा (48), रजत जीतने वाली नुपुर श्योराण (+80) और कांस्य जीतने वाली पूजा रानी (80) शीर्ष 8 में रहते हुए विश्व कप फाइनल्स में खेलेंगी।

सभी भार वर्गों में खेलेंगे भारतीय मुक्केबाज

पुरुष वर्ग में जदुमणि सिंह और अभिनाष जामवाल ने ही क्वालिफाई किया है, लेकिन मेजबान देश होने के नाते भारत को पुरुष-महिला वर्ग के सभी 10-10 भार वर्गों में वर्ल्ड बॉक्सिंग ने अनुमति दी है। भारत इकलौता देश होगा जो सभी भार वर्गों में मुक्केबाज उतारेगा।

सिएटल स्टॉर्म ने सोनिया रमन को बनाया मुख्य कोच

डब्ल्यूएनबीए में जिम्मेदारी संभालने वाली पहली भारतीय

न्यूयॉर्क, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय मूल की सोनिया रमन ने इतिहास रच दिया। सोनिया को महिला नेशनल बास्केटबॉल (डब्ल्यूएनबीए) की टीम सिएटल स्टॉर्म का मुख्य कोच बनाया गया है। वह इस प्रतियोगिता में किसी टीम की मुख्य कोच बनने वाली भारतीय मूल की पहली व्यक्ति हैं। हालांकि, इसकी अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

रमन पिछले सत्र में न्यूयॉर्क लिबर्टी में सहायक कोच बनने से पहले चार साल तक एनबीए के मेम्फिस ग्रिजलीज में सहायक कोच थीं। वह डब्ल्यूएनबीए में मुख्य कोच बनने वाली भारतीय मूल की पहली कोच होंगी। सिएटल ने पिछले महीने कोच नोएल क्विन को बर्खास्त कर दिया था। ईएसपीएन ने सबसे पहले इस नियुक्ति की सूचना दी। इस नियुक्ति के साथ न्यूयॉर्क एकमात्र ऐसी टीम है जिसके पास अभी भी कोई मुख्य कोच नहीं है।

रमन का कोचिंग करियर एमआईटी से शुरू हुआ, जहां वह 2008 से 2020 तक मुख्य कोच रहीं। उन्होंने इस स्कूल को दो बार डिवीज़न तीन एनसीएए टूर्नामेंट में पहुंचाया और प्रतियोगिता के इतिहास में सबसे सफल कोच बनी।

रोहित का 50वां इंटरनेशनल शतक: विराट व्हाइट बॉल क्रिकेट के टॉप स्कोरर बने, वनडे रन चेज में सचिन से आगे निकले

सिडनी, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय टीम के दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा ने अपने वनडे करियर का 33वां शतक ठोका है. सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में खेले गए तीसरे वनडे मुकाबले में उन्होंने 105 गेंदों में 11 चौकों और 2 छक्कों की मदद से शानदार शतक ठोका. एडिलेड में शानदार 73 रनों की पारी खेलने वाले रोहित ने सिडनी में कमाल की बल्लेबाजी की और 125 गेंदों में 13 चौके और 3 छक्कों की मदद से नाबाद 121 रनों की पारी खेलकर टीम को 9 विकेट से बड़ी जीत दिला दी. इस साल रोहित शर्मा का ये दूसरा शतक है. इससे पहले उन्होंने फरवरी में इंग्लैंड के खिलाफ शानदार शतक ठोका था. सिडनी में शतक लगाने के साथ उन्होंने ऑस्ट्रेलिया से विदाई ली. इस दौरान उन्होंने सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया.

रोहित ने ऑस्ट्रेलिया में किया ये कमाल

रोहित शर्मा को ऑस्ट्रेलिया की टीम काफी रास आती है. इसलिए तो उन्होंने इस टीम के खिलाफ 9 शतक ठोक चुके हैं. इस मामले उन्होंने महान बल्लेबाज सचिन तेंदलुकर की बराबरी कर ली है. रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सबसे ज्यादा शतक ठोकने वाले पहले विदेशी खिलाड़ी बन गए हैं. इस दौरान उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की धरती पर अपना छठा शतक ठोका. इस तरह वो कोहली और संगकारा द्वारा बनाए गए पांच शतकों को पीछे छोड़ दिया. ये सेंचरी रोहित का सभी फॉर्मेट्स में 50वां इंटरनेनल शतक भी था. सिडनी में खेले गए उनकी शानदार पारी के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया.

रोहित ने ठोका वनडे करियर का 33वां शतक

रोहित शर्मा ने करीब 259 दिन के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट में शतक ठोका है. इससे पहले फरवरी 2025 को कटक में इंग्लैंड के खिलाफ शतकीय पारी खेली थी. रोहित अब तक 276 वनडे मैच खेले हैं. इसकी 268 पारियों में 49.21 की औसत से 11368 रन बनाए हैं. इसमें 33 शतक और 59 अर्धशतक शामिल है.

इस दौरान वो वनडे में 350 छक्के लगाने से केवल एक सिक्स पीछे हैं. रोहित अब तक 349 छक्के ठोक चुके हैं. अब रोहित शर्मा अगले महीने साउथ अफ्रीका के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज में खेलते हुए नजर आ सकते हैं.

परिवार की खातिर क्रिकेट से रहा दूर, अब 7 साल बाद ग्रेम क्रेमर टीम में लौटा, इंडिया-ए से खेला था करियर का पहला मैच

हरारे, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। जिम्बाब्वे ने अफगानिस्तान के खिलाफ T20 सीरीज के लिए अपनी टीम का ऐलान कर दिया. जिम्बाब्वे की 15 सदस्यीय टीम में ग्रेम क्रेमर की वापसी ने सभी को चौंकाया है. ग्रीम क्रीमर ने परिवार की खातिर क्रिकेट से दूरी बना ली थी. लेकिन, इस लेग स्पिनर को अब 7 साल बाद एक बार फिर से जिम्बाब्वे के लिए क्रिकेट खेलना मौका मिला है. जिम्बाब्वे और अफगानिस्तान के बीच टी20 सीरीज की शुरुआत 29 अक्टूबर से हो रही है.

इंडिया-ए से खेला था पहला फर्स्ट क्लास मैच

ग्रेम क्रेमर की क्रिकेट स्टोरी वैसे शुरू से ही दिलचस्प रही है. उनके क्रिकेट करियर की शुरुआत फर्स्ट क्लास मैच से हुई थी. पहला फर्स्ट क्लास मैच उन्होंने जिम्बाब्वे सलेक्ट के लिए 18 साल की उम्र में इंडिया ए से हरारे में खेला था. उसके बाद 5 फर्स्ट क्लास मैच और खेलते ही, क्रेमर को जिम्बाब्वे की टेस्ट टीम में जगह मिल गई. साल 2005 में 19 साल की उम्र में उन्होंने टेस्ट मैच के जरिए इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू किया.

परिवार की खातिर छोड़ी क्रिकेट

ग्रेम क्रेमर ने अपना आखिरी इंटरनेशनल मैच साल 2018 में यूएई के खिलाफ वनडे के तौर पर खेला था. लेकिन, 2019 में जिम्बाब्वे के वनडे वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई करने में नाकाम रहने के बाद ग्रेम क्रेमर ने क्रिकेट से अपनी दूरी बना ली. ग्रेम क्रेमर को फैमिली कमिटमेंट को लेकर दुबई शिफ्ट होना पड़ा और उन्होंने क्रिकेट छोड़ दिया.

7 साल बाद टीम में लौटे क्रेमर

बहरहाल, अब 7 साल बाद इंटरनेशनल क्रिकेट में उनकी वापसी से जिम्बाब्वे की टीम को ना सिर्फ मजबूती मिली है. बल्कि उसे एक अनुभवी खिलाड़ी भी मिला है. ग्रेम क्रेमर के इंटरनेशनल करियर की बात करें तो उन्होंने 19 टेस्ट में 57 विकेट झटके हैं. वहीं जिम्बाब्वे के लिए खेले 96 वनडे में 119 विकेट चटकाए हैं.

अफगानिस्तान के खिलाफ उनका चयन T20 सीरीज के लिए हुआ है. क्रिकेट के इस सबसे छोटे फॉर्मेट में उन्होंने जिम्बाब्वे के लिए अब तक उन्होंने 29 मैच खेले हैं, जिसमें 35 विकेट अपने नाम किए हैं. यानी कुल मिलाकर ग्रेम क्रेमर के पास 144 इंटरनेशनल मैचों में 212 विकेट झटकने का अनुभव है.

सीरीज का शेड्यूल

जिम्बाब्वे और अफगानिस्तान के बीच टी20 सीरीज का पहला मैच 29 अक्टूबर को खेला जाएगा. दूसरा मुकाबला 31 अक्टूबर को होगा जबकि तीसरा और आखिरी मैच 2 नवंबर को होगा. ये तीनों मुकाबले हरारे में खेले जाएंगे.

यू-23 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप: हंसिका लांबा

सेमीफाइनल में पहुंचीं, नेहा शर्मा पदक की दौड़ में बरकरार

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। हंसिका लांबा अंडर-23 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में भारतीय महिलाओं के शानदार प्रदर्शन को जारी रखते हुए 53 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में पहुंच गईं, जबकि नेहा शर्मा रेपचेज में अपने मौके का फायदा उठाकर 57 किग्रा भार वर्ग में कांस्य पदक की दौड़ में बनी हुई है। प्रिया मलिक ने गुरुवार रात मैक्सिको की पहलवान एडना जिमेनेज विलाल्बा को 8-1 से हराकर कांस्य पदक जीतकर भारत को इस टूर्नामेंट का दूसरा पदक दिलाया था। निशु (55 किग्रा), पुलकित (65 किग्रा) और सृष्टि (68 किग्रा) भी कांस्य पदक के लिए चुनौती पेश करेंगी।

हंसिका ने अपने तीन मुकाबलों में केवल दो अंक गंवाए। उन्होंने विक्टोरिया वोल्क पर 11-0 से जीत के साथ शुरुआत की और उसके बाद कजाकिस्तान की जिनेप बयानोवा को 8-2 से हराया। क्वार्टर फाइनल में उन्होंने उज्बेकिस्तान की दिलशोदा मतनाजारोवा पर तकनीकी श्रेष्ठता (10-0) से जीत हासिल की। सविता को क्वार्टर फाइनल में यूक्रेन की इरिना बोंडार से 3-4 से हार गईं। हन्नी कुमारी (50 किग्रा), दीक्षा मलिक (72 किग्रा) पहले ही टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी हैं।

पुरुषों ने गंवाए मौके

पुरुषों की फ्रीस्टाइल स्पर्धा में भी प्रतियोगिता शुरू हुई। प्रविंदर (74 किग्रा) अपने पहले दौर में अमेरिका के मिचेल ओवेन मेसेनब्रिंक से तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हार गए। सचिन (92 किग्रा) को क्वार्टर फाइनल में शिकस्त का सामना करना पड़ा।

ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट खिलाड़ियों के साथ इंदौर में हुई छेड़छाड़

सुरक्षा में भारी चूक, पुलिस ने आरोपी को पकड़ा

इंदौर, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत में इन दिनों महिला वनडे क्रिकेट विश्व कप खेला जा रहा है. बीच विश्व कप इंदौर से एक हैरान कर देने वाली खबर सामने आ रही है. ऑस्ट्रेलियाई टीम की 2 महिला खिलाड़ियों के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है. खबर के मुताबिक दोनों खिलाड़ी होटल रेडिसन ब्लू से निकलकर एक कैफे की तरफ जा रही थी. इसी बीच बाइक सवार मनचलों ने उनके साथ शर्मनाक हरकत की.

पुलिस को दी गई मामले की जानकारी

होटल रेडिसन ब्लू के पास हुए इस मामले की जानकारी पुलिस को दे दी गई है. ये घटना खजराना रोड पर सुबह करीब 11 बजे के आस पास की है. बाइक सवार अचानक से महिला क्रिकेटरों की तरफ बढ़े और उन्हें गलत तरीके से छुआ. घटना के तुरंत बाद दोनों खिलाड़ियों ने इस बात की जानकारी ऑस्ट्रेलियाई टीम के सुरक्षा अधिकारी डैनी सिमंस को दी.

इसके बाद डेनी सिमंस की शिकायत पर एफआईआर दर्ज हुई और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है. सामने आई जानकारी के अनुसार आरोपी का नाम अकील बताया जा रहा है. इस घटना से सामने आने के बाद पूरा पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है.

शान मसूद पीसीबी के नए कंसल्टेंट बने

कप्तान रहते संभालेंगे प्रशासनिक जिम्मेदारी; बोर्ड ने नहीं बताया, कप्तानी छोड़ेंगे या नहीं

इस्लामाबाद, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। नया दिन और नया ड्रामा. पाकिस्तान क्रिकेट की कहानी बदलने को तैयार नहीं है. मोहम्मद रिजवान को अचानक वनडे टीम की कप्तानी से हटाने का विवाद अभी थमा भी नहीं था कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने एक सनसनीखेज फैसला लेकर सबको चौंका दिया है. बोर्ड के प्रमुख मोहसिन नकवी ने पाकिस्तान के टेस्ट कप्तान शान मसूद को ही अब पीसीबी में इंटरनेशनल क्रिकेट कंसल्टेंट के पद पर पर नियुक्त कर दिया है. यानि शान मसूद अब टेस्ट क्रिकेट में पाकिस्तानी टीम की कप्तानी के साथ ही इंटरनेशनल क्रिकेट से जुड़े मामलों में पीसीबी के लिए सलाहकार का काम भी करेंगे और बड़े फैसले लेंगे.

टीम के हारते ही पीसीबी ने दिया इनाम

पाकिस्तानी मीडिया से आई रिपोर्ट के मुताबिक, पीसीबी के विवादित मुखिया मोहसिन नकवी ने पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के घर पर एक डिनर इवेंट के दौरान शान मसूद को कंसल्टेंट (इंटरनेशनल क्रिकेट) बनाने का ऐलान किया. इस डिनर इवेंट में नकवी के अलावा शान मसूद समेत पूरी पाकिस्तानी टीम और साउथ अफ्रीकी क्रिकेट टीम भी मौजूद थी. ये डिनर और मसूद को सलाहकार बनाने का ऐलान पाकिस्तानी टीम की करारी हार के एक दिन बाद आया है. दूसरे टेस्ट में साउथ अफ्रीका ने पाकिस्तान को 8 विकेट से रौंदा था.

अब अपने घर में ऐसी हार के बाद तो कप्तान पर कार्रवाई या फिर पर कतरने जैसी कार्रवाई होते हैं लेकिन पाकिस्तानी क्रिकेट ऐसे ही सबसे अलग नहीं है. पहले ही एशिया कप से लेकर घरेलू क्रिकेट तक अपनी हरकतों और अजीबोगरीब फैसलों के कारण बदनाम हो चुके मोहसिन नकवी ने एक और विवादित फैसला लेकर हैरान कर दिया. आम तौर पर ऐसी जिम्मेदारियां किसी प्रोफेशनल को या फिर किसी रिटायर्ड खिलाड़ी को मिलती हैं लेकिन शुक्रवार ने तो अपने कप्तान को ही नियुक्त कर सबको हैरान कर दिया.

पाकिस्तान क्रिकेट के बड़े मामलों पर देंगे सलाह

शान मसूद को ये जिम्मेदारी ऐसे वक्त में मिली है, जब पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड में डाइरेक्टर का पद खाली है और हाल ही में शुक्रवार ने इस रोल के लिए विज्ञापन जारी किया था. शान मसूद की नियुक्ति इसके तहत ही मानी जा रही है, जहां वो सीधे इंटरनेशनल क्रिकेट से जुड़े मामलों में अपने दम पर फैसले तो नहीं लेंगे लेकिन सारे बड़े मामलों में बोर्ड के नंबर-1 सलाहकार होंगे.

पाकिस्तान के लिए 44 टेस्ट मैच खेल चुके शान मसूद की जिम्मेदारियां क्या होंगी, इसका खुलासा फिलहाल शुक्रवार ने नहीं किया है लेकिन वो उन्हीं मामलों में सलाह देते हुए नजर आ सकते हैं, जो डाइरेक्टर ऑफ क्रिकेट के अंतर्गत आते हैं. इसमें पाकिस्तानी टीम के इंटरनेशनल शेड्यूल की प्लानिंग, टीम के दौरों के लिए लॉजिस्टिक्स, खिलाड़ियों के सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट तय करने जैसे अहम मसलों पर शान मसूद शुक्रवार के सलाहकार साबित हो सकते हैं.

अर्जेंटीना फुटबॉल टीम का कोच्चि में मैच स्थगित

कोच्चि, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। कोच्चि अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनल मेसी को खेलते देखने को उत्सुक भारतीय प्रशंसकों को निराशा मिली है क्योंकि यह खिलाड़ी अगले महीने केरल दौरे पर नहीं आएगा। इस मैच के आयोजन ने शनिवार को इसकी जानकारी दी है। इससे पहले इस प्रस्तावित फुटबॉल मैच के प्रायोजक एंटो ऑगस्टीन ने केरल के खेल विभाग के साथ मिलकर घोषणा की थी कि मेसी के नेतृत्व वाली अर्जेंटीना की टीम 17 नवंबर को कोच्चि में एक मैत्री मैच खेलेगी। ऑगस्टीन ने हालांकि अपने फेसबुक पेज पर पोस्ट कर यह घोषणा की है कि अर्जेंटीना का यह मैत्री मैच अगले महीने नहीं होगा। ऑगस्टीन ने लिखा, 'फीफा की अनुमति मिलने में देरी को देखते हुए अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन (एएफए) के साथ चर्चा के बाद इस मैच को नवंबर की विंडो से स्थगित करने का निर्णय लिया गया है।' उन्होंने कहा कि केरल में यह मैच अगले अंतरराष्ट्रीय सत्र के दौरान आयोजित किया जाएगा और नई तारीख की घोषणा जल्द ही की जाएगी। केरल के खेल मंत्री वी अब्दुरहमान के कार्यालय के अधिकारियों ने कहा कि उन्हें मैच स्थगित किए जाने के बारे में कोई आधिकारिक सूचना नहीं मिली है।

दिनदहाड़े डीसीपी पर हमला करने वाले बदमाश को लगी पुलिस की गोली

मोस्ट वांटेड अपराधी है उमर : वीसी सज्जनार

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। दिनदहाड़े डीसीपी पर चाकू से वार करने का दुस्साहस करने वाल बदमाश उमर पुलिस की गोली का शिकार हो गया। आत्मरक्षा में पुलिस ने गोली चलाई और बदमाश घायल हो गया। उसे उपचार के लिए एक निजी अस्पताल में भरती कराया गया है। यह सनसनीखेज वारदात शनिवार को हैदराबाद में हुई।

शनिवार दोपहर चादरघाट में पुलिस उपायुक्त (दक्षिण पूर्व) एस चैतन्य कुमार पर हमला करने की कोशिश कर रहे एक मोबाइल फोन छीनने वाले पर पुलिस ने गोली चला दी, जिसमें वह घायल हो गया। पुलिस के मुताबकि यह घटना शनिवार दोपहर चादरघाट के विक्ट्री प्लेग्राउंड के पास हुई, जब डीसीपी (दक्षिण पूर्व) एस चैतन्य कुमार बंजारा हिल्स स्थित हैदराबाद पुलिस आयुक्त कार्यालय में एक बैठक में भाग लेने के बाद सैदाबाद स्थित अपने कार्यालय जा रहे थे। रास्ते में, चदरघाट रोड पर, डीसीपी ने देखा कि एक व्यक्ति किसी व्यक्ति से मोबाइल फोन छीनकर भाग रहा है। डीसीपी और उनके निजी सुरक्षा अधिकारी (पीएसओ) गाड़ी से उतरे और संदिग्ध को पकड़ने के लिए उसका पीछा किया। जब डीसीपी के सुरक्षाकर्मी ने लुटेरे को पकड़ लिया, तो उसने चाकू निकालकर डीसीपी और पीएसओ पर हमला करने की कोशिश की। इस झड़प में, बंदूकधारी जमीन पर गिर पड़ा। डीसीपी ने तुरंत हथियार उठाया और तीन राउंड फायरिंग की। एक गोली लुटेरे उमर को लगी। हालांकि उसे एक गोली लगी, लेकिन लुटेरा विक्ट्री प्लेग्राउंड के पीछे पड़ोस के इलाके में भाग गया। वह एक रिहायशी इमारत में घुस गया और बाद में जब स्थानीय लोगों ने उसे देखा तो खेल के मैदान में कूद गया। उसे दो गोलियां लगी थीं। बाद में पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से उसे ढूंढ निकाला और उसे इलाज के लिए नामपल्ली के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। पीएसओ और डीसीपी को तुरंत एक निजी अस्पताल ले जाया गया जहां उनका प्राथमिक उपचार किया गया। सूचना मिलने पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। इलाके की घेराबंदी कर दी गई और जांच शुरू कर दी गई। पुलिस निगरानी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है ताकि पता लगाया जा सके कि कोई लुटेरा घूम तो नहीं रहा था या फिर कोई गिरोह मोबाइल फोन छीनने के लिए भोले-भाले लोगों की तलाश में तो नहीं था। घटनास्थल का निरीक्षण करने पहुंचे हैदराबाद के पुलिस आयुक्त वी. सी. सज्जनार ने मीडियाकर्मियों को बताया कि कालापत्थर इलाके के बदमाश उमर ने एक मोबाइल फोन चुराने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि पकड़े जाने पर उसने पुलिस पर हमला करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि डीसीपी चैतन्य ने स्थिति को नियंत्रण से बाहर होने से रोकने के लिए गोलियां चलाईं। उन्होंने कहा कि इस घटना में एक चोर भाग निकला। उन्होंने कहा कि उमर पकड़ा गया है। उन्होंने कहा कि उमर के खिलाफ पहले भी 25 मामले दर्ज हैं। उन्होंने कहा कि उमर हैदराबाद पुलिस का मोस्ट वांटेड अपराधी है। सीपी सज्जनार ने स्पष्ट किया कि उमर के विरोध करने पर गोलियां चलाई गईं। उन्होंने कहा कि गोलीबारी में उमर तीन जगहों पर घायल हुआ है। उन्होंने कहा कि उमर के हमले में सुरक्षाकर्मी भी घायल हुआ है। उन्होंने कहा कि डीसीपी चैतन्य और अन्य कर्मचारी ठीक हैं। उन्होंने कहा कि आरोपी उमर को एक निजी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है और उसका इलाज चल रहा है। उन्होंने कहा कि एक अन्य फरार अपराधी की तलाश में अभियान शुरू कर दिया गया है।

इंटरमीडिएट बोर्ड ने 2026 की इंटर परीक्षाओं का कार्यक्रम घोषित किया

25 फरवरी से 18 मार्च तक आयोजित होंगी परीक्षा

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना इंटरमीडिएट बोर्ड ने 2026 की इंटर परीक्षाओं का कार्यक्रम घोषित कर दिया है, जो 25 फरवरी से 18 मार्च तक आयोजित होंगी।

पाठ्यक्रम में भी बदलाव किए गए हैं, जिनमें प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए प्रयोगशाला और प्रायोगिक परीक्षाएं शामिल हैं। नामपल्ली इंटर बोर्ड कार्यालय में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए, बोर्ड सचिव कृष्ण आदित्य ने कहा कि 12 वर्षों में पहली बार पाठ्यक्रम में संशोधन किया जा रहा है। अब प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए 30 अंकों की बाह्य प्रयोगशाला परीक्षाएं भी आयोजित की जाएंगी। संशोधन प्रक्रिया में जूनियर कॉलेज और डिग्री कॉलेज के व्याख्याता शामिल हैं और यह एनसीईआरटी के दिशानिर्देशों का पालन करती है। संशोधित पाठ्यक्रम 15 दिसंबर तक तेलुगु अकादमी को प्रस्तुत किए जाने की उम्मीद है, जिसमें नए पाठ्यक्रम और क्यूआर कोड वाली पाठ्यपुस्तकें अगले साल अप्रैल तक उपलब्ध होंगी। इसके अलावा, लेखा समूह के गठन जैसे मुद्दों पर विशेष समितियों का गठन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इन समितियों को सौंपा गया कार्य अगले 45 दिनों में पूरा कर लिया जाएगा। कृष्ण आदित्य ने यह भी बताया कि इंटर के छात्रों के लिए प्रैक्टिकल मुख्य परीक्षाओं से पहले 3 फरवरी से शुरू होंगे। इस वर्ष, प्रयोगशाला प्रैक्टिकल अंग्रेजी के साथ-साथ कई भाषाओं में भी आयोजित किए जाएंगे। 2026 में एक नया 'एसीई ग्रुप' भी शुरू किया जाएगा और परीक्षा शुल्क 1 नवंबर से जमा करना शुरू होगा। विस्तृत परीक्षा समय सारिणी जल्द ही जारी की जाएगी।

नारसिंगी में हिट एंड रन हादसा, बाइक सवार की मौत

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार को नारसिंगी के हैदरशाहकोट में एक हिट एंड रन मामले में बाइक सवार शंकर (39) की मौत हो गई। वह मोटरसाइकिल चला रहे थे कि तभी एक तेज रफ़्तार कार ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर के बाद शंकर सड़क पर गिर पड़े और उनके सिर में गंभीर चोटें आईं, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

नरसिंगी पुलिस ने बताया कि दुर्घटना के तुरंत बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने शिकायत के बाद जांच शुरू कर दी है और वाहन व चालक की पहचान के प्रयास जारी हैं।

सरकार जल्द ही 14 हजार आंगनवाड़ी शिक्षक और सहायिका के पदों को भरेगी : सीतक्का

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। महिला एवं बाल कल्याण मंत्री सीतक्का ने घोषणा की कि राज्य सरकार तेलंगाना में आंगनवाड़ी केंद्रों को बेहतर बनाने के लिए विभिन्न पहलों को लागू कर रही है, जिसमें 14,000 आंगनवाड़ी शिक्षकों और सहायिकाओं की आगामी भर्ती भी शामिल है। शनिवार को हैदराबाद के राजेंद्रनगर स्थित टीजीआईआरडी में एक कार्यक्रम के दौरान, मंत्री ने 181 उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए, जिन्हें महिला एवं बाल कल्याण विभाग में टीजीपीएससी द्वारा ग्रेड वन पर्यवेक्षक के रूप में चुना गया था। सीतक्का ने इस बात पर ज़ोर दिया कि आंगनवाड़ी केंद्र केवल पौष्टिक भोजन प्रदान करने से कहीं अधिक करते हैं, वे बच्चों को प्राथमिक शिक्षा भी प्रदान करते हैं। उन्होंने आगे कहा, आंगनवाड़ी केंद्र मातृ देखभाल के केंद्र बन गए हैं। तेलंगाना एकमात्र ऐसा राज्य है जो आंगनवाड़ी केंद्रों में बच्चों को 57 प्रकार के खिलौने और यूनिफॉर्म उपलब्ध कराता है। उन्होंने प्रत्येक पर्यवेक्षक से अपने पेशेवर आचार-विचार का कड़ाई से पालन करने का आग्रह किया और कहा कि प्रत्येक पर्यवेक्षक 25 आंगनवाड़ी केंद्रों की देखरेख के लिए जिम्मेदार है और उन्हें उनका प्रभावी प्रबंधन सुनिश्चित करना होगा।

पुलिस स्मृति सप्ताह के अंतर्गत निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस स्मृति सप्ताह के उपलक्ष्य में, साइबराबाद पुलिस ने सभी पुलिसकर्मियों के लिए एक निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिससे पुलिस बल में बौद्धिक जुड़ाव और रचनात्मक अभिव्यक्ति को बढ़ावा मिला। यह कार्यक्रम साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय के सीटीसी, सीएआर मुख्यालय में आयोजित किया गया।

इस पहल का उद्देश्य पुलिस अधिकारियों में जागरूकता, आलोचनात्मक सोच और स्पष्ट अभिव्यक्ति को प्रेरित करना था, जिससे उन्हें अंग्रेजी और तेलुगु में अपने विचार लिखने का अवसर मिला।

प्रतियोगिता दो श्रेणियों में आयोजित की गई थी- श्रेणी-1 पीसी/एआरपीसी से एएसआई/एआरएसआई के लिए और जिसका विषय था कार्यस्थल पर लैंगिक भेदभाव, और श्रेणी-2 आरएसआई/एसआई और उससे ऊपर के रैंक के एआर और नागरिक पुलिस अधिकारियों के लिए जिसका विषय था ग्राउंड लेवल पुलिसिंग का सुदृढ़ीकरण। इस कार्यक्रम में जीवंत भागीदारी और विचारोत्तेजक प्रस्तुतियां देखी गईं, जो पेशेवर उत्कृष्टता और प्रगतिशील पुलिसिंग मूल्यों के प्रति साइबराबाद पुलिस कर्मियों के समर्पण को दर्शाती है।

पुलिस ने रीढ़ की हड्डी के स्वास्थ्य पर जागरूकता सत्र आयोजित किया

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस कर्मियों में रीढ़ की हड्डी के स्वास्थ्य और निवारक देखभाल को बढ़ावा देने के लिए आज, 25 अक्टूबर को साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय सभागार में "रीढ़ की हड्डी से जुड़ी सामान्य समस्याएं और उनका प्रबंधन" विषय पर एक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह सत्र साइबराबाद पुलिस और एआईजी हॉस्पिटल्स-इस्टीट्यूट ऑफ ऑर्थोपेडिक्स एंड स्पोर्ट्स मेडिसिन की एक संयुक्त पहल थी।

डॉ. श्रीनिवास थाटी, निदेशक एवं विभागाध्यक्ष, और डॉ. कल्याण कुमार वर्मा, कंसल्टेंट ऑर्थो-स्पाइन सर्जन, एआईजी हॉस्पिटल्स ने उपस्थित लोगों को संबोधित किया और नियमित शारीरिक गतिविधि, सही मुद्रा और दीर्घकालिक आर्थोपेडिक जटिलताओं से बचने के लिए निवारक रणनीतियों के माध्यम से रीढ़ की हड्डी के स्वास्थ्य को बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। कार्यक्रम में लगभग 17.80 पुलिसकर्मियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस पहल के तहत, हड्डियों की मजबूती का आकलन करने और ऑस्टियोपोरोसिस की रोकथाम और कैल्शियम संतुलन के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए ऑन-साइट बोन मिनरल डेंसिटी (बीएमडी) परीक्षण किए गए। पुलिस कल्याण पहल के तहत आयोजित इस कार्यक्रम ने साइबराबाद पुलिस की अपने कर्मियों के स्वास्थ्य, फिटनेस और समग्र कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

आंध्र प्रदेश बस अग्निकांड के पीड़ितों की डीएनए जांच में 48 घंटे लगेंगे

27 अक्टूबर तक पहचान प्रक्रिया पूरी होने की संभावना

कुरनूल, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के कर्नूल जिले में हुई दर्दनाक बस अग्निकांड के पीड़ितों की पहचान के लिए डीएनए प्रोफाइलिंग की प्रक्रिया जारी है, जिसे पूरा होने में करीब 48 घंटे लगेंगे। अधिकारियों ने बताया कि यह प्रक्रिया 27 अक्टूबर तक पूरी हो जाएगी। शुक्रवार तड़के कर्नूल जिले के चिन्नातेकुरु गांव के पास एक निजी बस और मोटरसाइकिल के बीच टक्कर के बाद बस में आग लग गई थी। इस भीषण हादसे में बस में सवार 19 यात्री और मोटरसाइकिल सवार की जलकर मौत हो गई थी। बस में कुल 44 यात्री सवार थे, जिनमें से कई लोग आग से बचकर निकलने में सफल रहे। कर्नूल की जिला कलेक्टर ए. सिरी ने बताया कि 19 शवों के डीएनए नमूने लेकर उन्हें विजयवाड़ा स्थित फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला भेजा गया है। उन्होंने कहा कि परिणाम आने के बाद शवों को उनके परिजनों तक पहुंचाने के लिए एम्बुलेंस और वाहनों की व्यवस्था की जा रही है।

कलेक्टर सिरी ने बताया कि एक शव की पहचान अब तक नहीं हो सकी है, जबकि बाकी शवों की पहचान डीएनए मिलान के बाद तय की जाएगी। उन्होंने कहा कि 16 शवों के परिजनों ने अपने नमूने दे दिए हैं और दो अन्य शवों के नमूने आज विजयवाड़ा भेजे जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि शव बुरी तरह जल चुके हैं, जिसके कारण उनकी पहचान बिना डीएनए जांच के संभव नहीं है। फिलहाल सभी शव कर्नूल सरकारी सामान्य अस्पताल में सुरक्षित रखे गए हैं। कलेक्टर ने यह भी बताया कि बस के लगेज रैक में रखे मोबाइल फोन की खेप ने आग को और तेजी से फैलाया। कर्नूल के पुलिस अधीक्षक विक्रांत पटेल ने बताया कि बस की बैटरियां, ज्वलनशील सामान और मोबाइल फोन आग लगने के मुख्य कारणों में शामिल थे, जिससे यह भीषण हादसा हुआ।

श्री सखी बाबा मठ
स्थान : 19-1-920, पुरानापूल श्मशान वाटिका के सामने, हैदराबाद
कार्तिक मास के पावन अवसर पर
रविवार दि. 26-10-2025
अन्नकूट प्रसाद, आरती सायं 5.00 बजे से

महन्त ठाकूरदासजी महाराज
इस अवसर पर सभी भक्तगण सादर आमंत्रित है।
स्थान : 19-1-920, पुरानापूल श्मशान वाटिका के सामने, हैदराबाद
संपर्क सूत्र :7207252733
सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
बिगेट रोड नं 7, बंजारा हिल्स, हैदराबाद, मोबाईल 9000366660
GB GOPAL BALDAWA GROUP

राजस्थानी प्रगति समाज
4-5-159, सुल्तान बाजार, हैदराबाद फोन : 9246522107, 9492011111
दीपावली सम्मेलन
आज रविवार दि. 26-10-2025 सायं 7-00 बजे से
स्थान : होटल ताजमहल, आबिडस्, हैदराबाद
इस अवसर पर आपकी उपस्थिति सादर प्रार्थनीय है।
कमलनारायण अग्रवाल अध्यक्ष
रमेश कुमार बंग संयोजक
गोविन्द राठी मानद् प्रधान मंत्री
BHAVES

|| श्री गणेशाय नमः || || श्री रामदेवाय नमः || || श्री राणी सती दादी प्रसन्नः ||
श्री रामदेवरा दरबार मंदिर शिवरामपल्ली, हैदराबाद में

श्री अयप्पा स्वामी | श्री श्याम बाबा | दादी राणी सती | श्री रामदेवरा दरबार | श्री साईबाबा | श्री दुर्गा माता | सालासर हनुमानजी
अन्नकूट प्रसाद
रविवार दि.26-10-2025 सायं 6:00 बजे से
भजन संध्या - सायं 7:00 बजे से प्रमुख भजन गायक : निलेश शर्मा
विशेष आकर्षण : पुष्पो, फलों, छप्पन भोग एवं दीपों से सजाया जायेगा
इस पावन अवसर पर आप सभी सपरिवार, इष्ट-मित्रों सहित सादर आमंत्रित है।
श्री रामदेव कीर्तन संगम मंदिर ट्रस्ट
Endowment Department, Govt. of Telangana - A. Rama Devi (Executive Officer)
श्यामसुन्दर गिलडा मंदिर कमेटी चेयरमैन ✆8919967592
धर्मचन्द भंसाली मंदिर कमेटी सदस्य ✆9394517629
कमल जाजू मंदिर कमेटी सदस्य ✆9246521448
बनवारीलाल शर्मा मंदिर पुजारी ✆9032292802
सुरेश शर्मा मंदिर पुजारी ✆9949501673
सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
बिगेट रोड नं 7, बंजारा हिल्स, हैदराबाद, मोबाईल 9000366660
GB GOPAL BALDAWA GROUP

श्री बालाजी डेयरी प्रोडक्टस
महाकाली मंदिर सिकन्द्राबाद के तत्वावधान में
बारहवां अन्नकुट महाप्रसादी
आज दि.26 अक्टुबर 2025, रविवार शाम 5.15 बजे से
: स्थान :
ताड़बन श्री हनुमान मन्दिर, सिखविलेज सिकन्द्राबाद
: निवेदन : आप से व्यक्तिगत मुलाकात नहीं हो सकी इसीलिए सभी राजपुरोहित समाज बंधुओ व भक्तो से नम्र निवेदन है कि पेपर विज्ञापन को निमंत्रण समझकर सपरिवार, इष्टमित्रो सहित पधारे व अन्नकूट प्रसादी का लाभ लेवे।
: शुभकामनाओं सहित : रामसिंह, गजेन्द्रसिंह, भगवानसिंह, हेमेन्द्रसिंह, जयपालसिंह, पीयुषसिंह, धमेन्द्रसिंह बाकलिया परिवार निम्बोल पारससिंह, विरेन्द्रसिंह, नरेन्द्रसिंह, हर्षसिंह, कुंज सेवइ राजपुरोहित परिवार तालकिया एवं आनन्दपुर कालु
: फर्म : श्री बालाजी डेयरी प्रोडक्टस्
महाकाली मन्दिर-सिकन्द्राबाद 9246169002, 9247259489
* कोहिनूर डेयरी प्रोडक्टस् घटकेसर मंडल हैदराबाद
P.Solankey

बिहार एसोशिएशन हैदराबाद (रजि.2483/86)
के तत्वावधान में
छठ पूजा - 2025
प्रथम अर्घ्य : कल सोमवार 27 अक्टुबर 2025 मध्यान् 3 बजे से 11 बजे तक
द्वितीय अर्घ्य : मंगलवार 28 अक्टुबर 2025 प्रात: 4 बजे से 8 बजे तक
: शुभस्थल : बतुकम्मा घाट, मैरियट होटल के सामने, टैंकबंड एवं बेबी पॉन्ड, जलविहार, हैदराबाद
: भोजपुरी छठ पूजा प्रोग्राम : सिंगर मनीष सिंह एवं पुजा गुप्ता (बिहार)
समाज बन्धुओं से निवेदन है समय पर पधार कर कार्यक्रम का लाभ लेवे
: निवेदक : छठ पूजा समिति के सदस्यगण
हरेराम सिंह, भरत सिंह, मानवेन्द्र मिश्रा, अजय ओझा, सतीश झा, एच.नारायण झा, अशोक प्रसाद, उत्तम यादव, भाग्य नारायण दास, श्याम सुन्दर झा, जितेन्द्र सिंह, नवीन अग्रवाल, प्रभास कुमार, जितेन्द्र ओझा, जोगिन्दर ओझा, राम विनोद झा, धर्मेन्द्र यादव, संजय तिवारी, आदित्यनाथ झा, एसबीआई जितेन्द्र सिंह, कन्हैया झा, जगदीश बग, संजीव झा, बसंत मंडल एवं समस्त सदस्यगण
: सम्पर्क : हरेराम सिंह: 9849720822
अजय ओझा: 8639586990, नारायण झा: 9247113345
P.Solankey

पी.एम.श्री, केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 2 नौसेनाबाग विशाखापत्तनम
PMSHRI KENDRIYA VIDYALAYA No. 2 Nausenabaugh Visakhapatnam
प्रत्यक्ष साक्षात्कार (2025-26)
WALK-IN-INTERVIEW (2025-26)

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 1 व क्रमांक 2 नौसेनाबाग, विशाखापट्टनम में रिक्त पदों/निकट भविष्य में होने वाले रिक्त पदों के समक्ष पैनल तैयार करने हेतु दैनिक आधार पर अंशकालिक /संविदा शिक्षकों की आवश्यकता है/ **Wanted teachers in PMSHRI Kendriya Vidyalaya No 1 & No 2 Nausenabaugh Visakhapatnam for preparation of panel on purely Part-time /contractual on day to day basis against vacancies & likely to get vacancies:**

दिनांक व समय /Date & Time	पद एवं अनिवार्य शैक्षणिक योग्यता/Designation & Essential Qualification
30-10-2025 08:30 am to 02:00 pm	1.Vocational Instructor - B.E/B.Tech (ECE) + minimum 1 year exp. in relevant field 2.TGT (English) – Qualifications as per KVS Norms 3.TGT(Maths)- Qualifications as per KVS Norms 4.SPORTS COACH- Qualifications as per KVS Norms 5.Primary Teacher- Qualifications as per KVS Norms

अधिक जानकारी के लिए https://drive.google.com/drive/folders/1CjQFxj97cN0kTW2UvqTAevNhZjACapmN पर क्लिक करें एवं विद्यालय की वेबसाइट https://no2nausenabagh.kvs.ac.in/ या सूचना पट्ट देखें। इच्छुक अभ्यर्थी आवश्यक रूप में पंजीकरण फॉर्म भरकर एवं समस्त आवश्यक दस्तावेज की मूल एवं छायाप्रति साथ लेकर आएं।
स्थान: पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 2 नौसेनाबाग, विशाखापट्टनम।
For more information about qualification click on https://drive.google.com/drive/folders/1CjQFxj97cN0kTW2UvqTAevNhZjACapmN and visit the school website https://no2nausenabagh.kvs.ac.in/ or Notice Board. Interested candidates must bring filled registration form with one Passport size photo & Photocopies of all required documents along with original.
Venue: PM SHRI Kendriya Vidyalaya No.2 Nausenabaugh, Visakhapatnam.

Sd/-
PRINCIPAL

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.